

## الفهرس الهجائى لشواهد آيات القرآن الكرىم



| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ٣٢    | القصص    | ٢٨     | اسئلك يذك                  | ٣١    |
| ٩     | التوبة   | ٩      | اشترؤا بآيات الله          | ٣٢    |
| ٣١    | طه       | ٢٠     | اشدد به أزي                | ٣٣    |
| ١٧    | ص        | ٣٨     | اصبر على ما يقولون         | ٣٤    |
| ٦٤    | يس       | ٣٦     | اصلوها اليوم               | ٣٥    |
| ١٦    | الطور    | ٥٢     | اصلوها فاصبروا             | ٣٦    |
| ٩٨    | المائدة  | ٥      | اعلموا أن الله شديد العقاب | ٣٧    |
| ١٧    | الحديد   | ٥٧     | اعلموا أن الله يخبي الأرض  | ٣٨    |
| ٢٠    | الحديد   | ٥٧     | اعلموا أنما الحياة الدنيا  | ٣٩    |
| ١     | الأنبياء | ٢١     | اقترب للناس حسابهم         | ٤٠    |
| ١     | القمر    | ٥٤     | اقتربت الساعة              | ٤١    |
| ٩     | يوسف     | ١٢     | اقتلوا يوسف                | ٤٢    |
| ١     | العلق    | ٩٦     | اقرأ باسم ربك              | ٤٣    |
| ١٤    | الإسراء  | ١٧     | اقرأ كتابك                 | ٤٤    |
| ٣     | العلق    | ٩٦     | اقرأ وربك الأكرم           | ٤٥    |
| ٦٦    | الأنفال  | ٨      | الآن حقق الله عنكم         | ٤٦    |
| ٦٧    | الزخرف   | ٤٣     | الأخلاء يومئذ              | ٤٧    |
| ٩٧    | التوبة   | ٩      | الأعراب أشد كفرا           | ٤٨    |
| ١١٢   | التوبة   | ٩      | الثائبون العابدون          | ٤٩    |
| ٧     | الهمزة   | ١٠٤    | التي تطلع على الأفق        | ٥٠    |
| ٨     | الفجر    | ٨٩     | التي لم يخلق مثلها         | ٥١    |
| ١٦    | التكوير  | ٨١     | الجوار الكس                | ٥٢    |
| ١     | الحاقة   | ٦٩     | الحاقة                     | ٥٣    |
| ١٩٧   | البقرة   | ٢      | الحج أشهر معلومات          | ٥٤    |
| ٦٠    | آل عمران | ٣      | الحق من ربك                | ٥٥    |
| ١٤٧   | البقرة   | ٢      | الحق من ربك                | ٥٦    |
| ١     | الكهف    | ١٨     | الحمد لله                  | ٥٧    |
| ١     | الأنعام  | ٦      | الحمد لله                  | ٥٨    |
| ١     | سبا      | ٣٤     | الحمد لله                  | ٥٩    |
| ٣٩    | إبراهيم  | ١٤     | الحمد لله                  | ٦٠    |

| رقم                         | السورة    | رقم    | شاهد                 | مسلسل |
|-----------------------------|-----------|--------|----------------------|-------|
| الآية                       |           | السورة | الآية                | عام   |
| <b>آيات تبدأ بحرف الألف</b> |           |        |                      |       |
| ١٠٦                         | الأنعام   | ٦      | أتبع ما أوحى إليك    | ١     |
| ٣                           | الأعراف   | ٧      | أتبعوا ما أنزل إليكم | ٢     |
| ٢١                          | يس        | ٣٦     | أتبعوا من لا يسئلكم  | ٣     |
| ٣١                          | التوبة    | ٩      | اتخذوا اختبارهم      | ٤     |
| ٢                           | المنافقون | ٦٣     | اتخذوا إيمانهم       | ٥     |
| ١٦                          | المجادلة  | ٥٨     | اتخذوا إيمانهم       | ٦     |
| ٤٥                          | العنكبوت  | ٢٩     | اتل ما أوحى إليك     | ٧     |
| ٢٢                          | الصفات    | ٣٧     | احشروا الذين         | ٨     |
| ٧٠                          | الزخرف    | ٤٣     | ادخلوا الجنة         | ٩     |
| ٧٦                          | غافر      | ٤٠     | ادخلوا أبواب جهنم    | ١٠    |
| ٤٦                          | الحجر     | ١٥     | ادخلوها بسلام آمين   | ١١    |
| ٣٤                          | ق         | ٥٠     | ادخلوها بسلام        | ١٢    |
| ١٢٥                         | النحل     | ١٦     | اذغ إلى سبيل ربك     | ١٣    |
| ٥٥                          | الأعراف   | ٧      | ادعوا ربكم           | ١٤    |
| ٥                           | الأحزاب   | ٣٣     | ادعواهم لأبائهم      | ١٥    |
| ٩٦                          | المؤمنون  | ٢٣     | ادفع بالتي هي أحسن   | ١٦    |
| ٤٢                          | طه        | ٢٠     | ادهب أنت وأخوك       | ١٧    |
| ٢٤                          | طه        | ٢٠     | ادهب إلى فرعون       | ١٨    |
| ١٧                          | النازعات  | ٧٩     | ادهب إلى فرعون       | ١٩    |
| ٢٨                          | النمل     | ٢٧     | ادهب بكتابي          | ٢٠    |
| ٤٣                          | طه        | ٢٠     | ادهبنا إلى فرعون     | ٢١    |
| ٩٣                          | يوسف      | ١٢     | ادهبوا بقميصي        | ٢٢    |
| ٣٧                          | النمل     | ٢٧     | ارجع إليهم           | ٢٣    |
| ٨١                          | يوسف      | ١٢     | ارجعوا إلى أبيكم     | ٢٤    |
| ٢٨                          | الفجر     | ٨٩     | ارجعوا إلى ربك       | ٢٥    |
| ٤٢                          | ص         | ٣٨     | اركض برحلك           | ٢٦    |
| ٤٧                          | الشورى    | ٤٢     | استجيبوا لربكم       | ٢٧    |
| ١٩                          | المجادلة  | ٥٨     | استخوذ عليهم         | ٢٨    |
| ٨٠                          | التوبة    | ٩      | استغفر لهم           | ٢٩    |
| ٤٣                          | فاطر      | ٣٥     | استكبارا في الأرض    | ٣٠    |

الفهرس الهجائي لشواهد آيات القرآن الكر

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                               | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                                | عام   |
| ٥٢    | القصص    | ٢٨    | الَّذِينَ آمَنُوا هُمُ الْكِتَابُ                  | ٩١    |
| ١٢١   | البقرة   | ٢     | الَّذِينَ آمَنُوا هُمُ الْكِتَابُ                  | ٩٢    |
| ٢٠    | الأنعام  | ٦     | الَّذِينَ آمَنُوا هُمُ الْكِتَابُ                  | ٩٣    |
| ١٤٦   | البقرة   | ٢     | الَّذِينَ آمَنُوا هُمُ الْكِتَابُ                  | ٩٤    |
| ٦٩    | الزخرف   | ٤٣    | الَّذِينَ آمَنُوا بِآيَاتِنَا                      | ٩٥    |
| ٢٨    | الرعد    | ١٣    | الَّذِينَ آمَنُوا وَتَطْمَئِنُّ                    | ٩٦    |
| ٢٩    | الرعد    | ١٣    | الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ         | ٩٧    |
| ٦٣    | يونس     | ١٠    | الَّذِينَ آمَنُوا وَكَاتُوا يَتَّقُونَ             | ٩٨    |
| ٨٢    | الأنعام  | ٦     | الَّذِينَ آمَنُوا وَلَمْ يَلْبِسُوا                | ٩٩    |
| ٢٠    | التوبة   | ٩     | الَّذِينَ آمَنُوا وَهَاجَرُوا                      | ١٠٠   |
| ٧٦    | النساء   | ٤     | الَّذِينَ آمَنُوا يُقَاتِلُونَ                     | ١٠١   |
| ٤٠    | الحج     | ٢٢    | الَّذِينَ أَخْرَجُوا مِنْ دِيَارِهِمْ              | ١٠٢   |
| ٢     | المطففين | ٨٣    | الَّذِينَ إِذَا أَكْتَالُوا                        | ١٠٣   |
| ١٥٦   | البقرة   | ٢     | الَّذِينَ إِذَا أَصَابَتْهُمُ مُصِيبَةٌ            | ١٠٤   |
| ٣٥    | الحج     | ٢٢    | الَّذِينَ إِذَا ذُكِرَ اللَّهُ                     | ١٠٥   |
| ٤١    | الحج     | ٢٢    | الَّذِينَ إِنْ مَكَتَاهُمْ                         | ١٠٦   |
| ٣٢    | النحل    | ١٦    | الَّذِينَ تَتَوَقَّاهُمُ الْمَلَائِكَةُ طَيِّبِينَ | ١٠٧   |
| ٢٨    | النحل    | ١٦    | الَّذِينَ تَتَوَقَّاهُمُ الْمَلَائِكَةُ ظَالِمِي   | ١٠٨   |
| ٩١    | الحجر    | ١٥    | الَّذِينَ جَعَلُوا الْقُرْآنَ عِضِينَ              | ١٠٩   |
| ٤٢    | النحل    | ١٦    | الَّذِينَ صَبَرُوا                                 | ١١٠   |
| ٥٩    | العنكبوت | ٢٩    | الَّذِينَ صَبَرُوا                                 | ١١١   |
| ١٠٤   | الكهف    | ١٨    | الَّذِينَ ضَلَّ سَبِيلُهُمْ                        | ١١٢   |
| ١١    | الفجر    | ٨٩    | الَّذِينَ طَغَوْا فِي الْبِلَادِ                   | ١١٣   |
| ٥٦    | الأنفال  | ٨     | الَّذِينَ عَاهَدْتَ مِنْهُمْ                       | ١١٤   |
| ١٧٣   | آل عمران | ٣     | الَّذِينَ قَالَ لَهُمُ النَّاسُ                    | ١١٥   |
| ١٨٣   | آل عمران | ٣     | الَّذِينَ قَالُوا إِنَّ اللَّهَ                    | ١١٦   |
| ١٦٨   | آل عمران | ٣     | الَّذِينَ قَالُوا لِإِخْوَانِهِمْ                  | ١١٧   |
| ١٠١   | الكهف    | ١٨    | الَّذِينَ كَانَتْ أَعْيُنُهُمْ                     | ١١٨   |
| ٧٠    | غافر     | ٤٠    | الَّذِينَ كَذَّبُوا بِالْكِتَابِ                   | ١١٩   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                    | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                     | عام   |
| ٢     | الفاتحة  | ١     | الْحَمْدُ لِلَّهِ                       | ٦١    |
| ١     | فاطر     | ٣٥    | الْحَمْدُ لِلَّهِ                       | ٦٢    |
| ٢٦    | النور    | ٢٤    | الْخَبِيثَاتُ لِلْخَبِيثِينَ            | ٦٣    |
| ٧     | السجدة   | ٣٢    | الَّذِي أَحْسَنَ                        | ٦٤    |
| ٣٥    | فاطر     | ٣٥    | الَّذِي أَحَلَّنَا                      | ٦٥    |
| ٤     | قريش     | ١٠٦   | الَّذِي أَطْعَمَهُمْ                    | ٦٦    |
| ٣     | الشرح    | ٩٤    | الَّذِي أَنْقَضَ ظَهْرَكَ               | ٦٧    |
| ٢٢    | البقرة   | ٢     | الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ                   | ٦٨    |
| ١٠    | الزخرف   | ٤٣    | الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ                   | ٦٩    |
| ٥٣    | طه       | ٢٠    | الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ                   | ٧٠    |
| ٨٠    | يس       | ٣٦    | الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ                   | ٧١    |
| ٢٦    | ق        | ٥٠    | الَّذِي جَعَلَ مَعَ اللَّهِ             | ٧٢    |
| ٢     | الهمزة   | ١٠٤   | الَّذِي جَمَعَ مَالًا                   | ٧٣    |
| ٥٩    | الفرقان  | ٢٥    | الَّذِي خَلَقَ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ | ٧٤    |
| ٢     | الملك    | ٦٧    | الَّذِي خَلَقَ الْمَوْتَ وَالْحَيَاةَ   | ٧٥    |
| ٣     | الملك    | ٦٧    | الَّذِي خَلَقَ سِنْعَ سَمَوَاتِ         | ٧٦    |
| ٢     | الأعلى   | ٨٧    | الَّذِي خَلَقَ قَسْوَى                  | ٧٧    |
| ٧     | الإفطار  | ٨٢    | الَّذِي خَلَقَكَ فَسَوَّاكَ             | ٧٨    |
| ٧٨    | الشعراء  | ٢٦    | الَّذِي خَلَقَنِي                       | ٧٩    |
| ٤     | العلق    | ٩٦    | الَّذِي عَلَّمَ بِالْقَلَمِ             | ٨٠    |
| ١٦    | الليل    | ٩٢    | الَّذِي كَذَّبَ وَتَوَلَّى              | ٨١    |
| ٩     | البروج   | ٨٥    | الَّذِي لَهُ مُلْكُ                     | ٨٢    |
| ٢     | الفرقان  | ٢٥    | الَّذِي لَهُ مُلْكُ                     | ٨٣    |
| ٣     | النبا    | ٧٨    | الَّذِي هُمْ فِيهِ مُخْتَلِفُونَ        | ٨٤    |
| ١٨    | الليل    | ٩٢    | الَّذِي يُؤْتِي مَالَهُ يَتَزَكَّى      | ٨٥    |
| ٢١٨   | الشعراء  | ٢٦    | الَّذِي يَرَاكَ                         | ٨٦    |
| ١٢    | الأعلى   | ٨٧    | الَّذِي يَصَلِّي                        | ٨٧    |
| ٥     | الناس    | ١١٤   | الَّذِي يُؤَسُّوسُ                      | ٨٨    |
| ٥١    | الأعراف  | ٧     | الَّذِينَ اسْتَجَابُوا لِيُنْتَهَى      | ٨٩    |
| ١٧٢   | آل عمران | ٣     | الَّذِينَ اسْتَجَابُوا لِلَّهِ          | ٩٠    |

| مسلسل | شاهد                                   | رقم    | السورة   | رقم |
|-------|----------------------------------------|--------|----------|-----|
| عام   | الآية                                  | السورة | الآية    | رقم |
| ١٥١   | الَّذِينَ يُظَاهِرُونَ مِنْكُمْ        | ٥٨     | المجادلة | ٢   |
| ١٥٢   | الَّذِينَ يظنون أَنَّهُم               | ٢      | البقرة   | ٤٦  |
| ١٥٣   | الَّذِينَ يُعْسِدُونَ                  | ٢٦     | الشعراء  | ١٥٢ |
| ١٥٤   | الَّذِينَ يَقُولُونَ رَبَّنَا          | ٣      | آل عمران | ١٦  |
| ١٥٥   | الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ        | ٨      | الأطفال  | ٣   |
| ١٥٦   | الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ        | ٢٧     | النمل    | ٣   |
| ١٥٧   | الَّذِينَ يُقِيمُونَ الصَّلَاةَ        | ٣١     | لقمان    | ٤   |
| ١٥٨   | الَّذِينَ يَكْدِبُونَ                  | ٨٣     | المطففين | ١١  |
| ١٥٩   | الَّذِينَ يَلْمِزُونَ الْمُطَّوِّعِينَ | ٩      | التوبة   | ٧٩  |
| ١٦٠   | الَّذِينَ يَنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ    | ٢      | البقرة   | ٢٧٤ |
| ١٦١   | الَّذِينَ يَنْفِقُونَ أَمْوَالَهُمْ    | ٢      | البقرة   | ٢٦٢ |
| ١٦٢   | الَّذِينَ يَنْفِقُونَ فِي السَّرَّاءِ  | ٣      | آل عمران | ١٣٤ |
| ١٦٣   | الَّذِينَ يَنْفِقُونَ عَهْدَ اللَّهِ   | ٢      | البقرة   | ٢٧  |
| ١٦٤   | الَّذِينَ يُوفُونَ وَعْدَ اللَّهِ      | ١٣     | الرعد    | ٢٠  |
| ١٦٥   | الر تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ           | ١٠     | يونس     | ١   |
| ١٦٦   | الر تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ           | ١٢     | يوسف     | ١   |
| ١٦٧   | الر تِلْكَ آيَاتُ الْكِتَابِ           | ١٥     | الحجر    | ١   |
| ١٦٨   | الر كِتَابٌ أُحْكِمَتْ آيَاتُهُ        | ١١     | هود      | ١   |
| ١٦٩   | الر كِتَابٌ أَنْزَلْنَاهُ              | ١٤     | إبراهيم  | ١   |
| ١٧٠   | الرَّجَالُ قَوَّامُونَ                 | ٤      | النساء   | ٣٤  |
| ١٧١   | الرَّحْمَنُ                            | ٥٥     | الرحمن   | ١   |
| ١٧٢   | الرَّحْمَنَ الرَّحِيمَ                 | ١      | الفاتحة  | ٣   |
| ١٧٣   | لرَّحْمَنَ عَلَى الْعَرْشِ اسْتَوَى    | ٢٠     | طه       | ٥   |
| ١٧٤   | الرَّزَايَ لَا يَنْكِحُ                | ٢٤     | النور    | ٣   |
| ١٧٥   | الرَّزَايَةَ وَالرَّزَايَ              | ٢٤     | النور    | ٢   |
| ١٧٦   | الرَّسْمَاءُ مَنْقَطِرٌ بِهِ           | ٧٣     | المزمل   | ١٨  |
| ١٧٧   | الرَّشْمَسُ وَالْقَمَرُ يَحْسَبَانِ    | ٥٥     | الرحمن   | ٥   |
| ١٧٨   | الرَّشْهُرُ الْحَرَامُ                 | ٢      | البقرة   | ١٩٤ |
| ١٧٩   | الرَّشِيْطَانُ يَعِدُكُمُ الْفَقْرَ    | ٢      | البقرة   | ٢٦٨ |
| ١٨٠   | الرَّصَابِرِينَ وَالصَّادِقِينَ        | ٣      | آل عمران | ١٧  |

| مسلسل | شاهد                                 | رقم    | السورة   | رقم |
|-------|--------------------------------------|--------|----------|-----|
| عام   | الآية                                | السورة | الآية    | رقم |
| ١٢٠   | الَّذِينَ كَذَّبُوا شُعْبِيًّا       | ٧      | الأعراف  | ٩٢  |
| ١٢١   | الَّذِينَ كَفَرُوا لَهُمْ عَذَابٌ    | ٣٥     | فاطر     | ٧   |
| ١٢٢   | الَّذِينَ كَفَرُوا وَصَدُّوا         | ٤٧     | محمد     | ١   |
| ١٢٣   | الَّذِينَ كَفَرُوا وَصَدُّوا         | ١٦     | التحل    | ٨٨  |
| ١٢٤   | الَّذِينَ لَا يُؤْتُونَ الزَّكَاةَ   | ٤١     | فصلت     | ٧   |
| ١٢٥   | الَّذِينَ هُمْ عَلَى                 | ٧٠     | المعارج  | ٢٣  |
| ١٢٦   | الَّذِينَ هُمْ عَنْ                  | ١٠٧    | الماعون  | ٥   |
| ١٢٧   | الَّذِينَ هُمْ فِي حَوْضٍ            | ٥٢     | الطور    | ١٢  |
| ١٢٨   | الَّذِينَ هُمْ فِي صَلَاتِهِمْ       | ٢٣     | المؤمنون | ٢   |
| ١٢٩   | الَّذِينَ هُمْ فِي عَمْرَةٍ          | ٥١     | الذاريات | ١١  |
| ١٣٠   | الَّذِينَ هُمْ بِرَاعُونَ            | ١٠٧    | الماعون  | ٦   |
| ١٣١   | الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ                | ٢      | البقرة   | ٣   |
| ١٣٢   | الَّذِينَ يَأْكُلُونَ الرِّبَا       | ٢      | البقرة   | ٢٧٥ |
| ١٣٣   | الَّذِينَ يَبْخُلُونَ                | ٥٧     | الحديد   | ٢٤  |
| ١٣٤   | الَّذِينَ يَبْخُلُونَ                | ٤      | النساء   | ٣٧  |
| ١٣٥   | الَّذِينَ يَلْعَنُونَ                | ٣٣     | الأحزاب  | ٣٩  |
| ١٣٦   | الَّذِينَ يَتَّبِعُونَ الرَّسُولَ    | ٧      | الأعراف  | ١٥٧ |
| ١٣٧   | الَّذِينَ يَتَّخِذُونَ الْكَافِرِينَ | ٤      | النساء   | ١٣٩ |
| ١٣٨   | الَّذِينَ يَتْرَبِّصُونَ بِكُمْ      | ٤      | النساء   | ١٤١ |
| ١٣٩   | الَّذِينَ يُجَادِلُونَ               | ٤٠     | غافر     | ٣٥  |
| ١٤٠   | الَّذِينَ يَجْتَنِبُونَ كَبَائِرَ    | ٥٣     | النجم    | ٣٢  |
| ١٤١   | الَّذِينَ يَجْعَلُونَ مَعَ اللَّهِ   | ١٥     | الحجر    | ٩٦  |
| ١٤٢   | الَّذِينَ يُخْشَرُونَ                | ٢٥     | الفرقان  | ٣٤  |
| ١٤٣   | الَّذِينَ يَحْمِلُونَ الْعَرْشَ      | ٤٠     | غافر     | ٧   |
| ١٤٤   | الَّذِينَ يَخْشَوْنَ رَبَّهُمْ       | ٢١     | الأنبياء | ٤٩  |
| ١٤٥   | الَّذِينَ يَذْكُرُونَ اللَّهَ        | ٣      | آل عمران | ١٩١ |
| ١٤٦   | الَّذِينَ يَرْتُونَ الْفِرْدَوْسَ    | ٢٣     | المؤمنون | ١١  |
| ١٤٧   | الَّذِينَ يَسْتَحْيُونَ الْحَيَاةَ   | ١٤     | إبراهيم  | ٣   |
| ١٤٨   | الَّذِينَ يَسْتَمِعُونَ الْقَوْلَ    | ٣٩     | الزمر    | ١٨  |
| ١٤٩   | الَّذِينَ يَصُدُّونَ                 | ٧      | الأعراف  | ٤٥  |
| ١٥٠   | الَّذِينَ يَصُدُّونَ                 | ١١     | هود      | ١٩  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|-----|-------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | عام | الآية                               | عام   |
| ٤٢    | الزمر    | ٣٩  | اللَّهُ يَتَوَقَّى الْأَنْفُسَ      | ٢١٢   |
| ٦٩    | الحج     | ٢٢  | اللَّهُ يَحْكُمُ بَيْنَكُمْ         | ٢١٣   |
| ١٥    | البقرة   | ٢   | اللَّهُ يَسْتَهْزِئُ بِهِمْ         | ٢١٤   |
| ٧٥    | الحج     | ٢٢  | اللَّهُ يَصْطَفِي                   | ٢١٥   |
| ٨     | الرعد    | ١٣  | اللَّهُ يَعْلَمُ                    | ٢١٦   |
| ١     | البقرة   | ٢   | الم                                 | ٢١٧   |
| ١     | آل عمران | ٣   | الم                                 | ٢١٨   |
| ١     | العنكبوت | ٢٩  | الم                                 | ٢١٩   |
| ١     | الروم    | ٣٠  | الم                                 | ٢٢٠   |
| ١     | لقمان    | ٣١  | الم                                 | ٢٢١   |
| ١     | السجدة   | ٣٢  | الم                                 | ٢٢٢   |
| ٤٦    | الكهف    | ١٨  | المَالِ وَالْبَيْتُونَ              | ٢٢٣   |
| ١     | الرعد    | ١٣  | المر تلك آيات<br>الكتاب             | ٢٢٤   |
| ١     | الأعراف  | ٧   | السمص                               | ٢٢٥   |
| ٢٦    | الفرقان  | ٢٥  | المَلِكُ يَوْمَئِذٍ الْحَقُّ        | ٢٢٦   |
| ٥٦    | الحج     | ٢٢  | المَلِكُ يَوْمَئِذٍ اللَّهُ         | ٢٢٧   |
| ٦٧    | التوبة   | ٩   | الْمُنَافِقُونَ وَالْمُنَافِقَاتُ   | ٢٢٨   |
| ٥     | البروج   | ٨٥  | النَّارِ ذَاتِ الْوَقُودِ           | ٢٢٩   |
| ٤٦    | غافر     | ٤٠  | النَّارِ يُعْرَضُونَ عَلَيْهَا      | ٢٣٠   |
| ٦     | الأحزاب  | ٣٣  | النَّبِيِّ أُولَىٰ بِالْمُؤْمِنِينَ | ٢٣١   |
| ٣     | الطارق   | ٨٦  | النَّجْمِ الثَّاقِبِ                | ٢٣٢   |
| ٥     | المائدة  | ٥   | اليَوْمِ أَحِلَّ لَكُمْ             | ٢٣٣   |
| ١٧    | غافر     | ٤٠  | اليَوْمِ تُجْزَىٰ                   | ٢٣٤   |
| ٦٥    | يس       | ٣٦  | اليَوْمِ نَخْتِمُ                   | ٢٣٥   |
| ٣٠    | المرسلات | ٧٧  | انظروا إلى ظلِّ                     | ٢٣٦   |
| ٢٩    | المرسلات | ٧٧  | انظروا إلى ما                       | ٢٣٧   |
| ٤٨    | الإسراء  | ١٧  | انظروا كيف ضربوا                    | ٢٣٨   |
| ٩     | الفرقان  | ٢٥  | انظروا كيف ضربوا                    | ٢٣٩   |
| ٢١    | الإسراء  | ١٧  | انظروا كيف فضلنا                    | ٢٤٠   |
| ٢٤    | الأنعام  | ٦   | انظروا كيف كذبوا                    | ٢٤١   |
| ٥٠    | النساء   | ٤   | انظروا كيف يقترون                   | ٢٤٢   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                                          | مسلسل |
|-------|----------|-----|-----------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | عام | الآية                                         | عام   |
| ٢٢٩   | البقرة   | ٢   | الطَّلَاقُ مَرَّتَانِ                         | ١٨١   |
| ١     | القارعة  | ١٠١ | القارعة                                       | ١٨٢   |
| ١٧    | الشورى   | ٤٢  | اللَّهُ الَّذِي أَنْزَلَ الْكِتَابَ           | ١٨٣   |
| ٦٤    | غافر     | ٤٠  | اللَّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ<br>الْأَرْضَ    | ١٨٤   |
| ٧٩    | غافر     | ٤٠  | اللَّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ<br>الْأَنْعَامَ | ١٨٥   |
| ٦١    | غافر     | ٤٠  | اللَّهُ الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ<br>اللَّيْلَ    | ١٨٦   |
| ٣٢    | إبراهيم  | ١٤  | اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ                        | ١٨٧   |
| ٤     | السجدة   | ٣٢  | اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ                        | ١٨٨   |
| ١٢    | الطلاق   | ٦٥  | اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ                        | ١٨٩   |
| ٤٠    | الروم    | ٣٠  | اللَّهُ الَّذِي خَلَقَكُمْ                    | ١٩٠   |
| ٥٤    | الروم    | ٣٠  | اللَّهُ الَّذِي خَلَقَكُمْ                    | ١٩١   |
| ٢     | الرعد    | ١٣  | اللَّهُ الَّذِي رَفَعَ                        | ١٩٢   |
| ١٢    | الجناتية | ٤٥  | اللَّهُ الَّذِي سَخَّرَ                       | ١٩٣   |
| ٢     | إبراهيم  | ١٤  | اللَّهُ الَّذِي لَهُ                          | ١٩٤   |
| ٤٨    | الروم    | ٣٠  | اللَّهُ الَّذِي يُرْسِلُ<br>الرِّيَّاحَ       | ١٩٥   |
| ٢     | الإخلاص  | ١١٢ | اللَّهُ الصَّمَدُ                             | ١٩٦   |
| ٦٢    | الزمر    | ٣٩  | اللَّهُ خَالِقُ كُلِّ شَيْءٍ                  | ١٩٧   |
| ١٢٦   | الصفات   | ٣٧  | اللَّهُ رِيكْمٌ                               | ١٩٨   |
| ٢     | آل عمران | ٣   | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ١٩٩   |
| ٢٥٥   | البقرة   | ٢   | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ٢٠٠   |
| ٢٦    | النمل    | ٢٧  | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ٢٠١   |
| ٨     | طه       | ٢٠  | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ٢٠٢   |
| ٨٧    | النساء   | ٤   | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ٢٠٣   |
| ١٣    | التغابن  | ٦٤  | اللَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ                | ٢٠٤   |
| ١٩    | الشورى   | ٤٢  | اللَّهُ طَئِيفٌ                               | ٢٠٥   |
| ٢٣    | الزمر    | ٣٩  | اللَّهُ تَرْتَلِنٌ                            | ٢٠٦   |
| ٣٥    | النور    | ٢٤  | اللَّهُ نُورٌ                                 | ٢٠٧   |
| ٢٥٧   | البقرة   | ٢   | اللَّهُ وَلِيُّ الَّذِينَ آمَنُوا             | ٢٠٨   |
| ١١    | الروم    | ٣٠  | اللَّهُ يَبْدَأُ الْخَلْقَ                    | ٢٠٩   |
| ٦٢    | العنكبوت | ٢٩  | اللَّهُ يَبْسُطُ الرِّزْقَ                    | ٢١٠   |
| ٢٦    | الرعد    | ١٣  | اللَّهُ يَبْسُطُ الرِّزْقَ                    | ٢١١   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                              | عام   |
| ٦٣    | ص        | ٣٨     | اتَّخَذْتَاهُمْ سِخْرِيًّا         | ٢٧٤   |
| ١٢٥   | الصفات   | ٣٧     | اتَّذَعُونَ بَعْلًا                | ٢٧٥   |
| ٥٣    | الذاريات | ٥١     | اتَّوَصَوْا بِهِ                   | ٢٧٦   |
| ١     | النحل    | ١٦     | اتَى أَمْرُ اللَّهِ                | ٢٧٧   |
| ٥١    | يونس     | ١٠     | اتَّم إِذَا مَا                    | ٢٧٨   |
| ٥     | ص        | ٣٨     | اجْعَلِ الْآلِهَةَ إِلَهًا         | ٢٧٩   |
| ١٩    | التوبة   | ٩      | اجْعَلْتُمْ سِقَايَةَ الْحَاجِّ    | ٢٨٠   |
| ٢     | العنكبوت | ٢٩     | أَحْصِبِ النَّاسُ                  | ٢٨١   |
| ٩٦    | المائدة  | ٥      | أَحِلَّ لَكُمْ صَيْدُ الْبَحْرِ    | ٢٨٢   |
| ١٨٧   | البقرة   | ٢      | أَحِلَّ لَكُمْ لَيْلَةَ الصِّيَامِ | ٢٨٣   |
| ٢٦    | المرسلات | ٧٧     | أَخْيَاءَ وَأَمْوَاتًا             | ٢٨٤   |
| ٣١    | النازعات | ٧٩     | أَخْرَجَ مِنْهَا مَاءَهَا          | ٢٨٥   |
| ٦٢    | الصفات   | ٣٧     | أَذَلَّكَ خَيْرٌ لِّزَلَا          | ٢٨٦   |
| ٣٩    | الحج     | ٢٢     | أَذِنَ لِلَّذِينَ يُقَاتِلُونَ     | ٢٨٧   |
| ١     | الماعون  | ١٠٧    | أَرَأَيْتَ الَّذِي يَكْتُمُ        | ٢٨٨   |
| ٩     | العلق    | ٩٦     | أَرَأَيْتَ الَّذِي يَنْهَى         | ٢٨٩   |
| ١١    | العلق    | ٩٦     | أَرَأَيْتَ إِنْ كَانَ              | ٢٩٠   |
| ١٣    | العلق    | ٩٦     | أَرَأَيْتَ إِنْ كَذَّبَ            | ٢٩١   |
| ٤٣    | الفرقان  | ٢٥     | أَرَأَيْتَ مَنْ اتَّخَذَ           | ٢٩٢   |
| ١٢    | يوسف     | ١٢     | أَرْسِلْهُ مَعَنَا غَدًا           | ٢٩٣   |
| ٥٧    | النجم    | ٥٣     | أَرْزَقَ الْآرْقَةَ                | ٢٩٤   |
| ٣٧    | غافر     | ٤٠     | أَسْبَابِ السَّمَوَاتِ             | ٢٩٥   |
| ٦     | الطلاق   | ٦٥     | أَسْكِنُوهُمْ مِنْ حَيْثُ          | ٢٩٦   |
| ٣٨    | مريم     | ١٩     | أَسْمِعْ بِهِمْ وَأَبْصِرْ         | ٢٩٧   |
| ١٩    | الأحزاب  | ٣٣     | أَشِحَّةً عَلَيْكُمْ               | ٢٩٨   |
| ٢٤    | الفرقان  | ٢٥     | أَصْحَابِ الْجَنَّةِ يَوْمَئِذٍ    | ٢٩٩   |
| ١٥٣   | الصفات   | ٣٧     | أَصْطَفَى الْبَنَاتِ               | ٣٠٠   |
| ٧٨    | مريم     | ١٩     | أَطَّلَعَ الْغَيْبِ                | ٣٠١   |
| ٨٩    | التوبة   | ٩      | أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ جَنَّاتٍ    | ٣٠٢   |
| ١٥    | المجادلة | ٥٨     | أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا    | ٣٠٣   |
| ١٠    | الطلاق   | ٦٥     | أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا    | ٣٠٤   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                  | عام   |
| ٤١    | التوبة   | ٩      | اتَّفِرُوا خِيفًا وَتَقَالًا           | ٢٤٣   |
| ٦     | الفاحة   | ١      | أَهْدِنَا الصِّرَاطَ<br>الْمُسْتَقِيمَ | ٢٤٤   |
| ٩٦    | الكهف    | ١٨     | أَتُونِي زُبَرَ الْحَدِيدِ             | ٢٤٥   |
| ١٦    | الذاريات | ٥١     | أَخْذِينَ مَا آتَاهُمْ                 | ٢٤٦   |
| ٩١    | يونس     | ١٠     | آلَانَ وَقَدْ عَصَيْتَ                 | ٢٤٧   |
| ٢٨٥   | البقرة   | ٢      | آمَنَ الرَّسُولُ                       | ٢٤٨   |
| ٧     | الحديد   | ٥٧     | آمِنُوا بِاللَّهِ وَرَسُولِهِ          | ٢٤٩   |
| ٢٥    | القمر    | ٥٤     | أَوْلَقِيَ الذَّكْرُ عَلَيْهِ          | ٢٥٠   |
| ٣     | ق        | ٥٠     | أَيَّدًا مِثْنَا                       | ٢٥١   |
| ١٦    | الصفات   | ٣٧     | أَيَّدًا مِثْنَا                       | ٢٥٢   |
| ٥٣    | الصفات   | ٣٧     | أَيَّدًا مِثْنَا                       | ٢٥٣   |
| ٨٦    | الصفات   | ٣٧     | أَيْفَاكًا إِلَهَةً                    | ٢٥٤   |
| ٥٥    | النمل    | ٢٧     | أَيُّكُمْ لَتَأْتُونَ الرِّجَالَ       | ٢٥٥   |
| ٢٩    | العنكبوت | ٢٩     | أَيُّكُمْ لَتَأْتُونَ الرِّجَالَ       | ٢٥٦   |
| ٢٣    | يس       | ٣٦     | أَتَّخِذْ مِنْ دُونِهِ إِلَهَةً        | ٢٥٧   |
| ١٣    | المجادلة | ٥٨     | أَتَشْفِقْتُمْ أَنْ تُقَدِّمُوا        | ٢٥٨   |
| ١٦    | الملك    | ٦٧     | أَلْمِئْتُمْ مَنْ فِي السَّمَاءِ       | ٢٥٩   |
| ٢٧    | النازعات | ٧٩     | أَلْتُمْ أَنْتُمْ خَلْقًا              | ٢٦٠   |
| ٦٩    | الواقعة  | ٥٦     | أَلْتُمْ أَنْزَلْتُمُوهُ               | ٢٦١   |
| ٧٢    | الواقعة  | ٥٦     | أَلْتُمْ أَنْشَأْتُمْ شَجَرَتَهَا      | ٢٦٢   |
| ٥٩    | الواقعة  | ٥٦     | أَلْتُمْ تَخْلُقُونَهُ                 | ٢٦٣   |
| ٦٤    | الواقعة  | ٥٦     | أَلْتُمْ تَزْرَعُونَهُ                 | ٢٦٤   |
| ٨     | ص        | ٣٨     | أَنْزَلَ عَلَيْهِ الذَّكْرَ            | ٢٦٥   |
| ١١    | النازعات | ٧٩     | إِذَا كُنَّا عِظَامًا تَخْرُةً         | ٢٦٦   |
| ٩     | النازعات | ٧٩     | أَبْصَارَهَا خَاشِعَةً                 | ٢٦٧   |
| ٦٨    | الأعراف  | ٧      | أَبْلَغَكُمْ رِسَالَاتِ رَبِّي         | ٢٦٨   |
| ٦٢    | الأعراف  | ٧      | أَبْلَغَكُمْ رِسَالَاتِ رَبِّي         | ٢٦٩   |
| ١٦٥   | الشعراء  | ٢٦     | أَتَأْتُونَ الذَّكَرَانَ               | ٢٧٠   |
| ٤٤    | البقرة   | ٢      | أَتَأْمُرُونَ النَّاسَ بِالْبِرِّ      | ٢٧١   |
| ١٢٨   | الشعراء  | ٢٦     | أَتَيْبُونَ بِكُلِّ رِيحٍ              | ٢٧٢   |
| ١٤٦   | الشعراء  | ٢٦     | أَتُتْرَكُونَ فِي مَا                  | ٢٧٣   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                       | عام   |
| ١٥٥   | الصافات  | ٣٧     | أَقْلًا تَذَكَّرُونَ                        | ٣٣٦   |
| ٢٤    | محمد     | ٤٧     | أَقْلًا يَتَذَكَّرُونَ الْقُرْآنَ<br>أَمْ   | ٣٣٧   |
| ٨٢    | النساء   | ٤      | أَقْلًا يَتَذَكَّرُونَ الْقُرْآنَ<br>وَلَوْ | ٣٣٨   |
| ٧٤    | المائدة  | ٥      | أَقْلًا يَتُوبُونَ إِلَى اللَّهِ            | ٣٣٩   |
| ٨٩    | طه       | ٢٠     | أَقْلًا يَرَوْنَ الْآ                       | ٣٤٠   |
| ٩     | العاديات | ١٠٠    | أَقْلًا يَعْلَمُ إِذَا بُعْثِرَ             | ٣٤١   |
| ١٧    | الغاشية  | ٨٨     | أَقْلًا يَنْظُرُونَ إِلَى الْإِبِلِ         | ٣٤٢   |
| ٦٨    | المؤمنون | ٢٣     | أَقْلَمَ يَذَّبِرُوا الْقَوْلَ              | ٣٤٣   |
| ٩     | سبا      | ٣٤     | أَقْلَمَ يَرَوُا                            | ٣٤٤   |
| ٤٦    | الحج     | ٢٢     | أَقْلَمَ يَسِيرُوا                          | ٣٤٥   |
| ١٠    | محمد     | ٤٧     | أَقْلَمَ يَسِيرُوا                          | ٣٤٦   |
| ٨٢    | غافر     | ٤٠     | أَقْلَمَ يَسِيرُوا                          | ٣٤٧   |
| ٦     | ق        | ٥٠     | أَقْلَمَ يَنْظُرُوا                         | ٣٤٨   |
| ١٢٨   | طه       | ٢٠     | أَقْلَمَ يَهْدُو لَهُمْ                     | ٣٤٩   |
| ٥٨    | الصافات  | ٣٧     | أَقْمًا نَحْنُ بِمَيِّتِينَ                 | ٣٥٠   |
| ١٦٢   | آل عمران | ٣      | أَقْمَنَ اتَّبَعَ رِضْوَانُ<br>اللَّهِ      | ٣٥١   |
| ١٠٩   | التوبة   | ٩      | أَقْمَنَ أَسَسَ بِنِيَّاتِهِ                | ٣٥٢   |
| ١٩    | الزمر    | ٣٩     | أَقْمَنَ حَقَّ عَلَيْهِ                     | ٣٥٣   |
| ٨     | فاطر     | ٣٥     | أَقْمَنَ زَيْنَ لَهُ سُوءٌ                  | ٣٥٤   |
| ٢٢    | الزمر    | ٣٩     | أَقْمَنَ شَرَحَ اللَّهُ صَدْرَهُ            | ٣٥٥   |
| ١٤    | محمد     | ٤٧     | أَقْمَنَ كَانَ عَلَى بَيْتِهِ               | ٣٥٦   |
| ١٧    | هود      | ١١     | أَقْمَنَ كَانَ عَلَى بَيْتِهِ               | ٣٥٧   |
| ١٨    | السجدة   | ٣٢     | أَقْمَنَ كَانَ مُؤْمِنًا                    | ٣٥٨   |
| ٥٩    | النجم    | ٥٣     | أَقْمِنَ هَذَا الْحَدِيثِ                   | ٣٥٩   |
| ٣٣    | الرعد    | ١٣     | أَقْمِنَ هُوَ قَائِمٌ                       | ٣٦٠   |
| ٦١    | القصص    | ٢٨     | أَقْمِنَ وَعَدَّتَاهُ                       | ٣٦١   |
| ٢٤    | الزمر    | ٣٩     | أَقْمِنَ يَقْفِي                            | ٣٦٢   |
| ١٧    | النحل    | ١٦     | أَقْمِنَ يَخْلُقُ                           | ٣٦٣   |
| ١٩    | الرعد    | ١٣     | أَقْمِنَ يَعْلَمُ                           | ٣٦٤   |
| ٢٢    | الملك    | ٦٧     | أَقْمِنَ يَمُشِي                            | ٣٦٥   |
| ٣٥    | القلم    | ٦٨     | أَقْنَجَعَلُ الْمُسْلِمِينَ                 | ٣٦٦   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                               | عام   |
| ٣٥    | النجم    | ٥٣     | أَعْنَدَهُ عِلْمُ الْغَيْبِ         | ٣٠٥   |
| ٦٧    | الأنبياء | ٢١     | أَفَبِ لَكُمْ                       | ٣٠٦   |
| ٤٠    | الإسراء  | ١٧     | أَقْصَفْنَاكُمْ رَيْكُمُ            | ٣٠٧   |
| ٤٥    | النحل    | ١٦     | أَقَامِينَ الَّذِينَ مَكَرُوا       | ٣٠٨   |
| ٩٧    | الأعراف  | ٧      | أَقَامِينَ أَهْلَ الْفُرَى          | ٣٠٩   |
| ٦٨    | الإسراء  | ١٧     | أَقَامَيْتُمْ أَنْ                  | ٣١٠   |
| ١٠٧   | يوسف     | ١٢     | أَقَامُوا أَنْ                      | ٣١١   |
| ٩٩    | الأعراف  | ٧      | أَقَامُوا مَكَرَ اللَّهِ            | ٣١٢   |
| ٤٠    | الزخرف   | ٤٣     | أَقَانَتْ تُسْمِعُ الصَّمَّ         | ٣١٣   |
| ٢٠٤   | الشعراء  | ٢٦     | أَقْبَعَايْنَا يَسْتَعْجِلُونَ      | ٣١٤   |
| ١٧٦   | الصافات  | ٣٧     | أَقْبَعَايْنَا يَسْتَعْجِلُونَ      | ٣١٥   |
| ٨١    | الواقعة  | ٥٦     | أَقْبِهَذَا الْحَدِيثِ              | ٣١٦   |
| ٨     | سبا      | ٣٤     | أَقْرَى عَلَى اللَّهِ كَذِبًا       | ٣١٧   |
| ٧٥    | البقرة   | ٢      | أَقْتَضِعُونَ أَنْ يُؤْمِنُوا       | ٣١٨   |
| ١٢    | النجم    | ٥٣     | أَقْتَمَرُونَهُ عَلَى مَا<br>يَرَى  | ٣١٩   |
| ١٠٢   | الكهف    | ١٨     | أَقْصَبَ الَّذِينَ كَفَرُوا         | ٣٢٠   |
| ١١٥   | المؤمنون | ٢٣     | أَقْصَيْتُمْ أَمَّا خَلْقَانَاكُمْ  | ٣٢١   |
| ٥٠    | المائدة  | ٥      | أَقْحَمَ الْجَاهِلِيَّةِ بَيِّنُونَ | ٣٢٢   |
| ٧٧    | مريم     | ١٩     | أَقْرَعَيْتَ الَّذِي كَفَرَ         | ٣٢٣   |
| ٣٣    | النجم    | ٥٣     | أَقْرَأَيْتَ الَّذِي تَوَلَّى       | ٣٢٤   |
| ٢٠٥   | الشعراء  | ٢٦     | أَقْرَأَيْتَ إِنْ مَتَّعْنَاهُمْ    | ٣٢٥   |
| ٢٣    | الجاتية  | ٤٥     | أَقْرَأَيْتَ مَنْ اتَّخَذَ إِلَهَهُ | ٣٢٦   |
| ١٩    | النجم    | ٥٣     | أَقْرَأَيْتُمُ اللَّاتَ وَالْعُزَّى | ٣٢٧   |
| ٦٨    | الواقعة  | ٥٦     | أَقْرَأَيْتُمُ الْمَاءَ             | ٣٢٨   |
| ٧١    | الواقعة  | ٥٦     | أَقْرَأَيْتُمُ النَّارَ             | ٣٢٩   |
| ٦٣    | الواقعة  | ٥٦     | أَقْرَأَيْتُمْ مَا تَحْرُثُونَ      | ٣٣٠   |
| ٥٨    | الواقعة  | ٥٦     | أَقْرَأَيْتُمْ مَا تُمْنُونَ        | ٣٣١   |
| ١٥    | الطور    | ٥٢     | أَفْصَحَرَ هَذَا                    | ٣٣٢   |
| ١٥    | ق        | ٥٠     | أَفْعَيْنَا بِالْخَلْقِ الْأَوَّلِ  | ٣٣٣   |
| ١١٤   | الأنعام  | ٦      | أَفْعِزَّ اللَّهُ ابْنَعِي حَكْمًا  | ٣٣٤   |
| ٨٣    | آل عمران | ٣      | أَفْعِزَّ دِينَ اللَّهِ يَتَعَوَّنَ | ٣٣٥   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ٦٥    | الحج     | ٢٢     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٣٩٨   |
| ٤٣    | النور    | ٢٤     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٣٩٩   |
| ٤١    | النور    | ٢٤     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٤٠٠   |
| ١٨    | الحج     | ٢٢     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٤٠١   |
| ٧     | المجادلة | ٥٨     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٤٠٢   |
| ٢٩    | لقمان    | ٣١     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ | ٤٠٣   |
| ٨٣    | مريم     | ١٩     | أَلَمْ تَرَ أَنَا         | ٤٠٤   |
| ٢٢٥   | الشعراء  | ٢٦     | أَلَمْ تَرَ أَنَّهُمْ     | ٤٠٥   |
| ٢٥٨   | البقرة   | ٢      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤٠٦   |
| ٥١    | النساء   | ٤      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤٠٧   |
| ٢٣    | آل عمران | ٣      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤٠٨   |
| ٤٤    | النساء   | ٤      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤٠٩   |
| ٢٨    | إبراهيم  | ١٤     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٠   |
| ١٤    | المجادلة | ٥٨     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١١   |
| ٢٤٣   | البقرة   | ٢      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٢   |
| ٧٧    | النساء   | ٤      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٣   |
| ١١    | الحشر    | ٥٩     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٤   |
| ٨     | المجادلة | ٥٨     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٥   |
| ٦٩    | غافر     | ٤٠     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٦   |
| ٦٠    | النساء   | ٤      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٧   |
| ٤٩    | النساء   | ٤      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٨   |
| ٢٤٦   | البقرة   | ٢      | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤١٩   |
| ٤٥    | الفرقان  | ٢٥     | أَلَمْ تَرَ إِلَى         | ٤٢٠   |
| ٢٤    | إبراهيم  | ١٤     | أَلَمْ تَرَ كَيْفَ        | ٤٢١   |
| ١     | الفيل    | ١٠٥    | أَلَمْ تَرَ كَيْفَ        | ٤٢٢   |
| ٦     | الفجر    | ٨٩     | أَلَمْ تَرَ كَيْفَ        | ٤٢٣   |
| ٢٠    | لقمان    | ٣١     | أَلَمْ تَرَوْا أَنَّ      | ٤٢٤   |
| ١٥    | نوح      | ٧١     | أَلَمْ تَرَوْا كَيْفَ     | ٤٢٥   |
| ١٠٧   | البقرة   | ٢      | أَلَمْ تَعْلَمْ أَنَّ     | ٤٢٦   |
| ٤٠    | المائدة  | ٥      | أَلَمْ تَعْلَمْ           | ٤٢٧   |
| ٧٠    | الحج     | ٢٢     | أَلَمْ تَعْلَمْ           | ٤٢٨   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                            | عام   |
| ٣٦٧   | الزخرف   | ٤٣     | أَفْتَضْرِبُ عَنْكُمُ الذِّكْرَ  | ٣٦٧   |
| ٥٠    | النور    | ٢٤     | أَفِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ         | ٣٦٨   |
| ٧٨    | الإسراء  | ١٧     | أَقِمِ الصَّلَاةَ                | ٣٦٩   |
| ٢     | يونس     | ١٠     | أَكُنْ لِلنَّاسِ عَجَبًا         | ٣٧٠   |
| ٤٣    | القمر    | ٥٤     | أَكْفَارُكُمْ خَيْرٌ             | ٣٧١   |
| ٦٢    | يونس     | ١٠     | أَلَا إِنَّ أَوْلِيَاءَ اللَّهِ  | ٣٧٢   |
| ٥٥    | يونس     | ١٠     | أَلَا إِنَّ لِلَّهِ              | ٣٧٣   |
| ٦٤    | النور    | ٢٤     | أَلَا إِنَّ لِلَّهِ              | ٣٧٤   |
| ٦٦    | يونس     | ١٠     | أَلَا إِنَّ لِلَّهِ              | ٣٧٥   |
| ٥٤    | فصلت     | ٤١     | أَلَا إِنَّهُمْ فِي مَرِيَّةٍ    | ٣٧٦   |
| ١٥١   | الصفات   | ٣٧     | أَلَا إِنَّهُمْ مَنْ             | ٣٧٧   |
| ١٢    | البقرة   | ٢      | أَلَا إِنَّهُمْ هُمْ             | ٣٧٨   |
| ٥     | هود      | ١١     | أَلَا إِنَّهُمْ يَتَّبِعُونَ     | ٣٧٩   |
| ٩٣    | طه       | ٢٠     | أَلَا تَتَّبِعِينَ               | ٣٨٠   |
| ٣٨    | النجم    | ٥٣     | أَلَا تَرَى                      | ٣٨١   |
| ٨     | الرحمن   | ٥٥     | أَلَا تَطْغَوْا                  | ٣٨٢   |
| ٢     | هود      | ١١     | لَا تَعْبُدُوا إِلَّا اللَّهَ    | ٣٨٣   |
| ٣١    | النمل    | ٢٧     | أَلَا تَعْلَمُوا عَلَيَّ         | ٣٨٤   |
| ١٣    | التوبة   | ٩      | أَلَا تَقَاتِلُونَ قَوْمًا       | ٣٨٥   |
| ٣     | الزمر    | ٣٩     | أَلَا لِلَّهِ الدِّينُ الخَالِصُ | ٣٨٦   |
| ٢٥    | النمل    | ٢٧     | أَلَا يَسْجُدُوا لِلَّهِ         | ٣٨٧   |
| ٤     | المطففين | ٨٣     | أَلَا يَظُنُّ                    | ٣٨٨   |
| ١٤    | الملك    | ٦٧     | أَلَا يَعْلَمُ                   | ٣٨٩   |
| ٢٤    | ق        | ٥٠     | أَلَقِيَا فِي جَهَنَّمَ          | ٣٩٠   |
| ٢١    | النجم    | ٥٣     | أَلَكُمُ الذِّكْرُ               | ٣٩١   |
| ٦٠    | يس       | ٣٦     | أَلَمْ أَعْهَدْ إِلَيْكُمْ       | ٣٩٢   |
| ٣١    | لقمان    | ٣١     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ الْفَلَكَ      | ٣٩٣   |
| ٢٧    | فاطر     | ٣٥     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ        | ٣٩٤   |
| ٦٣    | الحج     | ٢٢     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ        | ٣٩٥   |
| ٢١    | الزمر    | ٣٩     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ        | ٣٩٦   |
| ١٩    | إبراهيم  | ١٤     | أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ        | ٣٩٧   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ٩     | الشورى   | ٤٢     | أَمْ اتَّخَذُوا                 | ٤٦٠   |
| ٢١    | الزخرف   | ٤٣     | أَمْ اتَّخَذُوا                 | ٤٦١   |
| ٧٩    | الزخرف   | ٤٣     | أَمْ أَلْمَزُوا أَمْرًا         | ٤٦٢   |
| ٦٩    | الإسراء  | ١٧     | أَمْ آمِنْتُمْ أَنْ             | ٤٦٣   |
| ١٧    | الملك    | ٦٧     | أَمْ آمِنْتُمْ مَنْ             | ٤٦٤   |
| ٥٢    | الزخرف   | ٤٣     | أَمْ آتَا خَيْرٍ                | ٤٦٥   |
| ٣٥    | الروم    | ٣٠     | أَمْ أَنْزَلْنَا                | ٤٦٦   |
| ٣٢    | الطور    | ٥٢     | أَمْ تَأْمُرُهُمْ إِحْلَامُهُمْ | ٤٦٧   |
| ٤٤    | الفرقان  | ٢٥     | أَمْ تَحْسَبُ أَنَّ             | ٤٦٨   |
| ١٠٨   | البقرة   | ٢      | أَمْ تُرِيدُونَ                 | ٤٦٩   |
| ٤٠    | الطور    | ٥٢     | أَمْ تَسْأَلُهُمْ أَجْرًا       | ٤٧٠   |
| ٤٦    | القلم    | ٦٨     | أَمْ تَسْأَلُهُمْ أَجْرًا       | ٤٧١   |
| ٧٢    | المؤمنون | ٢٣     | أَمْ تَسْأَلُهُمْ خَرْجًا       | ٤٧٢   |
| ١٤٠   | البقرة   | ٢      | أَمْ تَقُولُونَ                 | ٤٧٣   |
| ٢١    | الجاثية  | ٤٥     | أَمْ حَسِبَ                     | ٤٧٤   |
| ٢٩    | محمد     | ٤٧     | أَمْ حَسِبَ                     | ٤٧٥   |
| ٤     | العنكبوت | ٢٩     | أَمْ حَسِبَ                     | ٤٧٦   |
| ٩     | الكهف    | ١٨     | أَمْ حَسِبْتِ                   | ٤٧٧   |
| ١٦    | التوبة   | ٩      | أَمْ حَسِبْتُمْ                 | ٤٧٨   |
| ٢١٤   | البقرة   | ٢      | أَمْ حَسِبْتُمْ                 | ٤٧٩   |
| ١٤٢   | آل عمران | ٣      | أَمْ حَسِبْتُمْ                 | ٤٨٠   |
| ١٥٠   | الصافات  | ٣٧     | أَمْ خَلَقْنَا                  | ٤٨١   |
| ٣٦    | الطور    | ٥٢     | أَمْ خَلَقُوا                   | ٤٨٢   |
| ٣٥    | الطور    | ٥٢     | أَمْ خَلَقُوا                   | ٤٨٣   |
| ٤١    | الطور    | ٥٢     | أَمْ عِنْدَهُمُ الْغَيْبُ       | ٤٨٤   |
| ٤٧    | القلم    | ٦٨     | أَمْ عِنْدَهُمُ الْغَيْبُ       | ٤٨٥   |
| ٣٧    | الطور    | ٥٢     | أَمْ عِنْدَهُمْ خَزَائِنُ       | ٤٨٦   |
| ٩     | ص        | ٣٨     | أَمْ عِنْدَهُمْ خَزَائِنُ       | ٤٨٧   |
| ١٣٣   | البقرة   | ٢      | أَمْ كُنْتُمْ شُهَدَاءَ         | ٤٨٨   |
| ٣٩    | القلم    | ٦٨     | أَمْ لَكُمْ أَيْمَانُ           | ٤٨٩   |
| ١٥٦   | الصافات  | ٣٧     | أَمْ لَكُمْ سُلْطَانٌ           | ٤٩٠   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ١٠٥   | المؤمنون | ٢٣     | أَلَمْ تَكُنْ               | ٤٢٩   |
| ٢٥    | المرسلات | ٧٧     | أَلَمْ نَجْعَلْ             | ٤٣٠   |
| ٦     | النبأ    | ٧٨     | أَلَمْ نَجْعَلْ             | ٤٣١   |
| ٨     | البلد    | ٩٠     | أَلَمْ نَجْعَلْ             | ٤٣٢   |
| ٢٠    | المرسلات | ٧٧     | أَلَمْ نَخْلُقْكُمْ         | ٤٣٣   |
| ١     | الشرح    | ٩٤     | أَلَمْ نَشْرَحْ             | ٤٣٤   |
| ١٦    | المرسلات | ٧٧     | أَلَمْ نُهَيِّئْ            | ٤٣٥   |
| ٥     | التغابن  | ٦٤     | أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبَأُ    | ٤٣٦   |
| ٩     | إبراهيم  | ١٤     | أَلَمْ يَأْتِكُمْ نَبَأُ    | ٤٣٧   |
| ٧٠    | التوبة   | ٩      | أَلَمْ يَأْتِهِمْ نَبَأُ    | ٤٣٨   |
| ١٦    | الحديد   | ٥٧     | أَلَمْ يَأْنِ               | ٤٣٩   |
| ٦     | الضحى    | ٩٣     | أَلَمْ يَجِدْكَ             | ٤٤٠   |
| ٢     | الفيل    | ١٠٥    | أَلَمْ يَجْعَلْ             | ٤٤١   |
| ٨٦    | النمل    | ٢٧     | أَلَمْ يَرَوْا أَنَّا       | ٤٤٢   |
| ٧٩    | النحل    | ١٦     | أَلَمْ يَرَوْا إِلَى        | ٤٤٣   |
| ٣١    | يس       | ٣٦     | أَلَمْ يَرَوْا كَمْ         | ٤٤٤   |
| ٦     | الأنعام  | ٦      | أَلَمْ يَرَوْا كَمْ         | ٤٤٥   |
| ١٤    | العلق    | ٩٦     | أَلَمْ يَعْلَمْ             | ٤٤٦   |
| ١٠٤   | التوبة   | ٩      | أَلَمْ يَعْلَمُوا           | ٤٤٧   |
| ٧٨    | التوبة   | ٩      | أَلَمْ يَعْلَمُوا           | ٤٤٨   |
| ٦٣    | التوبة   | ٩      | أَلَمْ يَعْلَمُوا           | ٤٤٩   |
| ٣٧    | القيامة  | ٧٥     | أَلَمْ يَكْ نُطْفِقْ        | ٤٥٠   |
| ١     | التكاثر  | ١٠٢    | أَلِهَاتِكُمُ الشَّكْرُ     | ٤٥١   |
| ١٩٥   | الأعراف  | ٧      | أَلِهَهُمْ أَرْجُلٌ         | ٤٥٢   |
| ٨     | التين    | ٩٥     | أَلَيْسَ اللَّهُ بِأَحْكَمَ | ٤٥٣   |
| ٣٦    | الزمر    | ٣٩     | أَلَيْسَ اللَّهُ بِكَافٍ    | ٤٥٤   |
| ٤٠    | القيامة  | ٧٥     | أَلَيْسَ ذَلِكَ بِقَادِرٍ   | ٤٥٥   |
| ١٦    | الزخرف   | ٤٣     | أَمْ اتَّخَذَ               | ٤٥٦   |
| ٢١    | الأنبياء | ٢١     | أَمْ اتَّخَذُوا             | ٤٥٧   |
| ٤٣    | الزمر    | ٣٩     | أَمْ اتَّخَذُوا             | ٤٥٨   |
| ٢٤    | الأنبياء | ٢١     | أَمْ اتَّخَذُوا             | ٤٥٩   |

| رقم   | السورة  | رقم   | شاهد                             | مسلسل |
|-------|---------|-------|----------------------------------|-------|
| الآية | السورة  | الآية | عام                              |       |
| ٦١    | النمل   | ٢٧    | أَمَّنْ جَعَلَ                   | ٥٢٢   |
| ٦٠    | النمل   | ٢٧    | أَمَّنْ خَلَقَ                   | ٥٢٣   |
| ٢٠    | الملك   | ٦٧    | أَمَّنْ هَذَا                    | ٥٢٤   |
| ٢١    | الملك   | ٦٧    | أَمَّنْ هَذَا                    | ٥٢٥   |
| ٩     | الزمر   | ٣٩    | أَمَّنْ هُوَ قَاتِلَتِ           | ٥٢٦   |
| ٦٤    | النمل   | ٢٧    | أَمَّنْ يَبْدَأُ الْخَلْقَ       | ٥٢٧   |
| ٦٢    | النمل   | ٢٧    | أَمَّنْ يُجِيبُ الْمُضْطَرَّ     | ٥٢٨   |
| ٦٣    | النمل   | ٢٧    | أَمَّنْ يَهْدِيكُمْ              | ٥٢٩   |
| ٢١    | النحل   | ١٦    | أَمْوَاتٍ غَيْرِ أَحْيَاءٍ       | ٥٣٠   |
| ٣     | نوح     | ٧١    | أَنْ اعْبُدُوا اللَّهَ           | ٥٣١   |
| ١١    | سبأ     | ٣٤    | أَنْ اعْمَلْ سَابِغَاتٍ          | ٥٣٢   |
| ٢٢    | القلم   | ٦٨    | أَنْ اعْبُدُوا                   | ٥٣٣   |
| ٣٩    | طه      | ٢٠    | أَنْ أَقْذِفِيهِ                 | ٥٣٤   |
| ١٨    | الدخان  | ٤٤    | أَنْ أَدُوا                      | ٥٣٥   |
| ١٧    | الشعراء | ٢٦    | أَنْ أَرْسِلَ                    | ٥٣٦   |
| ٥٦    | الزمر   | ٣٩    | أَنْ تَقُولَ                     | ٥٣٧   |
| ١٥٦   | الأنعام | ٦     | أَنْ تَقُولُوا                   | ٥٣٨   |
| ٢     | عبس     | ٨٠    | أَنْ جَاءَهُ الْأَعْمَى          | ٥٣٩   |
| ٩١    | مريم    | ١٩    | أَنْ دَعُوا                      | ٥٤٠   |
| ٧     | العلق   | ٩٦    | أَنْ رَأَهُ اسْتَعْنَى           | ٥٤١   |
| ١٤    | القلم   | ٦٨    | أَنْ كَانَ                       | ٥٤٢   |
| ٢٦    | هود     | ١١    | أَنْ لَا تَعْبُدُوا              | ٥٤٣   |
| ٢٤    | القلم   | ٦٨    | أَنْ لَا يَخْلُقْنَهَا           | ٥٤٤   |
| ٢٥    | عبس     | ٨٠    | أَنَا صَبَبْنَا                  | ٥٤٥   |
| ٦٨    | ص       | ٣٨    | أَنْتُمْ عِنْدَهُ مُعْرِضُونَ    | ٥٤٦   |
| ٧٦    | الشعراء | ٢٦    | أَنْتُمْ وَأَبَاؤُكُمْ           | ٥٤٧   |
| ١٧    | الرعد   | ١٣    | أَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ         | ٥٤٨   |
| ١٣    | الدخان  | ٤٤    | أَنَّى لَهُمُ الذِّكْرَى         | ٥٤٩   |
| ٤٩    | الأعراف | ٧     | أَهْوَاءَ الَّذِينَ أَقْسَمْتُمْ | ٥٥٠   |
| ٣٧    | الدخان  | ٤٤    | أَهُمْ خَيْرٌ                    | ٥٥١   |
| ٣٢    | الزخرف  | ٤٣    | أَهُمْ يَقْسِمُونَ               | ٥٥٢   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                          |       |
| ٣٧    | القلم    | ٦٨    | أَمْ لَكُمْ كِتَابٌ          | ٤٩١   |
| ٢٤    | النجم    | ٥٣    | أَمْ لِلْإِنْسَانِ           | ٤٩٢   |
| ٦٩    | المؤمنون | ٢٣    | أَمْ لَمْ يَعْرِفُوا         | ٤٩٣   |
| ٣٦    | النجم    | ٥٣    | أَمْ لَمْ يَنْبَأْ           | ٤٩٤   |
| ٣٩    | الطور    | ٥٢    | أَمْ لَهُ الْبَنَاتُ         | ٤٩٥   |
| ٤٣    | الأنبياء | ٢١    | أَمْ لَهُمُ آلِهَةٌ          | ٤٩٦   |
| ٤٣    | الطور    | ٥٢    | أَمْ لَهُمْ إِلَهٌ           | ٤٩٧   |
| ٣٨    | الطور    | ٥٢    | أَمْ لَهُمْ سَلْمٌ           | ٤٩٨   |
| ٢١    | الشورى   | ٤٢    | أَمْ لَهُمْ شُرَكَاءُ        | ٤٩٩   |
| ٤١    | القلم    | ٦٨    | أَمْ لَهُمْ شُرَكَاءُ        | ٥٠٠   |
| ١٠    | ص        | ٣٨    | أَمْ لَهُمْ مَلَكٌ           | ٥٠١   |
| ٥٣    | النساء   | ٤     | أَمْ لَهُمْ نَصِيبٌ          | ٥٠٢   |
| ٢٨    | ص        | ٣٨    | أَمْ تَجْعَلُ                | ٥٠٣   |
| ٨٠    | الزخرف   | ٤٣    | أَمْ يَحْسِبُونَ أَنَا       | ٥٠٤   |
| ٥٤    | النساء   | ٤     | أَمْ يَحْسُدُونَ النَّاسَ    | ٥٠٥   |
| ٤٢    | الطور    | ٥٢    | أَمْ يُرِيدُونَ كَيْدًا      | ٥٠٦   |
| ٣     | السجدة   | ٣٢    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَأَهُ  | ٥٠٧   |
| ٣٥    | هود      | ١١    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَأَهُ  | ٥٠٨   |
| ٨     | الأحقاف  | ٤٦    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَأَهُ  | ٥٠٩   |
| ٣٨    | يونس     | ١٠    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَأَهُ  | ٥١٠   |
| ١٣    | هود      | ١١    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَأَهُ  | ٥١١   |
| ٢٤    | الشورى   | ٤٢    | أَمْ يَقُولُونَ اقْتَرَى     | ٥١٢   |
| ٧٠    | المؤمنون | ٢٣    | أَمْ يَقُولُونَ بِهِ جِنَّةٌ | ٥١٣   |
| ٣٣    | الطور    | ٥٢    | أَمْ يَقُولُونَ تَقَوَّلَهُ  | ٥١٤   |
| ٣٠    | الطور    | ٥٢    | أَمْ يَقُولُونَ شَاعِرٌ      | ٥١٥   |
| ٤٤    | القمر    | ٥٤    | أَمْ يَقُولُونَ نَحْنُ       | ٥١٦   |
| ١٩    | السجدة   | ٣٢    | أَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا     | ٥١٧   |
| ٧٩    | الكهف    | ١٨    | أَمَّا السَّافِرِينَ         | ٥١٨   |
| ٥     | عبس      | ٨٠    | أَمَّا مَنْ اسْتَعْنَى       | ٥١٩   |
| ١٣٣   | الشعراء  | ٢٦    | أَمَّاكُمْ بِاتِّغَامٍ       | ٥٢٠   |
| ٥     | الدخان   | ٤٤    | أَمَّا مَنْ عَدِينَا         | ٥٢١   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                            | عام   |
| ٤٤    | فاطر     | ٣٥     | أَوْ لَمْ يَسِيرُوا              | ٥٨٤   |
| ٥٢    | الزمر    | ٣٩     | أَوْ لَمْ يَعْلَمُوا             | ٥٨٥   |
| ٥١    | العنكبوت | ٢٩     | أَوْ لَمْ يَكْفِهِمْ             | ٥٨٦   |
| ١٠٠   | الأعراف  | ٧      | أَوْ لَمْ يَهْدِ لِلَّذِينَ      | ٥٨٧   |
| ٢٦    | السجدة   | ٣٢     | أَوْ لَمْ يَهْدِ لَهُمْ          | ٥٨٨   |
| ١٦٥   | آل عمران | ٣      | أَوْ لَمَّا أَصَابَكُمْ          | ٥٨٩   |
| ١٦    | البلد    | ٩٠     | أَوْ مَسْكِينًا                  | ٥٩٠   |
| ١٢٢   | الأنعام  | ٦      | أَوْ مَنْ كَانَ                  | ٥٩١   |
| ١٨    | الزخرف   | ٤٣     | أَوْ مَنْ يَتَشَاءُ              | ٥٩٢   |
| ٤٢    | الزخرف   | ٤٣     | أَوْ نُرِيكَ                     | ٥٩٣   |
| ٤٧    | النحل    | ١٦     | أَوْ يَأْخُذْهُمْ عَلَى          | ٥٩٤   |
| ٤٦    | النحل    | ١٦     | أَوْ يَأْخُذْهُمْ فِي            | ٥٩٥   |
| ٤     | عبس      | ٨٠     | أَوْ يَذَّكَّرُ                  | ٥٩٦   |
| ٥٠    | الشورى   | ٤٢     | أَوْ يَزُوجَهُمْ                 | ٥٩٧   |
| ٤١    | الكهف    | ١٨     | أَوْ يُصْبِحَ                    | ٥٩٨   |
| ٩٣    | الإسراء  | ١٧     | أَوْ يَكُونُ                     | ٥٩٩   |
| ٨     | الفرقان  | ٢٥     | أَوْ يُلْقَى                     | ٦٠٠   |
| ٧٣    | الشعراء  | ٢٦     | أَوْ يَقْعُونَكُمْ               | ٦٠١   |
| ٣٤    | الشورى   | ٤٢     | أَوْ يُوبِقَهُنَّ                | ٦٠٢   |
| ١٨١   | الشعراء  | ٢٦     | أَوْفُوا الْكَيْلَ               | ٦٠٣   |
| ٨٦    | البقرة   | ٢      | أُولَئِكَ الَّذِينَ اشْتَرَوُا   | ٦٠٤   |
| ١٦    | البقرة   | ٢      | أُولَئِكَ الَّذِينَ اشْتَرَوُا   | ٦٠٥   |
| ١٧٥   | البقرة   | ٢      | أُولَئِكَ الَّذِينَ اشْتَرَوُا   | ٦٠٦   |
| ٨٩    | الأنعام  | ٦      | أُولَئِكَ الَّذِينَ اتَّيَّاهُمْ | ٦٠٧   |
| ٥٨    | مريم     | ١٩     | أُولَئِكَ الَّذِينَ نَعَمَ       | ٦٠٨   |
| ٢٢    | آل عمران | ٣      | أُولَئِكَ الَّذِينَ حَبِطَتِ     | ٦٠٩   |
| ١٨    | الأحقاف  | ٤٦     | أُولَئِكَ الَّذِينَ حَقَّ        | ٦١٠   |
| ٢١    | هود      | ١١     | أُولَئِكَ الَّذِينَ خَسِرُوا     | ٦١١   |
| ١٠٨   | النحل    | ١٦     | أُولَئِكَ الَّذِينَ طَبَعَ       | ٦١٢   |
| ١٠٥   | الكهف    | ١٨     | أُولَئِكَ الَّذِينَ كَفَرُوا     | ٦١٣   |
| ٢٣    | محمد     | ٤٧     | أُولَئِكَ الَّذِينَ لَعَنَهُمُ   | ٦١٤   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                        | عام   |
| ١٧    | الصفافات | ٣٧     | أَوْ آبَاؤُنَا               | ٥٥٣   |
| ٤٨    | الواقعة  | ٥٦     | أَوْ آبَاؤُنَا               | ٥٥٤   |
| ١٢    | العلق    | ٩٦     | أَوْ أَمْرًا بِالنَّفْوَى    | ٥٥٥   |
| ٩٨    | الأعراف  | ٧      | أَوْ آمِنَ أَهْلًا           | ٥٥٦   |
| ١٤    | البلد    | ٩٠     | أَوْ إِطْعَامَ               | ٥٥٧   |
| ٩٢    | الإسراء  | ١٧     | أَوْ تُسْقِطَ السَّمَاءَ     | ٥٥٨   |
| ٥٨    | الزمر    | ٣٩     | أَوْ تَقُولَ حِينَ           | ٥٥٩   |
| ٥٧    | الزمر    | ٣٩     | أَوْ تَقُولَ لَوْ            | ٥٦٠   |
| ١٧٣   | الأعراف  | ٧      | أَوْ تَقُولُوا إِنَّمَا      | ٥٦١   |
| ١٥٧   | الأنعام  | ٦      | أَوْ تَقُولُوا لَوْ          | ٥٦٢   |
| ٩١    | الإسراء  | ١٧     | أَوْ تَكُونَ لَكَ جَنَّةٌ    | ٥٦٣   |
| ٥١    | الإسراء  | ١٧     | أَوْ خَلَقًا مِمَّا يَكْبُرُ | ٥٦٤   |
| ٤     | المزمل   | ٧٣     | أَوْ زِدْ عَلَيْهِ           | ٥٦٥   |
| ٦٩    | الأعراف  | ٧      | أَوْ عَجِيبٌ                 | ٥٦٦   |
| ٦٣    | الأعراف  | ٧      | أَوْ عَجِيبٌ أ               | ٥٦٧   |
| ٢٥٩   | البقرة   | ٢      | أَوْ كَالَّذِي مَرَّ         | ٥٦٨   |
| ١٩    | البقرة   | ٢      | أَوْ كَصَيْبٍ                | ٥٦٩   |
| ٤٠    | النور    | ٢٤     | وَأَكْظَمَاتٍ                | ٥٧٠   |
| ١٠٠   | البقرة   | ٢      | أَوْ كَلَّمَا عَاهَدُوا      | ٥٧١   |
| ٨     | الروم    | ٣٠     | أَوْ لَمْ يَتَفَكَّرُوا      | ٥٧٢   |
| ٧٧    | يس       | ٣٦     | أَوْ لَمْ يَرَ الْإِنْسَانَ  | ٥٧٣   |
| ٣٠    | الأنبياء | ٢١     | أَوْ لَمْ يَرَ الَّذِينَ     | ٥٧٤   |
| ٣٣    | الأحقاف  | ٤٦     | أَوْ لَمْ يَرَوْا أَنَّ      | ٥٧٥   |
| ٣٧    | الروم    | ٣٠     | أَوْ لَمْ يَرَوْا أَنَّ      | ٥٧٦   |
| ٦٧    | العنكبوت | ٢٩     | أَوْ لَمْ يَرَوْا أَنَّا     | ٥٧٧   |
| ٧١    | يس       | ٣٦     | أَوْ لَمْ يَرَوْا أَنَّا     | ٥٧٨   |
| ٢٧    | السجدة   | ٣٢     | أَوْ لَمْ يَرَوْا أَنَّا     | ٥٧٩   |
| ١٩    | الملك    | ٦٧     | أَوْ لَمْ يَرَوْا إِلَى      | ٥٨٠   |
| ١٩    | العنكبوت | ٢٩     | أَوْ لَمْ يَرَوْا كَيْفَ     | ٥٨١   |
| ٢١    | غافر     | ٤٠     | أَوْ لَمْ يَسِيرُوا          | ٥٨٢   |
| ٩     | الروم    | ٣٠     | أَوْ لَمْ يَسِيرُوا          | ٥٨٣   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد             | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام              |       |
| ٧٧    | البقرة   | ٢     | أولآ يعلمون      | ٦٤٦   |
| ١٨٤   | الأعراف  | ٧     | أولم يتفكروا     | ٦٤٧   |
| ٩٩    | الإسراء  | ١٧    | أولم يروا أن     | ٦٤٨   |
| ٤١    | الرعد    | ١٣    | أولم يروا أننا   | ٦٤٩   |
| ٧     | الشعراء  | ٢٦    | أولم يروا إلى    | ٦٥٠   |
| ٤٨    | النحل    | ١٦    | أولم يروا إلى    | ٦٥١   |
| ١٩٧   | الشعراء  | ٢٦    | أولم يكن         | ٦٥٢   |
| ١٨٥   | الأعراف  | ٧     | أولم ينظروا      | ٦٥٣   |
| ٣٤    | القيامة  | ٧٥    | أولى لك فأولى    | ٦٥٤   |
| ٨١    | يس       | ٣٦    | أوليس الذى خلق   | ٦٥٥   |
| ١٨٤   | البقرة   | ٢     | أياماً معدودات   | ٦٥٦   |
| ٣     | القيامة  | ٧٥    | يخصب الإنسان     | ٦٥٧   |
| ٣٦    | القيامة  | ٧٥    | أيخصب الإنسان    | ٦٥٨   |
| ٧     | البلد    | ٩٠    | أيخصب أن لم      | ٦٥٩   |
| ٥     | البلد    | ٩٠    | أيخصب أن لن      | ٦٦٠   |
| ٥٥    | المؤمنون | ٢٣    | أيحسبون أنما     | ٦٦١   |
| ١٩١   | الأعراف  | ٧     | أيشركون ما       | ٦٦٢   |
| ٣٨    | المعارج  | ٧٠    | أيطمع كل امرئ    | ٦٦٣   |
| ٣٥    | المؤمنون | ٢٣    | أيعدكم أنكم      | ٦٦٤   |
| ٧٨    | النساء   | ٤     | أيئتما تكونوا    | ٦٦٥   |
| ٢٦٦   | البقرة   | ٢     | أيؤذ أحدكم       | ٦٦٦   |
| ٧١    | غافر     | ٤٠    | إذ الأغلل        | ٦٦٧   |
| ١٢    | الشمس    | ٩١    | إذ اتبعنا أشقاها | ٦٦٨   |
| ١٤٠   | الصفات   | ٣٧    | إذ أبق           | ٦٦٩   |
| ١٤    | يس       | ٣٦    | إذ أرسلنا        | ٦٧٠   |
| ٤٢    | الأنفال  | ٨     | إذ أنتم بالعدوة  | ٦٧١   |
| ٣٨    | طه       | ٢٠    | إذ أوحينا        | ٦٧٢   |
| ١٠    | الكهف    | ١٨    | إذ أوى الفتية    | ٦٧٣   |
| ١٦٦   | البقرة   | ٢     | إذ تبرأ          | ٦٧٤   |
| ٩     | الأنفال  | ٨     | إذ تستغيثون      | ٦٧٥   |
| ١٥٣   | آل عمران | ٣     | إذ تصيدون        | ٦٧٦   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                 |       |
| ٥٢    | النساء   | ٤     | أولئك الذين لعنهم   | ٦١٥   |
| ٥     | النمل    | ٢٧    | أولئك الذين لهم     | ٦١٦   |
| ١٦    | هود      | ١١    | أولئك الذين ليس     | ٦١٧   |
| ١٦    | الأحقاف  | ٤٦    | أولئك الذين نلقب    | ٦١٨   |
| ٩٠    | الأنعام  | ٦     | أولئك الذين هدى     | ٦١٩   |
| ٥٧    | الإسراء  | ١٧    | أولئك الذين يدعون   | ٦٢٠   |
| ٦٣    | النساء   | ٤     | أولئك الذين يعلم    | ٦٢١   |
| ١١    | الواقعة  | ٥٦    | أولئك المقربون      | ٦٢٢   |
| ١٤    | الأحقاف  | ٤٦    | أولئك أصحاب الجنة   | ٦٢٣   |
| ١٨    | البلد    | ٩٠    | أولئك أصحاب الميمنة | ٦٢٤   |
| ٨٧    | آل عمران | ٣     | أولئك جزأؤهم        | ٦٢٥   |
| ١٣٦   | آل عمران | ٣     | أولئك جزأؤهم        | ٦٢٦   |
| ٥     | البقرة   | ٢     | أولئك على هدى       | ٦٢٧   |
| ٥     | لقمان    | ٣١    | أولئك على هدى       | ٦٢٨   |
| ١٥٧   | البقرة   | ٢     | أولئك عليهم         | ٦٢٩   |
| ٣٥    | المعارج  | ٧٠    | أولئك في جنات       | ٦٣٠   |
| ٢٠    | هود      | ١١    | أولئك لم يكونوا     | ٦٣١   |
| ٣١    | الكهف    | ١٨    | أولئك لهم جنات      | ٦٣٢   |
| ٤١    | الصفات   | ٣٧    | أولئك لهم رزق       | ٦٣٣   |
| ٢٠٢   | البقرة   | ٢     | أولئك لهم نصيب      | ٦٣٤   |
| ٨     | يونس     | ١٠    | أولئك ماوأهم النار  | ٦٣٥   |
| ١٢١   | النساء   | ٤     | أولئك ماوأهم جهنم   | ٦٣٦   |
| ١٥١   | النساء   | ٤     | أولئك هم الكافرون   | ٦٣٧   |
| ٤٢    | عبس      | ٨٠    | أولئك هم الكفرة     | ٦٣٨   |
| ٤     | الأنفال  | ٨     | أولئك هم المؤمنون   | ٦٣٩   |
| ١٠    | المؤمنون | ٢٣    | أولئك هم الوارثون   | ٦٤٠   |
| ٥٤    | القصص    | ٢٨    | أولئك يؤتون أجرهم   | ٦٤١   |
| ٧٥    | الفرقان  | ٢٥    | أولئك يجزون الغرفة  | ٦٤٢   |
| ٦١    | المؤمنون | ٢٣    | أولئك يسارعون       | ٦٤٣   |
| ٦٧    | مريم     | ١٩    | أولآ يتكفر الإنسان  | ٦٤٤   |
| ١٢٦   | التوبة   | ٩     | أولآ يرون           | ٦٤٥   |

| رقم   | السورة    | رقم   | شاهد                     | مسلسل |
|-------|-----------|-------|--------------------------|-------|
| الآية | السورة    | الآية | عام                      |       |
| ٨     | يوسف      | ١٢    | إِذْ قَالُوا لِيُوسُفُ   | ٧٠٨   |
| ١٦    | النازعات  | ٧٩    | إِذْ نَادَاةُ            | ٧٠٩   |
| ٣     | مريم      | ١٩    | إِذْ نَادَى              | ٧١٠   |
| ١٣٤   | الصفاء    | ٣٧    | إِذْ نَجَّيْنَاهُ        | ٧١١   |
| ٩٨    | الشعراء   | ٢٦    | إِذْ نُسَوِّجُكُمْ       | ٧١٢   |
| ٦     | البروج    | ٨٥    | إِذْ هُمْ                | ٧١٣   |
| ١٢٢   | آل عمران  | ٣     | إِذْ هَمَّتْ             | ٧١٤   |
| ١٧    | ق         | ٥٠    | إِذْ يَتَلَقَّى          | ٧١٥   |
| ٤٣    | الأنفال   | ٨     | إِذْ يُرِيكُهُمْ         | ٧١٦   |
| ١٦    | النجم     | ٥٣    | إِذْ يَغْشَى             | ٧١٧   |
| ١١    | الأنفال   | ٨     | إِذْ يُغَشِّيكُمْ        | ٧١٨   |
| ٤٩    | الأنفال   | ٨     | إِذْ يَقُولُ             | ٧١٩   |
| ١٢    | الأنفال   | ٨     | إِذْ يُوحَى              | ٧٢٠   |
| ١     | الإنشقاق  | ٨٤    | إِذَا السَّمَاءُ         | ٧٢١   |
| ١     | الإنشقاق  | ٨٢    | ذَا السَّمَاءُ           | ٧٢٢   |
| ١     | التكوير   | ٨١    | إِذَا الشَّمْسُ          | ٧٢٣   |
| ٧     | الملك     | ٦٧    | إِذَا الْفُجَاءُ         | ٧٢٤   |
| ١٥    | القلم     | ٦٨    | إِذَا تُنْفِثَى          | ٧٢٥   |
| ١٣    | المطففين  | ٨٣    | إِذَا تُنْفِثَى          | ٧٢٦   |
| ١     | النصر     | ١١٠   | إِذَا جَاءَ              | ٧٢٧   |
| ١     | المنافقون | ٦٣    | إِذَا جَاءَكَ            | ٧٢٨   |
| ١٢    | الفرقان   | ٢٥    | إِذَا رَأَتْهُمْ         | ٧٢٩   |
| ٤     | الواقعة   | ٥٦    | إِذَا رُجَّتْ            | ٧٣٠   |
| ١     | الزلزلة   | ٩٩    | إِذَا زُلْزِلَتْ         | ٧٣١   |
| ٧٥    | الإسراء   | ١٧    | إِذَا لَأَقْتُنَّكَ      | ٧٣٢   |
| ٢٠    | المعارج   | ٧٠    | إِذَا مَسَّهُ            | ٧٣٣   |
| ١     | الواقعة   | ٥٦    | إِذَا وَقَعَتْ           | ٧٣٤   |
| ٧     | الفجر     | ٨٩    | إِذْ ذَاكَ الْعَمَادِ    | ٧٣٥   |
| ٢٠    | الليل     | ٩٢    | إِلَّا ابْتِغَاءَ        | ٧٣٦   |
| ٢٧    | الزخرف    | ٤٣    | إِلَّا الَّذِي فَطَرَنِي | ٧٣٧   |
| ٦     | التين     | ٩٥    | إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا | ٧٣٨   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         |       |
| ١٢٤   | آل عمران | ٣     | إِذْ تَقُولُ                | ٦٧٧   |
| ١٥    | النور    | ٢٤    | إِذْ تَلْقَوْنَهُ           | ٦٧٨   |
| ٤٠    | طه       | ٢٠    | إِذْ تَمْشِي                | ٦٧٩   |
| ٨٤    | الصفاء   | ٣٧    | إِذْ جَاءَ                  | ٦٨٠   |
| ١٤    | فصلت     | ٤١    | إِذْ جَاءَتْهُمْ            | ٦٨١   |
| ١٠    | الأحزاب  | ٣٣    | إِذْ جَاءُوكُمْ             | ٦٨٢   |
| ٢٦    | الفتح    | ٤٨    | إِذْ جَعَلَ                 | ٦٨٣   |
| ٢٢    | ص        | ٣٨    | إِذْ نَخَلُوا عَلَى         | ٦٨٤   |
| ٥٢    | الحجر    | ١٥    | إِذْ نَخَلُوا عَلَيْهِ      | ٦٨٥   |
| ٢٥    | الذاريات | ٥١    | إِذْ نَخَلُوا عَلَيْهِ      | ٦٨٦   |
| ١٠    | طه       | ٢٠    | إِذْ رَأَى نَارًا           | ٦٨٧   |
| ٣١    | ص        | ٣٨    | إِذْ عُرِضَ                 | ٦٨٨   |
| ١١٢   | المائدة  | ٥     | إِذْ قَالَ الْخَوَارِجُونَ  | ٦٨٩   |
| ١١٠   | المائدة  | ٥     | إِذْ قَالَ اللَّهُ          | ٦٩٠   |
| ٥٥    | آل عمران | ٣     | إِذْ قَالَ اللَّهُ          | ٦٩١   |
| ٧١    | ص        | ٣٨    | إِذْ قَالَ رَبُّكَ          | ٦٩٢   |
| ٧٠    | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ        | ٦٩٣   |
| ٥٢    | الأنبياء | ٢١    | إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ        | ٦٩٤   |
| ٨٥    | الصفاء   | ٣٧    | إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ        | ٦٩٥   |
| ٤٢    | مريم     | ١٩    | إِذْ قَالَ لِأَبِيهِ        | ٦٩٦   |
| ١٢٤   | الصفاء   | ٣٧    | إِذْ قَالَ لِقَوْمِهِ       | ٦٩٧   |
| ١٣١   | البقرة   | ٢     | إِذْ قَالَ لَهُ             | ٦٩٨   |
| ١٤٢   | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لَهُمْ           | ٦٩٩   |
| ١٦١   | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لَهُمْ           | ٧٠٠   |
| ١٠٦   | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لَهُمْ           | ٧٠١   |
| ١٢٤   | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لَهُمْ           | ٧٠٢   |
| ١٧٧   | الشعراء  | ٢٦    | إِذْ قَالَ لَهُمْ           | ٧٠٣   |
| ٧     | النمل    | ٢٧    | إِذْ قَالَ مُوسَى           | ٧٠٤   |
| ٤     | يوسف     | ١٢    | إِذْ قَالَ يُوسُفُ          | ٧٠٥   |
| ٤٥    | آل عمران | ٣     | إِذْ قَالَتِ الْمَلَائِكَةُ | ٧٠٦   |
| ٣٥    | آل عمران | ٣     | إِذْ قَالَتِ امْرَأَةٌ      | ٧٠٧   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                         |       |
| ٤٠    | الحجر    | ١٥    | إِلَّا عِبَادَكَ مِنْهُمُ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٧٠   |
| ٨٣    | ص        | ٣٨    | إِلَّا عِبَادَكَ مِنْهُمُ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٧١   |
| ١٧١   | الشعراء  | ٢٦    | إِلَّا عَجُوزًا                             | ٧٧٢   |
| ١٣٥   | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا عَجُوزًا                             | ٧٧٣   |
| ٦     | المؤمنون | ٢٣    | إِلَّا عَلَىٰ أَرْوَاحِهِمْ                 | ٧٧٤   |
| ٣٠    | المعارج  | ٧٠    | إِلَّا عَلَىٰ أَرْوَاحِهِمْ                 | ٧٧٥   |
| ٢٦    | الواقعة  | ٥٦    | إِلَّا قِيْلًا                              | ٧٧٦   |
| ٧     | الأعلى   | ٨٧    | إِلَّا مَا شَاءَ اللَّهُ                    | ٧٧٧   |
| ٢٧    | الجن     | ٧٢    | إِلَّا مَنْ ارْتَضَىٰ                       | ٧٧٨   |
| ١٨    | الحجر    | ١٥    | إِلَّا مَنْ اسْتَرَقَ                       | ٧٧٩   |
| ٨٩    | الشعراء  | ٢٦    | إِلَّا مَنْ آتَىٰ اللَّهَ                   | ٧٨٠   |
| ٦٠    | مريم     | ١٩    | إِلَّا مَنْ تَابَ                           | ٧٨١   |
| ٧٠    | الفرقان  | ٢٥    | إِلَّا مَنْ تَابَ                           | ٧٨٢   |
| ٢٣    | الغاشية  | ٨٨    | إِلَّا مَنْ تَوَلَّىٰ                       | ٧٨٣   |
| ١٠    | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا مَنْ خَطِفَ                          | ٧٨٤   |
| ٤٢    | الدخان   | ٤٤    | إِلَّا مَنْ رَجِمَ اللَّهَ                  | ٧٨٥   |
| ١١٩   | هود      | ١١    | إِلَّا مَنْ رَجِمَ رَبِّكَ                  | ٧٨٦   |
| ١١    | النمل    | ٢٧    | إِلَّا مَنْ ظَلَمَ                          | ٧٨٧   |
| ١٦٣   | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا مَنْ هُوَ                            | ٧٨٨   |
| ٥٩    | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا مَوْتِنَا الْأُولَىٰ                 | ٧٨٩   |
| ٣     | الناس    | ١١٤   | إِلَهُ النَّاسِ                             | ٧٩٠   |
| ٢٢    | التحل    | ١٦    | إِلَهُكُمْ إِلَهٌ وَاحِدٌ                   | ٧٩١   |
| ٤     | هود      | ١١    | إِلَىٰ اللَّهِ مَرْجِعُكُمْ                 | ٧٩٢   |
| ٤٤    | النازعات | ٧٩    | إِلَىٰ رَبِّكَ                              | ٧٩٣   |
| ٣٠    | القيامة  | ٧٥    | إِلَىٰ رَبِّكَ                              | ٧٩٤   |
| ١٢    | القيامة  | ٧٥    | إِلَىٰ رَبِّكَ                              | ٧٩٥   |
| ٢٣    | القيامة  | ٧٥    | إِلَىٰ رَبِّهَا                             | ٧٩٦   |
| ٩٧    | هود      | ١١    | إِلَىٰ فِرْعَوْنَ                           | ٧٩٧   |
| ٤٦    | المؤمنون | ٢٣    | إِلَىٰ فِرْعَوْنَ                           | ٧٩٨   |
| ٢٤    | غافر     | ٤٠    | إِلَىٰ فِرْعَوْنَ                           | ٧٩٩   |
| ٢٢    | المرسلات | ٧٧    | إِلَىٰ قَدْرٍ مَّعْلُومٍ                    | ٨٠٠   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                     | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                      |       |
| ٢٥    | الإشفاق  | ٨٤    | إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا                 | ٧٣٩   |
| ٣     | العصر    | ١٠٣   | إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا                 | ٧٤٠   |
| ٢٢٧   | الشعراء  | ٢٦    | إِلَّا الَّذِينَ آمَنُوا                 | ٧٤١   |
| ٨٩    | آل عمران | ٣     | إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا                 | ٧٤٢   |
| ٥     | النور    | ٢٤    | إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا                 | ٧٤٣   |
| ٣٤    | المائدة  | ٥     | إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا                 | ٧٤٤   |
| ١٤٦   | النساء   | ٤     | إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا                 | ٧٤٥   |
| ١٦٠   | البقرة   | ٢     | إِلَّا الَّذِينَ تَابُوا                 | ٧٤٦   |
| ١١    | هود      | ١١    | إِلَّا الَّذِينَ صَبَرُوا                | ٧٤٧   |
| ٤     | التوبة   | ٩     | إِلَّا الَّذِينَ عَاهَدْتُمْ             | ٧٤٨   |
| ٩٠    | النساء   | ٤     | إِلَّا الَّذِينَ يَصِلُونَ               | ٧٤٩   |
| ٩٨    | النساء   | ٤     | إِلَّا الْمُسْتَغْفِرِينَ                | ٧٥٠   |
| ٢٢    | المعارج  | ٧٠    | إِلَّا الْمُصَلِّينَ                     | ٧٥١   |
| ٦٠    | الحجر    | ١٥    | إِلَّا امْرَأَتَهُ                       | ٧٥٢   |
| ٥٩    | الحجر    | ١٥    | إِلَّا آلَ لُوطٍ                         | ٧٥٣   |
| ٣٩    | المدثر   | ٧٤    | إِلَّا أَصْحَابَ الْيَمِينِ              | ٧٥٤   |
| ٢٤    | الكهف    | ١٨    | إِلَّا أَنْ يَشَاءَ اللَّهُ              | ٧٥٥   |
| ٧٤    | ص        | ٣٨    | إِلَّا إِبْلِيسَ اسْتَكْبَرَ             | ٧٥٦   |
| ٣١    | الحجر    | ١٥    | إِلَّا إِبْلِيسَ أَبَىٰ                  | ٧٥٧   |
| ٢٣    | الجن     | ٧٢    | إِلَّا بِلَاغًا                          | ٧٥٨   |
| ٣     | طه       | ٢٠    | إِلَّا تَذْكَرَةً                        | ٧٥٩   |
| ٤٠    | التوبة   | ٩     | إِلَّا تَنْصُرُوهُ                       | ٧٦٠   |
| ٣٩    | التوبة   | ٩     | إِلَّا تَنْفِرُوا                        | ٧٦١   |
| ٢٥    | النبا    | ٧٨    | إِلَّا حَمِيمًا                          | ٧٦٢   |
| ٨٧    | الإسراء  | ١٧    | إِلَّا رَحْمَةً مِّنْ رَبِّكَ            | ٧٦٣   |
| ٤٤    | يس       | ٣٦    | إِلَّا رَحْمَةً مِّنَّا                  | ٧٦٤   |
| ١٦٩   | النساء   | ٤     | إِلَّا طَرِيقَ جَهَنَّمَ                 | ٧٦٥   |
| ٤٠    | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٦٦   |
| ٧٤    | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٦٧   |
| ١٢٨   | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٦٨   |
| ١٦٠   | الصافات  | ٣٧    | إِلَّا عِبَادَ اللَّهِ<br>الْمُخْلِصِينَ | ٧٦٩   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-----|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                          | عام   |
| ٤٦،٨  | النساء   | ٣٣  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا        | ٨٣٢   |
| ٢٩    | المطففين | ٨٣  | إِنَّ الَّذِينَ أَجْرَمُوا     | ٨٣٣   |
| ١٩٤   | الأعراف  | ٧   | إِنَّ الَّذِينَ تَذَعُونَ      | ٨٣٤   |
| ٩٧    | النساء   | ٤   | إِنَّ الَّذِينَ تَوَفَّاهُمْ   | ٨٣٥   |
| ١٥٥   | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ تَوَلَّوْا     | ٨٣٦   |
| ١١    | النور    | ٢٤  | إِنَّ الَّذِينَ جَاءُوا        | ٨٣٧   |
| ٩٦    | يونس     | ١٠  | إِنَّ الَّذِينَ حَقَّتْ        | ٨٣٨   |
| ١٠١   | الأنبياء | ٢١  | إِنَّ الَّذِينَ سَبَقَتْ       | ٨٣٩   |
| ٢٠٦   | الأعراف  | ٧   | إِنَّ الَّذِينَ عِنْدَ رَبِّكَ | ٨٤٠   |
| ١٠    | البروج   | ٨٥  | إِنَّ الَّذِينَ قَتَلُوا       | ٨٤١   |
| ١٥٩   | الأنعام  | ٦   | إِنَّ الَّذِينَ فَرَّقُوا      | ٨٤٢   |
| ٣٠    | فصلت     | ٤١  | إِنَّ الَّذِينَ قَالُوا        | ٨٤٣   |
| ١٣    | الأحقاف  | ٤٦  | إِنَّ الَّذِينَ قَالُوا        | ٨٤٤   |
| ٤٠    | الأعراف  | ٧   | إِنَّ الَّذِينَ كَذَّبُوا      | ٨٤٥   |
| ٤١    | فصلت     | ٤١  | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٤٦   |
| ٥٦    | النساء   | ٤   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٤٧   |
| ٩٠    | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٤٨   |
| ٦     | البقرة   | ٢   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٤٩   |
| ١١٦   | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٠   |
| ١٠    | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥١   |
| ٣٦    | المائدة  | ٥   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٢   |
| ٦     | البينة   | ٩٨  | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٣   |
| ٣٤    | محمد     | ٤٧  | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٤   |
| ١٦٧   | النساء   | ٤   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٥   |
| ٣٢    | محمد     | ٤٧  | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٦   |
| ١٦٨   | النساء   | ٤   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٧   |
| ١٦١   | البقرة   | ٢   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٨   |
| ٩١    | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا       | ٨٥٩   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-----|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                      | عام   |
| ٣٨    | الحجر    | ١٥  | إِلَى يَوْمٍ               | ٨٠١   |
| ٨١    | ص        | ٣٨  | إِلَى يَوْمٍ               | ٨٠٢   |
| ٤     | يونس     | ١٠  | إِلَيْهِ مَرْجِعُكُمْ      | ٨٠٣   |
| ٤٧    | فصلت     | ٤١  | إِلَيْهِ يُرَدُّ           | ٨٠٤   |
| ١٣    | الإفطار  | ٨٢  | إِنَّ الْأَبْرَارَ         | ٨٠٥   |
| ٢٢    | المطففين | ٨٣  | إِنَّ الْأَبْرَارَ         | ٨٠٦   |
| ٥     | الإنسان  | ٧٦  | إِنَّ الْأَبْرَارَ         | ٨٠٧   |
| ١٩    | المعارج  | ٧٠  | إِنَّ الْإِنْسَانَ         | ٨٠٨   |
| ٦     | العاديات | ١٠٠ | إِنَّ الْإِنْسَانَ         | ٨٠٩   |
| ٢     | العصر    | ١٠٣ | إِنَّ الْإِنْسَانَ         | ٨١٠   |
| ١٩    | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ            | ٨١١   |
| ٨٥    | القصص    | ٢٨  | إِنَّ الَّذِي فَرَضَ       | ٨١٢   |
| ١٥٢   | الأعراف  | ٧   | إِنَّ الَّذِينَ اتَّخَذُوا | ٨١٣   |
| ٢٠١   | الأعراف  | ٧   | إِنَّ الَّذِينَ اتَّقَوْا  | ٨١٤   |
| ٢٥    | محمد     | ٤٧  | إِنَّ الَّذِينَ ارْتَدُّوا | ٨١٥   |
| ١٧٧   | آل عمران | ٣   | إِنَّ الَّذِينَ اسْتَرَوْا | ٨١٦   |
| ١٣٧   | النساء   | ٤   | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨١٧   |
| ٢١٨   | البقرة   | ٢   | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨١٨   |
| ٦٩    | المائدة  | ٥   | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨١٩   |
| ١٧    | الحج     | ٢٢  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٠   |
| ٦٢    | البقرة   | ٢   | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢١   |
| ٧     | البينة   | ٩٨  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٢   |
| ٣٠    | الكهف    | ١٨  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٣   |
| ٩٦    | مريم     | ١٩  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٤   |
| ١٠٧   | الكهف    | ١٨  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٥   |
| ٨     | فصلت     | ٤١  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٦   |
| ٨     | لقمان    | ٣١  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٧   |
| ١١    | البروج   | ٨٥  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٨   |
| ٢٣    | هود      | ١١  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٢٩   |
| ٢٧٧   | البقرة   | ٢   | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٣٠   |
| ٩     | يونس     | ١٠  | إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا    | ٨٣١   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ٣٣    | آل عمران | ٣      | إِنَّ اللَّهَ اصْطَفَى        | ٨٩١   |
| ٥١    | آل عمران | ٣      | إِنَّ اللَّهَ رَبِّى          | ٨٩٢   |
| ٣٨    | فاطر     | ٣٥     | إِنَّ اللَّهَ عَالِمٌ         | ٨٩٣   |
| ٣٤    | لقمان    | ٣١     | إِنَّ اللَّهَ عِنْدَهُ        | ٨٩٤   |
| ٩٥    | الأنعام  | ٦      | إِنَّ اللَّهَ فَالِقُ         | ٨٩٥   |
| ٥     | آل عمران | ٣      | إِنَّ اللَّهَ لَا يَخْفَى     | ٨٩٦   |
| ٢٦    | البقرة   | ٢      | إِنَّ اللَّهَ لَا يَسْتَحْيى  | ٨٩٧   |
| ٤٤    | يونس     | ١٠     | إِنَّ اللَّهَ لَا يَظْلِمُ    | ٨٩٨   |
| ٤٠    | النساء   | ٤      | إِنَّ اللَّهَ لَا يَظْلِمُ    | ٨٩٩   |
| ٤٨    | النساء   | ٤      | إِنَّ اللَّهَ لَا يَغْفِرُ    | ٩٠٠   |
| ١١٦   | النساء   | ٤      | إِنَّ اللَّهَ لَا يَغْفِرُ    | ٩٠١   |
| ٦٤    | الأحزاب  | ٣٣     | إِنَّ اللَّهَ لَعَنَ          | ٩٠٢   |
| ١١٦   | التوبة   | ٩      | إِنَّ اللَّهَ لَهُ            | ٩٠٣   |
| ١٢٨   | النحل    | ١٦     | إِنَّ اللَّهَ مَعَ            | ٩٠٤   |
| ٥٨    | الذاريات | ٥١     | إِنَّ اللَّهَ هُوَ            | ٩٠٥   |
| ٦٤    | الزخرف   | ٤٣     | إِنَّ اللَّهَ هُوَ            | ٩٠٦   |
| ٥٦    | الأحزاب  | ٣٣     | إِنَّ اللَّهَ وَمَلَائِكَتَهُ | ٩٠٧   |
| ٩٠    | النحل    | ١٦     | إِنَّ اللَّهَ يَأْمُرُ        | ٩٠٨   |
| ٥٨    | النساء   | ٤      | إِنَّ اللَّهَ يَأْمُرُكُمْ    | ٩٠٩   |
| ٤     | الصف     | ٦١     | إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ         | ٩١٠   |
| ٣٨    | الحج     | ٢٢     | إِنَّ اللَّهَ يُدْفِعُ        | ٩١١   |
| ١٤    | الحج     | ٢٢     | إِنَّ اللَّهَ يُدْخِلُ        | ٩١٢   |
| ١٢    | محمد     | ٤٧     | إِنَّ اللَّهَ يُدْخِلُ        | ٩١٣   |
| ٢٣    | الحج     | ٢٢     | إِنَّ اللَّهَ يُدْخِلُ        | ٩١٤   |
| ١٨    | الحجرات  | ٤٩     | إِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ        | ٩١٥   |
| ٤٢    | العنكبوت | ٢٩     | إِنَّ اللَّهَ يَعْلَمُ        | ٩١٦   |
| ٤١    | فاطر     | ٣٥     | إِنَّ اللَّهَ يُنْسِكُ        | ٩١٧   |
| ٢٧    | الإسراء  | ١٧     | إِنَّ الْمُبَدِّرِينَ         | ٩١٨   |
| ٤٥    | الحجر    | ١٥     | إِنَّ الْمُتَّقِينَ           | ٩١٩   |
| ١٥    | الذاريات | ٥١     | إِنَّ الْمُتَّقِينَ           | ٩٢٠   |
| ١٧    | الطور    | ٥٢     | إِنَّ الْمُتَّقِينَ           | ٩٢١   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ٢٥    | الحج     | ٢٢     | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٨٦٠   |
| ١٠    | غافر     | ٤٠     | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٨٦١   |
| ٣٦    | الأنفال  | ٨      | إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٨٦٢   |
| ٤     | النمل    | ٢٧     | إِنَّ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ | ٨٦٣   |
| ٢٧    | النجم    | ٥٣     | إِنَّ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ | ٨٦٤   |
| ١٠٤   | النحل    | ١٦     | إِنَّ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ | ٨٦٥   |
| ٧     | يونس     | ١٠     | إِنَّ الَّذِينَ لَا يَرْجُونَ   | ٨٦٦   |
| ٥٧    | المؤمنون | ٢٣     | إِنَّ الَّذِينَ هُمْ            | ٨٦٧   |
| ٥٧    | الأحزاب  | ٣٣     | إِنَّ الَّذِينَ يُؤْذُونَ       | ٨٦٨   |
| ١٠    | النساء   | ٤      | إِنَّ الَّذِينَ يَأْكُلُونَ     | ٨٦٩   |
| ١٠    | الفتح    | ٤٨     | إِنَّ الَّذِينَ يُبَايِعُونَكَ  | ٨٧٠   |
| ٢٩    | فاطر     | ٣٥     | إِنَّ الَّذِينَ يَتْلُونَ       | ٨٧١   |
| ٥٦    | غافر     | ٤٠     | إِنَّ الَّذِينَ يُجَادِلُونَ    | ٨٧٢   |
| ٢٠    | المجادلة | ٥٨     | إِنَّ الَّذِينَ يُحَادِّثُونَ   | ٨٧٣   |
| ٥     | المجادلة | ٥٨     | إِنَّ الَّذِينَ يُحَادِّثُونَ   | ٨٧٤   |
| ١٩    | النور    | ٢٤     | إِنَّ الَّذِينَ يُحِبُّونَ      | ٨٧٥   |
| ١٢    | الملك    | ٦٧     | إِنَّ الَّذِينَ يُخْشَوْنَ      | ٨٧٦   |
| ٢٣    | النور    | ٢٤     | إِنَّ الَّذِينَ يَزْمُونَ       | ٨٧٧   |
| ٧٧    | آل عمران | ٣      | إِنَّ الَّذِينَ يَشْتَرُونَ     | ٨٧٨   |
| ٣     | الحجرات  | ٤٩     | إِنَّ الَّذِينَ يَغُضُّونَ      | ٨٧٩   |
| ١٧٤   | البقرة   | ٢      | إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ     | ٨٨٠   |
| ١٥٩   | البقرة   | ٢      | إِنَّ الَّذِينَ يَكْتُمُونَ     | ٨٨١   |
| ١٥٠   | النساء   | ٤      | إِنَّ الَّذِينَ يَكْفُرُونَ     | ٨٨٢   |
| ٢١    | آل عمران | ٣      | إِنَّ الَّذِينَ يَكْفُرُونَ     | ٨٨٣   |
| ٤٠    | فصلت     | ٤١     | إِنَّ الَّذِينَ يُلْحِدُونَ     | ٨٨٤   |
| ٤     | الحجرات  | ٤٩     | إِنَّ الَّذِينَ يُنَادُونَكَ    | ٨٨٥   |
| ١٥    | طه       | ٢٠     | إِنَّ السَّاعَةَ آتِيَةٌ        | ٨٨٦   |
| ٥٩    | غافر     | ٤٠     | إِنَّ السَّاعَةَ لَأْتِيَةٌ     | ٨٨٧   |
| ٦     | فاطر     | ٣٥     | إِنَّ الشَّيْطَانَ              | ٨٨٨   |
| ١٥٨   | البقرة   | ٢      | إِنَّ الصَّفَا وَالْمَرْوَةَ    | ٨٨٩   |
| ١١١   | التوبة   | ٩      | إِنَّ اللَّهَ اشْتَرَى          | ٨٩٠   |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية          | عام   |
| ١٧    | التغابن  | ٦٤     | إن تُقرضوا     | ٩٥٣   |
| ٧     | الزمر    | ٣٩     | إن تكفروا      | ٩٥٤   |
| ١٢٠   | آل عمران | ٣      | إن تمسككم      | ٩٥٥   |
| ٢١    | النبا    | ٧٨     | إن جهنم        | ٩٥٦   |
| ١١٣   | الشعراء  | ٢٦     | إن حسابهم      | ٩٥٧   |
| ٦٤    | ص        | ٣٨     | إن ذلك لحق     | ٩٥٨   |
| ١٤    | الفجر    | ٨٩     | إن ربك         | ٩٥٩   |
| ٨٦    | الحجر    | ١٥     | إن ربك         | ٩٦٠   |
| ٧     | القلم    | ٦٨     | إن ربك         | ٩٦١   |
| ١١٧   | الأنعام  | ٦      | إن ربك         | ٩٦٢   |
| ٢٥    | السجدة   | ٣٢     | إن ربك         | ٩٦٣   |
| ٣٠    | الإسراء  | ١٧     | إن ربك         | ٩٦٤   |
| ٢٠    | المزمل   | ٧٣     | إن ربك         | ٩٦٥   |
| ٧٨    | النمل    | ٢٧     | إن ربك         | ٩٦٦   |
| ٣     | يونس     | ١٠     | إن ربكم الله   | ٩٦٧   |
| ٥٤    | الأعراف  | ٧      | إن ربكم الله   | ٩٦٨   |
| ١١    | العاديات | ١٠٠    | إن ربهم        | ٩٦٩   |
| ٤     | الليل    | ٩٢     | إن سعيكم لثنى  | ٩٧٠   |
| ٣     | الكوثر   | ١٠٨    | إن شاتيك       | ٩٧١   |
| ٤٣    | الدخان   | ٤٤     | إن شجرت الزقوم | ٩٧٢   |
| ٥٥    | الأنفال  | ٨      | إن شرّ الدواب  | ٩٧٣   |
| ٢٢    | الأنفال  | ٨      | إن شرّ الدواب  | ٩٧٤   |
| ٤٢    | الحجر    | ١٥     | إن عبادي       | ٩٧٥   |
| ٦٥    | الإسراء  | ١٧     | إن عبادي       | ٩٧٦   |
| ٣٦    | النوبة   | ٩      | إن عذة الشهرور | ٩٧٧   |
| ٧     | الطور    | ٥٢     | إن عذاب ربك    | ٩٧٨   |
| ٢٨    | المعارج  | ٧٠     | إن عذاب ربهم   | ٩٧٩   |
| ١٧    | القيامة  | ٧٥     | إن علينا جمعة  | ٩٨٠   |
| ١٢    | الليل    | ٩٢     | إن علينا للهدى | ٩٨١   |
| ٤     | القصص    | ٢٨     | إن فرعون       | ٩٨٢   |
| ٦     | يونس     | ١٠     | إن في الختلاف  | ٩٨٣   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية          | عام   |
| ٥٤    | القمر    | ٥٤     | إن المتقين     | ٩٢٢   |
| ٤١    | المرسلات | ٧٧     | إن المتقين     | ٩٢٢   |
| ٥١    | الدخان   | ٤٤     | إن المتقين     | ٩٢٤   |
| ٤٧    | القمر    | ٥٤     | إن المجرمين    | ٩٢٥   |
| ٧٤    | الزخرف   | ٤٣     | إن المجرمين    | ٩٢٦   |
| ٣٥    | الأحزاب  | ٣٣     | إن المسلمين    | ٩٢٧   |
| ١٨    | الحديد   | ٥٧     | إن المصدقين    | ٩٢٨   |
| ١٤٥   | النساء   | ٤      | إن المنافقين   | ٩٢٩   |
| ١٤٢   | النساء   | ٤      | إن المنافقين   | ٩٣٠   |
| ٧     | الإسراء  | ١٧     | إن أخصنتم      | ٩٣١   |
| ٥٥    | يس       | ٣٦     | إن أصحاب الجنة | ٩٣٢   |
| ١١٥   | الشعراء  | ٢٦     | إن أنا         | ٩٣٣   |
| ٢٣    | فاطر     | ٣٥     | إن أنت         | ٩٣٤   |
| ٩٦    | آل عمران | ٣      | إن أول         | ٩٣٥   |
| ٦٨    | آل عمران | ٣      | إن أولى        | ٩٣٦   |
| ١٢٠   | النحل    | ١٦     | إن إبراهيم     | ٩٣٧   |
| ٧٥    | هود      | ١١     | إن إبراهيم     | ٩٣٨   |
| ٤     | الصافات  | ٣٧     | إن إلهكم       | ٩٣٩   |
| ٨     | العلق    | ٩٦     | إن إلى ربك     | ٩٤٠   |
| ٢٥    | الغاشية  | ٨٨     | إن لينا        | ٩٤١   |
| ١٢    | البروج   | ٨٥     | إن بطش ربك     | ٩٤٢   |
| ٢٧١   | البقرة   | ٢      | إن تبادوا      | ٩٤٣   |
| ١٤٩   | النساء   | ٤      | إن تبادوا      | ٩٤٤   |
| ٥٤    | الأحزاب  | ٣٣     | إن تبادوا      | ٩٤٥   |
| ٤     | التحریم  | ٦٦     | إن تتوبا       | ٩٤٦   |
| ٣١    | النساء   | ٤      | إن تجتنبوا     | ٩٤٧   |
| ٣٧    | النحل    | ١٦     | إن تحرص        | ٩٤٨   |
| ١٤    | فاطر     | ٣٥     | إن تدعوهم      | ٩٤٩   |
| ١٩    | الأنفال  | ٨      | إن تستفتحوا    | ٩٥٠   |
| ٥٠    | النوبة   | ٩      | إن نصيبك       | ٩٥١   |
| ١١٨   | المائدة  | ٥      | إن تعذبهم      | ٩٥٢   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ٦     | الشرح    | ٩٤     | إِنَّ مَعَ الْعُسْرِ            | ١٠١٥  |
| ٦     | المزمل   | ٧٣     | إِنَّ نَاشِئَةَ اللَّيْلِ       | ١٠١٦  |
| ٤     | الشعراء  | ٢٦     | إِنْ نَشَأْ نُزِّلْ             | ١٠١٧  |
| ٥٤    | هود      | ١١     | إِنْ تَقُولْ                    | ١٠١٨  |
| ٥٤    | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ هَؤُلَاءِ لَشِرْذِمَةٌ    | ١٠١٩  |
| ٣٤    | الدخان   | ٤٤     | إِنَّ هَؤُلَاءِ لَيَقُولُونَ    | ١٠٢٠  |
| ١٣٩   | الأعراف  | ٧      | إِنَّ هَؤُلَاءِ مُتَّبِعُونَ    | ١٠٢١  |
| ٢٧    | الإنسان  | ٧٦     | إِنَّ هَؤُلَاءِ يُحِبُّونَ      | ١٠٢٢  |
| ٧٦    | النمل    | ٢٧     | إِنَّ هَذَا الْقُرْآنَ يَفْصَحُ | ١٠٢٣  |
| ٩     | الإسراء  | ١٧     | إِنَّ هَذَا الْقُرْآنَ يَهْدِي  | ١٠٢٤  |
| ٢٣    | ص        | ٣٨     | إِنَّ هَذَا أَخِي               | ١٠٢٥  |
| ١٣٧   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ هَذَا إِلَّا خَلْقٌ       | ١٠٢٦  |
| ٢٥    | المدثر   | ٧٤     | إِنَّ هَذَا إِلَّا قَوْلٌ       | ١٠٢٧  |
| ٢٢    | الإنسان  | ٧٦     | إِنَّ هَذَا كَانَ               | ١٠٢٨  |
| ٥٤    | ص        | ٣٨     | إِنَّ هَذَا لِرِزْقِنَا         | ١٠٢٩  |
| ١٨    | الأعلى   | ٨٧     | إِنَّ هَذَا لَقِي               | ١٠٣٠  |
| ١٠٦   | الصفات   | ٣٧     | إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْبِلَاءُ   | ١٠٣١  |
| ٦٠    | الصفات   | ٣٧     | إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْقَوْزُ    | ١٠٣٢  |
| ٦٢    | آل عمران | ٣      | إِنَّ هَذَا لَهُوَ الْقَصَصُ    | ١٠٣٣  |
| ٩٥    | الواقعة  | ٥٦     | إِنَّ هَذَا لَهُوَ حَقٌّ        | ١٠٣٤  |
| ٥٠    | الدخان   | ٤٤     | إِنَّ هَذَا مَا كُنْتُمْ        | ١٠٣٥  |
| ٩٢    | الأنبياء | ٢١     | إِنَّ هَذِهِ أُمَّتُكُمْ        | ١٠٣٦  |
| ١٩    | المزمل   | ٧٣     | إِنَّ هَذِهِ تَذَكُّرَةٌ        | ١٠٣٧  |
| ٢٩    | الإنسان  | ٧٦     | إِنَّ هَذِهِ تَذَكُّرَةٌ        | ١٠٣٨  |
| ٨٧    | ص        | ٣٨     | إِنَّ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ        | ١٠٣٩  |
| ٢٧    | التكوير  | ٨١     | إِنَّ هُوَ إِلَّا ذِكْرٌ        | ١٠٤٠  |
| ٣٨    | المؤمنون | ٢٣     | إِنَّ هُوَ إِلَّا رَجُلٌ        | ١٠٤١  |
| ٢٥    | المؤمنون | ٢٣     | إِنَّ هُوَ إِلَّا رَجُلٌ        | ١٠٤٢  |
| ٥٩    | الزخرف   | ٤٣     | إِنَّ هُوَ إِلَّا عَيْدٌ        | ١٠٤٣  |
| ٤     | النجم    | ٥٣     | إِنَّ هُوَ إِلَّا وَحْيٌ        | ١٠٤٤  |
| ٢٣    | النجم    | ٥٣     | إِنَّ هِيَ إِلَّا أَسْمَاءٌ     | ١٠٤٥  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ٣     | الجاثية  | ٤٥     | إِنَّ فِي السَّمَوَاتِ      | ٩٨٤   |
| ١٩٠   | آل عمران | ٣      | إِنَّ فِي خَلْقِ            | ٩٨٥   |
| ١٦٤   | البقرة   | ٢      | إِنَّ فِي خَلْقِ            | ٩٨٦   |
| ٧٥    | الحجر    | ١٥     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَاتٍ    | ٩٨٧   |
| ٣٠    | المؤمنون | ٢٣     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَاتٍ    | ٩٨٨   |
| ٧٧    | الحجر    | ١٥     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٨٩   |
| ١٠٣   | هود      | ١١     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٠   |
| ٨     | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩١   |
| ٦٧    | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٢   |
| ١٠٣   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٣   |
| ١٢١   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٤   |
| ١٧٤   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٥   |
| ١٩٠   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لآيَةٌ     | ٩٩٦   |
| ٣٧    | ق        | ٥٠     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لَذِكْرٌ   | ٩٩٧   |
| ٢٦    | النازعات | ٧٩     | إِنَّ فِي ذَلِكَ لَعِبْرَةٌ | ٩٩٨   |
| ١٠٦   | الأنبياء | ٢١     | إِنَّ فِي هَذَا لَبَلَاغًا  | ٩٩٩   |
| ٧٦    | القصص    | ٢٨     | إِنَّ قَارُونَ              | ١٠٠٠  |
| ٤٢    | الفرقان  | ٢٥     | إِنَّ كَذًا                 | ١٠٠١  |
| ٥٣    | يس       | ٣٦     | إِنَّ كَانَتْ               | ١٠٠٢  |
| ٢٩    | يس       | ٣٦     | إِنَّ كَانَتْ               | ١٠٠٣  |
| ١٤    | ص        | ٣٨     | إِنَّ كُلَّ                 | ١٠٠٤  |
| ٩٣    | مريم     | ١٩     | إِنَّ كُلَّ                 | ١٠٠٥  |
| ٤     | الطارق   | ٨٦     | إِنَّ كُلَّ                 | ١٠٠٦  |
| ١٢    | المزمل   | ٧٣     | إِنَّ لَدِينَنَا            | ١٠٠٧  |
| ١١٨   | طه       | ٢٠     | إِنَّ لَكَ                  | ١٠٠٨  |
| ٧     | المزمل   | ٧٣     | إِنَّ لَكَ                  | ١٠٠٩  |
| ٣٨    | القلم    | ٦٨     | إِنَّ لَكُمْ                | ١٠١٠  |
| ٣٤    | القلم    | ٦٨     | إِنَّ لِلْمُتَّقِينَ        | ١٠١١  |
| ٣١    | النبا    | ٧٨     | إِنَّ لِلْمُتَّقِينَ        | ١٠١٢  |
| ١٣٤   | الأنعام  | ٦      | إِنَّ مَا تُوَعَّدُونَ      | ١٠١٣  |
| ٥٩    | آل عمران | ٣      | إِنَّ مَثَلٌ عِيسَى         | ١٠١٤  |

الفهرس الهجائي لشواهد آيات القرآن الكريم

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                            | عام   |
| ١     | القدر    | ٩٧    | إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ فِي                       | ١٠٧٧  |
| ٣     | الدخان   | ٤٤    | إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ فِي                       | ١٠٧٨  |
| ٢     | يوسف     | ١٢    | إِنَّا أَنْزَلْنَاهُ فَرَأَانَا                | ١٠٧٩  |
| ٣٥    | الواقعة  | ٥٦    | إِنَّا أَنْشَأْنَاهُنَّ إِنشَاءً               | ١٠٨٠  |
| ١٦٣   | النساء   | ٤     | إِنَّا أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ                    | ١٠٨١  |
| ١٧    | القلم    | ٦٨    | إِنَّا بَلَوْنَاهُمْ                           | ١٠٨٢  |
| ٨     | يس       | ٣٦    | إِنَّا جَعَلْنَا فِي                           | ١٠٨٣  |
| ٧     | الكهف    | ١٨    | إِنَّا جَعَلْنَا مَا                           | ١٠٨٤  |
| ٣     | الزخرف   | ٤٣    | إِنَّا جَعَلْنَاهُ فَرَأَانَا                  | ١٠٨٥  |
| ٦٣    | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا جَعَلْنَاهَا فِتْنَةً                   | ١٠٨٦  |
| ٢     | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّا خَلَقْنَا الْإِنْسَانَ                  | ١٠٨٧  |
| ٦     | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا رَبَّيْنَا السَّمَاءَ                   | ١٠٨٨  |
| ١٨    | ص        | ٣٨    | إِنَّا سَخَّرْنَا الْجِبَالَ                   | ١٠٨٩  |
| ٥     | المزمل   | ٧٣    | إِنَّا سَأَلْنَاكَ عَلَيْكَ                    | ١٠٩٠  |
| ٧٢    | الأحزاب  | ٣٣    | إِنَّا عَرَضْنَا الْأَمَانَةَ                  | ١٠٩١  |
| ١     | الفتح    | ٤٨    | إِنَّا فَتَحْنَا لَكَ                          | ١٠٩٢  |
| ٤٨    | طه       | ٢٠    | إِنَّا قَدْ أُوحِيَ إِلَيْنَا                  | ١٠٩٣  |
| ١٥    | الدخان   | ٤٤    | إِنَّا كَتَبْنَا فِي الْعَذَابِ                | ١٠٩٤  |
| ٨٠    | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا كَذَّبْنَا نَجْرِي<br>الْمُضِيِّينَ     | ١٠٩٥  |
| ١٢١   | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا كَذَّبْنَا نَجْرِي<br>الْمُضِيِّينَ     | ١٠٩٦  |
| ١٣١   | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا كَذَّبْنَا نَجْرِي<br>الْمُضِيِّينَ     | ١٠٩٧  |
| ٤٤    | المرسلات | ٧٧    | إِنَّا كَذَّبْنَا نَجْرِي<br>الْمُضِيِّينَ     | ١٠٩٨  |
| ٣٤    | الصفافات | ٣٧    | إِنَّا كَذَّبْنَا نَفْعَلُ<br>بِالْمُجْرِمِينَ | ١٠٩٩  |
| ٩٥    | الحجر    | ١٥    | إِنَّا كَفَيْنَاكَ الْمُسْتَهْزِئِينَ          | ١١٠٠  |
| ٤٩    | القمر    | ٥٤    | إِنَّا كُلَّ شَيْءٍ خَلَقْنَاهُ                | ١١٠١  |
| ٢٨    | الطور    | ٥٢    | إِنَّا كُنَّا مِنْ قَبْلُ                      | ١١٠٢  |
| ١١    | الحاقة   | ٦٩    | إِنَّا لَمَّا طَغَا الْمَاءُ                   | ١١٠٣  |
| ٦٦    | الواقعة  | ٥٦    | إِنَّا لَمُعْرَمُونَ                           | ١١٠٤  |
| ٥١    | غافر     | ٤٠    | إِنَّا لَنَنْصُرُ رُسُلَنَا                    | ١١٠٥  |
| ٢٧    | القمر    | ٥٤    | إِنَّا مُرْسَلُوا نَثَاقَةً                    | ١١٠٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                      | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                       | عام   |
| ٣٧    | المؤمنون | ٢٣    | إِن هِيَ إِلَّا حَيَاتُنَا                | ١٠٤   |
| ٣٥    | الدخان   | ٤٤    | إِن هِيَ إِلَّا مَوْتُنَا                 | ١٠٤   |
| ١٩٦   | الأعراف  | ٧     | إِنَّ وِلْيَةَ اللَّهِ                    | ١٠٤   |
| ٢     | المتحنة  | ٦٠    | إِن يَنْقُضْكُمْ                          | ١٠٤   |
| ١١٧   | النساء   | ٤     | إِن يَذْعُونِ                             | ١٠٥   |
| ٣٧    | محمد     | ٤٧    | إِن يَسْأَلْكُمْ وَهَا                    | ١٠٥   |
| ١٣٣   | النساء   | ٤     | إِن يَشَأْ يَذْهَبْكُمْ                   | ١٠٥   |
| ١٦    | فاطر     | ٣٥    | إِن يَشَأْ يَذْهَبْكُمْ                   | ١٠٥   |
| ٣٣    | الشورى   | ٤٢    | إِن يَشَأْ يُسْكِنِ                       | ١٠٥   |
| ١٤٠   | آل عمران | ٣     | إِن يَمَسَّكُمْ فَرَحٌ                    | ١٠٥   |
| ١٦٠   | آل عمران | ٣     | إِن يَتَصَرَّكُمْ اللَّهُ                 | ١٠٥   |
| ٧٠    | ص        | ٣٨    | إِن يُوحَىٰ إِلَيَّ                       | ١٠٥   |
| ١٧    | النبأ    | ٧٨    | إِنَّ يَوْمَ الْقِصَلِ                    | ١٠٥   |
| ٤٠    | الدخان   | ٤٤    | إِنَّ يَوْمَ الْقِصَلِ                    | ١٠٥   |
| ٧٣    | طه       | ٢٠    | إِنَّا أَمَّا بَرَبْنَا                   | ١٠٦   |
| ٤٦    | ص        | ٣٨    | إِنَّا أَخْلَصْنَاهُمْ                    | ١٠٦   |
| ١٥    | المزمل   | ٧٣    | إِنَّا أَرْسَلْنَا إِلَيْكُمْ             | ١٠٦   |
| ٣٤    | القمر    | ٥٤    | إِنَّا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ<br>حَاصِيًا | ١٠٦   |
| ١٩    | القمر    | ٥٤    | إِنَّا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ رِيحًا      | ١٠٦   |
| ٣١    | القمر    | ٥٤    | إِنَّا أَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ<br>صَيْحَةً | ١٠٦   |
| ١     | نوح      | ٧١    | إِنَّا أَرْسَلْنَا نُوحًا                 | ١٠٦   |
| ٢٤    | فاطر     | ٣٥    | إِنَّا أَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ           | ١٠٦   |
| ١١٩   | البقرة   | ٢     | إِنَّا أَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ           | ١٠٦   |
| ٨     | الفتح    | ٤٨    | إِنَّا أَرْسَلْنَاكَ شَاهِدًا             | ١٠٦   |
| ٤     | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّا أَعْتَدْنَا لِلْكَافِرِينَ         | ١٠٧   |
| ١     | الكوثر   | ١٠٨   | إِنَّا أَعْطَيْنَاكَ الْكَوْثَرَ          | ١٠٧   |
| ٤٠    | النبأ    | ٧٨    | إِنَّا أَنْزَلْنَاهُمْ عَذَابًا           | ١٠٧   |
| ٤٤    | المائدة  | ٥     | إِنَّا أَنْزَلْنَا التَّوْرَةَ            | ١٠٧   |
| ٢     | الزمر    | ٣٩    | إِنَّا أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ    | ١٠٧   |
| ١٠٥   | النساء   | ٤     | إِنَّا أَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ    | ١٠٧   |
| ٤١    | الزمر    | ٣٩    | إِنَّا أَنْزَلْنَا عَلَيْكَ الْكِتَابَ    | ١٠٧   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           |       |
| ٩١    | النمل    | ٢٧    | إِنَّمَا أَمِرتُ              | ١١٣٨  |
| ٨٢    | يس       | ٣٦    | إِنَّمَا أَمَرُهُ             | ١١٣٩  |
| ١٥    | التغابن  | ٦٤    | إِنَّمَا أَمْوالُكُمْ         | ١١٤٠  |
| ٤٥    | النازعات | ٧٩    | إِنَّمَا أَنْتَ               | ١١٤١  |
| ٩٨    | طه       | ٢٠    | إِنَّمَا إِلَهُكُمُ           | ١١٤٢  |
| ١٧    | العنكبوت | ٢٩    | إِنَّمَا تَعْبُدُونَ          | ١١٤٣  |
| ١١    | يس       | ٣٦    | إِنَّمَا تُنذِرُ              | ١١٤٤  |
| ٥     | الذاريات | ٥١    | إِنَّمَا تُوعَدُونَ لَصَادِقٍ | ١١٤٥  |
| ٧     | المرسلات | ٧٧    | إِنَّمَا تُوعَدُونَ لَوَاقِعٍ | ١١٤٦  |
| ٣٣    | المائدة  | ٥     | إِنَّمَا جَزَاءُ              | ١١٤٧  |
| ١٢٤   | النحل    | ١٦    | إِنَّمَا جُعِلَ               | ١١٤٨  |
| ١٧٣   | البقرة   | ٢     | إِنَّمَا حَرَّمَ              | ١١٤٩  |
| ١١٥   | النحل    | ١٦    | إِنَّمَا حَرَّمَ              | ١١٥٠  |
| ١٧٥   | آل عمران | ٣     | إِنَّمَا دَلَّكُمْ            | ١١٥١  |
| ١٠٠   | النحل    | ١٦    | إِنَّمَا سُلْطَانُهُ          | ١١٥٢  |
| ٤٠    | النحل    | ١٦    | إِنَّمَا قَوْلُنَا            | ١١٥٣  |
| ٥١    | النور    | ٢٤    | إِنَّمَا كَانَ                | ١١٥٤  |
| ٢٤    | يونس     | ١٠    | إِنَّمَا مِثْلُ الْحَيَاةِ    | ١١٥٥  |
| ٩     | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّمَا نُطْعِمُكُمْ         | ١١٥٦  |
| ٥٥    | المائدة  | ٥     | إِنَّمَا وَلِيُّكُمُ اللَّهُ  | ١١٥٧  |
| ١٥    | السجدة   | ٣٢    | إِنَّمَا يُؤْمِنُ             | ١١٥٨  |
| ١٦٩   | البقرة   | ٢     | إِنَّمَا يُؤْمِنُ             | ١١٥٩  |
| ٩١    | المائدة  | ٥     | إِنَّمَا يُرِيدُ الشَّيْطَانُ | ١١٦٠  |
| ٤٥    | التوبة   | ٩     | إِنَّمَا يَسْتَنْذِرُكَ       | ١١٦١  |
| ٣٦    | الأنعام  | ٦     | إِنَّمَا يَسْتَجِيبُ          | ١١٦٢  |
| ١٨    | التوبة   | ٩     | إِنَّمَا يَعْمُرُ             | ١١٦٣  |
| ١٠٥   | النحل    | ١٦    | إِنَّمَا يَقْرَأُ             | ١١٦٤  |
| ٩     | المتحنة  | ٦٠    | إِنَّمَا يَنْهَاكُمْ اللَّهُ  | ١١٦٥  |
| ١٤    | طه       | ٢٠    | إِنِّي أَنَا اللَّهُ          | ١١٦٦  |
| ١٤    | الإشفاق  | ٨٤    | إِنَّهُ ظَنُّ                 | ١١٦٧  |
| ٨     | الطارق   | ٨٦    | إِنَّهُ عَلَى                 | ١١٦٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                              |       |
| ٨٤    | الكهف    | ١٨    | إِنَّا مَكِّنَّا لَهُ            | ١١٠٧  |
| ٣٤    | العنكبوت | ٢٩    | إِنَّا مُنْزِلُونَ               | ١١٠٨  |
| ١٢    | يس       | ٣٦    | إِنَّا نَحْنُ نُحْيِي            | ١١٠٩  |
| ٤٣    | ق        | ٥٠    | إِنَّا نَحْنُ نُحْيِي            | ١١١٠  |
| ٤٠    | مريم     | ١٩    | إِنَّا نَحْنُ تَرْتِ             | ١١١١  |
| ٩     | الحجر    | ١٥    | إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا         | ١١١٢  |
| ٢٣    | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا         | ١١١٣  |
| ١٠    | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّا نَخَافُ                   | ١١١٤  |
| ٥١    | الشعراء  | ٢٦    | إِنَّا نَطْمَعُ                  | ١١١٥  |
| ٣     | الإنسان  | ٧٦    | إِنَّا هَدَيْنَاهُ السَّبِيلَ    | ١١١٦  |
| ٢٧    | نوح      | ٧١    | إِنَّكَ إِنْ                     | ١١١٧  |
| ٣٥    | طه       | ٢٠    | إِنَّكَ كُنْتَ                   | ١١١٨  |
| ٨٠    | النمل    | ٢٧    | إِنَّكَ لَا تَسْمَعُ             | ١١١٩  |
| ٥٦    | القصص    | ٢٨    | إِنَّكَ لَا تَهْدِي              | ١١٢٠  |
| ٣     | يس       | ٣٦    | إِنَّكَ لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ    | ١١٢١  |
| ٣٠    | الزمر    | ٣٩    | إِنَّكَ مَيِّتٌ                  | ١١٢٢  |
| ٨١    | الأعراف  | ٧     | إِنَّكُمْ لَتَأْتُونَ الرِّجَالَ | ١١٢٣  |
| ٣٨    | الصفات   | ٣٧    | إِنَّكُمْ لَتَذَانِقُوا          | ١١٢٤  |
| ٨     | الذاريات | ٥١    | إِنَّكُمْ لَقِي                  | ١١٢٥  |
| ٩٨    | الأنبياء | ٢١    | إِنَّكُمْ وَمَا تَعْبُدُونَ      | ١١٢٦  |
| ١٧    | النساء   | ٤     | إِنَّمَا التَّوْبَةُ             | ١١٢٧  |
| ٣٦    | محمد     | ٤٧    | إِنَّمَا الْحَيَاةُ              | ١١٢٨  |
| ٩٣    | التوبة   | ٩     | إِنَّمَا السَّبِيلُ              | ١١٢٩  |
| ٤٢    | الشورى   | ٤٢    | إِنَّمَا السَّبِيلُ              | ١١٣٠  |
| ٦٠    | التوبة   | ٩     | إِنَّمَا الصَّدَقَاتُ            | ١١٣١  |
| ٦٢    | النور    | ٢٤    | إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ          | ١١٣٢  |
| ١٥    | الحجرات  | ٤٩    | إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ          | ١١٣٣  |
| ٢     | الأنفال  | ٨     | إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ          | ١١٣٤  |
| ١٠    | الحجرات  | ٤٩    | إِنَّمَا الْمُؤْمِنُونَ          | ١١٣٥  |
| ١٠    | المجادلة | ٥٨    | إِنَّمَا التَّجْوَى              | ١١٣٦  |
| ٣٧    | التوبة   | ٩     | إِنَّمَا النَّسِيءُ              | ١١٣٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ١٥    | الطارق   | ٨٦     | إِنَّهُمْ يَكِيدُونَ كَيْدًا  | ١٢٠٠  |
| ١٢٢   | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُمَا مِنْ عِبَادِنَا    | ١٢٠١  |
| ٢٥    | يس       | ٣٦     | إِنِّي آمَنْتُ                | ١٢٠٢  |
| ١٣٥   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي أَخَافُ                | ١٢٠٣  |
| ٢٩    | المائدة  | ٥      | إِنِّي أَرِيدُ                | ١٢٠٤  |
| ١٢    | طه       | ٢٠     | إِنِّي أَنَا رَبُّكَ          | ١٢٠٥  |
| ٢٤    | يس       | ٣٦     | إِنِّي إِذَا                  | ١٢٠٦  |
| ٥٦    | هود      | ١١     | إِنِّي تَوَكَّلْتُ            | ١٢٠٧  |
| ١١١   | المؤمنون | ٢٣     | إِنِّي جَزَيْتُهُمُ           | ١٢٠٨  |
| ٢٠    | الحاقة   | ٦٩     | إِنِّي ظَنَنْتُ               | ١٢٠٩  |
| ١٠٧   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي لَكُمْ رَسُولٌ أَمِينٌ | ١٢١٠  |
| ١٢٥   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي لَكُمْ رَسُولٌ أَمِينٌ | ١٢١١  |
| ١٤٣   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي لَكُمْ رَسُولٌ أَمِينٌ | ١٢١٢  |
| ١٦٢   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي لَكُمْ رَسُولٌ أَمِينٌ | ١٢١٣  |
| ١٧٨   | الشعراء  | ٢٦     | إِنِّي لَكُمْ رَسُولٌ أَمِينٌ | ١٢١٤  |
| ٢٣    | النمل    | ٢٧     | إِنِّي وَجَدْتُ امْرَأَةً     | ١٢١٥  |
| ٧٩    | الأنعام  | ٦      | إِنِّي وَجَّهْتُ وَجْهِيَ     | ١٢١٦  |
| ٥     | الفاحة   | ١      | إِيَّاكَ تَعْبُدُ             | ١٢١٧  |
| ٢     | قريش     | ١٠٦    | إِيْلَافِهِمْ                 | ١٢١٨  |

(٢) آيات تبدأ بحرف الباء

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|---------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                                | عام   |
| ٩٠    | البقرة  | ٢      | بِشْمَا اسْتَنْرُوا                  | ١٢١٩  |
| ٤٤    | النحل   | ١٦     | بِالْبَيْتَاتِ وَالزُّبُرِ           | ١٢٢٠  |
| ١٨    | الواقعة | ٥٦     | بِأَنْوَابٍ وَأَبَارِقٍ              | ١٢٢١  |
| ٥     | الزلزلة | ٩٩     | بِأَنَّ رَبَّكَ أَوْحَىٰ لَهَا       | ١٢٢٢  |
| ٩     | التكوير | ٨١     | بِأَيِّ ذَنْبٍ قُتِلَتْ              | ١٢٢٣  |
| ١٥    | عبس     | ٨٠     | بِأَيْدِي سَفَرَةٍ                   | ١٢٢٤  |
| ٦     | القلم   | ٦٨     | بِأَيْكُمُ الْمُقْتُونُ              | ١٢٢٥  |
| ١٠١   | الأنعام | ٦      | بِذِيغِ السَّمَاوَاتِ<br>وَالْأَرْضِ | ١٢٢٦  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                               | لسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------|-----|
| الآية |          | السورة | الآية                              | عام |
| ١٨    | المدثر   | ٧٤     | إِنَّهُ فَكَّرَ وَقَدَّرَ          | ١١٦ |
| ١٠٩   | المؤمنون | ٢٣     | إِنَّهُ كَانَ فَرِيقٌ              | ١١٧ |
| ١٣    | الإشفاق  | ٨٤     | إِنَّهُ كَانَ فِي                  | ١١٧ |
| ٣٣    | الحاقة   | ٦٩     | إِنَّهُ كَانَ لَا                  | ١١٧ |
| ٧٧    | الواقعة  | ٥٦     | إِنَّهُ لَفَرَّانٌ كَرِيمٌ         | ١١٧ |
| ٤٠    | الحاقة   | ٦٩     | إِنَّهُ لَقَوْلُ رَسُولٍ           | ١١٧ |
| ١٩    | التكوير  | ٨١     | إِنَّهُ لَقَوْلُ رَسُولٍ           | ١١٧ |
| ١٣    | الطارق   | ٨٦     | إِنَّهُ لَقَوْلُ فَصْلٍ            | ١١٧ |
| ٩٩    | النحل    | ١٦     | إِنَّهُ لَيْسَ                     | ١١٧ |
| ٣٠    | النمل    | ٢٧     | إِنَّهُ مِنْ سُلَيْمَانَ           | ١١٧ |
| ٨١    | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا            | ١١٧ |
| ١١١   | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا            | ١١٨ |
| ١٣٢   | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُ مِنْ عِبَادِنَا            | ١١٨ |
| ٧٤    | طه       | ٢٠     | إِنَّهُ مِنْ يَاتِ رَبِّهِ         | ١١٨ |
| ٢٢٠   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّهُ هُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمُ | ١١٨ |
| ١٣    | البروج   | ٨٥     | إِنَّهُ هُوَ يُبْدِئُ وَيُعِيدُ    | ١١٨ |
| ١١٠   | الأنبياء | ٢١     | إِنَّهُ يَعْلَمُ الْجَهْرَ         | ١١٨ |
| ٣٢    | المرسلات | ٧٧     | إِنَّهَا تَرْمِي                   | ١١٨ |
| ٦٦    | الفرقان  | ٢٥     | إِنَّهَا سَاعَتٌ                   | ١١٨ |
| ٦٤    | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهَا شَجَرَةٌ                  | ١١٨ |
| ٨     | الهمزة   | ١٠٤    | إِنَّهَا عَلَيْهِمْ مُّوَصَّدَةٌ   | ١١٨ |
| ٣٥    | المدثر   | ٧٤     | إِنَّهَا لِإِخْدَىٰ الْكَبِيرِ     | ١١٩ |
| ٦٩    | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُمْ الْقَوَا                 | ١١٩ |
| ٢٠    | الكهف    | ١٨     | إِنَّهُمْ إِنْ يَظْهَرُوا          | ١١٩ |
| ٢١٢   | الشعراء  | ٢٦     | إِنَّهُمْ عَنِ السَّمْعِ           | ١١٩ |
| ٣٥    | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُمْ كَانُوا إِذَا            | ١١٩ |
| ٤٥    | الواقعة  | ٥٦     | إِنَّهُمْ كَانُوا قَبْلَ           | ١١٩ |
| ٢٧    | النبأ    | ٧٨     | إِنَّهُمْ كَانُوا لَا              | ١١٩ |
| ١٩    | الجاثية  | ٤٥     | إِنَّهُمْ لَنْ يُغْنُوا            | ١١٩ |
| ١٧٢   | الصفات   | ٣٧     | إِنَّهُمْ لَهُمُ الْمُتَصَوِّرُونَ | ١١٩ |
| ٦     | المعارج  | ٧٠     | إِنَّهُمْ يَرَوْنَهُ بَعِيدًا      | ١١٩ |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                | عام   |
| ٣٩    | يونس     | ١٠     | بَلْ كَذَّبُوا بِمَا                 | ١٢٥٨  |
| ٢٩    | الزخرف   | ٤٣     | بَلْ مَتَّعْتُ هَؤُلَاءِ             | ١٢٥٩  |
| ٤٤    | الأنبياء | ٢١     | بَلْ مَتَّعْنَا هَؤُلَاءِ            | ١٢٦٠  |
| ٦٧    | الواقعة  | ٥٦     | بَلْ نَحْنُ مَحْرُومُونَ             | ١٢٦١  |
| ٢٧    | القلم    | ٦٨     | بَلْ نَحْنُ مَحْرُومُونَ             | ١٢٦٢  |
| ١٨    | الأنبياء | ٢١     | بَلْ نَقْضِ الْبَاقِ                 | ١٢٦٣  |
| ٢٦    | الصفات   | ٣٧     | بَلْ هُمْ الْيَوْمَ                  | ١٢٦٤  |
| ٩     | الدخان   | ٤٤     | بَلْ هُمْ فِي                        | ١٢٦٥  |
| ٤٩    | العنكبوت | ٢٩     | بَلْ هُوَ آيَاتٌ بَيِّنَاتٌ          | ١٢٦٦  |
| ٢١    | البروج   | ٨٥     | بَلْ هُوَ فَرَأْنٌ مَّجِيدٌ          | ١٢٦٧  |
| ٥     | القيامة  | ٧٥     | بَلْ يُرِيدُ الْإِنْسَانُ            | ١٢٦٨  |
| ٥٢    | المدثر   | ٧٤     | بَلْ يُرِيدُ كُلُّ امْرِئٍ           | ١٢٦٩  |
| ١٩٥   | الشعراء  | ٢٦     | بِلِسَانٍ عَرَبِيٍّ مُبِينٍ          | ١٢٧٠  |
| ١٢٥   | آل عمران | ٣      | بَلَىٰ إِنْ تَصْبِرُوا               | ١٢٧١  |
| ١٥    | الإشفاق  | ٨٤     | بَلَىٰ إِنْ رَبِّيَ                  | ١٢٧٢  |
| ٤     | القيامة  | ٧٥     | بَلَىٰ قَادِرِينَ                    | ١٢٧٣  |
| ٥٩    | الزمر    | ٣٩     | بَلَىٰ قَدْ جَاءَكَ آيَاتِي          | ١٢٧٤  |
| ١١٢   | البقرة   | ٢      | بَلَىٰ مَنْ أَسْلَمَ وَجْهَهُ        | ١٢٧٥  |
| ٧٦    | آل عمران | ٣      | بَلَىٰ مَنْ أَوْقَىٰ يَغْذِيهِ       | ١٢٧٦  |
| ٨١    | البقرة   | ٢      | بَلَىٰ مَنْ كَسَبَ سَيِّئَةً         | ١٢٧٧  |
| ٢٧    | يس       | ٣٦     | بِمَا عَفَرَ لِي رَبِّي              | ١٢٧٨  |
| ٥     | الروم    | ٣٠     | يَتَضَرَّ اللَّهُ                    | ١٢٧٩  |
| ٤٦    | الصفات   | ٣٧     | بِيَضَاءٍ لَذَّةٍ لِلشَّارِبِينَ     | ١٢٨٠  |
| ٢٠    | الرحمن   | ٥٥     | بَيْنَهُمَا بَرْزَخٌ لَا يَبْغِيَانِ | ١٢٨١  |

(٣) آيات تبدأ بحرف التاء

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|---------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                        | عام   |
| ٢٥    | إبراهيم | ١٤     | تَوَّابِي أَكَلَهَا          | ١٢٨٢  |
| ١١    | الصف    | ٦١     | تُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ        | ١٢٨٣  |
| ٩٧    | الشعراء | ٢٦     | تَاللَّهِ إِنْ كُنَّا        | ١٢٨٤  |
| ٦٣    | النحل   | ١٦     | تَاللَّهِ لَقَدْ أَرْسَلْنَا | ١٢٨٥  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                     | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                    | عام   |
| ١١٧   | البقرة   | ٢      | بَدِيعَ السَّمَوَاتِ<br>وَالْأَرْضِ      | ١٢٢٧  |
| ١     | التوبة   | ٩      | بِرَاءةٍ مِّنَ اللَّهِ<br>وَرَسُولِهِ    | ١٢٢٨  |
| ١     | الفاتحة  | ١      | بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ<br>الرَّحِيمِ | ١٢٢٩  |
| ١٣٨   | النساء   | ٤      | بِشْرَ الْمُتَافِقِينَ                   | ١٢٣٠  |
| ٤     | فصلت     | ٤١     | بَشِيرًا وَنَذِيرًا                      | ١٢٣١  |
| ٨٦    | هود      | ١١     | بَقِيَّةَ اللَّهِ خَيْرٌ لَّكُمْ         | ١٢٣٢  |
| ٢٩    | الروم    | ٣٠     | بَلْ أَتَّبِعْ                           | ١٢٣٣  |
| ٦٦    | النمل    | ٢٧     | بَلْ أَدَارِكْ                           | ١٢٣٤  |
| ١٤    | القيامة  | ٧٥     | بَلِ الْإِنْسَانِ                        | ١٢٣٥  |
| ١٩    | البروج   | ٨٥     | بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا                  | ١٢٣٦  |
| ٢     | ص        | ٣٨     | بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا                  | ١٢٣٧  |
| ٢٢    | الإشفاق  | ٨٤     | بَلِ الَّذِينَ كَفَرُوا                  | ١٢٣٨  |
| ٤٦    | القمر    | ٥٤     | بَلِ السَّاعَةِ                          | ١٢٣٩  |
| ٦٦    | الزمر    | ٣٩     | بَلِ اللَّهِ فَاعْبُدْ                   | ١٢٤٠  |
| ١٥٠   | آل عمران | ٣      | بَلِ اللَّهِ مَوْلَاكُمْ                 | ١٢٤١  |
| ٩٠    | المؤمنون | ٢٣     | بَلِ اتَّبَانَاهُمْ بِالْحَقِّ           | ١٢٤٢  |
| ٤١    | الأنعام  | ٦      | بَلِ إِيَّاهُ تَدْعُونَ                  | ١٢٤٣  |
| ٢٨    | الأنعام  | ٦      | بَلِ بَدَأَ لَهُمْ                       | ١٢٤٤  |
| ١٦    | الأعلى   | ٨٧     | بَلِ تُؤْتِرُونَ                         | ١٢٤٥  |
| ٤٠    | الأنبياء | ٢١     | بَلِ تَأْتِيهِمْ                         | ١٢٤٦  |
| ٣٧    | الصفات   | ٣٧     | بَلِ جَاءَ بِالْحَقِّ                    | ١٢٤٧  |
| ١٥٨   | النساء   | ٤      | بَلِ رَفَعَهُ اللَّهُ                    | ١٢٤٨  |
| ١٢    | الفتح    | ٤٨     | بَلِ ظَنَنْتُمْ                          | ١٢٤٩  |
| ١٢    | الصفات   | ٣٧     | بَلِ عَجِبْتَ                            | ١٢٥٠  |
| ٢     | ق        | ٥٠     | بَلِ عَجِبُوا                            | ١٢٥١  |
| ٥     | الأنبياء | ٢١     | بَلِ قَالُوا اضْغَاثٌ                    | ١٢٥٢  |
| ٢٢    | الزخرف   | ٤٣     | بَلِ قَالُوا إِنَّا                      | ١٢٥٣  |
| ٨١    | المؤمنون | ٢٣     | بَلِ قَالُوا مِثْلَ                      | ١٢٥٤  |
| ٦٣    | المؤمنون | ٢٣     | بَلِ قُلُوبُهُمْ                         | ١٢٥٥  |
| ٥     | ق        | ٥٠     | بَلِ كَذَّبُوا بِالْحَقِّ                | ١٢٥٦  |
| ١١    | الفرقان  | ٢٥     | بَلِ كَذَّبُوا بِالسَّاعَةِ              | ١٢٥٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية               | عام   |
| ٨٣    | القصص    | ٢٨     | تلك الذار الأخرة    | ١٣١٧  |
| ٢٥٣   | البقرة   | ٢      | تلك الرسل           | ١٣١٨  |
| ١٠١   | الأعراف  | ٧      | تلك القرى           | ١٣١٩  |
| ٢     | لقمان    | ٣١     | تلك آيات الكتاب     | ١٣٢٠  |
| ٢     | الشعراء  | ٢٦     | تلك آيات الكتاب     | ١٣٢١  |
| ٢     | القصص    | ٢٨     | تلك آيات الكتاب     | ١٣٢٢  |
| ٦     | الجاثية  | ٤٥     | تلك آيات الله       | ١٣٢٣  |
| ٢٥٢   | البقرة   | ٢      | تلك آيات الله       | ١٣٢٤  |
| ١٠٨   | آل عمران | ٣      | تلك آيات الله       | ١٣٢٥  |
| ١٣٤   | البقرة   | ٢      | تلك أمة             | ١٣٢٦  |
| ١٤١   | البقرة   | ٢      | تلك أمة             | ١٣٢٧  |
| ٢٢    | النجم    | ٥٣     | تلك إذا قسمة        | ١٣٢٨  |
| ١٣    | النساء   | ٤      | تلك حدود الله       | ١٣٢٩  |
| ٤٩    | هود      | ١١     | تلك من النباء       | ١٣٣٠  |
| ٢٠    | القمر    | ٥٤     | تنزع الناس          | ١٣٣١  |
| ٤     | القدر    | ٩٧     | تنزل الملائكة       | ١٣٣٢  |
| ٢٢٢   | الشعراء  | ٢٦     | تنزل على            | ١٣٣٣  |
| ٥     | يس       | ٣٦     | تنزيل العزيز الرحيم | ١٣٣٤  |
| ٢     | السجدة   | ٣٢     | تنزيل الكتاب        | ١٣٣٥  |
| ١     | الزمر    | ٣٩     | تنزيل الكتاب        | ١٣٣٦  |
| ٢     | الجاثية  | ٤٥     | تنزيل الكتاب        | ١٣٣٧  |
| ٢     | الأحقاف  | ٤٦     | تنزيل الكتاب        | ١٣٣٨  |
| ٢     | غافر     | ٤٠     | تنزيل الكتاب        | ١٣٣٩  |
| ٢     | فصلت     | ٤١     | تنزيل من الرحمن     | ١٣٤٠  |
| ٨٠    | الواقعة  | ٥٦     | تنزيل من رب         | ١٣٤١  |
| ٤٣    | الحاقة   | ٦٩     | تنزيل من رب         | ١٣٤٢  |
| ٤     | طه       | ٢٠     | تنزيلاً ممن خلق     | ١٣٤٣  |
| ٢٧    | آل عمران | ٣      | تولج الليل          | ١٣٤٤  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ٧٨    | الرحمن   | ٥٥     | تبارك اسم ربك             | ١٢٨   |
| ١٠    | الفرقان  | ٢٥     | تبارك الذي إن شاء         | ١٢٨   |
| ١     | الملك    | ٦٧     | تبارك الذي بيده الملك     | ١٢٨   |
| ٦١    | الفرقان  | ٢٥     | تبارك الذي جعل            | ١٢٨   |
| ١     | الفرقان  | ٢٥     | تبارك الذي نزل<br>الفرقان | ١٢٩   |
| ١     | المسد    | ١١١    | تبيت بدا                  | ١٢٩   |
| ٨     | ق        | ٥٠     | تبصرة وذكرى               | ١٢٩   |
| ٧     | النازعات | ٧٩     | تتبعها الرابفة            | ١٢٩   |
| ١٦    | السجدة   | ٣٢     | تتجافى جنوبهم             | ١٢٩   |
| ١٤    | القمر    | ٥٤     | تجري باعيننا              | ١٢٩   |
| ٤٤    | الأحزاب  | ٣٣     | تحيثهم يوم يلقونهم        | ١٢٩   |
| ١٧    | المعارج  | ٧٠     | تحيثهم يوم يلقونهم        | ١٢٩   |
| ٤٢    | غافر     | ٤٠     | تدعونني لأكفر بالله       | ١٢٩   |
| ٢٥    | الأحقاف  | ٤٦     | تدمر كل شيء               | ١٢٩   |
| ٨٧    | الواقعة  | ٥٦     | ترجعونها إن               | ١٣٠   |
| ٥١    | الأحزاب  | ٣٣     | ترجي من تشاء              | ١٣٠   |
| ٤     | الفيل    | ١٠٥    | ترميمهم بحجارة            | ١٣٠   |
| ٤١    | عبس      | ٨٠     | ترهقها فترة               | ١٣٠   |
| ٢٢    | الشورى   | ٤٢     | ترى الظالمين              | ١٣٠   |
| ٨٠    | المائدة  | ٥      | ترى كثيراً منهم           | ١٣٠   |
| ٤٤    | الإسراء  | ١٧     | تسبح له السموات           | ١٣٠   |
| ٥     | الغاشية  | ٨٨     | تسقى من عين               | ١٣٠   |
| ٤     | الغاشية  | ٨٨     | تصلى ناراً حامية          | ١٣٠   |
| ٢٥    | القيامة  | ٧٥     | تظن أن يفعل بها           | ١٣٠   |
| ٤     | المعارج  | ٧٠     | تخرج الملائكة والروح      | ١٣١   |
| ٢٤    | المطففين | ٨٣     | تعرف في وجوههم            | ١٣١   |
| ٥     | الشورى   | ٤٢     | تكاد السموات              | ١٣١   |
| ٩٠    | مريم     | ١٩     | تكاد السموات              | ١٣١   |
| ٨     | الملك    | ٦٧     | تكاد تميز                 | ١٣١   |
| ١٠٤   | المؤمنون | ٢٣     | تلقح وجوههم               | ١٣١   |
| ٦٣    | مريم     | ١٩     | تلقح وجوههم               | ١٣١   |

(٤) آيات تبدأ بحرف الشاء

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         | عام   |
| ١١٩   | النحل    | ١٦    | ثُمَّ إِنَّ رَبَّكَ         | ١٣٧٦  |
| ١١٠   | النحل    | ١٦    | ثُمَّ إِنَّ رَبَّكَ         | ١٣٧٧  |
| ١٩    | القيامة  | ٧٥    | ثُمَّ إِنَّ عَلَيْنَا       | ١٣٧٨  |
| ٢٦    | الغاشية  | ٨٨    | ثُمَّ إِنَّ عَلَيْنَا       | ١٣٧٩  |
| ٦٧    | الصفافات | ٣٧    | ثُمَّ إِنَّ لَهُمْ          | ١٣٨٠  |
| ٦٨    | الصفافات | ٣٧    | ثُمَّ إِنَّ مَرْجِعَهُمْ    | ١٣٨١  |
| ٥١    | الواقعة  | ٥٦    | ثُمَّ إِنَّكُمْ أَيْهَا     | ١٣٨٢  |
| ١٥    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ إِنَّكُمْ بَعْدَ      | ١٣٨٣  |
| ١٦    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ      | ١٣٨٤  |
| ٣١    | الزمر    | ٣٩    | ثُمَّ إِنَّكُمْ يَوْمَ      | ١٣٨٥  |
| ١٦    | المطففين | ٨٣    | ثُمَّ إِنَّهُمْ             | ١٣٨٦  |
| ٩     | نوح      | ٧١    | ثُمَّ إِنِّي أَعْلَنْتُ     | ١٣٨٧  |
| ٨     | نوح      | ٧١    | ثُمَّ إِنِّي دَعَوْتُهُمْ   | ١٣٨٨  |
| ٣٥    | يوسف     | ١٢    | ثُمَّ بَدَأْ لَهُمْ         | ١٣٨٩  |
| ٩٥    | الأعراف  | ٧     | ثُمَّ بَدَّلْنَا            | ١٣٩٠  |
| ٧٤    | يونس     | ١٠    | ثُمَّ بَعَثْنَا             | ١٣٩١  |
| ١٠٣   | الأعراف  | ٧     | ثُمَّ بَعَثْنَا             | ١٣٩٢  |
| ٧٥    | يونس     | ١٠    | ثُمَّ بَعَثْنَا             | ١٣٩٣  |
| ٥٦    | البقرة   | ٢     | ثُمَّ بَعَثْنَاكُمْ         | ١٣٩٤  |
| ١٢    | الكهف    | ١٨    | ثُمَّ بَعَثْنَاهُمْ         | ١٣٩٥  |
| ١٤    | الدخان   | ٤٤    | ثُمَّ تَوَلَّوْا            | ١٣٩٦  |
| ٦٤    | البقرة   | ٢     | ثُمَّ تَوَلَّيْتُمْ         | ١٣٩٧  |
| ٢٠٦   | الشعراء  | ٢٦    | ثُمَّ جَاءَهُمْ             | ١٣٩٨  |
| ٨     | السجدة   | ٣٢    | ثُمَّ جَعَلْ نَسْلَهُ       | ١٣٩٩  |
| ١٨    | الجاثية  | ٤٥    | ثُمَّ جَعَلْنَاكَ           | ١٤٠٠  |
| ١٤    | يونس     | ١٠    | ثُمَّ جَعَلْنَاكُمْ         | ١٤٠١  |
| ١٣    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ جَعَلْنَاهُ           | ١٤٠٢  |
| ١٤    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ خَلَقْنَا             | ١٤٠٣  |
| ١٧٢   | الشعراء  | ٢٦    | ثُمَّ نَمَرْنَا الْآخِرِينَ | ١٤٠٤  |
| ١٣٦   | الصفافات | ٣٧    | ثُمَّ نَمَرْنَا الْآخِرِينَ | ١٤٠٥  |
| ٨     | النجم    | ٥٣    | ثُمَّ لَنَا                 | ١٤٠٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           | عام   |
| ٩     | الحج     | ٢٢    | ثَلَاثِي عِطْفِهِ             | ١٣٤٥  |
| ١٣    | الواقعة  | ٥٦    | ثَلَاثَةٌ مِّنَ الْأَوَّلِينَ | ١٣٤٦  |
| ٣٩    | الواقعة  | ٥٦    | ثَلَاثَةٌ مِّنَ الْأَوَّلِينَ | ١٣٤٧  |
| ١٢٢   | طه       | ٢٠    | ثُمَّ اجْتَبَاهُ              | ١٣٤٨  |
| ٤     | الملك    | ٦٧    | ثُمَّ ارْجِعِ الْبَصَرَ       | ١٣٤٩  |
| ١١    | فصلت     | ٤١    | ثُمَّ اسْتَوَى                | ١٣٥٠  |
| ٣١    | الحاقة   | ٦٩    | ثُمَّ الْجَحِيمِ              | ١٣٥١  |
| ٢٠    | عبس      | ٨٠    | ثُمَّ السَّبِيلِ              | ١٣٥٢  |
| ١٥٤   | الأنعام  | ٦     | ثُمَّ آتَيْنَا مُوسَى         | ١٣٥٣  |
| ٨٩    | الكهف    | ١٨    | ثُمَّ اتَّبِعْ سَبِيلَ        | ١٣٥٤  |
| ٩٢    | الكهف    | ١٨    | ثُمَّ اتَّبِعْ سَبِيلَ        | ١٣٥٥  |
| ٢٦    | فاطر     | ٣٥    | ثُمَّ أَخَذْتُ                | ١٣٥٦  |
| ٢٣    | المدثر   | ٧٤    | ثُمَّ أَذْبَرَ وَاسْتَكْبَرَ  | ١٣٥٧  |
| ٢٢    | النازعات | ٧٩    | ثُمَّ أَذْبَرَ يَسْعَى        | ١٣٥٨  |
| ٤٤    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ أَرْسَلْنَا رُسُلَنَا   | ١٣٥٩  |
| ٤٥    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ أَرْسَلْنَا مُوسَى      | ١٣٦٠  |
| ٦٦    | الشعراء  | ٢٦    | ثُمَّ أَعْرَفْنَا الْآخِرِينَ | ١٣٦١  |
| ٨٢    | الصفافات | ٣٧    | ثُمَّ أَعْرَفْنَا الْآخِرِينَ | ١٣٦٢  |
| ١٢٠   | الشعراء  | ٢٦    | ثُمَّ أَعْرَفْنَا بَعْدَ      | ١٣٦٣  |
| ١٩٩   | البقرة   | ٢     | ثُمَّ أَفِيضُوا               | ١٣٦٤  |
| ٢١    | عبس      | ٨٠    | ثُمَّ أَمَاتَهُ فَأَقْبَرَهُ  | ١٣٦٥  |
| ٨٥    | البقرة   | ٢     | ثُمَّ أَنْتُمْ هَؤُلَاءِ      | ١٣٦٦  |
| ٢٦    | التوبة   | ٩     | ثُمَّ أَنْزَلَ اللَّهُ        | ١٣٦٧  |
| ١٥٤   | آل عمران | ٣     | ثُمَّ أَنْزَلَ عَلَيْكُمْ     | ١٣٦٨  |
| ٣١    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ أَنْشَأْنَا             | ١٣٦٩  |
| ٤٢    | المؤمنون | ٢٣    | ثُمَّ أَنْشَأْنَا             | ١٣٧٠  |
| ١٢٣   | النحل    | ١٦    | ثُمَّ أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ    | ١٣٧١  |
| ٣٢    | فاطر     | ٣٥    | ثُمَّ أَوْرَثْنَا الْكِتَابَ  | ١٣٧٢  |
| ٣٥    | القيامة  | ٧٥    | ثُمَّ أُولَىٰ لَكَ            | ١٣٧٣  |
| ٢٢    | عبس      | ٨٠    | ثُمَّ إِذَا شَاءَ             | ١٣٧٤  |
| ٥٤    | النحل    | ١٦    | ثُمَّ إِذَا كَشَفَ            | ١٣٧٥  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-----|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                           | عام   |
| ٢٩    | الحج     | ٢٢  | ثُمَّ لِيَقْضُوا                | ١٤٣٨  |
| ١٨    | الإنفطار | ٨٢  | ثُمَّ مَا أَنْزَلْنَاكَ         | ١٤٣٩  |
| ١٧    | المرسلات | ٧٧  | ثُمَّ نُنَبِّئُهُمُ الْآخِرِينَ | ١٤٤٠  |
| ٢١    | المدثر   | ٧٤  | ثُمَّ نَنْظُرْ                  | ١٤٤١  |
| ٦٥    | الأنبياء | ٢١  | ثُمَّ نَكْسِبُوا                | ١٤٤٢  |
| ٧٢    | مريم     | ١٩  | ثُمَّ نُنَجِّي الَّذِينَ        | ١٤٤٣  |
| ١٠٣   | يونس     | ١٠  | ثُمَّ نُنَجِّي رُسُلَنَا        | ١٤٤٤  |
| ٤٨    | يوسف     | ١٢  | ثُمَّ يَأْتِي                   | ١٤٤٥  |
| ٤٩    | يوسف     | ١٢  | ثُمَّ يَأْتِي                   | ١٤٤٦  |
| ٢٧    | التوبة   | ٩   | ثُمَّ يَتُوبُ اللَّهُ           | ١٤٤٧  |
| ٤١    | النجم    | ٥٣  | ثُمَّ يُجْزَاهُ                 | ١٤٤٨  |
| ١٥    | المدثر   | ٧٤  | ثُمَّ يَطْمَعُ                  | ١٤٤٩  |
| ١٨    | نوح      | ٧١  | ثُمَّ يَعْبِدُكُمْ              | ١٤٥٠  |
| ١٧    | المطففين | ٨٣  | ثُمَّ يُقَالُ                   | ١٤٥١  |
| ٢٧    | النحل    | ١٦  | ثُمَّ يَوْمَ الْقِيَامَةِ       | ١٤٥٢  |
| ١٤٣   | الأنعام  | ٦   | ثُمَّ تَمَاتِيَةٌ أَنْزَاجٍ     | ١٤٥٣  |

(٥) آيات تبدأ بحرف الجيم

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|---------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة  | السورة | الآية                         | عام   |
| ٢٤    | الواقعة | ٥٦     | جِزَاءَ بِمَا                 | ١٤٥٤  |
| ٣٦    | النبا   | ٧٨     | جِزَاءَ مَنْ                  | ١٤٥٥  |
| ٢٦    | النبا   | ٧٨     | جِزَاءَ وَقَافًا              | ١٤٥٦  |
| ٨     | البينة  | ٩٨     | جِزَاؤُهُمْ                   | ١٤٥٧  |
| ٩٧    | المائدة | ٥      | جَعَلَ اللَّهُ الْكَفَّيَةَ   | ١٤٥٨  |
| ٦١    | مريم    | ١٩     | جِئَاتِ عَذْنِ التِّي         | ١٤٥٩  |
| ٧٦    | طه      | ٢٠     | جِئَاتِ عَذْنِ تُجْرِي        | ١٤٦٠  |
| ٥٠    | ص       | ٣٨     | جِئَاتِ عَذْنِ مُقْفَحَةٍ     | ١٤٦١  |
| ٣١    | النحل   | ١٦     | جِئَاتِ عَذْنِ يَدْخُلُونَهَا | ١٤٦٢  |
| ٢٣    | الرعد   | ١٣     | جِئَاتِ عَذْنِ يَدْخُلُونَهَا | ١٤٦٣  |
| ٣٣    | فاطر    | ٣٥     | جِئَاتِ عَذْنِ يَدْخُلُونَهَا | ١٤٦٤  |
| ١١    | ص       | ٣٨     | جُنْدًا مَا هُنَالِكَ         | ١٤٦٥  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-----|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                      | عام   |
| ٣٣    | القيامة  | ٧٥  | ثُمَّ ذَهَبَ               | ١٤٠   |
| ٦     | الإسراء  | ١٧  | ثُمَّ رَدَدْنَا            | ١٤٠   |
| ٥     | التين    | ٩٥  | ثُمَّ رَدَدْنَاهُ          | ١٤٠   |
| ٦٢    | الأنعام  | ٦   | ثُمَّ رُدُّوا              | ١٤١   |
| ٩     | السجدة   | ٣٢  | ثُمَّ سَوَّاهُ             | ١٤١   |
| ٢٦    | عبس      | ٨٠  | ثُمَّ شَقَقْنَا            | ١٤١   |
| ٤٨    | الدخان   | ٤٤  | ثُمَّ صُبُّوا              | ١٤١   |
| ٩     | الأنبياء | ٢١  | ثُمَّ صَدَقْنَاهُمْ        | ١٤١   |
| ٢٢    | المدثر   | ٧٤  | ثُمَّ عَبَسَ               | ١٤١   |
| ٥٢    | البقرة   | ٢   | ثُمَّ عَقَوْنَا            | ١٤١   |
| ٣٢    | الحاقة   | ٦٩  | ثُمَّ فِي سِلْسِلَةٍ       | ١٤١   |
| ٤٦    | الفرقان  | ٢٥  | ثُمَّ قَبِضْنَاهُ          | ١٤١   |
| ٢٠    | المدثر   | ٧٤  | ثُمَّ قِيلَ                | ١٤١   |
| ٧٤    | البقرة   | ٢   | ثُمَّ قَسَتْ               | ١٤٢   |
| ٢٧    | الحديد   | ٥٧  | ثُمَّ قَفَّيْنَا           | ١٤٢   |
| ٥٢    | يونس     | ١٠  | ثُمَّ قِيلَ لِلَّذِينَ     | ١٤٢   |
| ٧٣    | غافر     | ٤٠  | ثُمَّ قِيلَ لَهُمْ         | ١٤٢   |
| ١٠    | الروم    | ٣٠  | ثُمَّ كَانَ عَاقِبَةَ      | ١٤٢٤  |
| ٣٨    | القيامة  | ٧٥  | ثُمَّ كَانَ عَاقِبَةَ      | ١٤٢٥  |
| ١٧    | البلد    | ٩٠  | ثُمَّ كَانَ مِنَ الَّذِينَ | ١٤٢٦  |
| ٤     | التكاثر  | ١٠٢ | ثُمَّ كَلَّا سَوْفَ        | ١٤٢٧  |
| ٥     | النبا    | ٧٨  | ثُمَّ كَلَّا سَيَعْلَمُونَ | ١٤٢٨  |
| ٦٩    | النحل    | ١٦  | ثُمَّ كُلِي                | ١٤٢٩  |
| ١٣    | الأعلى   | ٨٧  | ثُمَّ لَا يَمُوتُ          | ١٤٣٠  |
| ١٧    | الأعراف  | ٧   | ثُمَّ لَا تَبِينُهُمْ      | ١٤٣١  |
| ٧     | التكاثر  | ١٠٢ | ثُمَّ لَتَرَوْهُ           | ١٤٣٢  |
| ٨     | التكاثر  | ١٠٢ | ثُمَّ لَتَسْأَلَنَّ        | ١٤٣٣  |
| ٤٦    | الحاقة   | ٦٩  | ثُمَّ لَقَطَعْنَا          | ١٤٣٤  |
| ٢٣    | الأنعام  | ٦   | ثُمَّ لَمْ تَكُنْ          | ١٤٣٥  |
| ٧٠    | مريم     | ١٩  | ثُمَّ لَنَحْنُ             | ١٤٣٦  |
| ٦٩    | مريم     | ١٩  | ثُمَّ لَنَنْزِعَنَّ        | ١٤٣٧  |

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|---------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                      | عام   |
| ١     | الدخان  | ٤٤     | حم                         | ١٤٩٤  |
| ١     | الجاثية | ٤٥     | حم                         | ١٤٩٥  |
| ١     | الأحقاف | ٤٦     | حم                         | ١٤٩٦  |
| ٣١    | الحج    | ٢٢     | حُفَاءَ غَيْرِ مُشْرِكِينَ | ١٤٩٧  |
| ٧٢    | الرحمن  | ٥٥     | حُورٌ مَّقْصُورَاتٌ        | ١٤٩٨  |

(٧) آيات تبدأ بحرف الخاء

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                             | عام   |
| ٤٤    | المعارج  | ٧٠     | خَاشِعَةً أَبْصَارُهُمْ           | ١٤٩٩  |
| ٤٣    | القلم    | ٦٨     | خَاشِعَةً أَبْصَارُهُمْ           | ١٥٠٠  |
| ٣     | الواقعة  | ٥٦     | خَافِضَةً رَافِعَةً               | ١٥٠١  |
| ١٠١   | طه       | ٢٠     | خَالِدِينَ فِيهِ                  | ١٥٠٢  |
| ٢٢    | التوبة   | ٩      | خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا         | ١٥٠٣  |
| ٦٥    | الأحزاب  | ٣٣     | خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا         | ١٥٠٤  |
| ٧٦    | الفرقان  | ٢٥     | خَالِدِينَ فِيهَا حَسُنَتْ        | ١٥٠٥  |
| ١٠٨   | الكهف    | ١٨     | خَالِدِينَ فِيهَا لَا يَبْغُونَ   | ١٥٠٦  |
| ١٦٢   | البقرة   | ٢      | خَالِدِينَ فِيهَا لَا يُخَفَّفُ   | ١٥٠٧  |
| ٨٨    | آل عمران | ٣      | خَالِدِينَ فِيهَا لَا يُخَفَّفُ   | ١٥٠٨  |
| ١٠٧   | هود      | ١١     | خَالِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتْ     | ١٥٠٩  |
| ٩     | لقمان    | ٣١     | خَالِدِينَ فِيهَا وَعَذَّ اللَّهُ | ١٥١٠  |
| ٢٦    | المطففين | ٨٣     | خِثَامُهُ مِسْكٌ                  | ١٥١١  |
| ٧     | البقرة   | ٢      | خَتَمَ اللَّهُ                    | ١٥١٢  |
| ١٩٩   | الأعراف  | ٧      | خَذَّ الْعُقُورَ                  | ١٥١٣  |
| ١٠٣   | التوبة   | ٩      | خَذَّ مِنْ أَمْوَالِهِمْ          | ١٥١٤  |
| ٤٧    | الدخان   | ٤٤     | خَذُّوهُ فَاعْتَلُوهُ             | ١٥١٥  |
| ٣٠    | الحاقة   | ٦٩     | خَذُّوهُ فَغْلُوهُ                | ١٥١٦  |
| ٧     | القمر    | ٥٤     | خُشَعًا أَبْصَارُهُمْ             | ١٥١٧  |
| ٣     | الرحمن   | ٥٥     | خَلَقَ الْإِنْسَانَ               | ١٥١٨  |
| ١٤    | الرحمن   | ٥٥     | خَلَقَ الْإِنْسَانَ               | ١٥١٩  |
| ٣٧    | الأنبياء | ٢١     | خَلَقَ الْإِنْسَانَ               | ١٥٢٠  |
| ٢     | العلق    | ٩٦     | خَلَقَ الْإِنْسَانَ               | ١٥٢١  |

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                    | مسلسل |
|-------|---------|--------|-------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                   | عام   |
| ٥٦    | ص       | ٣٨     | جَهَنَّمَ يَصَلُّونَهَا | ١٤٦٦  |
| ٢٩    | إبراهيم | ١٤     | جَهَنَّمَ يَصَلُّونَهَا | ١٤٦٧  |

(٦) آيات تبدأ بحرف الحاء

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                            | عام   |
| ٢٣٨   | البقرة   | ٢      | حَافِظُوا                        | ١٤٦٨  |
| ٤٧    | المدثر   | ٧٤     | حَتَّىٰ آتَانَا                  | ١٤٦٩  |
| ١١٠   | يوسف     | ١٢     | حَتَّىٰ إِذَا اسْتَيْسَسَ        | ١٤٧٠  |
| ١٨    | النمل    | ٢٧     | حَتَّىٰ إِذَا آتَوْنَا           | ١٤٧١  |
| ٦٤    | المؤمنون | ٢٣     | حَتَّىٰ إِذَا أَخَذْنَا          | ١٤٧٢  |
| ٩٣    | الكهف    | ١٨     | حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ بَيْنَ      | ١٤٧٣  |
| ٩٠    | الكهف    | ١٨     | حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ مَطْعَ      | ١٤٧٤  |
| ٨٦    | الكهف    | ١٨     | حَتَّىٰ إِذَا بَلَغَ مَغْرِبَ    | ١٤٧٥  |
| ٩٩    | المؤمنون | ٢٣     | حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ أَحَدَهُمُ   | ١٤٧٦  |
| ٤٠    | هود      | ١١     | حَتَّىٰ إِذَا جَاءَ أَمْرُنَا    | ١٤٧٧  |
| ٣٨    | الزخرف   | ٤٣     | حَتَّىٰ إِذَا جَاعَنَا           | ١٤٧٨  |
| ٨٤    | النمل    | ٢٧     | حَتَّىٰ إِذَا جَاعُوا            | ١٤٧٩  |
| ٢٤    | الجن     | ٧٢     | حَتَّىٰ إِذَا رَأَوْا            | ١٤٨٠  |
| ٩٦    | الأنبياء | ٢١     | حَتَّىٰ إِذَا فُتِحَتْ           | ١٤٨١  |
| ٧٧    | المؤمنون | ٢٣     | حَتَّىٰ إِذَا فَتَحْنَا          | ١٤٨٢  |
| ٢٠    | فصلت     | ٤١     | حَتَّىٰ إِذَا مَا جَاعَوْهَا     | ١٤٨٣  |
| ٢     | التكاثر  | ١٠٢    | حَتَّىٰ زُرْتُمُ الْمَقَابِرَ    | ١٤٨٤  |
| ٣٢    | النبا    | ٧٨     | حَذَائِقُ وَأَعْتَابَا           | ١٤٨٥  |
| ٣     | المائدة  | ٥      | حَرُمْتَ عَلَيْكُمُ الْمَيْتَةُ  | ١٤٨٦  |
| ٢٣    | النساء   | ٤      | حَرُمْتَ عَلَيْكُمُ امْهَاتِكُمْ | ١٤٨٧  |
| ١٠٥   | الأعراف  | ٧      | حَقِيقٌ عَلَىٰ أَنْ              | ١٤٨٨  |
| ٥     | القمر    | ٥٤     | حِكْمَةٌ بَالِغَةٌ               | ١٤٨٩  |
| ١     | غافر     | ٤٠     | حم                               | ١٤٩٠  |
| ١     | فصلت     | ٤١     | حم                               | ١٤٩١  |
| ١     | الشورى   | ٤٢     | حم                               | ١٤٩٢  |
| ١     | الزخرف   | ٤٣     | حم                               | ١٤٩٣  |

| رقم   | السورة    | رقم    | شاهد                                         | مسلسل |
|-------|-----------|--------|----------------------------------------------|-------|
| الآية |           | السورة | الآية                                        | عام   |
| ٣     | محمد      | ٤٧     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ           | ١٥٤٧  |
| ٥٣    | الأنفال   | ٨      | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ لَمْ يَكُ             | ١٥٤٨  |
| ١١    | محمد      | ٤٧     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ مَوٰلَى               | ١٥٤٩  |
| ١٧٦   | البقرة    | ٢      | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ نَزَّلَ               | ١٥٥٠  |
| ٣٠    | لقمان     | ٣١     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ         | ١٥٥١  |
| ٦٢    | الحج      | ٢٢     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ         | ١٥٥٢  |
| ٦     | الحج      | ٢٢     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ هُوَ ٱلْحَقُّ         | ١٥٥٣  |
| ٦١    | الحج      | ٢٢     | ذَٰلِكَ يَأْنِ ٱللَّهَ يُوَلِّجُ             | ١٥٥٤  |
| ٦     | التغابن   | ٦٤     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُ                            | ١٥٥٥  |
| ٢٨    | محمد      | ٤٧     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ ٱتَّبَعُواْ              | ١٥٥٦  |
| ١٠٧   | النحل     | ١٦     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ ٱسْتَحْبَبُواْ           | ١٥٥٧  |
| ٣     | المنافقون | ٦٣     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ ٱمْتَنَأُواْ             | ١٥٥٨  |
| ٤     | الحشر     | ٥٩     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ شَاقَفُواْ               | ١٥٥٩  |
| ١٣    | الأنفال   | ٨      | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ شَاقَفُواْ               | ١٥٦٠  |
| ٢٦    | محمد      | ٤٧     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُواْ                 | ١٥٦١  |
| ٢٤    | آل عمران  | ٣      | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ قَالُواْ                 | ١٥٦٢  |
| ٢٢    | غافر      | ٤٠     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَانَتْ                  | ١٥٦٣  |
| ٩     | محمد      | ٤٧     | ذَٰلِكَ بِأَنَّهُمْ كَرِهُواْ                | ١٥٦٤  |
| ١٨٢   | آل عمران  | ٣      | ذَٰلِكَ بِمَا قَدَّمْتِ ٱيْدِيكُمْ           | ١٥٦٥  |
| ٥١    | الأنفال   | ٨      | ذَٰلِكَ بِمَا قَدَّمْتِ ٱيْدِيكُمْ           | ١٥٦٦  |
| ١٠    | الحج      | ٢٢     | ذَٰلِكَ بِمَا قَدَّمْتِ يَدَاكَ              | ١٥٦٧  |
| ٢٨    | فصلت      | ٤١     | ذَٰلِكَ جَزَاءُ ٱعْدَاءِ ٱللَّهِ             | ١٥٦٨  |
| ٩٨    | الإسراء   | ١٧     | ذَٰلِكَ جَزَاؤُهُمْ بِأَنَّهُمْ<br>كَفَرُواْ | ١٥٦٩  |
| ١٠٦   | الكهف     | ١٨     | ذَٰلِكَ جَزَاؤُهُمْ جَهَنَّمَ                | ١٥٧٠  |
| ١٧    | سبأ       | ٣٤     | ذَٰلِكَ جَزَاؤُهُمْ                          | ١٥٧١  |
| ٦     | السجدة    | ٣٢     | ذَٰلِكَ عَالِمُ ٱلْغَيْبِ                    | ١٥٧٢  |
| ٣٤    | مريم      | ١٩     | ذَٰلِكَ عِيسَى ٱبْنُ مَرْيَمَ                | ١٥٧٣  |
| ٤     | الجمعة    | ٦٢     | ذَٰلِكَ فَضْلُ ٱللَّهِ                       | ١٥٧٤  |
| ٥٢    | يوسف      | ١٢     | ذَٰلِكَ لِيُعَلِّمَ ٱلنَّاسَ                 | ١٥٧٥  |
| ٣٠    | النجم     | ٥٣     | ذَٰلِكَ مَبْلَغُهُمْ                         | ١٥٧٦  |
| ٣٩    | الإسراء   | ١٧     | ذَٰلِكَ مِمَّا أَوْحَى ٱلْيَكِّيكَ           | ١٥٧٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                              | عام   |
| ٤     | النحل    | ١٦     | خَلَقَ ٱلْإِنسَانَ                 | ١٥٢   |
| ١٠    | لقمان    | ٣١     | خَلَقَ السَّمَوَاتِ بِغَيْرِ       | ١٥٢   |
| ٣     | النحل    | ١٦     | خَلَقَ السَّمَوَاتِ<br>وَٱلْأَرْضِ | ١٥٢   |
| ٣     | التغابن  | ٦٤     | خَلَقَ السَّمَوَاتِ<br>وَٱلْأَرْضِ | ١٥٢   |
| ٥     | الزمر    | ٣٩     | خَلَقَ السَّمَوَاتِ<br>وَٱلْأَرْضِ | ١٥٢   |
| ٤٤    | العنكبوت | ٢٩     | خَلَقَ السَّمَوَاتِ<br>وَٱلْأَرْضِ | ١٥٢   |
| ٦     | الطارق   | ٨٦     | خَلَقَ مِنْ مَّاءٍ ذَاقِقٍ         | ١٥٢   |
| ٦     | الزمر    | ٣٩     | خَلَقَكُمْ مِنْ نَفْسٍ وَاحِدَةٍ   | ١٥٢   |

### (٨) آيات تبدأ بحرف الدال

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد               | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية              | عام   |
| ٩     | الصفافات | ٣٧     | دُخُورًا وَلَهُمْ  | ١٥٣   |
| ٩٦    | النساء   | ٤      | نَزَجَاتٍ مِّنْهُ  | ١٥٣   |
| ١٠    | يونس     | ١٠     | دَعَاؤُهُمْ فِيهَا | ١٥٣   |

### (٩) آيات تبدأ بحرف الذال

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                             | عام   |
| ١١    | المدثر   | ٧٤     | ذَرِّي وَمَنْ                     | ١٥٣   |
| ٣     | الحجر    | ١٥     | ذَرَّهُمْ يَأْكُلُواْ             | ١٥٣   |
| ٣٤    | آل عمران | ٣      | ذَرِيَّةً بَعْضُهَا               | ١٥٣   |
| ٣     | الإسراء  | ١٧     | ذَرِيَّةً مِّنْ حَمَلْنَا         | ١٥٣   |
| ٤٩    | الدخان   | ٤٤     | ذُوْاْ ٱلْيَكِّيكَ                | ١٥٣   |
| ٢     | مريم     | ١٩     | ذِكْرُ رَحْمَةِ رَبِّكَ           | ١٥٣   |
| ٢٠٩   | الشعراء  | ٢٦     | ذِكْرَى وَمَا كُنَّا ظَالِمِينَ   | ١٥٣   |
| ٢٣    | الشورى   | ٤٢     | ذَٰلِكَ ٱلَّذِي يُبَشِّرُ ٱللَّهَ | ١٥٤   |
| ٧٠    | النساء   | ٤      | ذَٰلِكَ ٱلْقَضَلُ مِنْ ٱللَّهِ    | ١٥٤   |
| ٢     | البقرة   | ٢      | ذَٰلِكَ ٱلْكِتَابُ                | ١٥٤   |
| ٣٩    | النبا    | ٧٨     | ذَٰلِكَ ٱلْيَوْمُ                 | ١٥٤   |
| ١٠٨   | المائدة  | ٥      | ذَٰلِكَ أَدْنَىٰ أُنْ             | ١٥٤   |
| ٥     | الطلاق   | ٦٥     | ذَٰلِكَ أَمْرُ ٱللَّهِ            | ١٥٤   |
| ١٣١   | الأنعام  | ٦      | ذَٰلِكَ أَنْ لَّمْ يَكُنْ         | ١٥٤   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                          | ممسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------------------------|--------|
| الآية |          | السورة | الآية                                         | عام    |
| ٩     | المزمل   | ٧٣     | رَبُّ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ               | ١٦٠٥   |
| ١٧    | الرحمن   | ٥٥     | رَبُّ الْمَشْرِقَيْنِ وَرَبُّ الْمَغْرِبَيْنِ | ١٦٠٦   |
| ٣٦    | إبراهيم  | ١٤     | رَبِّ إِبْرَاهِيمَ إِصْلَاحًا                 | ١٦٠٧   |
| ٩٤    | المؤمنون | ٢٣     | رَبِّ قُلُوبِ الْمُؤْمِنِينَ                  | ١٦٠٨   |
| ١٠١   | يوسف     | ١٢     | رَبِّ قَدِ اثْبَتْنِي                         | ١٦٠٩   |
| ١٢٢   | الأعراف  | ٧      | رَبِّ مُوسَى وَهَارُونَ                       | ١٦١٠   |
| ٤٨    | الشعراء  | ٢٦     | رَبِّ مُوسَى وَهَارُونَ                       | ١٦١١   |
| ١٦٩   | الشعراء  | ٢٦     | رَبِّ نَجِيِّ                                 | ١٦١٢   |
| ٨٣    | الشعراء  | ٢٦     | رَبِّ هَبْ لِي                                | ١٦١٣   |
| ١٠٠   | الصفات   | ٣٧     | رَبِّ هَبْ لِي                                | ١٦١٤   |
| ٦٦    | الإسراء  | ١٧     | رَبُّكَ الَّذِي يُزْجِي                       | ١٦١٥   |
| ٥٤    | الإسراء  | ١٧     | رَبُّكَ أَعْلَمُ بِكُمْ                       | ١٦١٦   |
| ٢٥    | الإسراء  | ١٧     | رَبُّكَ أَعْلَمُ بِمَا فِي نُفُوسِكُمْ        | ١٦١٧   |
| ٢     | الحجر    | ١٥     | رَبِّمَا يَوْمًا                              | ١٦١٨   |
| ٤١    | إبراهيم  | ١٤     | رَبَّنَا اغْفِرْ لِي                          | ١٦١٩   |
| ١٢    | الدخان   | ٤٤     | رَبَّنَا اكشِفْ عَنَّا                        | ١٦٢٠   |
| ٦٨    | الأحزاب  | ٣٣     | رَبَّنَا آتِنَا مِن مَّنْ صَبَّأً             | ١٦٢١   |
| ٥٣    | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا آمَنَّا                              | ١٦٢٢   |
| ١٠٧   | المؤمنون | ٢٣     | رَبَّنَا أَخْرِجْنَا                          | ١٦٢٣   |
| ٣٨    | إبراهيم  | ١٤     | رَبَّنَا إِنَّكَ تَعْلَمُ                     | ١٦٢٤   |
| ٩     | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا إِنَّكَ جَامِعُ                      | ١٦٢٥   |
| ١٩٢   | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا إِنَّكَ مَن تَدْخُلُ السَّمَاءَ      | ١٦٢٦   |
| ١٩٣   | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا إِنَّا سَمِعْنَا                     | ١٦٢٧   |
| ٣٧    | إبراهيم  | ١٤     | رَبَّنَا إِنِّي أَسْكَنْتُ                    | ١٦٢٨   |
| ٥     | المتحة   | ٦٠     | رَبَّنَا لَا تَجْعَلْنَا فِتْنَةً             | ١٦٢٩   |
| ٨     | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا لَا تَزِرْ كُفُوبَنَا                | ١٦٣٠   |
| ١٢٩   | البقرة   | ٢      | رَبَّنَا وَابْعَثْ فِيهِمْ                    | ١٦٣١   |
| ١٢٨   | البقرة   | ٢      | رَبَّنَا وَاجْعَلْنَا مُسْلِمِينَ             | ١٦٣٢   |
| ١٩٤   | آل عمران | ٣      | رَبَّنَا وَآتِنَا                             | ١٦٣٣   |
| ٨     | غافر     | ٤٠     | رَبَّنَا وَأَدْخِلْهُمْ جَنَّاتٍ              | ١٦٣٤   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                     | ممسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------------|--------|
| الآية |          | السورة | الآية                                    | عام    |
| ١٠٢   | يوسف     | ١٢     | ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْغَيْبِ          | ١٥٧٨   |
| ٤٤    | آل عمران | ٣      | ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْغَيْبِ          | ١٥٧٩   |
| ١٠٠   | هود      | ١١     | ذَلِكَ مِنْ أَنْبَاءِ الْفُرَى           | ١٥٨٠   |
| ٥٨    | آل عمران | ٣      | ذَلِكَ نَتْلُوهُ عَلَيْكَ                | ١٥٨١   |
| ٨٨    | الأنعام  | ٦      | ذَلِكَ هُدَى اللَّهِ                     | ١٥٨٢   |
| ٦٠    | الحج     | ٢٢     | ذَلِكَ وَمَنْ عَاقَبَ                    | ١٥٨٣   |
| ٣٠    | الحج     | ٢٢     | ذَلِكَ وَمَنْ يُعْظَمْ حُرْمَاتِ اللَّهِ | ١٥٨٤   |
| ٣٢    | الحج     | ٢٢     | ذَلِكَ وَمَنْ يُعْظَمْ شَعَائِرَ اللَّهِ | ١٥٨٥   |
| ٦٢    | غافر     | ٤٠     | ذَلِكَ اللَّهُ رَبُّكُمْ                 | ١٥٨٦   |
| ١٠٢   | الأنعام  | ٦      | ذَلِكَ اللَّهُ رَبُّكُمْ                 | ١٥٨٧   |
| ٣٥    | الجاثية  | ٤٥     | ذَلِكَ بِأَنَّكُمْ                       | ١٥٨٨   |
| ١٢    | غافر     | ٤٠     | ذَلِكَ بِأَنَّهُ                         | ١٥٨٩   |
| ٧٥    | غافر     | ٤٠     | ذَلِكَ بِمَا                             | ١٥٩٠   |
| ١٤    | الأنفال  | ٨      | ذَلِكَ فَذُوقُوا                         | ١٥٩١   |
| ١٨    | الأنفال  | ٨      | ذَلِكَ وَأَنَّ اللَّهَ                   | ١٥٩٢   |
| ١٥    | البروج   | ٨٥     | ذُو الْعَرْشِ الْمَجِيدِ                 | ١٥٩٣   |
| ٦     | النجم    | ٥٣     | ذُو مِرَّةٍ فَاسْتَوَى                   | ١٥٩٤   |
| ٤٨    | الرحمن   | ٥٥     | ذَوَاتَا أَفْئَانٍ                       | ١٥٩٥   |
| ١٤    | الذاريات | ٥١     | ذُوقُوا فِتْنَتَكُمْ                     | ١٥٩٦   |
| ٢٠    | التكوير  | ٨١     | ذِي قُوَّةٍ                              | ١٥٩٧   |

١٠ آيات تبدأ بحرف الراء

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                           | ممسلسل |
|-------|---------|--------|--------------------------------|--------|
| الآية |         | السورة | الآية                          | عام    |
| ٤٠    | إبراهيم | ١٤     | رَبِّ اجْعَلْنِي               | ١٥٩٨   |
| ٢٨    | نوح     | ٧١     | رَبِّ اغْفِرْ لِي              | ١٥٩٩   |
| ٣٧    | النبا   | ٧٨     | رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ | ١٦٠٠   |
| ٦٦    | ص       | ٣٨     | رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ | ١٦٠١   |
| ٧     | الدخان  | ٤٤     | رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ | ١٦٠٢   |
| ٦٥    | مريم    | ١٩     | رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ | ١٦٠٣   |
| ٥     | الصفات  | ٣٧     | رَبِّ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ | ١٦٠٤   |

| رقم   | السورة    | رقم | شاهد                                        | مسلسل |
|-------|-----------|-----|---------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة    | عام | الآية                                       | عام   |
| ١٥٩   | الصفات    | ٣٧  | سُبْحَانَ اللَّهِ                           | ١٦٦٠  |
| ٨٢    | الزخرف    | ٤٣  | سُبْحَانَ رَبِّ السَّمَوَاتِ<br>وَالْأَرْضِ | ١٦٦١  |
| ١٨٠   | الصفات    | ٣٧  | سُبْحَانَ رَبِّكَ                           | ١٦٦٢  |
| ٤٣    | الإسراء   | ١٧  | سُبْحَانَكَ وَتَعَالَى                      | ١٦٦٣  |
| ٩١    | النساء    | ٤   | سَتَجِدُونَ آخِرِينَ                        | ١٦٦٤  |
| ٧     | الحاقة    | ٦٩  | سَخَّرَهَا عَلَيْهِمْ                       | ١٦٦٥  |
| ٥٠    | إبراهيم   | ١٤  | سَرَابِيلُهُمْ مِّنْ قَطْرَانِ              | ١٦٦٦  |
| ٢١١   | البقرة    | ٢   | سَلَّ بَنِي إِسْرَائِيلَ                    | ١٦٦٧  |
| ١٠٩   | الصفات    | ٣٧  | سَلَامٌ عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ                 | ١٦٦٨  |
| ١٣٠   | الصفات    | ٣٧  | سَلَامٌ عَلَىٰ إِبْرَاهِيمَ                 | ١٦٦٩  |
| ١٢٠   | الصفات    | ٣٧  | سَلَامٌ عَلَىٰ مُوسَىٰ<br>وَهَارُونَ        | ١٦٧٠  |
| ٧٩    | الصفات    | ٣٧  | سَلَامٌ عَلَىٰ نُوحٍ                        | ١٦٧١  |
| ٢٤    | الرعد     | ١٣  | سَلَامٌ عَلَيْكُمْ                          | ١٦٧٢  |
| ٥٨    | يس        | ٣٦  | سَلَامٌ قَوْلًا                             | ١٦٧٣  |
| ٥     | القدر     | ٩٧  | سَلَامٌ هِيَ                                | ١٦٧٤  |
| ٤٠    | القلم     | ٦٨  | سَلِّمُوا إِلَيْهِمْ                        | ١٦٧٥  |
| ٤٢    | المائدة   | ٥   | سَمَاعُونَ لِلْكَذِبِ                       | ١٦٧٦  |
| ٢٣    | الفتح     | ٤٨  | سُنَّةَ اللَّهِ                             | ١٦٧٧  |
| ٦٢    | الأحزاب   | ٣٣  | سُنَّةَ اللَّهِ                             | ١٦٧٨  |
| ٧٧    | الإسراء   | ١٧  | سُنَّةَ مَنْ قَدْ أَرْسَلْنَا               | ١٦٧٩  |
| ١٨    | العلق     | ٩٦  | سَنَدْعُ الزَّبَابِيَةَ                     | ١٦٨٠  |
| ٥٣    | فصلت      | ٤١  | سَنُرِيهِمْ آيَاتِنَا                       | ١٦٨١  |
| ١٦    | القلم     | ٦٨  | سَنَسِمْهُ عَلَى الْخُرطومِ                 | ١٦٨٢  |
| ٣١    | الرحمن    | ٥٥  | سَنَفْرَعُ لَكُمْ                           | ١٦٨٣  |
| ٦     | الأعلى    | ٨٧  | سَنُقَرِّبُكَ فَلَا تَنْسَى                 | ١٦٨٤  |
| ١٥١   | آل عمران  | ٣   | سَنُلْقِي فِي قُلُوبِ                       | ١٦٨٥  |
| ٦     | المنافقون | ٦٣  | سَوَاءٌ عَلَيْهِمْ                          | ١٦٨٦  |
| ١٠    | الرعد     | ١٣  | سَوَاءٌ مِنْكُمْ                            | ١٦٨٧  |
| ١     | النور     | ٢٤  | سورة أنزلناها                               | ١٦٨٨  |
| ٩٥    | التوبة    | ٩   | سَيُخَلِّفُونَ بِاللَّهِ                    | ١٦٨٩  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|-----|------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | عام | الآية                              | عام   |
| ٣٧    | النور    | ٢٤  | رَجَانٌ لَّا تُلْهِيهِمْ بَاجِرَةٌ | ١٦٦٢  |
| ٦     | الدخان   | ٤٤  | رَحْمَةً مِّنْ رَبِّكَ             | ١٦٦٢  |
| ٣٣    | ص        | ٣٨  | رَدُّوْهَا عَلَيَّ فُطْفِقَ        | ١٦٦٣  |
| ١١    | ق        | ٥٠  | رَزَقًا لِلْعِبَادِ                | ١٦٦٣  |
| ١٦٥   | النساء   | ٤   | رُسُلًا مُّبَشِّرِينَ              | ١٦٦٣  |
| ٢     | البينة   | ٩٨  | رَسُولٌ مِّنَ اللَّهِ              | ١٦٦٤  |
| ١١    | الطلاق   | ٦٥  | رَسُولًا يَتْلُو عَلَيْكُمْ        | ١٦٦٤  |
| ٨٧    | التوبة   | ٩   | رَضُوا بِأَن يَكُوثُوا             | ١٦٦٤  |
| ٢٨    | النازعات | ٧٩  | رَفَعَ سَمَكُهَا فَسَوَّاهَا       | ١٦٦٤  |
| ١٥    | غافر     | ٤٠  | رَفِيعُ الدَّرَجَاتِ               | ١٦٦٤  |

### (١١) آيات تبدأ بحرف الزين

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-----|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | عام | الآية                                  | عام   |
| ٧     | التغابن  | ٦٤  | زَعَمَ الَّذِينَ كَفَرُوا              | ١٦٦٤  |
| ٢١٢   | البقرة   | ٢   | زَعَمَ الَّذِينَ كَفَرُوا              | ١٦٦٤  |
| ١٤    | آل عمران | ٣   | زَيْنٌ لِلنَّاسِ حُبُّ<br>الشَّهَوَاتِ | ١٦٦٤  |

### (١٢) آيات تبدأ بحرف السين

| رقم   | السورة  | رقم | شاهد                      | مسلسل |
|-------|---------|-----|---------------------------|-------|
| الآية | السورة  | عام | الآية                     | عام   |
| ١٧٧   | الأعراف | ٧   | سَاءَ مَثَلًا             | ١٦٦٤  |
| ٢١    | الحديد  | ٥٧  | سَابِقُوا إِلَى مَفْرَجٍ  | ١٦٦٤  |
| ١٧    | المدثر  | ٧٤  | سَارِهَةٌ فَصَعُودًا      | ١٦٦٥  |
| ١٤٦   | الأعراف | ٧   | سَاءَ صَرَفٌ عَنْ آيَاتِي | ١٦٦٥  |
| ٢٦    | المدثر  | ٧٤  | سَاءَ صَاحِبِيهِ سَقَرٌ   | ١٦٦٥  |
| ١     | المعارج | ٧٠  | سَأَلْ سَائِلٌ            | ١٦٦٥  |
| ١     | الأعلى  | ٨٧  | سَبِّحْ اسْمَ رَبِّكَ     | ١٦٦٥  |
| ١     | الحديد  | ٥٧  | سَبِّحْ لِلَّهِ           | ١٦٦٥  |
| ١     | الحشر   | ٥٩  | سَبِّحْ لِلَّهِ           | ١٦٦٥  |
| ١     | الصف    | ٦١  | سَبِّحْ لِلَّهِ           | ١٦٦٥  |
| ١     | الإسراء | ١٧  | سُبْحَانَ الَّذِي أَسْرَى | ١٦٦٥  |
| ٣٦    | يس      | ٣٦  | سُبْحَانَ الَّذِي خَلَقَ  | ١٦٦٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                           |       |
| ٢٩    | الزمر    | ٣٩    | ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا رَجُلًا                | ١٧١٤  |
| ٧٥    | النحل    | ١٦    | ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا عَبْدًا                | ١٧١٥  |
| ١٠    | التحريم  | ٦٦    | ضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا لِلَّذِينَ<br>كَفَرُوا | ١٧١٦  |
| ٢٨    | الروم    | ٣٠    | ضَرَبَ لَكُمْ مَثَلًا                         | ١٧١٧  |
| ١١٢   | آل عمران | ٣     | ضَرَبَتْ عَلَيْهِمُ الذَّلَّةُ                | ١٧١٨  |

### (١٦) آيات تبدأ بحرف الطاء

| رقم   | السورة  | رقم   | شاهد            | مسلسل |
|-------|---------|-------|-----------------|-------|
|       |         |       |                 | عام   |
| الآية | السورة  | الآية | عام             |       |
| ٢١    | محمد    | ٤٧    | طاعة وقول معروف | ١٧١٩  |
| ١     | النمل   | ٢٧    | طس تلك آيات     | ١٧٢٠  |
| ١     | الشعراء | ٢٦    | طسم             | ١٧٢١  |
| ١     | القصص   | ٢٨    | طسم             | ١٧٢٢  |
| ٤٤    | الدخان  | ٤٤    | طعام الأتيم     | ١٧٢٣  |
| ٦٥    | الصفات  | ٣٧    | طلعها كأنه رءوس | ١٧٢٤  |
| ١     | طه      | ٢٠    | طه              | ١٧٢٥  |

### (١٧) آيات تبدأ بحرف الظاء

| رقم   | السورة | رقم   | شاهد          | مسلسل |
|-------|--------|-------|---------------|-------|
|       |        |       |               | عام   |
| الآية | السورة | الآية | عام           |       |
| ٤١    | الروم  | ٣٠    | ظَهَرَ الفساد | ١٧٢٦  |

### (١٨) آيات تبدأ بحرف العين

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد             | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------|-------|
|       |          |       |                  | عام   |
| الآية | السورة   | الآية | عام              |       |
| ٢٦    | الجن     | ٧٢    | عالم الغيب       | ١٧٢٧  |
| ١٨    | التغابن  | ٦٤    | عالم الغيب       | ١٧٢٨  |
| ٩     | الرعد    | ١٣    | عالم الغيب       | ١٧٢٩  |
| ٩٢    | المؤمنون | ٢٣    | عالم الغيب       | ١٧٣٠  |
| ٢١    | الإنسان  | ٧٦    | عاليهم ثياب سندس | ١٧٣١  |
| ٣     | الغاشية  | ٨٨    | عاملة ناصية      | ١٧٣٢  |
| ١٠    | العلق    | ٩٦    | عبدًا إذا صلى    | ١٧٣٣  |
| ١     | عبس      | ٨٠    | عبس وتولى        | ١٧٣٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                    |       |
| ١٠    | الأعلى   | ٨٧    | سَيَذَكَّرُ مَنْ يَخْشَى               | ١٦٩٠  |
| ٣     | المسد    | ١١١   | سَيَصْلَى نارا                         | ١٦٩١  |
| ٢٦    | القمر    | ٥٤    | سَيَعْلَمُونَ عدا                      | ١٦٩٢  |
| ١٤٨   | الأنعام  | ٦     | سَيَقُولُ الَّذِينَ أَشْرَكُوا         | ١٦٩٣  |
| ١٤٢   | البقرة   | ٢     | سَيَقُولُ السُّفَهَاءُ                 | ١٦٩٤  |
| ١٥    | الفتح    | ٤٨    | سَيَقُولُ الْمُخَلَّفُونَ              | ١٦٩٥  |
| ١١    | الفتح    | ٤٨    | سَيَقُولُ لَكَ الْمُخَلَّفُونَ         | ١٦٩٦  |
| ٢٢    | الكهف    | ١٨    | سَيَقُولُونَ ثلاثة                     | ١٦٩٧  |
| ٨٧    | المؤمنون | ٢٣    | سَيَقُولُونَ لله                       | ١٦٩٨  |
| ٨٥    | المؤمنون | ٢٣    | سَيَقُولُونَ لله                       | ١٦٩٩  |
| ٨٩    | المؤمنون | ٢٣    | سَيَقُولُونَ لله                       | ١٧٠٠  |
| ٥     | محمد     | ٤٧    | سَيَهْدِيهِمْ وَيُصَلِّحُ<br>بِأَلْهِم | ١٧٠١  |
| ٤٥    | القمر    | ٥٤    | سَيَهْرَمُ الجمعُ                      | ١٧٠٢  |

### (١٣) آيات تبدأ بحرف الشين

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد         | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------|-------|
|       |          |       |              | عام   |
| الآية | السورة   | الآية | عام          |       |
| ١٢١   | النحل    | ١٦    | شاكرا لأنعمه | ١٧٠٣  |
| ١٣    | الشورى   | ٤٢    | شرع لكم      | ١٧٠٤  |
| ١٨    | آل عمران | ٣     | شهد الله أنه | ١٧٠٥  |
| ١٨٥   | البقرة   | ٢     | شهر رمضان    | ١٧٠٦  |

### (١٤) آيات تبدأ بحرف الصاد

| رقم   | السورة  | رقم   | شاهد         | مسلسل |
|-------|---------|-------|--------------|-------|
|       |         |       |              | عام   |
| الآية | السورة  | الآية | عام          |       |
| ١     | ص       | ٣٨    | ص والقرآن    | ١٧٠٧  |
| ١٣٨   | البقرة  | ٢     | صيغة الله    | ١٧٠٨  |
| ١٩    | الأعلى  | ٨٧    | صاحب إبراهيم | ١٧٠٩  |
| ٧     | الفاطحة | ١     | صراط الذين   | ١٧١٠  |
| ٥٣    | الشورى  | ٤٢    | صراط الله    | ١٧١١  |
| ١٨    | البقرة  | ٢     | صم بكم       | ١٧١٢  |

### (١٥) آيات تبدأ بحرف الضاد

|    |     |    |               |      |
|----|-----|----|---------------|------|
| ٣٩ | عبس | ٨٠ | ضاحكة مستبشرة | ١٧١٣ |
|----|-----|----|---------------|------|

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                  | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                 | عام   |
| ١٤    | النجم    | ٥٣     | عِنْدَ سِدْرَةِ الْمُنْتَهَى          | ١٧٦٦  |
| ١٥    | النجم    | ٥٣     | عِنْدَهَا جَنَّةُ الْمَأْوَى          | ١٧٦٧  |
| ١٨    | الإنسان  | ٧٦     | عَيْنًا فِيهَا تُسَمَّى<br>سَمْسِيلاً | ١٧٦٨  |
| ٢٨    | المطففين | ٨٣     | عَيْنًا يَشْرَبُ بِهَا                | ١٧٦٩  |
| ٦     | الإنسان  | ٧٦     | عَيْنًا يَشْرَبُ بِهَا                | ١٧٧٠  |

(١٩) آيات تبدأ بحرف الغين

| رقم   | السورة | رقم    | شاهد                | مسلسل |
|-------|--------|--------|---------------------|-------|
| الآية |        | السورة | الآية               | عام   |
| ٣     | غافر   | ٤٠     | غَافِرِ الذَّنْبِ   | ١٧٧١  |
| ٢     | الروم  | ٣٠     | غَلِيَّتِ الرَّؤْمِ | ١٧٧٢  |

(٢٠) آيات تبدأ بحرف الفاء

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                | عام   |
| ١٧    | مريم     | ١٩     | فَاتَّخَذَتْ مِنْ دُونِهِمْ          | ١٧٧٣  |
| ١١٠   | المؤمنون | ٢٣     | فَاتَّخَذْتُمُوهُمْ سِخْرِيًا        | ١٧٧٤  |
| ١٦    | التغابن  | ٦٤     | فَاتَّقُوا اللَّهَ مَا اسْتَطَعْتُمْ | ١٧٧٥  |
| ١٠٨   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٧٦  |
| ١١٠   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٧٧  |
| ١٢٦   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٧٨  |
| ١٣١   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٧٩  |
| ١٤٤   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٨٠  |
| ١٥٠   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٨١  |
| ١٦٣   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٨٢  |
| ١٧٩   | الشعراء  | ٢٦     | فَاتَّقُوا اللَّهَ وَاطِيعُونَ       | ١٧٨٣  |
| ٥٠    | القلم    | ٦٨     | فَاجْتَبَاهُ رَبُّهُ                 | ١٧٨٤  |
| ٦٥    | الزخرف   | ٤٣     | فَاخْتَلَفَ الْأَحْزَابِ             | ١٧٨٥  |
| ٣٧    | مريم     | ١٩     | فَاخْتَلَفَ الْأَحْزَابِ             | ١٧٨٦  |
| ٢٩    | النحل    | ١٦     | فَادْخُلُوا أَبْوَابَ جَهَنَّمَ      | ١٧٨٧  |
| ٢٩    | الفجر    | ٨٩     | فَادْخُلِي فِي عِبَادِي              | ١٧٨٨  |
| ١٤    | غافر     | ٤٠     | فَادْعُوا اللَّهَ مُخْلِصِينَ        | ١٧٨٩  |
| ١٥٢   | البقرة   | ٢      | فَاذْكُرُونِي أَذْكَرْتُكُمْ         | ١٧٩٠  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                     | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                    | عام   |
| ١٣    | القلم    | ٦٨     | عَلَّمْنَا بَعْدَ ذَلِكَ                 | ١٧٢   |
| ٦     | المرسلات | ٧٧     | عَذْرًا أَوْ تَذْرًا                     | ١٧٢   |
| ٣٧    | الواقعة  | ٥٦     | عَرُبًا أُتْرَابًا                       | ١٧٢   |
| ٢     | الشورى   | ٤٢     | عَسَقَ                                   | ١٧٢   |
| ٧     | المتحنة  | ٦٠     | عَسَى اللَّهُ                            | ١٧٢   |
| ٨     | الإسراء  | ١٧     | عَسَى رَبُّكُمْ                          | ١٧٤   |
| ٣٢    | القلم    | ٦٨     | عَسَى رَبُّنَا                           | ١٧٤   |
| ٥     | التحریم  | ٦٦     | عَسَى رَبُّهُ                            | ١٧٤   |
| ٤٣    | التوبة   | ٩      | عَفَا اللَّهُ عَنْكَ                     | ١٧٤   |
| ٥     | العلق    | ٩٦     | عَلَّمَ الْإِنْسَانَ                     | ١٧٤   |
| ٢     | الرحمن   | ٥٥     | عَلَّمَ الْقُرْآنَ                       | ١٧٤   |
| ١٤    | التكوير  | ٨١     | عَلِمْتَ نَفْسٌ                          | ١٧٤   |
| ٥     | الإنفطار | ٨٢     | عَلِمْتَ نَفْسٌ                          | ١٧٤   |
| ٤     | الرحمن   | ٥٥     | عَلَّمَهُ الْبَيَانَ                     | ١٧٤   |
| ٥     | النجم    | ٥٣     | عَلَّمَهُ شَدِيدُ الْقُوَى               | ١٧٤   |
| ٢٣    | المطففين | ٨٣     | عَلَى الْأَرَاكِ يَنْظُرُونَ             | ١٧٥   |
| ٣٥    | المطففين | ٨٣     | عَلَى الْأَرَاكِ يَنْظُرُونَ             | ١٧٥   |
| ١٠    | المدثر   | ٧٤     | عَلَى الْكَافِرِينَ                      | ١٧٥   |
| ٦١    | الواقعة  | ٥٦     | عَلَى أَنْ تُبَدَّلَ أَمْرًا كُفْرًا     | ١٧٥   |
| ٤١    | المعارج  | ٧٠     | عَلَى أَنْ تُبَدَّلَ خَيْرًا<br>مِنْهُمْ | ١٧٥   |
| ٤٤    | الصفات   | ٣٧     | عَلَى سُرُرٍ مُتَقَابِلِينَ              | ١٧٥   |
| ١٥    | الواقعة  | ٥٦     | عَلَى سُرُرٍ مُؤْصَلَةٍ                  | ١٧٥   |
| ٤     | يس       | ٣٦     | عَلَى صِرَاطٍ مُسْتَقِيمٍ                | ١٧٥   |
| ١٩٤   | الشعراء  | ٢٦     | عَلَى قَلْبِكَ                           | ١٧٥   |
| ٣٠    | المدثر   | ٧٤     | عَلَيْهَا تِسْعَةَ عَشَرَ                | ١٧٥   |
| ٢٠    | البلد    | ٩٠     | عَلَيْهِمْ نَارٌ مُؤْصَلَةٌ              | ١٧٦   |
| ١     | النبأ    | ٧٨     | عَمَّ يَتَسَاءَلُونَ                     | ١٧٦   |
| ٩٣    | الحجر    | ١٥     | عَمَّا كَانُوا يَعْمَلُونَ               | ١٧٦   |
| ٤١    | المدثر   | ٧٤     | عَنْ الْمُجْرِمِينَ                      | ١٧٦   |
| ٢     | النبأ    | ٧٨     | عَنْ النَّبِيِّ الْعَظِيمِ               | ١٧٦   |
| ٣٧    | المعارج  | ٧٠     | عَنْ الْيَمِينِ                          | ١٧٦   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                         | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                          |       |
| ١١٨   | الشعراء  | ٢٦    | فافتح بَيْتِي وَبَيْنَهُمْ                   | ١٨٢٠  |
| ١٨    | الطور    | ٥٢    | فَأَكْبِهِينَ بِمَا أَنَاهُمْ                | ١٨٢١  |
| ٣     | الصفافات | ٣٧    | فَالثَّالِيَاتِ ذِكْرًا                      | ١٨٢٢  |
| ٨     | القصص    | ٢٨    | فَالنَّقْطَةُ أَلْ فِرْعَوْنَ                | ١٨٢٣  |
| ١٤٢   | الصفافات | ٣٧    | فَالثَّقَمَةُ الْحَوْتُ                      | ١٨٢٤  |
| ٣     | الذاريات | ٥١    | فَالْجَارِيَاتِ يُسْرًا                      | ١٨٢٥  |
| ٢     | الذاريات | ٥١    | فَالْحَامِلَاتِ وَقرًا                       | ١٨٢٦  |
| ٥٠    | الحج     | ٢٢    | فَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ | ١٨٢٧  |
| ٢     | الصفافات | ٣٧    | فَالزَّاجِرَاتِ زَجْرًا                      | ١٨٢٨  |
| ٤     | النازعات | ٧٩    | فَالسَّابِقَاتِ سَبْقًا                      | ١٨٢٩  |
| ٢     | المرسلات | ٧٧    | فَالعَاصِفَاتِ عَصْفًا                       | ١٨٣٠  |
| ٤     | المرسلات | ٧٧    | فَالفَارِقَاتِ فَرَقًا                       | ١٨٣١  |
| ٩٦    | الأنعام  | ٦     | فَالِقُ الْإِصْبَاحِ                         | ١٨٣٢  |
| ٥     | النازعات | ٧٩    | فَالْمُدْبِرَاتِ أَمْرًا                     | ١٨٣٣  |
| ٣     | العاديات | ١٠٠   | فَالْمُعِيرَاتِ صُبْحًا                      | ١٨٣٤  |
| ٤     | الذاريات | ٥١    | فَالْمُقْسِمَاتِ أَمْرًا                     | ١٨٣٥  |
| ٥     | المرسلات | ٧٧    | فَالْمُقَاتِلَاتِ ذِكْرًا                    | ١٨٣٦  |
| ٢     | العاديات | ١٠٠   | فَالْمُورِيَاتِ قَدْحًا                      | ١٨٣٧  |
| ٣٤    | المطففين | ٨٣    | فَالْيَوْمِ الَّذِينَ آمَنُوا                | ١٨٣٨  |
| ٥٤    | يس       | ٣٦    | فَالْيَوْمِ لَا نُظَلِّمُ نَفْسًا            | ١٨٣٩  |
| ١٥    | الحديد   | ٥٧    | فَالْيَوْمِ لَا يُؤْخَذُ                     | ١٨٤٠  |
| ٤٢    | سبا      | ٣٤    | فَالْيَوْمِ لَا يَمْلِكُ                     | ١٨٤١  |
| ٩٢    | يونس     | ١٠    | فَالْيَوْمِ نُنَجِّيكَ بَيْنَكَ              | ١٨٤٢  |
| ٢٥    | الزخرف   | ٤٣    | فَانتَقَمْنَا مِنْهُمْ                       | ١٨٤٣  |
| ١٣٦   | الأعراف  | ٧     | فَانتَقَمْنَا مِنْهُمْ                       | ١٨٤٤  |
| ٧٩    | الحجر    | ١٥    | فَانتَقَمْنَا مِنْهُمْ                       | ١٨٤٥  |
| ٧٧    | الكهف    | ١٨    | فَانطَلَقَا حَتَّى                           | ١٨٤٦  |
| ٧١    | الكهف    | ١٨    | فَانطَلَقَا حَتَّى                           | ١٨٤٧  |
| ٧٤    | الكهف    | ١٨    | فَانطَلَقَا حَتَّى                           | ١٨٤٨  |
| ٢٣    | القلم    | ٦٨    | فَانطَلَقُوا وَهُمْ يَتَخَفَتُونَ            | ١٨٤٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                         |       |
| ٥٩    | الدخان   | ٤٤    | فَارْتَقِبْ إِنَّهُمْ مُرْتَقِبُونَ         | ١٧٩١  |
| ١٠    | الدخان   | ٤٤    | فَارْتَقِبْ يَوْمَ                          | ١٧٩٢  |
| ٣٤    | يوسف     | ١٢    | فَاسْتَجَابَ لَهُ رَبُّهُ                   | ١٧٩٣  |
| ١٩٥   | آل عمران | ٣     | فَاسْتَجَابَ لَهُمْ رَبُّهُمْ               | ١٧٩٤  |
| ٨٤    | الأنبياء | ٢١    | فَاسْتَجَبْنَا لَهُ                         | ١٧٩٥  |
| ٨٨    | الأنبياء | ٢١    | فَاسْتَجَبْنَا لَهُ                         | ١٧٩٦  |
| ٩٠    | الأنبياء | ٢١    | فَاسْتَجَبْنَا لَهُ                         | ١٧٩٧  |
| ٥٤    | الزخرف   | ٤٣    | فَاسْتَحَقَّ قَوْمَهُ                       | ١٧٩٨  |
| ١٤٩   | الصفافات | ٣٧    | فَاسْتَقْبَهُمُ الْمَلَأُ النِّبَاتِ        | ١٧٩٩  |
| ١١    | الصفافات | ٣٧    | فَاسْتَقْبَهُمْ أَهْمُ أَشَدُّ              | ١٨٠٠  |
| ١١٢   | هود      | ١١    | فَاسْتَقَمَّ كَمَا أَمَرْتُ                 | ١٨٠١  |
| ٤٣    | الزخرف   | ٤٣    | فَاسْتَمْسِكَ بِالَّذِي أُوحِيَ إِلَيْكَ    | ١٨٠٢  |
| ٦٢    | النجم    | ٥٣    | فَاسْجُدُوا لِلَّهِ وَاعْبُدُوا             | ١٨٠٣  |
| ٧٧    | غافر     | ٤٠    | فَاصْبِرْ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ        | ١٨٠٤  |
| ٥٥    | غافر     | ٤٠    | فَاصْبِرْ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ        | ١٨٠٥  |
| ٦٠    | الروم    | ٣٠    | فَاصْبِرْ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ        | ١٨٠٦  |
| ٥     | المعارج  | ٧٠    | فَاصْبِرْ صَبْرًا جَمِيلًا                  | ١٨٠٧  |
| ٣٩    | ق        | ٥٠    | فَاصْبِرْ عَلَى مَا يَقُولُونَ              | ١٨٠٨  |
| ١٣٠   | طه       | ٢٠    | فَاصْبِرْ عَلَى مَا يَقُولُونَ              | ١٨٠٩  |
| ٣٥    | الأحقاف  | ٤٦    | فَاصْبِرْ كَمَا صَبَرَ أُولَاؤُا الْعِزْمِ  | ١٨١٠  |
| ٢٤    | الإنسان  | ٧٦    | فَاصْبِرْ لِحُكْمِ رَبِّكَ                  | ١٨١١  |
| ٤٨    | القلم    | ٦٨    | فَاصْبِرْ لِحُكْمِ رَبِّكَ                  | ١٨١٢  |
| ٩٤    | الحجر    | ١٥    | فَاصْدَعْ بِمَا تُؤْمَرُ                    | ١٨١٣  |
| ٨٩    | الزخرف   | ٤٣    | فَاصْفَحْ عَنْهُمْ                          | ١٨١٤  |
| ١١    | الشورى   | ٤٢    | فَاطِرُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ            | ١٨١٥  |
| ٥٥    | الصفافات | ٣٧    | فَاطَّلِعْ قِرَاءَهُ                        | ١٨١٦  |
| ١٥    | الزمر    | ٣٩    | فَاعْبُدُوا مَا شِئْتُمْ                    | ١٨١٧  |
| ١١    | الملك    | ٦٧    | فَاعْتَرَفُوا بِذَنبِهِمْ                   | ١٨١٨  |
| ١٩    | محمد     | ٤٧    | فَاعْلَمْ أَنَّهُ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ | ١٨١٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                           |       |
| ٣٥    | الذاريات | ٥١    | فَأَخْرَجْنَا مَنْ كَانَ فِيهَا               | ١٨٨١  |
| ٥٧    | الشعراء  | ٢٦    | فَأَخْرَجْنَا مَنْ جَنَّاتٍ<br>وَعُيُونٍ      | ١٨٨٢  |
| ٢٦    | الزمر    | ٣٩    | فَأَذَقَهُمُ اللّهُ الْخِزْيَ                 | ١٨٨٣  |
| ١٠٣   | الإسراء  | ١٧    | فَارَادَ أَنْ يَسْتَفْرِهُمُ                  | ١٨٨٤  |
| ٩٨    | الصفافات | ٣٧    | فَارَادُوا بِهِ كَيْدًا                       | ١٨٨٥  |
| ٢٠    | النازعات | ٧٩    | فَرَأَاهُ الْآيَةَ الْكُبْرَى                 | ١٨٨٦  |
| ٨١    | الكهف    | ١٨    | فَارْتَدْنَا أَنْ يَبْدِلَهُمَا<br>رَبَّهُمَا | ١٨٨٧  |
| ٥٣    | الشعراء  | ٢٦    | فَارْسَلْ فِرْعَوْنَ                          | ١٨٨٨  |
| ١٣٣   | الأعراف  | ٧     | فَارْسَلْنَا عَلَيْهِمُ<br>الطُّوفَانَ        | ١٨٨٩  |
| ١٦    | فصلت     | ٤١    | فَارْسَلْنَا عَلَيْهِمُ رِيحًا                | ١٨٩٠  |
| ٣٢    | المؤمنون | ٢٣    | فَارْسَلْنَا فِيهِمْ رَسُولًا                 | ١٨٩١  |
| ٣٦    | البقرة   | ٢     | فَازْلَهُمَا الشَّيْطَانُ                     | ١٨٩٢  |
| ٦٥    | الحجر    | ١٥    | فَأَسْرَ بِأَهْلِكَ                           | ١٨٩٣  |
| ٢٣    | الدخان   | ٤٤    | فَأَسْرَ بِيَعَادِي                           | ١٨٩٤  |
| ١٨٧   | الشعراء  | ٢٦    | فَأَسْقِطْ عَلَيْنَا كِسْفًا                  | ١٨٩٥  |
| ٢٩    | مريم     | ١٩    | فَأَشَارَتْ إِلَيْهِ                          | ١٨٩٦  |
| ٣٤    | النحل    | ١٦    | فَأَصَابَهُمْ سَيِّئَاتُ                      | ١٨٩٧  |
| ٥١    | الزمر    | ٣٩    | فَأَصَابَهُمْ سَيِّئَاتُ                      | ١٨٩٨  |
| ١٨    | القصص    | ٢٨    | فَأَصْبَحَ فِي الْمَدِينَةِ<br>خَائِفًا       | ١٨٩٩  |
| ٢٠    | القلم    | ٦٨    | فَأَصْبَحَتْ كَالصَّرِيمِ                     | ١٩٠٠  |
| ٨     | الواقعة  | ٥٦    | فَأَصْحَابُ الْمَيْمَنَةِ                     | ١٩٠١  |
| ٢٩    | النجم    | ٥٣    | فَأَعْرَضَ عَنْ مَنْ تَوَلَّى                 | ١٩٠٢  |
| ٣٠    | السجدة   | ٣٢    | فَأَعْرَضَ عَنْهُمْ                           | ١٩٠٣  |
| ١٦    | سبا      | ٣٤    | فَأَعْرَضُوا فَأَرْسَلْنَا<br>عَلَيْهِمْ      | ١٩٠٤  |
| ٧٧    | التوبة   | ٩     | فَأَعْقَبَهُمْ نِقَافًا فِي<br>قُلُوبِهِمْ    | ١٩٠٥  |
| ٣٢    | الصفافات | ٣٧    | فَأَعْوَيْنَاكُمْ                             | ١٩٠٦  |
| ٥٠    | الصفافات | ٣٧    | فَأَقْبَلَ بَعْضُهُمْ                         | ١٩٠٧  |
| ٣٠    | القلم    | ٦٨    | فَأَقْبَلَ بَعْضُهُمْ                         | ١٩٠٨  |
| ٢٩    | الذاريات | ٥١    | فَأَقْبَلَتْ امْرَأَتُهُ                      | ١٩٠٩  |
| ٩٤    | الصفافات | ٣٧    | فَأَقْبَلُوا إِلَيْهِ يَرْفُوقُونَ            | ١٩١٠  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                      | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                       |       |
| ٥٠    | الروم    | ٣٠    | فَاتَّقِظْ إِلَى آثارِ رَحْمَةِ<br>اللّهِ | ١٨٥   |
| ٧٣    | الصفافات | ٣٧    | فَاتَّقِظْ كَيْفَ                         | ١٨٥   |
| ٥١    | النمل    | ٢٧    | فَاتَّقِظْ كَيْفَ                         | ١٨٥   |
| ١٧٤   | آل عمران | ٣     | فَاتَّقَلَّبُوا بِنِعْمَةِ مَنْ<br>اللّهِ | ١٨٥   |
| ٣٨    | الروم    | ٣٠    | فَاتَّ ذَا الْقُرْبَى حَقَّهُ             | ١٨٥   |
| ١٤٨   | آل عمران | ٣     | فَاتَّاهُمُ اللّهُ ثَوَابَ<br>الدُّنْيَا  | ١٨٥   |
| ٢٦    | العنكبوت | ٢٩    | فَأَمَّنْ لَهُ لُوطٌ                      | ١٨٥   |
| ٨     | التغابن  | ٦٤    | فَأَمِنُوا بِاللّهِ وَرَسُولِهِ           | ١٨٥   |
| ١٤٨   | الصفافات | ٣٧    | فَأَمِنُوا فَمَتَّعْنَاهُمْ               | ١٨٥   |
| ٨٥    | الكهف    | ١٨    | فَأَتَّبَعَ سَبِيلًا                      | ١٨٥   |
| ٧٨    | طه       | ٢٠    | فَأَتَّبَعَهُمْ فِرْعَوْنُ                | ١٨٦   |
| ٦٠    | الشعراء  | ٢٦    | فَأَتَّبَعُوهُمْ مُشْرِقِينَ              | ١٨٦   |
| ٢٧    | مريم     | ١٩    | فَأَتَّتْ بِهِ قَوْمَهَا                  | ١٨٦   |
| ٣٦    | الدخان   | ٤٤    | فَأَتُّوا يَا بَنِي آدَمَ                 | ١٨٦   |
| ١٥٧   | الصفافات | ٣٧    | فَأَتُّوا بِكَيْبَاتِكُمْ                 | ١٨٦   |
| ١٦    | الشعراء  | ٢٦    | فَأَتَّيَا فِرْعَوْنَ                     | ١٨٦   |
| ٤٧    | طه       | ٢٠    | فَأَتَّيَاهُ قَقُولًا                     | ١٨٦   |
| ٨٥    | المائدة  | ٥     | فَأَتَّيَهُمُ اللّهُ                      | ١٨٦   |
| ٤     | العاديات | ١٠٠   | فَأَتَّرْنَ بِهِ نَعْمًا                  | ١٨٦   |
| ٢٣    | مريم     | ١٩    | فَأَجَاءَهَا الْمَخَاضُ                   | ١٨٦   |
| ٦٤    | طه       | ٢٠    | فَأَجْمِعُوا كَيْدَكُمْ                   | ١٨٧   |
| ٧٨    | الأعراف  | ٧     | فَأَخَذْتَهُمُ الرَّجْفَةَ                | ١٨٧   |
| ٩١    | الأعراف  | ٧     | فَأَخَذْتَهُمُ الرَّجْفَةَ                | ١٨٧   |
| ٤١    | المؤمنون | ٢٣    | فَأَخَذْتَهُمُ الصَّيْحَةَ                | ١٨٧   |
| ٧٣    | الحجر    | ١٥    | فَأَخَذْتَهُمُ الصَّيْحَةَ                | ١٨٧   |
| ٨٣    | الحجر    | ١٥    | فَأَخَذْتَهُمُ الصَّيْحَةَ                | ١٨٧   |
| ٤٠    | القصص    | ٢٨    | فَأَخَذْتَاهُ وَجُودَهُ                   | ١٨٧   |
| ٤٠    | الذاريات | ٥١    | فَأَخَذْتَاهُ وَجُودَهُ                   | ١٨٧   |
| ٢٥    | النازعات | ٧٩    | فَأَخَذَهُ اللّهُ                         | ١٨٧   |
| ١٥٨   | الشعراء  | ٢٦    | فَأَخَذَهُمُ الْعَذَابُ                   | ١٨٧   |
| ٨٨    | طه       | ٢٠    | فَأَخْرَجَ لَهُمْ عِجْلًا                 | ١٨٨   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                         | عام   |
| ١٠    | عبس      | ٨٠    | فَأَنْتَ عَنْهُ تَلَهَّى                    | ١٩٤٢  |
| ٦     | عبس      | ٨٠    | فَأَنْتَ لَهُ تَصَدَّى                      | ١٩٤٣  |
| ٧٢    | الأعراف  | ٧     | فَأَنْجِبْنَاهُ وَالَّذِينَ مَعَهُ          | ١٩٤٤  |
| ١٥    | العنكبوت | ٢٩    | فَأَنْجِبْنَاهُ وَأَصْحَابَ<br>السَّقِينَةِ | ١٩٤٥  |
| ٥٧    | النمل    | ٢٧    | فَأَنْجِبْنَاهُ وَأَهْلَهُ                  | ١٩٤٦  |
| ٨٣    | الأعراف  | ٧     | فَأَنْجِبْنَاهُ وَأَهْلَهُ                  | ١٩٤٧  |
| ١١٩   | الشعراء  | ٢٦    | فَأَنْجِبْنَاهُ وَمَنْ مَعَهُ               | ١٩٤٨  |
| ١٤    | الليل    | ٩٢    | فَأَنْدَرْتُكُمْ نَارًا                     | ١٩٤٩  |
| ١٩    | المؤمنون | ٢٣    | فَأَنْشَأْنَا لَكُمْ بِهِ جَنَّاتٍ          | ١٩٥٠  |
| ٨     | الزخرف   | ٤٣    | فَأَهْلَكْنَا أَشَدَّ مِنْهُمْ              | ١٩٥١  |
| ٦٧    | طه       | ٢٠    | فَأَوْجَسَ فِي نَفْسِهِ                     | ١٩٥٢  |
| ٢٨    | الذاريات | ٥١    | فَأَوْجَسَ مِنْهُمْ خِيفَةً                 | ١٩٥٣  |
| ١٠    | النجم    | ٥٣    | فَأَوْحَىٰ إِلَىٰ عَبْدِهِ                  | ١٩٥٤  |
| ٦٣    | الشعراء  | ٢٦    | فَأَوْحَيْنَا إِلَىٰ مُوسَىٰ                | ١٩٥٥  |
| ٢٧    | المؤمنون | ٢٣    | فَأَوْحَيْنَا إِلَيْهِ                      | ١٩٥٦  |
| ٩٩    | النساء   | ٤     | فَأُولَٰئِكَ عَسَىٰ اللَّهُ                 | ١٩٥٧  |
| ٢٦    | التكوير  | ٨١    | فَأَيْنَ تَذٰهَبُونَ                        | ١٩٥٨  |
| ٢٨    | المؤمنون | ٢٣    | فَإِذَا اسْتَوَيْتَ أَنْتَ                  | ١٩٥٩  |
| ٨     | المرسلات | ٧٧    | فَإِذَا النُّجُومُ طَمِسَتْ                 | ١٩٦٠  |
| ٥     | التوبة   | ٩     | فَإِذَا انْسَلَخَ الْأَشْهُرُ               | ١٩٦١  |
| ٣٧    | الرحمن   | ٥٥    | فَإِذَا انشَقَّتِ السَّمَاءُ                | ١٩٦٢  |
| ٧     | القيامة  | ٧٥    | فَإِذَا بَرِقَ الْبَصَرُ                    | ١٩٦٣  |
| ٢     | الطلاق   | ٦٥    | فَإِذَا بَلَغْنَ أَجَلَهُنَّ                | ١٩٦٤  |
| ٥     | الإسراء  | ١٧    | فَإِذَا جَاءَ وَعْدُ                        | ١٩٦٥  |
| ٣٣    | عبس      | ٨٠    | فَإِذَا جَاءَتِ الصَّائِخَةُ                | ١٩٦٦  |
| ٣٤    | النازعات | ٧٩    | فَإِذَا جَاءَتِ الطَّامَةُ                  | ١٩٦٧  |
| ١٣١   | الأعراف  | ٧     | فَإِذَا جَاءَتْهُمْ الْحَسَنَةُ             | ١٩٦٨  |
| ٦٥    | العنكبوت | ٢٩    | فَإِذَا رَكِبُوا فِي الْفَلَكِ              | ١٩٦٩  |
| ٢٩    | الحجر    | ١٥    | فَإِذَا سَوَّيْتُهُ                         | ١٩٧٠  |
| ٧٢    | ص        | ٣٨    | فَإِذَا سَوَّيْتُهُ                         | ١٩٧١  |
| ٧     | الشرح    | ٩٤    | فَإِذَا فَرَغْتَ فَانصَبْ                   | ١٩٧٢  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                    | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                     | عام   |
| ٤٣    | الروم    | ٣٠    | فَأَقِمْ وَجْهَكَ لِلدِّينِ الْقِيمِ    | ١٩١١  |
| ٣٠    | الروم    | ٣٠    | فَأَقِمْ وَجْهَكَ لِلدِّينِ<br>حَقِيقًا | ١٩١٢  |
| ١٢    | الفجر    | ٨٩    | فَأَكْثَرُوا فِيهَا الْفَسَادَ          | ١٩١٣  |
| ١٢١   | طه       | ٢٠    | فَأَكْلًا مِنْهَا                       | ١٩١٤  |
| ٢٠    | طه       | ٢٠    | فَالْقَاهَا فَإِذَا هِيَ                | ١٩١٥  |
| ٤٤    | الشعراء  | ٢٦    | فَالْقَوَا حِيَالَهُمْ                  | ١٩١٦  |
| ١٠٧   | الأعراف  | ٧     | فَالْقَىٰ عَصَاهُ                       | ١٩١٧  |
| ٣٢    | الشعراء  | ٢٦    | فَالْقَىٰ عَصَاهُ                       | ١٩١٨  |
| ٤٥    | الشعراء  | ٢٦    | فَالْقَىٰ مُوسَىٰ                       | ١٩١٩  |
| ٤٦    | الشعراء  | ٢٦    | فَالْقَىٰ السَّحْرَةَ<br>سَاجِدِينَ     | ١٩٢٠  |
| ٧٠    | طه       | ٢٠    | فَالْقَىٰ السَّحْرَةَ سُجَّدًا          | ١٩٢١  |
| ٨     | الشمس    | ٩١    | فَالْقَاهَا فُجُورَهَا<br>وَتَقْوَاهَا  | ١٩٢٢  |
| ١٥    | الفجر    | ٨٩    | فَأَمَّا الْإِنْسَانُ                   | ١٩٢٣  |
| ١٧٥   | النساء   | ٤     | فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا              | ١٩٢٤  |
| ١٥    | الروم    | ٣٠    | فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا              | ١٩٢٥  |
| ٣٠    | الجنات   | ٤٥    | فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا              | ١٩٢٦  |
| ١٧٣   | النساء   | ٤     | فَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا              | ١٩٢٧  |
| ١٠٦   | هود      | ١١    | فَأَمَّا الَّذِينَ شَفَعُوا             | ١٩٢٨  |
| ٥٦    | آل عمران | ٣     | فَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا             | ١٩٢٩  |
| ٩     | الضحى    | ٩٣    | فَأَمَّا الْيَتِيمَ فَلَا تَقْهَرْ      | ١٩٣٠  |
| ٨٨    | الواقعة  | ٥٦    | فَأَمَّا إِنْ كَانَ                     | ١٩٣١  |
| ٥     | الحاقة   | ٦٩    | فَأَمَّا ثَمُودُ                        | ١٩٣٢  |
| ١٥    | فصلت     | ٤١    | فَأَمَّا عَادُ                          | ١٩٣٣  |
| ٥     | الليل    | ٩٢    | فَأَمَّا مَنْ أُعْطِيَ                  | ١٩٣٤  |
| ٧     | الإشفاق  | ٨٤    | فَأَمَّا مَنْ أُوْتِيَ                  | ١٩٣٥  |
| ١٩    | الحاقة   | ٦٩    | فَأَمَّا مَنْ أُوْتِيَ                  | ١٩٣٦  |
| ٦٧    | القصص    | ٢٨    | فَأَمَّا مَنْ تَابَ                     | ١٩٣٧  |
| ٦     | القارعة  | ١٠١   | فَأَمَّا مَنْ ثَقُلَتْ                  | ١٩٣٨  |
| ٣٧    | النازعات | ٧٩    | فَأَمَّا مَنْ طَغَىٰ                    | ١٩٣٩  |
| ٩     | القارعة  | ١٠١   | فَأَمُّهُ هَٰوِيَةٌ                     | ١٩٤٠  |
| ٢٧    | عبس      | ٨٠    | فَأَنْبِئْنَا فِيهَا حَبًّا             | ١٩٤١  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                 |       |
| ٢٠٩   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ زَلْتُمْ                     | ٢٠٠٤  |
| ٢٣٠   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ طَلَّقَهَا                   | ٢٠٠٥  |
| ١٠٧   | المائدة  | ٥     | فَإِنْ عُنِيَ عَلَىٰ انْتِهَامًا    | ٢٠٠٦  |
| ٢١٦   | الشعراء  | ٢٦    | فَإِنْ عَصَوْكَ                     | ٢٠٠٧  |
| ٣٩    | المرسلات | ٧٧    | فَإِنْ كَانَ لَكُمْ                 | ٢٠٠٨  |
| ١٨٤   | آل عمران | ٣     | فَإِنْ كَذَّبُوكَ فَقَدْ            | ٢٠٠٩  |
| ١٤٧   | الأنعام  | ٦     | فَإِنْ كَذَّبُوكَ فَقُلْ            | ٢٠١٠  |
| ٩٤    | يونس     | ١٠    | فَإِنْ كُنْتَ فِي شكٍّ              | ٢٠١١  |
| ٥٩    | الذاريات | ٥١    | فَإِنَّ لِلَّذِينَ ظَلَمُوا         | ٢٠١٢  |
| ٦٠    | يوسف     | ١٢    | فَإِنْ لَمْ تَأْتُونِي بِهِ         | ٢٠١٣  |
| ٢٨    | النور    | ٢٤    | فَإِنْ لَمْ تَجِدُوا                | ٢٠١٤  |
| ٢٧٩   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ لَمْ تَفْعَلُوا فَاذْنُوا    | ٢٠١٥  |
| ٢٤    | البقرة   | ٢     | فَإِنْ لَمْ تَفْعَلُوا وَكُنْ       | ٢٠١٦  |
| ٥٠    | القصص    | ٢٨    | فَإِنْ لَمْ يَسْتَجِيبُوا لَكَ      | ٢٠١٧  |
| ١٤    | هود      | ١١    | فَإِنْ لَمْ يَسْتَجِيبُوا لَكُمْ    | ٢٠١٨  |
| ٥     | الشرح    | ٩٤    | فَإِنَّ مَعَ الْعُسْرِ يُسْرًا      | ٢٠١٩  |
| ٢٤    | فصلت     | ٤١    | فَإِنْ يَصْبِرُوا فَالنَّارُ        | ٢٠٢٠  |
| ٥٢    | الروم    | ٣٠    | فَإِنَّكَ لَا تَسْمَعُ الْمَوْتَىٰ  | ٢٠٢١  |
| ١٦١   | الصفافات | ٣٧    | فَإِنَّكُمْ وَمَا تَعْبُدُونَ       | ٢٠٢٢  |
| ١٣    | النازعات | ٧٩    | فَإِنَّمَا هِيَ زَجْرَةٌ وَاحِدَةٌ  | ٢٠٢٣  |
| ١٩    | الصفافات | ٣٧    | فَإِنَّمَا هِيَ زَجْرَةٌ وَاحِدَةٌ  | ٢٠٢٤  |
| ٩٧    | مريم     | ١٩    | فَإِنَّمَا يَسْتَرْتَاهُ بِسَاتِكِ  | ٢٠٢٥  |
| ٥٨    | الدخان   | ٤٤    | فَإِنَّمَا يَسْتَرْتَاهُ بِسَاتِكِ  | ٢٠٢٦  |
| ٧٧    | الشعراء  | ٢٦    | فَإِنَّهُمْ عَدُوٌّ لِّي            | ٢٠٢٧  |
| ٦٦    | الصفافات | ٣٧    | فَإِنَّهُمْ لَا يَكْفُلُونَ مِنْهَا | ٢٠٢٨  |
| ٣٣    | الصفافات | ٣٧    | فَإِنَّهُمْ يَوْمَئِذٍ              | ٢٠٢٩  |
| ٥٥    | النجم    | ٥٣    | فَإِنِّي آءَاءُ رَبِّكَ             | ٢٠٣٠  |
| ١٣    | الرحمن   | ٥٥    | فَإِنِّي آءَاءُ رَبِّكُمَا          | ٢٠٣١  |
| ١٦    | الرحمن   | ٥٥    | فَإِنِّي آءَاءُ رَبِّكُمَا          | ٢٠٣٢  |
| ١٨    | الرحمن   | ٥٥    | فَإِنِّي آءَاءُ رَبِّكُمَا          | ٢٠٣٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                    |       |
| ٩٨    | النحل    | ١٦    | فَإِذَا قَرَأْتَ الْقُرْآنَ            | ١٩٩٧  |
| ١٨    | القيامة  | ٧٥    | فَإِذَا قَرَأْتَهُ                     | ١٩٩٧  |
| ١٠    | الجمعة   | ٦٢    | فَإِذَا قُضِيَتِ الصَّلَاةُ            | ١٩٩٧  |
| ١٠٣   | النساء   | ٤     | فَإِذَا قُضِيَتُمُ الصَّلَاةُ          | ١٩٩٧  |
| ٢٠٠   | البقرة   | ٢     | فَإِذَا قُضِيَتُم مِّنَاسِكُكُمْ       | ١٩٩٧  |
| ٤     | محمد     | ٤٧    | فَإِذَا لَقِيتُمُ الَّذِينَ كَفَرُوا   | ١٩٩٧  |
| ٤٩    | الزمر    | ٣٩    | فَإِذَا مَسَّ الْإِنْسَانَ ضُرٌّ       | ١٩٩٧  |
| ١٧٧   | الصفافات | ٣٧    | فَإِذَا نَزَلَ بِسَاحَتِهِمْ           | ١٩٩٨  |
| ١٠١   | المؤمنون | ٢٣    | فَإِذَا نُفِخَ فِي الصُّورِ            | ١٩٩٨  |
| ١٣    | الحاقة   | ٦٩    | فَإِذَا نُفِخَ فِي الصُّورِ            | ١٩٩٨  |
| ٨     | المدثر   | ٧٤    | فَإِذَا نَفَخَ فِي النَّافُورِ         | ١٩٩٨  |
| ١٤    | النازعات | ٧٩    | فَإِذَا هُمْ بِالسَّاهِرَةِ            | ١٩٩٨  |
| ٥٧    | الأنفال  | ٨     | فَإِنَّمَا تَتَفَقَّهُهُمْ             | ١٩٩٨  |
| ٤١    | الزخرف   | ٤٣    | فَإِنَّمَا نَذِيرٌ                     | ١٩٩٨  |
| ٣٨    | فصلت     | ٤١    | فَإِنْ اسْتَكْبَرُوا                   | ١٩٩٨  |
| ٣٩    | النازعات | ٧٩    | فَإِنَّ الْجَحِيمَ هِيَ                | ١٩٩٨  |
| ٤١    | النازعات | ٧٩    | فَإِنَّ الْجَنَّةَ هِيَ الْمَأْوَىٰ    | ١٩٩٨  |
| ١٩٢   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ انْتَهَوْا                      | ١٩٩٩  |
| ١٣٧   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ آمَنُوا                         | ١٩٩٩  |
| ١٣    | فصلت     | ٤١    | فَإِنْ أَعْرَضُوا فَقُلْ               | ١٩٩٩  |
| ٤٨    | الشورى   | ٤٢    | فَإِنْ أَعْرَضُوا فَمَا                | ١٩٩٩  |
| ١١    | التوبة   | ٩     | فَإِنْ تَابُوا                         | ١٩٩٩  |
| ٦٣    | آل عمران | ٣     | فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّ اللَّهَ      | ١٩٩٩  |
| ٨٢    | النحل    | ١٦    | فَإِنْ تَوَلَّوْا فَإِنَّمَا عَلَيْكَ  | ١٩٩٩  |
| ٥٧    | هود      | ١١    | فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقَدْ أَبَدْنَاكُمْ | ١٩٩٩  |
| ١٠٩   | الأنبياء | ٢١    | فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقُلْ               | ١٩٩٩  |
| ١٢٩   | التوبة   | ٩     | فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقُلْ               | ١٩٩٩  |
| ٧٢    | يونس     | ١٠    | فَإِنْ تَوَلَّيْتُمْ فَمَا             | ٢٠٠٠  |
| ٢٠    | آل عمران | ٣     | فَإِنْ حَاجَّوكَ فَقُلْ                | ٢٠٠١  |
| ٢٣٩   | البقرة   | ٢     | فَإِنْ خِفْتُمْ فَرِجَالًا             | ٢٠٠٢  |
| ٨٣    | التوبة   | ٩     | فَإِنْ رَجَعْتَ اللَّهُ                | ٢٠٠٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                              | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                               |       |
| ١٦٢   | الأعراف  | ٧     | فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا      | ٢٠٦٥  |
| ١٠١   | الصفات   | ٣٧    | فَبَشِّرْهُ بِعَلَمِ حَكِيمٍ      | ٢٠٦٦  |
| ٢٤    | الإشفاق  | ٨٤    | فَبَشِّرْهُمْ بِعَذَابٍ أَلِيمٍ   | ٢٠٦٧  |
| ١٦٠   | النساء   | ٤     | فَيُظَلِّمُونَ الَّذِينَ ظَلَمُوا | ٢٠٦٨  |
| ٣١    | المائدة  | ٥     | فَيَعْبَثُ اللَّهُ غُرَابًا       | ٢٠٦٩  |
| ١٥٩   | آل عمران | ٣     | فَيَمَّا رَحِمَهُ مِنَ اللَّهِ    | ٢٠٧٠  |
| ١٣    | المائدة  | ٥     | فَيَمَّا نَقَضْتُمْ مِيثَاقَهُمْ  | ٢٠٧١  |
| ١٥٥   | النساء   | ٤     | فَيَمَّا نَقَضْتُمْ مِيثَاقَهُمْ  | ٢٠٧٢  |
| ١٩    | النمل    | ٢٧    | فَيَمَّا نَقَضْتُمْ مِيثَاقَهُمْ  | ٢٠٧٣  |
| ٥٢    | المائدة  | ٥     | فَتَرَى الَّذِينَ فِيهِمْ مَرُوضٌ | ٢٠٧٤  |
| ١١٦   | المؤمنون | ٢٣    | فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَلِكُ      | ٢٠٧٥  |
| ١١٤   | طه       | ٢٠    | فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَلِكُ      | ٢٠٧٦  |
| ٣٧    | آل عمران | ٣     | فَتَقَبَّلَهَا رَبُّهَا           | ٢٠٧٧  |
| ٥٣    | المؤمنون | ٢٣    | فَتَقَطَّعُوا أَمْرَهُمْ          | ٢٠٧٨  |
| ٣٧    | البقرة   | ٢     | فَتَلَقَى آدَمَ                   | ٢٠٧٩  |
| ٥٢    | النمل    | ٢٧    | فَتَلَكَّ بُوَيْهْتَهُمْ          | ٢٠٨٠  |
| ٢١    | القلم    | ٦٨    | فَتَنَادُوا مُصْحِحِينَ           | ٢٠٨١  |
| ٦٢    | طه       | ٢٠    | فَتَنَادُوا أَمْرُهُمْ            | ٢٠٨٢  |
| ٧٩    | النمل    | ٢٧    | فَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ         | ٢٠٨٣  |
| ١٧٤   | الصفات   | ٣٧    | فَتَوَلَّ عَنْهُمْ                | ٢٠٨٤  |
| ٥٤    | الذاريات | ٥١    | فَتَوَلَّ عَنْهُمْ                | ٢٠٨٥  |
| ٦     | القمر    | ٥٤    | فَتَوَلَّ عَنْهُمْ                | ٢٠٨٦  |
| ٩٠    | الصفات   | ٣٧    | فَتَوَلَّوْا عَنْهُ               | ٢٠٨٧  |
| ٣٩    | الذاريات | ٥١    | فَتَوَلَّى بِرُكْنِهِ             | ٢٠٨٨  |
| ٩٣    | الأعراف  | ٧     | فَتَوَلَّى عَنْهُمْ               | ٢٠٨٩  |
| ٧٩    | الأعراف  | ٧     | فَتَوَلَّى عَنْهُمْ               | ٢٠٩٠  |
| ٦٠    | طه       | ٢٠    | فَتَوَلَّى فِرْعَوْنَ             | ٢٠٩١  |
| ٢٥    | القصص    | ٢٨    | فَجَاءَتْهُ إِحْدَاهُمَا          | ٢٠٩٢  |
| ٣٩    | القيامة  | ٧٥    | فَجَعَلَ مِنْهُ الزَّوْجَيْنِ     | ٢٠٩٣  |
| ٧٤    | الحجر    | ١٥    | فَجَعَلْنَا عَلَيْهَا سَافِلَهَا  | ٢٠٩٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           |       |
| ٢١    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٤  |
| ٢٣    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٥  |
| ٢٥    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٦  |
| ٢٨    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٧  |
| ٣٠    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٨  |
| ٣٢    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٣٩  |
| ٣٤    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٠  |
| ٣٦    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤١  |
| ٣٨    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٢  |
| ٤٠    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٣  |
| ٤٢    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٤  |
| ٤٥    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٥  |
| ٤٧    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٦  |
| ٤٩    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٧  |
| ٥١    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٨  |
| ٥٣    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٤٩  |
| ٥٥    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٠  |
| ٥٧    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥١  |
| ٥٩    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٢  |
| ٦١    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٣  |
| ٦٣    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٤  |
| ٦٥    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٥  |
| ٦٧    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٦  |
| ٦٩    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٧  |
| ٧١    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٨  |
| ٧٣    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٥٩  |
| ٧٥    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٦٠  |
| ٧٧    | الرحمن   | ٥٥    | فَيَا أَيُّ آلَاءِ رَبِّكُمَا | ٢٠٦١  |
| ٥٠    | المرسلات | ٧٧    | فَيَا أَيُّ حَدِيثٍ           | ٢٠٦٢  |
| ٧٦    | يوسف     | ١٢    | فَبَدَأَ بِأَوْعِيَّتِهِمْ    | ٢٠٦٣  |
| ٥٩    | البقرة   | ٢     | فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا  | ٢٠٦٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                          |       |
| ٣٢    | يونس     | ١٠    | فَذَلِكُمْ اللَّهُ           | ٢١٢٦  |
| ١٤    | السجدة   | ٣٢    | فَذُوقُوا بِمَا نَسِيتُمْ    | ٢١٢٧  |
| ٣٩    | القمر    | ٥٤    | فَذُوقُوا عَذَابِي وَنُذْرَ  | ٢١٢٨  |
| ٣٠    | النبأ    | ٧٨    | فَذُوقُوا فَلَنْ نَزِيدَكُمْ | ٢١٢٩  |
| ٩١    | الصفات   | ٣٧    | فَرَاغَ إِلَى آلِهِمْ        | ٢١٣٠  |
| ٢٦    | الذاريات | ٥١    | فَرَاغَ إِلَى أَهْلِهِ       | ٢١٣١  |
| ٩٣    | الصفات   | ٣٧    | فَرَاغَ عَلَيْهِمْ           | ٢١٣٢  |
| ٥١    | المدثر   | ٧٤    | فَرَّتْ مِنْ قَسْوَرَةٍ      | ٢١٣٣  |
| ٨٦    | طه       | ٢٠    | فَرَجَعَ مُوسَى              | ٢١٣٤  |
| ٦٤    | الأنبياء | ٢١    | فَرَجَعُوا إِلَى أَنفُسِهِمْ | ٢١٣٥  |
| ٨١    | التوبة   | ٩     | فَرَحَ الْمُخَلَّفُونَ       | ٢١٣٦  |
| ١٧٠   | آل عمران | ٣     | فَرِحِينَ بِمَا آتَاهُمْ     | ٢١٣٧  |
| ١٣    | القصص    | ٢٨    | فَرَدَدْنَاهُ إِلَى أُمِّهِ  | ٢١٣٨  |
| ١٨    | البروج   | ٨٥    | فِرْعَوْنُ وَتَمُودُ         | ٢١٣٩  |
| ٨٩    | الواقعة  | ٥٦    | فِرْعَوْنُ وَرَيْحَانُ       | ٢١٤٠  |
| ٣٠    | الأعراف  | ٧     | فَرِيقًا هَدَى               | ٢١٤١  |
| ١٤١   | الصفات   | ٣٧    | فَسَاهَمَ فَكَانَ            | ٢١٤٢  |
| ٧٤    | الواقعة  | ٥٦    | فَسَبِّحْ بِاسْمِ رَبِّكَ    | ٢١٤٣  |
| ٩٦    | الواقعة  | ٥٦    | فَسَبِّحْ بِاسْمِ رَبِّكَ    | ٢١٤٤  |
| ٥٢    | الحاقة   | ٦٩    | فَسَبِّحْ بِاسْمِ رَبِّكَ    | ٢١٤٥  |
| ٣     | النصر    | ١١٠   | فَسَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ   | ٢١٤٦  |
| ٩٨    | الحجر    | ١٥    | فَسَبِّحْ بِحَمْدِ رَبِّكَ   | ٢١٤٧  |
| ٨٣    | يس       | ٣٦    | فَسُبْحَانَ الَّذِي بِيَدِهِ | ٢١٤٨  |
| ١٧    | الروم    | ٣٠    | فَسُبْحَانَ اللَّهِ          | ٢١٤٩  |
| ٥     | القلم    | ٦٨    | فَسُبِّصِرْ وَيُبَّصِرُونَ   | ٢١٥٠  |
| ٤٤    | غافر     | ٤٠    | فَسَتَذْكُرُونَ مَا أَقُولُ  | ٢١٥١  |
| ٣٠    | الحجر    | ١٥    | فَسَجَدَ الْمَلَائِكَةُ      | ٢١٥٢  |
| ٧٣    | ص        | ٣٨    | فَسَجَدَ الْمَلَائِكَةُ      | ٢١٥٣  |
| ٣٦    | ص        | ٣٨    | فَسَخَّرْنَا لَهُ الرِّيحَ   | ٢١٥٤  |
| ٢٤    | القصص    | ٢٨    | فَسَقَى لَهُمَا              | ٢١٥٥  |
| ٩١    | الواقعة  | ٥٦    | فَسَلَامٌ لَكَ               | ٢١٥٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                              | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                               |       |
| ٢١    | المرسلات | ٧٧    | فَجَعَلْنَاهُ فِي قَرَارٍ         | ٢٠٩   |
| ٦٦    | البقرة   | ٢     | فَجَعَلْنَاهَا نَكَالًا           | ٢٠٩   |
| ٥٦    | الزخرف   | ٤٣    | فَجَعَلْنَاهُمْ سَلَفًا           | ٢٠٩   |
| ٣٦    | الواقعة  | ٥٦    | فَجَعَلْنَاهُمْ أَكْبَارًا        | ٢٠٩   |
| ٥     | الأعلى   | ٨٧    | فَجَعَلَهُ غُثَاءً أَخْوَى        | ٢٠٩   |
| ٥٨    | الأنبياء | ٢١    | فَجَعَلَهُمْ جُودًا               | ٢١٠   |
| ٥     | الفيل    | ١٠٥   | فَجَعَلَهُمْ كَعَصْفٍ مَأْكُولٍ   | ٢١٠   |
| ٣٨    | الشعراء  | ٢٦    | فَجُمِعَ السَّحَرَةُ              | ٢١٠   |
| ٢٣    | النازعات | ٧٩    | فَحَشْرَ قَتَادَى                 | ٢١٠   |
| ٣١    | الصفات   | ٣٧    | فَحَقَّ عَلَيْنَا قَوْلُ رَبِّنَا | ٢١٠   |
| ٢٢    | مريم     | ١٩    | فَحَمَلَتْهُ فَاتَّبَعَتْ         | ٢١٠   |
| ٧٩    | القصص    | ٢٨    | فَحَرَجَ عَلَى قَوْمِهِ           | ٢١٠   |
| ١١    | مريم     | ١٩    | فَحَرَجَ عَلَى قَوْمِهِ           | ٢١٠   |
| ٢١    | القصص    | ٢٨    | فَحَرَجَ مِنْهَا خَائِفًا         | ٢١٠   |
| ٨١    | القصص    | ٢٨    | فَحَسْبُنَا بِهِ وَيدَارِهِ       | ٢١٠   |
| ٥٩    | مريم     | ١٩    | فَخَلَّفَ مِنْ بَعْدِهِمْ خَلْفًا | ٢١١   |
| ١٦٩   | الأعراف  | ٧     | فَخَلَّفَ مِنْ بَعْدِهِمْ خَلْفًا | ٢١١   |
| ٢٢    | الدخان   | ٤٤    | فَدَعَا رَبِّي أَنِّ              | ٢١١١  |
| ١٠    | القمر    | ٥٤    | فَدَعَا رَبِّي أَنِّي             | ٢١١٢  |
| ٢٢    | الأعراف  | ٧     | فَدَلَاهُمَا يُغْرور              | ٢١١٤  |
| ٩٠    | الطلاق   | ٦٥    | فَدَاقَتْ وَيَالِ أَمْرِهَا       | ٢١١٤  |
| ٤٤    | القلم    | ٦٨    | فَدَرْتَنِي وَمَنْ يَكْدِبُ       | ٢١١٦  |
| ٤٥    | الطور    | ٥٢    | فَدَرُّهُمْ حَتَّى                | ٢١١٧  |
| ٥٤    | المؤمنون | ٢٣    | فَدَرُّهُمْ فِي                   | ٢١١٨  |
| ٨٣    | الزخرف   | ٤٣    | فَدَرُّهُمْ يَخُوضُوا             | ٢١١٩  |
| ٤٢    | المعارج  | ٧٠    | فَدَرُّهُمْ يَخُوضُوا             | ٢١٢٠  |
| ٩     | الأعلى   | ٨٧    | فَدَكَّرَ إِنْ تَقَعَتْ           | ٢١٢١  |
| ٢١    | الغاشية  | ٨٨    | فَدَكَّرَ إِنْ مَا أَنْتَ         | ٢١٢٢  |
| ٢٩    | الطور    | ٥٢    | فَدَكَّرَ فَمَا أَنْتَ            | ٢١٢٣  |
| ٢     | الماعون  | ١٠٧   | فَذَلِكِ الَّذِي يَدْعُ           | ٢١٢٤  |
| ٩     | المدثر   | ٧٤    | فَذَلِكِ يَوْمِئِذٍ               | ٢١٢٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                  | عام   |
| ٨٤    | النساء   | ٤     | فَقَاتِلْ فِي سَبِيلِ اللَّهِ        | ٢١٨٨  |
| ٢٧    | هود      | ١١    | فَقَالَ الْمَلَأُ                    | ٢١٨٩  |
| ٢٤    | المؤمنون | ٢٣    | فَقَالَ الْمَلَأُ                    | ٢١٩٠  |
| ٢٤    | النازعات | ٧٩    | فَقَالَ أَنَا                        | ٢١٩١  |
| ٢٤    | المدثر   | ٧٤    | فَقَالَ إِنَّ                        | ٢١٩٢  |
| ٣٢    | ص        | ٣٨    | فَقَالَ أَنِّي                       | ٢١٩٣  |
| ٨٩    | الصفافات | ٣٧    | فَقَالَ أَنِّي                       | ٢١٩٤  |
| ١٣    | الشمس    | ٩١    | فَقَالَ لَهُمْ                       | ٢١٩٥  |
| ٢٤    | القمر    | ٥٤    | فَقَالُوا أَيُّشْرًا                 | ٢١٩٦  |
| ٤٧    | المؤمنون | ٢٣    | فَقَالُوا أَلْوَمِنُ                 | ٢١٩٧  |
| ١٩    | سبا      | ٣٤    | فَقَالُوا رَبَّنَا                   | ٢١٩٨  |
| ٨٥    | يونس     | ١٠    | فَقَالُوا عَلَى اللَّهِ تَوَكَّلْنَا | ٢١٩٩  |
| ١٩    | المدثر   | ٧٤    | فَقُلْ كَيْفَ قَدَّرَ                | ٢٢٠٠  |
| ٥     | الأنعام  | ٦     | فَقَدْ كَذَّبُوا بِالْحَقِّ          | ٢٢٠١  |
| ٦     | الشعراء  | ٢٦    | فَقَدْ كَذَّبُوا فَسَيَاتِيهِمْ      | ٢٢٠٢  |
| ١٩    | الفرقان  | ٢٥    | فَقَدْ كَذَّبُواكُمْ                 | ٢٢٠٣  |
| ٢٣    | المرسلات | ٧٧    | فَقَدَرْنَا فَنِعْمَ                 | ٢٢٠٤  |
| ١٩٩   | الشعراء  | ٢٦    | فَقَرَأَهُ عَلَيْهِمْ                | ٢٢٠٥  |
| ٢٧    | الذاريات | ٥١    | فَقَرَّبِيهِ إِلَيْهِمْ              | ٢٢٠٦  |
| ١٢    | فصلت     | ٤١    | فَقَضَاهُنَّ سَبْعَ                  | ٢٢٠٧  |
| ٤٥    | الأنعام  | ٦     | فَقَطَّعَ ذَابِرُ                    | ٢٢٠٨  |
| ١٨    | النازعات | ٧٩    | فَقُلْ هَلْ لَكَ                     | ٢٢٠٩  |
| ١٠    | نوح      | ٧١    | فَقُلْتُ اسْتَغْفِرُوا               | ٢٢١٠  |
| ٣٦    | الفرقان  | ٢٥    | فَقُلْنَا إِذْهَبَا                  | ٢٢١١  |
| ٧٣    | البقرة   | ٢     | فَقُلْنَا اضْرِبُوهُ                 | ٢٢١٢  |
| ١١٧   | طه       | ٢٠    | فَقُلْنَا يَا آدَمُ                  | ٢٢١٣  |
| ٤٤    | طه       | ٢٠    | فَقُولَا لَهُ قَوْلًا                | ٢٢١٤  |
| ١٣    | البلد    | ٩٠    | فَكَرَّ رَقَبَةً                     | ٢٢١٥  |
| ١٧    | الحشر    | ٥٩    | فَكَانَ عَاقِبَتَهُمَا               | ٢٢١٦  |
| ٩     | النجم    | ٥٣    | فَكَانَ قَابَ قَوْسَيْنِ             | ٢٢١٧  |
| ٦     | الواقعة  | ٥٦    | فَكَانَتْ هَيَاءً مُنْبِتًا          | ٢٢١٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                    | عام   |
| ١٠    | الليل    | ٩٢    | فَسْتَيْسِرُ لِلْعَصْرَى               | ٢١٥٧  |
| ٧     | الليل    | ٩٢    | فَسْتَيْسِرُ لِلْيَسْرَى               | ٢١٥٨  |
| ٣٩    | هود      | ١١    | فَسَوْفَ تَعْلَمُونَ                   | ٢١٥٩  |
| ٨     | الإشفاق  | ٨٤    | فَسَوْفَ يُحَاسِبُ                     | ٢١٦٠  |
| ١١    | الإشفاق  | ٨٤    | فَسَوْفَ يَدْعُو ثُبُورًا              | ٢١٦١  |
| ٢     | التوبة   | ٩     | فَسِيخُوا فِي الْأَرْضِ                | ٢١٦٢  |
| ٥٥    | الواقعة  | ٥٦    | فَشَارِبُونَ شُرْبَ الْهَيْمِ          | ٢١٦٣  |
| ٥٤    | الواقعة  | ٥٦    | فَشَارِبُونَ عَلَيْهِ                  | ٢١٦٤  |
| ١٣    | الفجر    | ٨٩    | فَصَبَّ عَلَيْهِمْ                     | ٢١٦٥  |
| ٢     | الكوثر   | ١٠٨   | فَصَلِّ لِرَبِّكَ                      | ٢١٦٦  |
| ١١    | الكهف    | ١٨    | فَضَرَبْنَا عَلَى آذَانِهِمْ           | ٢١٦٧  |
| ٨     | الحجرات  | ٤٩    | فَضَلْنَا مِنَ اللَّهِ                 | ٢١٦٨  |
| ٥٧    | الدخان   | ٤٤    | فَضَلْنَا مِنْ رَبِّكَ                 | ٢١٦٩  |
| ١٩    | القلم    | ٦٨    | فَطَافَ عَلَيْهَا                      | ٢١٧٠  |
| ٣٠    | المائدة  | ٥     | فَطَوَّعَتْ لَهُ نَفْسُهُ              | ٢١٧١  |
| ١٦    | البروج   | ٨٥    | فَعَالَ لَمَّا يَرِيدُ                 | ٢١٧٢  |
| ٤٤    | الذاريات | ٥١    | فَعَتُوا عَنْ أَمْرِ رَبِّهِمْ         | ٢١٧٣  |
| ٤٠    | الكهف    | ١٨    | فَعَصَى رَبِّي                         | ٢١٧٤  |
| ١٠    | الحاقة   | ٦٩    | فَعَصَوْا رَسُولَ رَبِّهِمْ            | ٢١٧٥  |
| ١٦    | المزمل   | ٧٣    | فَعَصَى فِرْعَوْنُ<br>الرَّسُولَ       | ٢١٧٦  |
| ٧٧    | الأعراف  | ٧     | فَعَقَرُوا النَّاقَةَ                  | ٢١٧٧  |
| ١٥٧   | الشعراء  | ٢٦    | فَعَقَرُوهَا فَاصْبَحُوا<br>تَائِبِينَ | ٢١٧٨  |
| ٦٥    | هود      | ١١    | فَعَقَرُوهَا فَقَالَ تَمَتَّعُوا       | ٢١٧٩  |
| ٦٦    | القصص    | ٢٨    | فَعَمِيَتْ عَلَيْهِمُ الْأَنْبَاءُ     | ٢١٨٠  |
| ٥٤    | النجم    | ٥٣    | فَعَشَاهَا مَا عَشَى                   | ٢١٨١  |
| ٢٥    | ص        | ٣٨    | فَعَفَرْنَا لَهُ ذَلِكَ                | ٢١٨٢  |
| ١١٩   | الأعراف  | ٧     | فَعَلِبُوا هُنَالِكَ                   | ٢١٨٣  |
| ١١    | القمر    | ٥٤    | فَفَتَحْنَا أَبْوَابَ السَّمَاءِ       | ٢١٨٤  |
| ٢١    | الشعراء  | ٢٦    | فَفَرَرْتُ مِنْكُمْ                    | ٢١٨٥  |
| ٥٠    | الذاريات | ٥١    | فَفَرُّوا إِلَى اللَّهِ                | ٢١٨٦  |
| ٧٩    | الأنبياء | ٢١    | فَفَهَّمْنَاهَا سُلَيْمَانَ            | ٢١٨٧  |

الفهرس الهجائى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد           | مسلسل |
|-------|---------|--------|----------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية          | عام   |
| ٧٥    | الواقعة | ٥٦     | فلا أقسمُ      | ٢٢٥٠  |
| ٤٧    | إبراهيم | ١٤     | فلا تحسبنَ     | ٢٢٥١  |
| ٢١٣   | الشعراء | ٢٦     | فلا تدعُ       | ٢٢٥٢  |
| ٧٤    | النحل   | ١٦     | فلا تضربوا     | ٢٢٥٣  |
| ٥٢    | الفرقان | ٢٥     | فلا تطع        | ٢٢٥٤  |
| ٨     | القلم   | ٦٨     | فلا تطع        | ٢٢٥٥  |
| ٥٥    | التوبة  | ٩      | فلا تُعجيكِ    | ٢٢٥٦  |
| ٨٤    | مريم    | ١٩     | فلا تعجلِ      | ٢٢٥٧  |
| ١٧    | السجدة  | ٣٢     | فلا تعلمُ      | ٢٢٥٨  |
| ١٠٩   | هود     | ١١     | فلا تكُ        | ٢٢٥٩  |
| ٣٥    | محمد    | ٤٧     | فلا تهنوا      | ٢٢٦٠  |
| ٣١    | القيامة | ٧٥     | فلا صدقُ       | ٢٢٦١  |
| ٦٥    | النساء  | ٤      | فلا وربكُ      | ٢٢٦٢  |
| ٧٦    | يس      | ٣٦     | فلا يحزنكُ     | ٢٢٦٣  |
| ٥٠    | يس      | ٣٦     | فلا يستطيعونَ  | ٢٢٦٤  |
| ١٦    | طه      | ٢٠     | فلا يصننكُ     | ٢٢٦٥  |
| ١٥    | الشورى  | ٤٢     | فذلك فادعُ     | ٢٢٦٦  |
| ٦     | الكهف   | ١٨     | فلعلك باخعُ    | ٢٢٦٧  |
| ١٢    | هود     | ١١     | فلعلك تاركُ    | ٢٢٦٨  |
| ٢٥    | النجم   | ٥٣     | قلله الآخرةُ   | ٢٢٦٩  |
| ٣٦    | الجاثية | ٤٥     | قلله الحمدُ    | ٢٢٧٠  |
| ١٧    | الأنفال | ٨      | فلم تغفلوهمُ   | ٢٢٧١  |
| ٦     | نوح     | ٧١     | فلم يردهمُ     | ٢٢٧٢  |
| ٨٥    | غافر    | ٤٠     | فلم يك ينفعهمُ | ٢٢٧٣  |
| ٨٠    | يوسف    | ١٢     | فلما استنساوا  | ٢٢٧٤  |
| ٤٩    | مريم    | ١٩     | فلما اعتزلهمُ  | ٢٢٧٥  |
| ٧٦    | التوبة  | ٩      | فلما أتاهمُ    | ٢٢٧٦  |
| ١٩٠   | الأعراف | ٧      | فلما أتاهما    | ٢٢٧٧  |
| ٥٥    | الزخرف  | ٤٣     | فلما أسفونا    | ٢٢٧٨  |
| ٣٠    | القصص   | ٢٨     | فلما أتاها     | ٢٢٧٩  |
| ١١    | طه      | ٢٠     | فلما أتاها     | ٢٢٨٠  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية             | عام   |
| ٤٥    | الحج     | ٢٢     | فكأين من قريةٍ    | ٢٢١   |
| ٩٤    | الشعراء  | ٢٦     | فكأكبوا فيها      | ٢٢٢   |
| ٢١    | النازعات | ٧٩     | فكذبَ وعصى        | ٢٢٢   |
| ٣٧    | العنكبوت | ٢٩     | فكذبوه فأخذتهمُ   | ٢٢٢   |
| ١٨٩   | الشعراء  | ٢٦     | فكذبوه فأخذتهمُ   | ٢٢٢   |
| ٦٤    | الأعراف  | ٧      | فكذبوه فاتجبناهُ  | ٢٢٢   |
| ١٣٩   | الشعراء  | ٢٦     | فكذبوه فأهلكناهمُ | ٢٢٢   |
| ١٢٧   | الصفافات | ٣٧     | فكذبوه فأتهمُ     | ٢٢٢   |
| ١٤    | الشمس    | ٩١     | فكذبوه فعفروها    | ٢٢٢   |
| ٧٣    | يونس     | ١٠     | فكذبوه فتجبناهُ   | ٢٢٢   |
| ٤٨    | المؤمنون | ٢٣     | فكذبوهما فكأنوا   | ٢٢٢   |
| ١٧٠   | الصفافات | ٣٧     | فكفروا به         | ٢٢٣   |
| ٢٩    | يونس     | ١٠     | فكفى بالله        | ٢٢٣   |
| ٤٠    | العنكبوت | ٢٩     | فكلاً أخذنا       | ٢٢٣   |
| ١١٨   | الأنعام  | ٦      | فكلوا مما         | ٢٢٣   |
| ١١٤   | النحل    | ١٦     | فكلوا مما         | ٢٢٣   |
| ٦٩    | الأنفال  | ٨      | فكلوا مما         | ٢٢٣   |
| ٢٦    | مريم     | ١٩     | فكلى واشربى       | ٢٢٣   |
| ٦٢    | النساء   | ٤      | فكيف إذا أصابهمُ  | ٢٢٣   |
| ٢٧    | محمد     | ٤٧     | فكيف إذا توفتهمُ  | ٢٢٣   |
| ٤١    | النساء   | ٤      | فكيف إذا جئنا     | ٢٢٣   |
| ٢٥    | آل عمران | ٣      | فكيف إذا جمعتاهمُ | ٢٢٤   |
| ١٧    | المزمل   | ٧٣     | فكيف تنفونَ       | ٢٢٤   |
| ١٦    | القمر    | ٥٤     | فكيف كانَ         | ٢٢٤   |
| ٢١    | القمر    | ٥٤     | فكيف كانَ         | ٢٢٤   |
| ٣٠    | القمر    | ٥٤     | فكيف كانَ         | ٢٢٤   |
| ١١    | البلد    | ٩٠     | فلا اقتحمَ        | ٢٢٤   |
| ١٥    | التكوير  | ٨١     | فلا أقسمُ         | ٢٢٤   |
| ١٦    | الإنشاق  | ٨٤     | فلا أقسمُ         | ٢٢٤   |
| ٤٠    | المعارج  | ٧٠     | فلا أقسمُ         | ٢٢٤   |
| ٣٨    | الحاقة   | ٦٩     | فلا أقسمُ         | ٢٢٤   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-----|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                         | عام   |
| ١٥    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا دَهَبُوا             | ٢٣١٢  |
| ٨٤    | غافر     | ٤٠  | فَلَمَّا رَأَوْا              | ٢٣١٣  |
| ٢٧    | المالك   | ٦٧  | فَلَمَّا رَأَوْهُ             | ٢٣١٤  |
| ٢٤    | الأحقاف  | ٤٦  | فَلَمَّا رَأَوْهُ             | ٢٣١٥  |
| ٢٦    | القلم    | ٦٨  | فَلَمَّا رَأَوْهَا            | ٢٣١٦  |
| ٧٨    | الأنعام  | ٦   | فَلَمَّا رَأَى                | ٢٣١٧  |
| ٧٧    | الأنعام  | ٦   | فَلَمَّا رَأَى                | ٢٣١٨  |
| ٧٠    | هود      | ١١  | فَلَمَّا رَأَى                | ٢٣١٩  |
| ٢٨    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا رَأَى                | ٢٣٢٠  |
| ٦٣    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا رَجَعُوا             | ٢٣٢١  |
| ٣١    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا سَمِعَتْ             | ٢٣٢٢  |
| ١٦٦   | الأعراف  | ٧   | فَلَمَّا عَتَوْا              | ٢٣٢٣  |
| ٢٤٩   | البقرة   | ٢   | فَلَمَّا فَصَلَ طَالُوتُ      | ٢٣٢٤  |
| ٢٩    | القصص    | ٢٨  | فَلَمَّا قَضَى                | ٢٣٢٥  |
| ١٤    | سبأ      | ٣٤  | فَلَمَّا قَضَيْنَا            | ٢٣٢٦  |
| ١٣٥   | الأعراف  | ٧   | فَلَمَّا كَشَفْنَا            | ٢٣٢٧  |
| ٥٠    | الزخرف   | ٤٣  | فَلَمَّا كَشَفْنَا            | ٢٣٢٨  |
| ١٦٥   | الأعراف  | ٧   | فَلَمَّا نَسُوا               | ٢٣٢٩  |
| ٤٤    | الأنعام  | ٦   | فَلَمَّا نَسُوا               | ٢٣٣٠  |
| ٣٦    | آل عمران | ٣   | فَلَمَّا وَضَعَتْهَا          | ٢٣٣١  |
| ٥٨    | طه       | ٢٠  | فَلَمَّا تَبَيَّنَكَ بِسِحْرِ | ٢٣٣٢  |
| ٢٧    | فصلت     | ٤١  | فَلَمَّا نَذِرْنَا الَّذِينَ  | ٢٣٣٣  |
| ٦     | الأعراف  | ٧   | فَلَمَّا سَمِعْنَا الَّذِينَ  | ٢٣٣٤  |
| ٧     | الأعراف  | ٧   | فَلَمَّا نَفَسْنَا عَلَيْهِمْ | ٢٣٣٥  |
| ١٠٢   | الشعراء  | ٢٦  | فَلَوْ أَن لَنَا              | ٢٣٣٦  |
| ٥٣    | الزخرف   | ٤٣  | فَلَوْ لَا الْقِيَمَةُ        | ٢٣٣٧  |
| ١٤٣   | الصافات  | ٣٧  | فَلَوْ لَا أَنَّهُ            | ٢٣٣٨  |
| ٤٣    | الأنعام  | ٦   | فَلَوْ لَا إِذْ               | ٢٣٣٩  |
| ٨٣    | الواقعة  | ٥٦  | فَلَوْ لَا إِذَا              | ٢٣٤٠  |
| ٨٦    | الواقعة  | ٥٦  | فَلَوْ لَا إِنْ               | ٢٣٤١  |
| ١١٦   | هود      | ١١  | فَلَوْ لَا كَانِ              | ٢٣٤٢  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                  | مسلسل |
|-------|----------|-----|-----------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                 | عام   |
| ٥٢    | آل عمران | ٣   | فَلَمَّا أَحَسَّ      | ٢٢٨١  |
| ١٢    | الأنبياء | ٢١  | فَلَمَّا أَحْسَبُوا   | ٢٢٨٢  |
| ١٠٣   | الصافات  | ٣٧  | فَلَمَّا أَسْلَمْنَا  | ٢٢٨٣  |
| ٨١    | يونس     | ١٠  | فَلَمَّا أَلْقُوا     | ٢٢٨٤  |
| ١٩    | القصص    | ٢٨  | فَلَمَّا أَنْ أَرَادَ | ٢٢٨٥  |
| ٩٦    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا أَنْ جَاءَ   | ٢٢٨٦  |
| ٢٣    | يونس     | ١٠  | فَلَمَّا أَنْجَاهُمْ  | ٢٢٨٧  |
| ١٠٢   | الصافات  | ٣٧  | فَلَمَّا بَلَغَ       | ٢٢٨٨  |
| ٦١    | الكهف    | ١٨  | فَلَمَّا بَلَغَا      | ٢٢٨٩  |
| ٦١    | الشعراء  | ٢٦  | فَلَمَّا تَرَأَى      | ٢٢٩٠  |
| ٨٠    | يونس     | ١٠  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩١  |
| ٤١    | الشعراء  | ٢٦  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩٢  |
| ٦١    | الحجر    | ١٥  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩٣  |
| ٨٢    | هود      | ١١  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩٤  |
| ٦٦    | هود      | ١١  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩٥  |
| ٣٦    | النمل    | ٢٧  | فَلَمَّا جَاءَ        | ٢٢٩٦  |
| ٤٢    | النمل    | ٢٧  | فَلَمَّا جَاءَتْ      | ٢٢٩٧  |
| ١٣    | النمل    | ٢٧  | فَلَمَّا جَاءَتْهُمْ  | ٢٢٩٨  |
| ٨٣    | غافر     | ٤٠  | فَلَمَّا جَاءَتْهُمْ  | ٢٢٩٩  |
| ٨     | النمل    | ٢٧  | فَلَمَّا جَاءَهَا     | ٢٣٠٠  |
| ٧٦    | يونس     | ١٠  | فَلَمَّا جَاءَهُمْ    | ٢٣٠١  |
| ٤٨    | القصص    | ٢٨  | فَلَمَّا جَاءَهُمْ    | ٢٣٠٢  |
| ٢٥    | غافر     | ٤٠  | فَلَمَّا جَاءَهُمْ    | ٢٣٠٣  |
| ٤٧    | الزخرف   | ٤٣  | فَلَمَّا جَاءَهُمْ    | ٢٣٠٤  |
| ٣٦    | القصص    | ٢٨  | فَلَمَّا جَاءَهُمْ    | ٢٣٠٥  |
| ٦٢    | الكهف    | ١٨  | فَلَمَّا جَاوَزَا     | ٢٣٠٦  |
| ٧٦    | الأنعام  | ٦   | فَلَمَّا جَنَّ        | ٢٣٠٧  |
| ٧٠    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا جَهَّزَهُمْ  | ٢٣٠٨  |
| ٩٩    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا نَخَلُوا     | ٢٣٠٩  |
| ٨٨    | يوسف     | ١٢  | فَلَمَّا نَخَلُوا     | ٢٣١٠  |
| ٧٤    | هود      | ١١  | فَلَمَّا دَهَبَ       | ٢٣١١  |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ٥٣    | الواقعة  | ٥٦     | فَمَالِئُونَ مِنْهَا          | ٢٣٧٤  |
| ٢٢    | النمل    | ٢٧     | فَمَكَتْ غَيْرَ بَعِيدٍ       | ٢٣٧٥  |
| ٧     | المؤمنون | ٢٣     | فَمَنْ ابْتغى وَرَاءَ         | ٢٣٧٦  |
| ٣١    | المعارج  | ٧٠     | فَمَنْ ابْتغى وَرَاءَ         | ٢٣٧٧  |
| ٩٤    | آل عمران | ٣      | فَمَنْ اقْتَرَى               | ٢٣٧٨  |
| ٢٧    | الطور    | ٥٢     | فَمَنْ اللّٰهُ                | ٢٣٧٩  |
| ٣٧    | الأعراف  | ٧      | فَمَنْ أَظْلَمُ               | ٢٣٨٠  |
| ١٧    | يونس     | ١٠     | فَمَنْ أَظْلَمُ               | ٢٣٨١  |
| ٣٢    | الزمر    | ٣٩     | فَمَنْ أَظْلَمُ               | ٢٣٨٢  |
| ١٨١   | البقرة   | ٢      | فَمَنْ يَدْلُهٗ               | ٢٣٨٣  |
| ٣٩    | المائدة  | ٥      | فَمَنْ ثَابَ                  | ٢٣٨٤  |
| ٨٢    | آل عمران | ٣      | فَمَنْ تَوَلَّى               | ٢٣٨٥  |
| ١٠٢   | المؤمنون | ٢٣     | فَمَنْ ثَقُلَتْ               | ٢٣٨٦  |
| ٦١    | آل عمران | ٣      | فَمَنْ حَاجَّكَ               | ٢٣٨٧  |
| ١٨٢   | البقرة   | ٢      | فَمَنْ خَافَ                  | ٢٣٨٨  |
| ٥٥    | المدثر   | ٧٤     | فَمَنْ شَاءَ ذَكَرُهٗ         | ٢٣٨٩  |
| ١٢    | عبس      | ٨٠     | فَمَنْ شَاءَ ذَكَرُهٗ         | ٢٣٩٠  |
| ٤     | المجادلة | ٥٨     | فَمَنْ لَّمْ يَجِدْ           | ٢٣٩١  |
| ١٢٥   | الأنعام  | ٦      | فَمَنْ يُرِدِ اللّٰهُ         | ٢٣٩٢  |
| ٧     | الزلزلة  | ٩٩     | فَمَنْ يَعْمَلْ مِثْقَالَ     | ٢٣٩٣  |
| ٩٤    | الأنبياء | ٢١     | فَمَنْ يَعْمَلْ               | ٢٣٩٤  |
| ٥٥    | النساء   | ٤      | فَمِنْهُمْ مَنْ               | ٢٣٩٥  |
| ١٧    | الطارق   | ٨٦     | فَمَهْلُ الْكَافِرِينَ        | ٢٣٩٦  |
| ٢٤    | مريم     | ١٩     | فَنَادَاهَا مِنْ              | ٢٣٩٧  |
| ٣٩    | آل عمران | ٣      | فَنَادَتْهُ الْمَلَائِكَةُ    | ٢٣٩٨  |
| ٢٩    | القمر    | ٥٤     | فَنَادُوا صَاحِبِهِمْ         | ٢٣٩٩  |
| ١٤٥   | الصفافات | ٣٧     | فَنَبِّئْنَاهُ بِالْعُرَافِ   | ٢٤٠٠  |
| ١٧٠   | الشعراء  | ٢٦     | فَنَجِّبْنَاهُ وَأَهْلَهٗ     | ٢٤٠١  |
| ٩٣    | الواقعة  | ٥٦     | فَنَزَّلَ مِنْ حَمِيمٍ        | ٢٤٠٢  |
| ٨٨    | الصفافات | ٣٧     | فَنظَرَ نَظْرَةً              | ٢٤٠٣  |
| ٢٥١   | البقرة   | ٢      | فَهَرَمُوهُمْ يَادْنَ اللّٰهُ | ٢٤٠٤  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ٩٨    | يونس     | ١٠     | فَلَوْلَا كَانَتْ         | ٢٣٤   |
| ٢٨    | الأحقاف  | ٤٦     | فَلَوْلَا نَصَرَهُمْ      | ٢٣٤   |
| ٣٤    | الطور    | ٥٢     | فَلْيَأْتُوا بِحَدِيثٍ    | ٢٣٤   |
| ١٧    | العلق    | ٩٦     | فَلْيَذُغْ نَادِيَةً      | ٢٣٤   |
| ٣٥    | الحاقة   | ٦٩     | فَلَيْسَ لَهُ             | ٢٣٤   |
| ٨٢    | التوبة   | ٩      | فَلْيَضْحَكُوا قَلِيلاً   | ٢٣٤   |
| ٣     | قريش     | ١٠٦    | فَلْيَعْبُدُوا رَبَّ      | ٢٣٤   |
| ٧٤    | النساء   | ٤      | فَلْيَقَاتِلْ فِي         | ٢٣٥   |
| ٢٤    | عبس      | ٨٠     | فَلْيَنْظُرِ الْإِنْسَانُ | ٢٣٥   |
| ٥     | الطارق   | ٨٦     | فَلْيَنْظُرِ الْإِنْسَانُ | ٢٣٥   |
| ٤٥    | الذاريات | ٥١     | فَمَا اسْتَطَاعُوا        | ٢٣٥   |
| ٩٧    | الكهف    | ١٨     | فَمَا اسْتَطَاعُوا        | ٢٣٥   |
| ٨٣    | يونس     | ١٠     | فَمَا آمَنَ لِمُوسَى      | ٢٣٥   |
| ٨٤    | الحجر    | ١٥     | فَمَا أَغْنَى             | ٢٣٥   |
| ٣٦    | الشورى   | ٤٢     | فَمَا أوتَيْتُمْ          | ٢٣٥   |
| ٢٩    | الدخان   | ٤٤     | فَمَا بَكَتْ              | ٢٣٥   |
| ٤٨    | المدثر   | ٧٤     | فَمَا تَنْفَعُهُمْ        | ٢٣٥   |
| ١٥    | الأنبياء | ٢١     | فَمَا زَالَتْ             | ٢٣٦   |
| ٨٧    | الصفافات | ٣٧     | فَمَا ظَنَنْتُمْ          | ٢٣٦   |
| ٢٤    | العنكبوت | ٢٩     | فَمَا كَانَ جَوَابَ       | ٢٣٦   |
| ٥٦    | النمل    | ٢٧     | فَمَا كَانَ جَوَابَ       | ٢٣٦   |
| ٥     | الأعراف  | ٧      | مَا كَانَ دَعْوَاهُمْ     | ٢٣٦   |
| ٨٨    | النساء   | ٤      | فَمَا لَكُمْ              | ٢٣٦   |
| ١٠٠   | الشعراء  | ٢٦     | فَمَا لَنَا               | ٢٣٦   |
| ١٠    | الطارق   | ٨٦     | فَمَا لَهُ                | ٢٣٦   |
| ٤٩    | المدثر   | ٧٤     | فَمَا لَهُمْ              | ٢٣٦   |
| ٢٠    | الإنشاق  | ٨٤     | فَمَا لَهُمْ              | ٢٣٦   |
| ٤٧    | الحاقة   | ٦٩     | فَمَا مِنْكُمْ            | ٢٣٧   |
| ٣٦    | الذاريات | ٥١     | فَمَا وَجَدْنَا           | ٢٣٧   |
| ٧     | التين    | ٩٥     | فَمَا يَكْذِبُكَ          | ٢٣٧   |
| ٣٦    | المعارج  | ٧٠     | فَمَالِ الَّذِينَ         | ٢٣٧١  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                  | مسلسل |
|-------|----------|-----|-----------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                 | عام   |
| ٥٢    | الدخان   | ٤٤  | في جَنَاتٍ            | ٢٤٣٦  |
| ٤٠    | المدثر   | ٧٤  | في جَنَاتٍ            | ٢٤٣٧  |
| ٢٢    | الحاقة   | ٦٩  | في جَنَّةٍ            | ٢٤٣٨  |
| ١٠    | الغاشية  | ٨٨  | في جَنَّةٍ            | ٢٤٣٩  |
| ٥     | المسد    | ١١١ | في جِيدِهَا           | ٢٤٤٠  |
| ٣     | الطور    | ٥٢  | في رِقِّ              | ٢٤٤١  |
| ٢٨    | الواقعة  | ٥٦  | في سِنْدٍ             | ٢٤٤٢  |
| ٤٢    | الواقعة  | ٥٦  | في سَمُومٍ            | ٢٤٤٣  |
| ١٣    | عبس      | ٨٠  | في صَخْفٍ             | ٢٤٤٤  |
| ٩     | الهمزة   | ١٠٤ | في عَمِدٍ             | ٢٤٤٥  |
| ١٠    | البقرة   | ٢   | في قُلُوبِهِم         | ٢٤٤٦  |
| ٧٨    | الواقعة  | ٥٦  | في كِتَابٍ            | ٢٤٤٧  |
| ٢٢    | البروج   | ٨٥  | في لَوْحٍ             | ٢٤٤٨  |
| ٥٥    | القمر    | ٥٤  | في مَقْعِدٍ           | ٢٤٤٩  |
| ٢٠٢   | الشعراء  | ٢٦  | فِيآئِنِهِمْ بَعْنَةٌ | ٢٤٥٠  |
| ١٠٦   | طه       | ٢٠  | فَيَذَرُهَا قَاعًا    | ٢٤٥١  |
| ٢٤    | الغاشية  | ٨٨  | فَيُعَذِّبُهُ اللَّهُ | ٢٤٥٢  |
| ٢٠٣   | الشعراء  | ٢٦  | فَيَقُولُوا هَلْ      | ٢٤٥٣  |
| ٤٣    | النازعات | ٧٩  | فِيمَ أَنْتَ          | ٢٤٥٤  |
| ٩٧    | آل عمران | ٣   | فِيهِ آيَاتٌ          | ٢٤٥٥  |
| ١٣    | الغاشية  | ٨٨  | فِيهَا سُرُرٌ         | ٢٤٥٦  |
| ١٢    | الغاشية  | ٨٨  | فِيهَا عِينٌ          | ٢٤٥٧  |
| ١١    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهَا فَاكِهَةٌ      | ٢٤٥٨  |
| ٣     | البينة   | ٩٨  | فِيهَا كُنُوبٌ        | ٢٤٥٩  |
| ٤     | الدخان   | ٤٤  | فِيهَا يُفْرَقُ       | ٢٤٦٠  |
| ٥٠    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِمَا عِثَانٌ      | ٢٤٦١  |
| ٦٦    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِمَا عِثَانٌ      | ٢٤٦٢  |
| ٦٨    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِمَا فَاكِهَةٌ    | ٢٤٦٣  |
| ٥٢    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِمَا مِنْ كُلِّ   | ٢٤٦٤  |
| ٧٠    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِنَّ حَبِيرَاتٌ   | ٢٤٦٥  |
| ٥٦    | الرحمن   | ٥٥  | فِيهِنَّ قَاصِرَاتٌ   | ٢٤٦٦  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-----|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                         | عام   |
| ٨     | الحاقة   | ٦٩  | فَهَلْ تَرَى                  | ٢٤٠٥  |
| ٢٢    | محمد     | ٤٧  | فَهَلْ عَسَيْتُمْ             | ٢٤٠٦  |
| ١٠٢   | يونس     | ١٠  | فَهَلْ يَنْظُرُونَ            | ٢٤٠٧  |
| ١٨    | محمد     | ٤٧  | فَهَلْ يَنْظُرُونَ            | ٢٤٠٨  |
| ٧٠    | الصفافات | ٣٧  | فَهُمْ عَلَى                  | ٢٤٠٩  |
| ٢١    | الحاقة   | ٦٩  | فَهُوَ فِي                    | ٢٤١٠  |
| ٧     | القارعة  | ١٠١ | فَهُوَ فِي                    | ٢٤١١  |
| ٤٢    | الصفافات | ٣٧  | فَوَاكِهَ وَهُمْ              | ٢٤١٢  |
| ٦٥    | الكهف    | ١٨  | فَوَجَدَا عَبْدًا             | ٢٤١٣  |
| ٢٣    | الذاريات | ٥١  | فَوَرَبَّ السَّمَاءِ          | ٢٤١٤  |
| ٦٨    | مريم     | ١٩  | فَوَرَبِّكَ لَنَحْشُرَنَّهُمْ | ٢٤١٥  |
| ٩٢    | الحجر    | ١٥  | فَوَرَبِّكَ لَنَسْأَلَنَّهُمْ | ٢٤١٦  |
| ٥     | العاديات | ١٠٠ | فَوْسَطْنَ بِهِ               | ٢٤١٧  |
| ١٢٠   | طه       | ٢٠  | فَوْسُوسَ إِلَهِهِ            | ٢٤١٨  |
| ٢٠    | الأعراف  | ٧   | فَوْسُوسَ لَهُمَا             | ٢٤١٩  |
| ٤٥    | غافر     | ٤٠  | فُوقَاهُ اللَّهُ              | ٢٤٢٠  |
| ١١    | الإحسان  | ٧٦  | فُوقَاهُمْ اللَّهُ            | ٢٤٢١  |
| ١١٨   | الأعراف  | ٧   | فُوقَ الْحَقِّ                | ٢٤٢٢  |
| ٦٠    | الذاريات | ٥١  | فُؤَيْلٌ لِلَّذِينَ           | ٢٤٢٣  |
| ٧٩    | البقرة   | ٢   | فُؤَيْلٌ لِلَّذِينَ           | ٢٤٢٤  |
| ٤     | الماعون  | ١٠٧ | فُؤَيْلٌ لِّلْمُصَلِّينَ      | ٢٤٢٥  |
| ١١    | الطور    | ٥٢  | فُؤَيْلٌ يَوْمَئِذٍ           | ٢٤٢٦  |
| ٧٢    | غافر     | ٤٠  | فِي الْحَمِيمِ                | ٢٤٢٧  |
| ٢٢٠   | البقرة   | ٢   | فِي الدُّنْيَا                | ٢٤٢٨  |
| ٣     | الروم    | ٣٠  | فِي أَدْنَى                   | ٢٤٢٩  |
| ٨     | الإتفطار | ٨٢  | فِي أَيِّ صُورَةٍ             | ٢٤٣٠  |
| ٤     | الروم    | ٣٠  | فِي بَضْعٍ                    | ٢٤٣١  |
| ٣٦    | النور    | ٢٤  | فِي بُيُوتٍ                   | ٢٤٣٢  |
| ٤٣    | الصفافات | ٣٧  | فِي جَنَاتٍ                   | ٢٤٣٣  |
| ١٢    | الواقعة  | ٥٦  | فِي جَنَاتٍ                   | ٢٤٣٤  |
| ١٤٧   | الشعراء  | ٢٦  | فِي جَنَاتٍ                   | ٢٤٣٥  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                     | مسلسل |
|-------|----------|-----|--------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                    | عام   |
| ٥٤    | الحجر    | ١٥  | قَالَ ابْتِئِرْ تَمُونِي | ٢٤٩٥  |
| ٩٥    | الصفات   | ٣٧  | قَالَ اتَّعْبُدُونَ      | ٢٤٩٦  |
| ٥٧    | طه       | ٢٠  | قَالَ اجْنُبْنَا         | ٢٤٩٧  |
| ٤٦    | مريم     | ١٩  | قَالَ ارْأَيْبِ          | ٢٤٩٨  |
| ٦٣    | الكهف    | ١٨  | قَالَ ارْأَيْتَ          | ٢٤٩٩  |
| ٦٢    | الإسراء  | ١٧  | قَالَ ارْأَيْتَكَ        | ٢٥٠٠  |
| ١٤٠   | الأعراف  | ٧   | قَالَ ارْغَبِ إِلَهُ     | ٢٥٠١  |
| ٦٦    | الأنبياء | ٢١  | قَالَ ارْتَعَبُونَ       | ٢٥٠٢  |
| ٧٥    | الشعراء  | ٢٦  | قَالَ ارْأَيْتُمْ        | ٢٥٠٣  |
| ١٩    | طه       | ٢٠  | قَالَ ارْقَبْهَا         | ٢٥٠٤  |
| ١١٦   | الأعراف  | ٧   | قَالَ ارْقُبُوا          | ٢٥٠٥  |
| ٧٢    | الكهف    | ١٨  | قَالَ ارْمِ              | ٢٥٠٦  |
| ٧٥    | الكهف    | ١٨  | قَالَ ارْمِ              | ٢٥٠٧  |
| ١٨    | الشعراء  | ٢٦  | قَالَ ارْمِ              | ٢٥٠٨  |
| ٨٧    | الكهف    | ١٨  | قَالَ ارْمَا مِنْ        | ٢٥٠٩  |
| ٧٦    | ص        | ٣٨  | قَالَ أَنَا              | ٢٥١٠  |
| ١٤    | الأعراف  | ٧   | قَالَ أَنْظِرْنِي        | ٢٥١١  |
| ٣٠    | الشعراء  | ٢٦  | قَالَ أَوْ لَوْ          | ٢٥١٢  |
| ٢٤    | الزخرف   | ٤٣  | قَالَ أَوْ لَوْ          | ٢٥١٣  |
| ٢٨    | القلم    | ٦٨  | قَالَ أَوْسَطَهُمْ       | ٢٥١٤  |
| ٢٧    | الشعراء  | ٢٦  | قَالَ إِنَّ رَسُولَكُمْ  | ٢٥١٥  |
| ٧٦    | الكهف    | ١٨  | قَالَ إِنَّ سَأَلْتُكَ   | ٢٥١٦  |
| ٣٢    | العنكبوت | ٢٩  | قَالَ إِنَّ فِيهَا       | ٢٥١٧  |
| ١٠٦   | الأعراف  | ٧   | قَالَ إِنَّ كُنْتَ       | ٢٥١٨  |
| ١١٤   | المؤمنون | ٢٣  | قَالَ إِنَّ لِيُنْتَمِ   | ٢٥١٩  |
| ٦٨    | الحجر    | ١٥  | قَالَ إِنَّ هُوَ لَاءِ   | ٢٥٢٠  |
| ٦٧    | الكهف    | ١٨  | قَالَ إِنَّكَ لَنْ       | ٢٥٢١  |
| ١٥    | الأعراف  | ٧   | قَالَ إِنَّكَ مِنْ       | ٢٥٢٢  |
| ٦٢    | الحجر    | ١٥  | قَالَ إِنَّكُمْ          | ٢٥٢٣  |
| ٢٣    | الأحقاف  | ٤٦  | قَالَ إِنَّمَا الْعِلْمُ | ٢٥٢٤  |
| ٨٦    | يوسف     | ١٢  | قَالَ إِنَّمَا أَشْكُو   | ٢٥٢٥  |

| رقم   | السورة | رقم | شاهد                  | لسل |
|-------|--------|-----|-----------------------|-----|
| الآية | السورة |     | الآية                 | عام |
| ٣٩    | الرحمن | ٥٥  | فَيَوْمَئِذٍ لَا      | ٢٤٠ |
| ٢٥    | الفجر  | ٨٩  | فَيَوْمَئِذٍ لَا      | ٢٤٠ |
| ٥٧    | إلروم  | ٣٠  | فَيَوْمَئِذٍ لَا      | ٢٤٠ |
| ١٥    | الحاقة | ٦٩  | فَيَوْمَئِذٍ وَقَعَتْ | ٢٤١ |

(٢١) آيات تبدأ بحرف القاف

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                       | لسل |
|-------|----------|-----|----------------------------|-----|
| الآية | السورة   |     | الآية                      | عام |
| ١     | ق        | ٥٠  | ق وَالْقُرْآنِ             | ٢٤٧ |
| ٢٩    | التوبة   | ٩   | قَاتِلُوا الَّذِينَ        | ٢٤٧ |
| ١٤    | التوبة   | ٩   | قَاتِلُوهُمْ يُعَذِّبُهُمْ | ٢٤٧ |
| ٥٥    | يوسف     | ١٢  | قَالَ اجْعَلْنِي           | ٢٤٧ |
| ١٨    | الأعراف  | ٧   | قَالَ اخْرُجْ              | ٢٤٧ |
| ١٠٨   | المؤمنون | ٢٣  | قَالَ اخْسِنُوا            | ٢٤٧ |
| ٣٨    | الأعراف  | ٧   | قَالَ ادْخُلُوا            | ٢٤٧ |
| ٦٣    | الإسراء  | ١٧  | قَالَ ادْهَبْ              | ٢٤٧ |
| ٤٠    | النمل    | ٢٧  | قَالَ الَّذِي              | ٢٤٧ |
| ٧٦    | الأعراف  | ٧   | قَالَ الَّذِينَ            | ٢٤٨ |
| ٤٨    | غافر     | ٤٠  | قَالَ الَّذِينَ            | ٢٤٨ |
| ٣٢    | سبا      | ٣٤  | قَالَ الَّذِينَ            | ٢٤٨ |
| ٦٣    | القصاص   | ٢٨  | قَالَ الَّذِينَ            | ٢٤٨ |
| ١١٥   | المائدة  | ٥   | قَالَ اللَّهُ              | ٢٤٨ |
| ١١٩   | المائدة  | ٥   | قَالَ اللَّهُ              | ٢٤٨ |
| ٧٥    | الأعراف  | ٧   | قَالَ الْمَلَأَ            | ٢٤٨ |
| ٨٨    | الأعراف  | ٧   | قَالَ الْمَلَأَ            | ٢٤٨ |
| ٦٦    | الأعراف  | ٧   | قَالَ الْمَلَأَ            | ٢٤٨ |
| ١٠٩   | الأعراف  | ٧   | قَالَ الْمَلَأَ            | ٢٤٨ |
| ٦٠    | الأعراف  | ٧   | قَالَ الْمَلَأَ            | ٢٤٩ |
| ١٢٣   | طه       | ٢٠  | قَالَ اهْبِطَا             | ٢٤٩ |
| ٢٤    | الأعراف  | ٧   | قَالَ اهْبِطُوا            | ٢٤٩ |
| ٧١    | طه       | ٢٠  | قَالَ آمَنْتُمْ            | ٢٤٩ |
| ٤٩    | الشعراء  | ٢٦  | قَالَ آمَنْتُمْ            | ٢٤٩ |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                       | عام   |
| ٨     | مريم     | ١٩    | قَالَ رَبِّ اُنِّى        | ٢٥٥٧  |
| ١١٧   | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّ اِنَّ         | ٢٥٥٨  |
| ١٢    | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٥٩  |
| ٤٧    | هود      | ١١    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦٠  |
| ٥     | نوح      | ٧١    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦١  |
| ١٦    | القصص    | ٢٨    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦٢  |
| ٣٣    | القصص    | ٢٨    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦٣  |
| ٢٥    | المائدة  | ٥     | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦٤  |
| ٤     | مريم     | ١٩    | قَالَ رَبِّ اِنِّى        | ٢٥٦٥  |
| ٣٩    | الحجر    | ١٥    | قَالَ رَبِّ يَمَا         | ٢٥٦٦  |
| ١٧    | القصص    | ٢٨    | قَالَ رَبِّ يَمَا         | ٢٥٦٧  |
| ٣٦    | الحجر    | ١٥    | قَالَ رَبِّ فَاَنْظِرْنِى | ٢٥٦٨  |
| ٧٩    | ص        | ٣٨    | قَالَ رَبِّ فَاَنْظِرْنِى | ٢٥٦٩  |
| ١٢٥   | طه       | ٢٠    | قَالَ رَبِّ لِمَ          | ٢٥٧٠  |
| ٢٦    | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّ كُفِّ         | ٢٥٧١  |
| ٥٠    | طه       | ٢٠    | قَالَ رَبِّ نَا           | ٢٥٧٢  |
| ١٨٨   | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّى              | ٢٥٧٣  |
| ٤     | الأنبياء | ٢١    | قَالَ رَبِّى              | ٢٥٧٤  |
| ٢٣    | المائدة  | ٥     | قَالَ رَبِّ لَانَ         | ٢٥٧٥  |
| ٤٣    | هود      | ١١    | قَالَ سَاوِى              | ٢٥٧٦  |
| ٦٩    | الكهف    | ١٨    | قَالَ سَتَجِدْنِى         | ٢٥٧٧  |
| ٤٧    | مريم     | ١٩    | قَالَ سَلَامَ             | ٢٥٧٨  |
| ٣٥    | القصص    | ٢٨    | قَالَ سَتَشُدُّ           | ٢٥٧٩  |
| ٢٧    | النمل    | ٢٧    | قَالَ سَتَنْظُرُ          | ٢٥٨٠  |
| ٩٨    | يوسف     | ١٢    | قَالَ سَوْفَ              | ٢٥٨١  |
| ٣٩    | النمل    | ٢٧    | قَالَ عَفْرِتَ            | ٢٥٨٢  |
| ٥٢    | طه       | ٢٠    | قَالَ عَلِمَهَا           | ٢٥٨٣  |
| ٤٠    | المؤمنون | ٢٣    | قَالَ عَمَّا              | ٢٥٨٤  |
| ١١٤   | المائدة  | ٥     | قَالَ عِيسَى              | ٢٥٨٥  |
| ٣٤    | الحجر    | ١٥    | قَالَ فَاخْرُجْ           | ٢٥٨٦  |
| ٧٧    | ص        | ٣٨    | قَالَ فَاخْرُجْ           | ٢٥٨٧  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         | عام   |
| ١٩    | مريم     | ١٩    | قَالَ اِنَّمَا اَنَا        | ٢٥٢٦  |
| ٧٨    | القصص    | ٢٨    | قَالَ اِنَّمَا اُوْتِيْتُهُ | ٢٥٢٧  |
| ٣٣    | هود      | ١١    | قَالَ اِنَّمَا يَاتِيكُمْ   | ٢٥٢٨  |
| ٧١    | البقرة   | ٢     | قَالَ اِنَّهُ               | ٢٥٢٩  |
| ٢٧    | القصص    | ٢٨    | قَالَ اِنِّى اُرِيدُ        | ٢٥٣٠  |
| ٣٠    | مريم     | ١٩    | قَالَ اِنِّى عَبْدُ اللّٰهِ | ٢٥٣١  |
| ١٦٨   | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ اِنِّى                | ٢٥٣٢  |
| ١٣    | يوسف     | ١٢    | قَالَ اِنِّى لِيَخْرُجُنِى  | ٢٥٣٣  |
| ٩٦    | طه       | ٢٠    | قَالَ بَصُرْتُ              | ٢٥٣٤  |
| ٦٦    | طه       | ٢٠    | قَالَ بَلِ الْفَوْا         | ٢٥٣٥  |
| ٥٦    | الأنبياء | ٢١    | قَالَ بَلِ رَبُّكُمْ        | ٢٥٣٦  |
| ٨٣    | يوسف     | ١٢    | قَالَ بَلِ سَوَّلْتَا       | ٢٥٣٧  |
| ٦٣    | الأنبياء | ٢١    | قَالَ بَلِ فَعَلَهُ         | ٢٥٣٨  |
| ٥٦    | الصفات   | ٣٧    | قَالَ تَاللّٰهِ             | ٢٥٣٩  |
| ٤٧    | يوسف     | ١٢    | قَالَ تَزْرَعُونَ           | ٢٥٤٠  |
| ٢١    | طه       | ٢٠    | قَالَ خَذَهَا               | ٢٥٤١  |
| ٢٨    | القصص    | ٢٨    | قَالَ ذَلِكَا بِنِى         | ٢٥٤٢  |
| ٦٤    | الكهف    | ١٨    | قَالَ ذَلِكَا مَا           | ٢٥٤٣  |
| ١٠    | مريم     | ١٩    | قَالَ رَبِّ اجْعَلْ         | ٢٥٤٤  |
| ٤١    | آل عمران | ٣     | قَالَ رَبِّ اجْعَلْ         | ٢٥٤٥  |
| ١١٢   | الأنبياء | ٢١    | قَالَ رَبِّ احْكُم          | ٢٥٤٦  |
| ٢٥    | طه       | ٢٠    | قَالَ رَبِّ اشْرَحْ         | ٢٥٤٧  |
| ١٥١   | الأعراف  | ٧     | قَالَ رَبِّ اغْفِرْ         | ٢٥٤٨  |
| ٣٥    | ص        | ٣٨    | قَالَ رَبِّ اغْفِرْ         | ٢٥٤٩  |
| ٣٣    | يوسف     | ١٢    | قَالَ رَبِّ السَّجُنْ       | ٢٥٥٠  |
| ٢٤    | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّ السَّمَوَاتِ    | ٢٥٥١  |
| ٢٨    | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ رَبِّ الْمَشْرِقِ     | ٢٥٥٢  |
| ٢٦    | المؤمنون | ٢٣    | قَالَ رَبِّ انصُرْنِى       | ٢٥٥٣  |
| ٣٩    | المؤمنون | ٢٣    | قَالَ رَبِّ انصُرْنِى       | ٢٥٥٤  |
| ٣٠    | العنكبوت | ٢٩    | قَالَ رَبِّ انصُرْنِى       | ٢٥٥٥  |
| ٤٠    | آل عمران | ٣     | قَالَ رَبِّ اُنِّى          | ٢٥٥٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام            |       |
| ١١٢   | المؤمنون | ٢٣    | قال كم لبثتم   | ٢٦١٩  |
| ٢٩    | الشعراء  | ٢٦    | قال لن انخذت   | ٢٦٢٠  |
| ٧٣    | الكهف    | ١٨    | قال لا تؤاخذني | ٢٦٢١  |
| ٩٢    | يوسف     | ١٢    | قال لا تثريب   | ٢٦٢٢  |
| ٤٦    | طه       | ٢٠    | قال لا تخافا   | ٢٦٢٣  |
| ٢٨    | ق        | ٥٠    | قال لا تحصموا  | ٢٦٢٤  |
| ٣٧    | يوسف     | ١٢    | قال لا ياتيكما | ٢٦٢٥  |
| ٢٤    | ص        | ٣٨    | قال لقد ظلمك   | ٢٦٢٦  |
| ١٠٢   | الإسراء  | ١٧    | قال لقد علمت   | ٢٦٢٧  |
| ٥٤    | الأنبياء | ٢١    | قال لقد كنتم   | ٢٦٢٨  |
| ٣٤    | الشعراء  | ٢٦    | قال للملا      | ٢٦٢٩  |
| ٣٣    | الحجر    | ١٥    | قال لم اكن     | ٢٦٣٠  |
| ٢٥    | الشعراء  | ٢٦    | قال لمن حوله   | ٢٦٣١  |
| ٦٦    | يوسف     | ١٢    | قال لن ارسيله  | ٢٦٣٢  |
| ٣٧    | الكهف    | ١٨    | قال له صاحبه   | ٢٦٣٣  |
| ٦٦    | الكهف    | ١٨    | قال له موسى    | ٢٦٣٤  |
| ٤٣    | الشعراء  | ٢٦    | قال لهم موسى   | ٢٦٣٥  |
| ٦١    | طه       | ٢٠    | قال لهم موسى   | ٢٦٣٦  |
| ٨٠    | هود      | ١١    | قال لو ان      | ٢٦٣٧  |
| ٥١    | يوسف     | ١٢    | قال ما خطبتن   | ٢٦٣٨  |
| ٩٥    | الكهف    | ١٨    | قال ما مكني    | ٢٦٣٩  |
| ١٢    | الأعراف  | ٧     | قال ما متك     | ٢٦٤٠  |
| ٧٩    | يوسف     | ١٢    | قال معاذ الله  | ٢٦٤١  |
| ٧٧    | يونس     | ١٠    | قال موسى       | ٢٦٤٢  |
| ١٢٨   | الأعراف  | ٧     | قال موسى       | ٢٦٤٣  |
| ٥٩    | طه       | ٢٠    | قال موعدكم     | ٢٦٤٤  |
| ٤٢    | الشعراء  | ٢٦    | قال نعم        | ٢٦٤٥  |
| ١١٤   | الأعراف  | ٧     | قال نعم        | ٢٦٤٦  |
| ٤١    | النمل    | ٢٧    | قال تكروا      | ٢٦٤٧  |
| ٢١    | نوح      | ٧١    | قال نوح        | ٢٦٤٨  |
| ٧١    | الحجر    | ١٥    | قال هؤلاء      | ٢٦٤٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام            |       |
| ٩٧    | طه       | ٢٠    | قال فاذهب      | ٢٥٠   |
| ٨٤    | ص        | ٣٨    | قال فالحق      | ٢٥٠   |
| ١٣    | الأعراف  | ٧     | قال فاهبط      | ٢٥٠   |
| ٣١    | الشعراء  | ٢٦    | قال فات        | ٢٥٠   |
| ٧٠    | الكهف    | ١٨    | قال فان        | ٢٥٠   |
| ٨٥    | طه       | ٢٠    | قال فبنا       | ٢٥٠   |
| ٣٧    | الحجر    | ١٥    | قال فبلك       | ٢٥٠   |
| ٨٠    | ص        | ٣٨    | قال فبلك       | ٢٥٠   |
| ٢٦    | المائدة  | ٥     | قال فبها       | ٢٥٠   |
| ٨٢    | ص        | ٣٨    | قال فبعزبك     | ٢٥٠   |
| ١٦    | الأعراف  | ٧     | قال فيما       | ٢٥٠   |
| ١٢٣   | الأعراف  | ٧     | قال فرعون      | ٢٥٠   |
| ٢٣    | الشعراء  | ٢٦    | قال فرعون      | ٢٦٠   |
| ٢٠    | الشعراء  | ٢٦    | قال فقلها      | ٢٦٠   |
| ٥١    | طه       | ٢٠    | قال فما بال    | ٢٦٠   |
| ٩٥    | طه       | ٢٠    | قال فما خطبك   | ٢٦٠   |
| ٥٧    | الحجر    | ١٥    | قال فما خطبكم  | ٢٦٠   |
| ٣١    | الذاريات | ٥١    | قال فما خطبكم  | ٢٦٠   |
| ٤٩    | طه       | ٢٠    | قال فمن ربكما  | ٢٦٠   |
| ٢٥    | الأعراف  | ٧     | قال فيها تحيون | ٢٦٠   |
| ٥١    | الصفافات | ٣٧    | قال قائل       | ٢٦٠   |
| ١٠    | يوسف     | ١٢    | قال قائل       | ٢٦٠   |
| ٨٩    | يونس     | ١٠    | قال قد اجيبت   | ٢٦١   |
| ٣٦    | طه       | ٢٠    | قال قد اوتيت   | ٢٦١   |
| ٧١    | الأعراف  | ٧     | قال قد وقع     | ٢٦١   |
| ٢٧    | ق        | ٥٠    | قال قرينه      | ٢٦١   |
| ١٢٦   | طه       | ٢٠    | قال كذلك ائتت  | ٢٦١   |
| ٩     | مريم     | ١٩    | قال كذلك قال   | ٢٦١   |
| ٢١    | مريم     | ١٩    | قال كذلك قال   | ٢٦١   |
| ٦٢    | الشعراء  | ٢٦    | قال كلاً ان    | ٢٦١   |
| ١٥    | الشعراء  | ٢٦    | قال كلاً فاذهب | ٢٦١   |

الفهرس الهجائي لشواهد آيات القرآن الـ

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                       |       |
| ٢٣    | الأعراف  | ٧     | قَالَ رَبِّنا             | ٢٦٨١  |
| ١٤    | الحجرات  | ٤٩    | قَالَتِ الْأَعْرَابُ      | ٢٦٨٢  |
| ٢٠    | مريم     | ١٩    | قَالَتِ أَنى              | ٢٦٨٣  |
| ٢٦    | القصص    | ٢٨    | قَالَتِ إِخْذَاهُما       | ٢٦٨٤  |
| ٣٤    | النمل    | ٢٧    | قَالَتِ إِنَّ الْمُلُوكَ  | ٢٦٨٥  |
| ١٨    | مريم     | ١٩    | قَالَتِ إِنى              | ٢٦٨٦  |
| ٤٧    | آل عمران | ٣     | قَالَتِ رَبى أَنى         | ٢٦٨٧  |
| ١٠    | إبراهيم  | ١٤    | قَالَتِ رُسُلُهُمْ        | ٢٦٨٨  |
| ٣٢    | يوسف     | ١٢    | قَالَتِ فَذَلِكُنَّ       | ٢٦٨٩  |
| ١١    | إبراهيم  | ١٤    | قَالَتِ لَهُمْ رُسُلُهُمْ | ٢٦٩٠  |
| ٣٢    | النمل    | ٢٧    | قَالَتِ يَا أَيُّها       | ٢٦٩١  |
| ٢٩    | النمل    | ٢٧    | قَالَتِ يَا أَيُّها       | ٢٦٩٢  |
| ٧٢    | هود      | ١١    | قَالَتِ يَا وَيْلَتى      | ٢٦٩٣  |
| ٩٧    | الصفافات | ٣٧    | قَالُوا ابْنُوا           | ٢٦٩٤  |
| ٦٨    | يونس     | ١٠    | قَالُوا اتَّخَذَ اللَّهُ  | ٢٦٩٥  |
| ٦٩    | البقرة   | ٢     | قَالُوا ادْعُ لَنَا       | ٢٦٩٦  |
| ٧٠    | البقرة   | ٢     | قَالُوا ادْعُ لَنَا       | ٢٦٩٧  |
| ٦٨    | البقرة   | ٢     | قَالُوا ادْعُ لَنَا       | ٢٦٩٨  |
| ٤٧    | النمل    | ٢٧    | قَالُوا اطَّيَّرْنَا بِكَ | ٢٦٩٩  |
| ١٢١   | الأعراف  | ٧     | قَالُوا آمَنَّا           | ٢٧٠٠  |
| ٤٧    | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا آمَنَّا           | ٢٧٠١  |
| ٨٢    | المؤمنون | ٢٣    | قَالُوا أَيُّذًا مِثَّنَا | ٢٧٠٢  |
| ٩٠    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا إِنَّا نَكُفُّ    | ٢٧٠٣  |
| ٦٢    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا أَلَيْسَ          | ٢٧٠٤  |
| ٧٣    | هود      | ١١    | قَالُوا اتَّعَجِبِينَ     | ٢٧٠٥  |
| ٥٥    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا اجْنُبْنَا        | ٢٧٠٦  |
| ٢٢    | الأحقاف  | ٤٦    | قَالُوا اجْنُبْنَا        | ٢٧٠٧  |
| ٧٨    | يونس     | ١٠    | قَالُوا اجْنُبْنَا        | ٢٧٠٨  |
| ٧٠    | الأعراف  | ٧     | قَالُوا اجْنُبْنَا        | ٢٧٠٩  |
| ٣٦    | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا أَرْجى            | ٢٧١٠  |
| ١١١   | الأعراف  | ٧     | قَالُوا أَرْجى            | ٢٧١١  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                        |       |
| ٩٨    | الكهف    | ١٨    | قَالَ هَذَا رَحْمَةٌ       | ٢٦٥٠  |
| ٤١    | الحجر    | ١٥    | قَالَ هَذَا صِرَاطٌ        | ٢٦٥١  |
| ٧٨    | الكهف    | ١٨    | قَالَ هَذَا فِرَاقٌ        | ٢٦٥٢  |
| ١٥٥   | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ هَذِهِ نَاقَةٌ       | ٢٦٥٣  |
| ٦٤    | يوسف     | ١٢    | قَالَ هَلْ أَمْنَكُمُ      | ٢٦٥٤  |
| ٥٤    | الصفافات | ٣٧    | قَالَ هَلْ أَنْتُمْ        | ٢٦٥٥  |
| ٨٩    | يوسف     | ١٢    | قَالَ هَلْ عَلِمْتُمْ      | ٢٦٥٦  |
| ٧٢    | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ هَلْ يَسْمَعُونَكُمُ | ٢٦٥٧  |
| ٨٤    | طه       | ٢٠    | قَالَ هُمْ أَوْلَاءُ       | ٢٦٥٨  |
| ٢٦    | يوسف     | ١٢    | قَالَ هى رَاوَدْتى         | ٢٦٥٩  |
| ١٨    | طه       | ٢٠    | قَالَ هى عَصَاى            | ٢٦٦٠  |
| ١١٢   | الشعراء  | ٢٦    | قَالَ وَمَا عِلْمى         | ٢٦٦١  |
| ٥٦    | الحجر    | ١٥    | قَالَ وَمَنْ يَقْنَطُ      | ٢٦٦٢  |
| ٣٣    | البقرة   | ٢     | قَالَ يَا آدَمُ            | ٢٦٦٣  |
| ٣٨    | النمل    | ٢٧    | قَالَ يَا أَيُّها          | ٢٦٦٤  |
| ٣٢    | الحجر    | ١٥    | قَالَ يَا إِبْلِيسُ        | ٢٦٦٥  |
| ٧٥    | ص        | ٣٨    | قَالَ يَا إِبْلِيسُ        | ٢٦٦٦  |
| ٩٤    | طه       | ٢٠    | قَالَ يَا بَنُومُ          | ٢٦٦٧  |
| ٥     | يوسف     | ١٢    | قَالَ يَا بَنى             | ٢٦٦٨  |
| ٢٨    | هود      | ١١    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٦٩  |
| ٦٣    | هود      | ١١    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٠  |
| ٨٨    | هود      | ١١    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧١  |
| ٩٢    | هود      | ١١    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٢  |
| ٢     | نوح      | ٧١    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٣  |
| ٤٦    | النمل    | ٢٧    | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٤  |
| ٦٧    | الأعراف  | ٧     | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٥  |
| ٦١    | الأعراف  | ٧     | قَالَ يَا قَوْمُ           | ٢٦٧٦  |
| ١٤٤   | الأعراف  | ٧     | قَالَ يَا مُوسى            | ٢٦٧٧  |
| ٤٦    | هود      | ١١    | قَالَ يَا نُوحُ            | ٢٦٧٨  |
| ٩٢    | طه       | ٢٠    | قَالَ يَا هَارُونَ         | ٢٦٧٩  |
| ٤٥    | طه       | ٢٠    | قَالَ رَبىنا               | ٢٦٨٠  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         |       |
| ٦١    | ص        | ٣٨    | قَالُوا رَبَّنَا مَنْ       | ٢٧٤٣  |
| ١٦    | يس       | ٣٦    | قَالُوا رَبَّنَا عَلِّمْنَا | ٢٧٤٤  |
| ٢٩    | القلم    | ٦٨    | قَالُوا سُبْحَانَ رَبَّنَا  | ٢٧٤٥  |
| ٤١    | سبا      | ٣٤    | قَالُوا سُبْحَانَكَ أَنْتَ  | ٢٧٤٦  |
| ٣٢    | البقرة   | ٢     | قَالُوا سُبْحَانَكَ لَا     | ٢٧٤٧  |
| ١٨    | الفرقان  | ٢٥    | قَالُوا سُبْحَانَكَ مَا     | ٢٧٤٨  |
| ٦٠    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا سَمِعْنَا           | ٢٧٤٩  |
| ٦١    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا سِنْرَ أَوْدُ       | ٢٧٥٠  |
| ١٣٦   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا سَوَاءً             | ٢٧٥١  |
| ١٩    | يس       | ٣٦    | قَالُوا طَائِرُكُمْ         | ٢٧٥٢  |
| ٦١    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا قَاتِلُوا           | ٢٧٥٣  |
| ٧٤    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا فَمَا جَزَاؤُهُ     | ٢٧٥٤  |
| ٣٠    | الذاريات | ٥١    | قَالُوا كَذَلِكَ            | ٢٧٥٥  |
| ١٤    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا لَئِن آكَلَهُ       | ٢٧٥٦  |
| ١٦٧   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا لَئِن لَّمْ         | ٢٧٥٧  |
| ١١٦   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا لَئِن لَّمْ         | ٢٧٥٨  |
| ٥٣    | الحجر    | ١٥    | قَالُوا لَا تَوْجَلْ        | ٢٧٥٩  |
| ٥٠    | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا لَا ضَيْرَ          | ٢٧٦٠  |
| ١١٣   | المؤمنون | ٢٣    | قَالُوا لَيْثًا يَوْمًا     | ٢٧٦١  |
| ٧٩    | هود      | ١١    | قَالُوا لَقَدْ              | ٢٧٦٢  |
| ٤٣    | المدثر   | ٧٤    | قَالُوا لَمْ                | ٢٧٦٣  |
| ٧٢    | طه       | ٢٠    | قَالُوا لَنْ نُؤْتِرَكَ     | ٢٧٦٤  |
| ٩١    | طه       | ٢٠    | قَالُوا لَنْ نُبْرِحَ       | ٢٧٦٥  |
| ٨٧    | طه       | ٢٠    | قَالُوا مَا أَخْلَفْنَا     | ٢٧٦٦  |
| ١٥    | يس       | ٣٦    | قَالُوا مَا أَنْتُمْ        | ٢٧٦٧  |
| ٥٩    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا مَنْ قَعَلْ         | ٢٧٦٨  |
| ٣٣    | النمل    | ٢٧    | قَالُوا تَحْنُ              | ٢٧٦٩  |
| ١١٣   | المائدة  | ٥     | قَالُوا تُرِيدُ             | ٢٧٧٠  |
| ٧١    | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا نَعْبُدُ            | ٢٧٧١  |
| ٧٢    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا نَقْفِدُ            | ٢٧٧٢  |
| ٧١    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا وَأَقْبَلُوا        | ٢٧٧٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         |       |
| ٤٤    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا اضْغَبْتُ           | ٢٧    |
| ١١١   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا أَلْوَمْنُ          | ٢٧    |
| ٥٠    | غافر     | ٤٠    | قَالُوا أَوْ لَمْ           | ٢٧    |
| ١٢٩   | الأعراف  | ٧     | قَالُوا أَوْزِينَا          | ٢٧    |
| ٧٠    | الحجر    | ١٥    | قَالُوا أَوْلَمْ            | ٢٧    |
| ٦٣    | طه       | ٢٠    | قَالُوا إِنْ هَذَا          | ٢٧    |
| ٧٧    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا إِنْ يَسْرِقْ       | ٢٧    |
| ٥٨    | الحجر    | ١٥    | قَالُوا إِنْ أَرْسَلْنَا    | ٢٧    |
| ٣٢    | الذاريات | ٥١    | قَالُوا إِنْ أَرْسَلْنَا    | ٢٧    |
| ١٢٥   | الأعراف  | ٧     | قَالُوا إِنْ أُرْسِلُوا     | ٢٧    |
| ١٨    | يس       | ٣٦    | قَالُوا إِنْ أَطَّيَّرْنَا  | ٢٧    |
| ٢٦    | الطور    | ٥٢    | قَالُوا إِنْ كُنَّا         | ٢٧    |
| ٢٨    | الصافات  | ٣٧    | قَالُوا إِنْ كُنْ           | ٢٧    |
| ١٥٣   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا إِنْ مَّا           | ٢٧    |
| ١٨٥   | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا إِنْ مَّا           | ٢٧    |
| ٥٥    | الحجر    | ١٥    | قَالُوا بِشَرِّتَاكَ        | ٢٧    |
| ٦٠    | ص        | ٣٨    | قَالُوا بَلْ أَنْتُمْ       | ٢٧    |
| ٦٣    | الحجر    | ١٥    | قَالُوا بَلْ جِنَّاتِكْ     | ٢٧    |
| ٢٩    | الصافات  | ٣٧    | قَالُوا بَلْ لَمْ           | ٢٧    |
| ٧٤    | الشعراء  | ٢٦    | قَالُوا بَلْ وَجَدْنَا      | ٢٧    |
| ٩     | الملك    | ٦٧    | قَالُوا بَلَى               | ٢٧    |
| ٩٥    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا تَاللَّهِ إِنَّكَ   | ٢٧    |
| ٨٥    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا تَاللَّهِ تَقْتُلَا | ٢٧    |
| ٩١    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا تَاللَّهِ لَقَدْ    | ٢٧    |
| ٧٣    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا تَاللَّهِ لَقَدْ    | ٢٧    |
| ٤٩    | النمل    | ٢٧    | قَالُوا تَقَاسَمُوا         | ٢٧    |
| ١٢    | النازعات | ٧٩    | قَالُوا تِلْكَ إِذَا        | ٢٧    |
| ٧٥    | يوسف     | ١٢    | قَالُوا جَزَاؤُهُ           | ٢٧    |
| ٦٨    | الأنبياء | ٢١    | قَالُوا حَرِّقُوهُ          | ٢٧    |
| ١١    | غافر     | ٤٠    | قَالُوا رَبَّنَا آمَنَّا    | ٢٧    |
| ١٠٦   | المؤمنون | ٢٣    | قَالُوا رَبَّنَا عَلَّيْنَا | ٢٧    |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن ال

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ١٣٧   | آل عمران | ٣      | قَدْ خَلَتْ               | ٢٨٠٥  |
| ١٠٢   | المائدة  | ٥      | قَدْ سَأَلَهَا            | ٢٨٠٦  |
| ١     | المجادلة | ٥٨     | قَدْ سَمِعَ اللَّهُ       | ٢٨٠٧  |
| ١٠٥   | الصفات   | ٣٧     | قَدْ صَدَّقَتْ            | ٢٨٠٨  |
| ٤     | ق        | ٥٠     | قَدْ عَلِمْنَا            | ٢٨٠٩  |
| ٢     | التحریم  | ٦٦     | قَدْ قَرَضَ اللَّهُ       | ٢٨١٠  |
| ٥٠    | الزمر    | ٣٩     | قَدْ قَالَهَا             | ٢٨١١  |
| ١٣    | آل عمران | ٣      | قَدْ كَانَ لَكُمْ         | ٢٨١٢  |
| ٦٦    | المؤمنون | ٢٣     | قَدْ كَانَتْ آيَاتِي      | ٢٨١٣  |
| ٤     | المتحنة  | ٦٠     | قَدْ كَانَتْ لَكُمْ       | ٢٨١٤  |
| ٢٦    | النحل    | ١٦     | قَدْ مَكَرَ               | ٢٨١٥  |
| ١٤٤   | البقرة   | ٢      | قَدْ نَرَى                | ٢٨١٦  |
| ٣٣    | الأنعام  | ٦      | قَدْ نَعْلَمُ             | ٢٨١٧  |
| ١٨    | الأحزاب  | ٣٣     | قَدْ يَعْلَمُ اللَّهُ     | ٢٨١٨  |
| ٢٨    | الزمر    | ٣٩     | قُرْآنًا عَرَبِيًّا       | ٢٨١٩  |
| ٢٣    | الحاقة   | ٦٩     | فَطُوفُهَا دَانِيَةٌ      | ٢٨٢٠  |
| ٢٢    | سبا      | ٣٤     | قُلْ ادْعُوا              | ٢٨٢١  |
| ٥٦    | الإسراء  | ١٧     | قُلْ ادْعُوا              | ٢٨٢٢  |
| ١١٠   | الإسراء  | ١٧     | قُلْ ادْعُوا              | ٢٨٢٣  |
| ٥٩    | النمل    | ٢٧     | قُلْ الْحَمْدُ لِلَّهِ    | ٢٨٢٤  |
| ١٤    | الزمر    | ٣٩     | قُلْ اللَّهُ أَعْبَدُ     | ٢٨٢٥  |
| ٢٦    | الكهف    | ١٨     | قُلْ اللَّهُ أَعْلَمُ     | ٢٨٢٦  |
| ٢٦    | الجاثية  | ٤٥     | قُلْ اللَّهُ يُحْيِيكُمْ  | ٢٨٢٧  |
| ٦٤    | الأنعام  | ٦      | قُلْ اللَّهُ يُنَجِّيكُمْ | ٢٨٢٨  |
| ٤٦    | الزمر    | ٣٩     | قُلْ اللَّهُمَّ فَاطِرَ   | ٢٨٢٩  |
| ٢٦    | آل عمران | ٣      | قُلْ اللَّهُمَّ مَلِكَ    | ٢٨٣٠  |
| ١٠١   | يونس     | ١٠     | قُلْ انظُرُوا             | ٢٨٣١  |
| ٨٤    | آل عمران | ٣      | قُلْ آمَنَّا بِاللَّهِ    | ٢٨٣٢  |
| ١٠٧   | الإسراء  | ١٧     | قُلْ آمَنُوا بِهِ         | ٢٨٣٣  |
| ١٥    | آل عمران | ٣      | قُلْ أُوْتِبْتُكُمْ       | ٢٨٣٤  |
| ٩     | فصلت     | ٤١     | قُلْ أُنذِرْكُمْ          | ٢٨٣٥  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ٥٣    | الأنبياء | ٢١     | قَالُوا وَجَدْنَا               | ٢٧٧٤  |
| ٩٦    | الشعراء  | ٢٦     | قَالُوا وَهُمْ                  | ٢٧٧٥  |
| ٩٧    | يوسف     | ١٢     | قَالُوا يَا أَبَتَا             | ٢٧٧٦  |
| ١٧    | يوسف     | ١٢     | قَالُوا يَا أَبَتَا             | ٢٧٧٧  |
| ١١    | يوسف     | ١٢     | قَالُوا يَا أَبَتَا             | ٢٧٧٨  |
| ٧٨    | يوسف     | ١٢     | قَالُوا يَا أَيُّهَا الْعَزِيزُ | ٢٧٧٩  |
| ٩٤    | الكهف    | ١٨     | قَالُوا يَا ذَا الْقُرْتَيْنِ   | ٢٧٨٠  |
| ٨٧    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا شُعَيْبُ            | ٢٧٨١  |
| ٩١    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا شُعَيْبُ            | ٢٧٨٢  |
| ٦٢    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا صَالِحُ             | ٢٧٨٣  |
| ٣٠    | الأحقاف  | ٤٦     | قَالُوا يَا قَوْمَنَا           | ٢٧٨٤  |
| ٨١    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا لُوطُ               | ٢٧٨٥  |
| ٦٥    | طه       | ٢٠     | قَالُوا يَا مُوسَى              | ٢٧٨٦  |
| ١١٥   | الأعراف  | ٧      | قَالُوا يَا مُوسَى              | ٢٧٨٧  |
| ٢٢    | المائدة  | ٥      | قَالُوا يَا مُوسَى              | ٢٧٨٨  |
| ٢٤    | المائدة  | ٥      | قَالُوا يَا مُوسَى              | ٢٧٨٩  |
| ٣٢    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا نُوحُ               | ٢٧٩٠  |
| ٥٣    | هود      | ١١     | قَالُوا يَا هُودُ               | ٢٧٩١  |
| ٣١    | القلم    | ٦٨     | قَالُوا يَا وَيْلَنَا           | ٢٧٩٢  |
| ١٤    | الأنبياء | ٢١     | قَالُوا يَا وَيْلَنَا           | ٢٧٩٣  |
| ٥٢    | يس       | ٣٦     | قَالُوا يَا وَيْلَنَا           | ٢٧٩٤  |
| ١٧    | عبس      | ٨٠     | قَتَلَ الْإِنْسَانَ             | ٢٧٩٥  |
| ١٠    | الذاريات | ٥١     | قَتَلَ الْخِرَاصُونَ            | ٢٧٩٦  |
| ٤     | البروج   | ٨٥     | قَتَلَ اصْحَابُ                 | ٢٧٩٧  |
| ٨٩    | الأعراف  | ٧      | قَدْ أَفْتَرْنَا                | ٢٧٩٨  |
| ١     | المؤمنون | ٢٣     | قَدْ أَفْلَحَ                   | ٢٧٩٩  |
| ١٤    | الأعلى   | ٨٧     | قَدْ أَفْلَحَ                   | ٢٨٠٠  |
| ٩     | الشمس    | ٩١     | قَدْ أَفْلَحَ                   | ٢٨٠١  |
| ١٠٤   | الأنعام  | ٦      | قَدْ جَاءَكُمْ                  | ٢٨٠٢  |
| ١٤٠   | الأنعام  | ٦      | قَدْ خَسِرَ                     | ٢٨٠٣  |
| ٣١    | الأنعام  | ٦      | قَدْ خَسِرَ                     | ٢٨٠٤  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                        | عام   |
| ٤٩    | الواقعة  | ٥٦     | قُلْ إِنَّ الْأَوَّلِينَ     | ٢٨٦٧  |
| ٦٩    | يونس     | ١٠     | قُلْ إِنَّ الَّذِينَ         | ٢٨٦٨  |
| ٨     | الجمعة   | ٦٢     | قُلْ إِنَّ الْمَوْتِ         | ٢٨٦٩  |
| ٢٥    | الجن     | ٧٢     | قُلْ إِنْ أَنْزَى            | ٢٨٧٠  |
| ٢٩    | آل عمران | ٣      | قُلْ إِنْ تُخْفُوا           | ٢٨٧١  |
| ٣٩    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ إِنْ رَبِّي             | ٢٨٧٢  |
| ٣٦    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ إِنْ رَبِّي             | ٢٨٧٣  |
| ٤٨    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ إِنْ رَبِّي             | ٢٨٧٤  |
| ١٦٢   | الأنعام  | ٦      | قُلْ إِنْ صَلَّيْتُ          | ٢٨٧٥  |
| ٥٠    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ إِنْ ضَلَلْتُ           | ٢٨٧٦  |
| ٢٤    | التوبة   | ٩      | قُلْ إِنْ كَانَ              | ٢٨٧٧  |
| ٨١    | الزخرف   | ٤٣     | قُلْ إِنْ كَانَ              | ٢٨٧٨  |
| ٩٤    | البقرة   | ٢      | قُلْ إِنْ كَاتَتْ            | ٢٨٧٩  |
| ٣١    | آل عمران | ٣      | قُلْ إِنْ كُنْتُمْ           | ٢٨٨٠  |
| ٢٦    | الملك    | ٦٧     | قُلْ إِنَّمَا الْعِلْمُ      | ٢٨٨١  |
| ٢٠    | الجن     | ٧٢     | قُلْ إِنَّمَا أَدْعُو        | ٢٨٨٢  |
| ٤٦    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ إِنَّمَا أَعْظَمُكُمْ   | ٢٨٨٣  |
| ٦     | فصلت     | ٤١     | قُلْ إِنَّمَا أَنَا          | ٢٨٨٤  |
| ١١٠   | الكهف    | ١٨     | قُلْ إِنَّمَا أَنَا          | ٢٨٨٥  |
| ٦٥    | ص        | ٣٨     | قُلْ إِنَّمَا أَنَا          | ٢٨٨٦  |
| ٤٥    | الأنبياء | ٢١     | قُلْ إِنَّمَا أَنْزَرُكُمْ   | ٢٨٨٧  |
| ٣٣    | الأعراف  | ٧      | قُلْ إِنَّمَا حَرَّمَ        | ٢٨٨٨  |
| ١٠٨   | الأنبياء | ٢١     | قُلْ إِنَّمَا يُوحَى         | ٢٨٨٩  |
| ١٦١   | الأنعام  | ٦      | قُلْ إِنِّي هَدَيْتُ         | ٢٨٩٠  |
| ١٥    | الأنعام  | ٦      | قُلْ إِنِّي أَخَافُ          | ٢٨٩١  |
| ١٣    | الزمر    | ٣٩     | قُلْ إِنِّي أَخَافُ          | ٢٨٩٢  |
| ١١    | الزمر    | ٣٩     | قُلْ إِنِّي أَمَرْتُ         | ٢٨٩٣  |
| ٥٧    | الأنعام  | ٦      | قُلْ إِنِّي عَلَىٰ بَيِّنَةٍ | ٢٨٩٤  |
| ٢١    | الجن     | ٧٢     | قُلْ إِنِّي لَا أَمْلِكُ     | ٢٨٩٥  |
| ٢٢    | الجن     | ٧٢     | قُلْ إِنِّي لَنْ يُجِيرَنِي  | ٢٨٩٦  |
| ٥٦    | الأنعام  | ٦      | قُلْ إِنِّي نُهِيتُ          | ٢٨٩٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | لسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-----|
| الآية |          | السورة | الآية                        | نام |
| ١٣٩   | البقرة   | ٢      | قُلْ أَنْتَجِدُونَ           | ٢٨  |
| ٧٦    | المائدة  | ٥      | قُلْ أَنْتَعْبُدُونَ         | ٢٨  |
| ١٦    | الحجرات  | ٤٩     | قُلْ أَنْتَعْلَمُونَ اللَّهَ | ٢٨  |
| ١٥    | الفرقان  | ٢٥     | قُلْ أَدْرِكُ خَيْرًا        | ٢٨  |
| ٤٠    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٤٧    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٥٠    | يونس     | ١٠     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٤٦    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٣٠    | الملك    | ٦٧     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٢٨    | الملك    | ٦٧     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٧١    | القصص    | ٢٨     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٧٢    | القصص    | ٢٨     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٥٢    | فصلت     | ٤١     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ١٠    | الأحقاف  | ٤٦     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٤٠    | فاطر     | ٣٥     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٥٩    | يونس     | ١٠     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٤     | الأحقاف  | ٤٦     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٢٧    | سبأ      | ٣٤     | قُلْ أَرَأَيْتُمْ            | ٢٨  |
| ٣٢    | آل عمران | ٣      | قُلْ أَطِيعُوا اللَّهَ       | ٢٨  |
| ٥٤    | النور    | ٢٤     | قُلْ أَطِيعُوا اللَّهَ       | ٢٨  |
| ١     | الفلق    | ١١٣    | قُلْ أَعُوذُ                 | ٢٨  |
| ١     | الناس    | ١١٤    | قُلْ أَعُوذُ                 | ٢٨  |
| ١٦٤   | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَغْنِيَنَّ اللَّهُ     | ٢٨  |
| ١٤    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَغْنِيَنَّ اللَّهُ     | ٢٨  |
| ٦٤    | الزمر    | ٣٩     | قُلْ أَغْنِيَنَّ اللَّهُ     | ٢٨  |
| ٢٩    | الأعراف  | ٧      | قُلْ أَمَرَ رَبِّي           | ٢٨  |
| ٧١    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَدْعُو                 | ٢٨  |
| ٦     | الفرقان  | ٢٥     | قُلْ أَنْزَلَهُ              | ٢٨  |
| ٥٣    | التوبة   | ٩      | قُلْ أَنْتَفِقُوا            | ٢٨  |
| ١     | الجن     | ٧٢     | قُلْ أَوْحَىٰ إِلَيَّ        | ٢٨  |
| ١٩    | الأنعام  | ٦      | قُلْ أَيُّ شَيْءٍ            | ٢٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                             |       |
| ١٢    | آل عمران | ٣     | قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا        | ٢٩٢٩  |
| ٣٠    | النور    | ٢٤    | قُلْ لِلْمُؤْمِنِينَ            | ٢٩٣٠  |
| ١٦    | الفتح    | ٤٨    | قُلْ لِلْمَخْلُقِينَ            | ٢٩٣١  |
| ٤٤    | الزمر    | ٣٩    | قُلْ لِلَّهِ الشُّعَاعَةُ       | ٢٩٣٢  |
| ٨٤    | المؤمنون | ٢٣    | قُلْ لِمَنْ الْأَرْضُ           | ٢٩٣٣  |
| ١٢    | الأنعام  | ٦     | قُلْ لِمَنْ مَا                 | ٢٩٣٤  |
| ٥١    | التوبة   | ٩     | قُلْ لَنْ يُصِيبَنَا            | ٢٩٣٥  |
| ١٦    | الأحزاب  | ٣٣    | قُلْ لَنْ يَتَّقِعَكُمُ         | ٢٩٣٦  |
| ٥٨    | الأنعام  | ٦     | قُلْ لَوْ أَنَّ عِنْدِي         | ٢٩٣٧  |
| ١٠٠   | الإسراء  | ١٧    | قُلْ لَوْ أَنْتُمْ تَمْلِكُونَ  | ٢٩٣٨  |
| ١٦    | يونس     | ١٠    | قُلْ لَوْ شَاءَ اللَّهُ         | ٢٩٣٩  |
| ١٠٩   | الكهف    | ١٨    | قُلْ لَوْ كَانَ الْبَحْرُ       | ٢٩٤٠  |
| ٩٥    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ لَوْ كَانَ فِي الْأَرْضِ   | ٢٩٤١  |
| ٤٢    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ لَوْ كَانَ مَعَهُ إِلَهَةٌ | ٢٩٤٢  |
| ٥٧    | الفرقان  | ٢٥    | قُلْ مَا أَسْأَلُكُمْ           | ٢٩٤٣  |
| ٨٦    | ص        | ٣٨    | قُلْ مَا أَسْأَلُكُمْ           | ٢٩٤٤  |
| ٤٧    | سبا      | ٣٤    | قُلْ مَا سَأَلْتُكُمْ           | ٢٩٤٥  |
| ٩     | الأحقاف  | ٤٦    | قُلْ مَا كُنْتُ بِدَعَا         | ٢٩٤٦  |
| ٧٧    | الفرقان  | ٢٥    | قُلْ مَا يَغْبَا بِكُمْ رَبِّي  | ٢٩٤٧  |
| ٨٨    | المؤمنون | ٢٣    | قُلْ مَنْ بِيَدِهِ              | ٢٩٤٨  |
| ٣٢    | الأعراف  | ٧     | قُلْ مَنْ حَرَّمَ               | ٢٩٤٩  |
| ١٧    | الأحزاب  | ٣٣    | قُلْ مَنْ ذَا الَّذِي           | ٢٩٥٠  |
| ٨٦    | المؤمنون | ٢٣    | قُلْ مَنْ رَبُّ                 | ٢٩٥١  |
| ١٦    | الرعد    | ١٣    | قُلْ مَنْ رَبُّ                 | ٢٩٥٢  |
| ٩٧    | البقرة   | ٢     | قُلْ مَنْ كَانَ                 | ٢٩٥٣  |
| ٧٥    | مريم     | ١٩    | قُلْ مَنْ كَانَ                 | ٢٩٥٤  |
| ٣١    | يونس     | ١٠    | قُلْ مَنْ يَرْزُقُكُمْ          | ٢٩٥٥  |
| ٢٤    | سبا      | ٣٤    | قُلْ مَنْ يَرْزُقُكُمْ          | ٢٩٥٦  |
| ٤٢    | الأنبياء | ٢١    | قُلْ مَنْ يَكْلُوكُمْ           | ٢٩٥٧  |
| ٦٣    | الأنعام  | ٦     | قُلْ مَنْ يَنْجِيكُمْ           | ٢٩٥٨  |
| ١٠٢   | النحل    | ١٦    | قُلْ نَزَّلَهُ رُوحُ الْفُطُوسِ | ٢٩٥٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                        |       |
| ٦٦    | غافر     | ٤٠    | قُلْ إِنِّي نُهِيتُ        | ٢٨٩٨  |
| ٥٨    | يونس     | ١٠    | قُلْ يَقْضِلُ اللَّهُ      | ٢٨٩٩  |
| ٣١    | الطور    | ٥٢    | قُلْ تَرَبَّصُوا           | ٢٩٠٠  |
| ١٥١   | الأنعام  | ٦     | قُلْ تَعَالَوْا            | ٢٩٠١  |
| ٤٩    | سبا      | ٣٤    | قُلْ جَاءَ الْحَقُّ        | ٢٩٠٢  |
| ٩٣    | المؤمنون | ٢٣    | قُلْ رَبِّ إِمَّا تُرِيئِي | ٢٩٠٣  |
| ١١    | الأنعام  | ٦     | قُلْ سِيرُوا فِي الْأَرْضِ | ٢٩٠٤  |
| ٢٠    | العنكبوت | ٢٩    | قُلْ سِيرُوا فِي الْأَرْضِ | ٢٩٠٥  |
| ٤٢    | الروم    | ٣٠    | قُلْ سِيرُوا فِي الْأَرْضِ | ٢٩٠٦  |
| ٦٩    | النمل    | ٢٧    | قُلْ سِيرُوا فِي الْأَرْضِ | ٢٩٠٧  |
| ٩٥    | آل عمران | ٣     | قُلْ صَدَقَ اللَّهُ        | ٢٩٠٨  |
| ٧٢    | النمل    | ٢٧    | قُلْ عَسَى                 | ٢٩٠٩  |
| ٤٩    | القصص    | ٢٨    | قُلْ قَاتِلُوا             | ٢٩١٠  |
| ١٤٩   | الأنعام  | ٦     | قُلْ قَلِيلٌ الْحِجَّةُ    | ٢٩١١  |
| ٥٢    | العنكبوت | ٢٩    | قُلْ كَفَى بِاللَّهِ       | ٢٩١٢  |
| ٩٦    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ كَفَى بِاللَّهِ       | ٢٩١٣  |
| ١٣٥   | طه       | ٢٠    | قُلْ كُلُّ مُتَرَبِّصٍ     | ٢٩١٤  |
| ٨٤    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ كُلُّ يَعْمَلُ        | ٢٩١٥  |
| ٥٠    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ كُونُوا حِجَارَةً     | ٢٩١٦  |
| ٨٨    | الإسراء  | ١٧    | قُلْ لئن اجْتَمَعَتِ       | ٢٩١٧  |
| ١٤٥   | الأنعام  | ٦     | قُلْ لَا أُحِذُّ           | ٢٩١٨  |
| ٥٠    | الأنعام  | ٦     | قُلْ لَا أَقُولُ لَكُمْ    | ٢٩١٩  |
| ٤٩    | يونس     | ١٠    | قُلْ لَا أَمْلِكُ          | ٢٩٢٠  |
| ١٨٨   | الأعراف  | ٧     | قُلْ لَا أَمْلِكُ          | ٢٩٢١  |
| ٢٥    | سبا      | ٣٤    | قُلْ لَا تُسْأَلُونَ       | ٢٩٢٢  |
| ١٠٠   | المائدة  | ٥     | قُلْ لَا يَسْتَوِي         | ٢٩٢٣  |
| ٦٥    | النمل    | ٢٧    | قُلْ لَا يَعْلَمُ          | ٢٩٢٤  |
| ٣١    | إبراهيم  | ١٤    | قُلْ لَا يَعْلَمُ          | ٢٩٢٥  |
| ٣٠    | سبا      | ٣٤    | قُلْ لَكُمْ مِيعَادٌ       | ٢٩٢٦  |
| ١٤    | الجاثية  | ٤٥    | قُلْ لِلَّذِينَ آمَنُوا    | ٢٩٢٧  |
| ٣٨    | الأنفال  | ٨     | قُلْ لِلَّذِينَ كَفَرُوا   | ٢٩٢٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                    |       |
| ٢٦    | سبأ      | ٣٤    | فَلْ يَجْمَعْ بَيْنَنَا رَبَّنَا       | ٢٩٩١  |
| ٧٩    | يس       | ٣٦    | فَلْ يُحْيِيهَا الَّذِي<br>أَنْشَأَهَا | ٢٩٩٢  |
| ٢٩    | السجدة   | ٣٢    | فَلْ يَوْمَ الْفَتْحِ                  | ٢٩٩٣  |
| ٣٨    | البقرة   | ٢     | فَلْتَا اهْطُوا                        | ٢٩٩٤  |
| ٦٨    | طه       | ٢٠    | فَلْتَا لَا تَخَفْ                     | ٢٩٩٥  |
| ٦٩    | الأنبياء | ٢١    | فَلْتَا يَا نَارُ كُونِي               | ٢٩٩٦  |
| ٨     | النازعات | ٧٩    | فَلَوْبَ يَوْمَئِذٍ وَاجِفَةً          | ٢٩٩٧  |
| ٢     | المزمل   | ٧٣    | فَمَ اللَّيْلِ إِلَّا قَلِيلًا         | ٢٩٩٨  |
| ٢     | المدثر   | ٧٤    | فَمَ قَاتِرٌ                           | ٢٩٩٩  |
| ١٦    | الإتسان  | ٧٦    | فَوَارِيرٍ مِنْ فِضَّةٍ                | ٣٠٠٠  |
| ٢٦٣   | البقرة   | ٢     | فَوَلَّ مَعْرُوفًا                     | ٣٠٠١  |
| ١٣٦   | البقرة   | ٢     | فَوَلُوا أَمَنًا بِاللَّهِ             | ٣٠٠٢  |
| ١١    | الشعراء  | ٢٦    | قَوْمَ فِرْعَوْنَ                      | ٣٠٠٣  |
| ٢٦    | يس       | ٣٦    | فَيْلَ ادْخُلِ الْجَنَّةَ              | ٣٠٠٤  |
| ٧٢    | الزمر    | ٣٩    | فَيْلَ ادْخُلُوا                       | ٣٠٠٥  |
| ٤٤    | النمل    | ٢٧    | فَيْلَ لَهَا ادْخُلِي                  | ٣٠٠٦  |
| ٤٨    | هود      | ١١    | فَيْلَ يَا نُوحُ                       | ٣٠٠٧  |
| ٢     | الكهف    | ١٨    | فَيَّمَا لَيُنذِرَ                     | ٣٠٠٨  |

(٢٢) آيات تبدأ بحرف الكاف

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                             |       |
| ٦٩    | التوبة   | ٩     | كَالَّذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ     | ٣٠٠٩  |
| ٤٥    | الدخان   | ٤٤    | كَالْمُهْلِ يَغْلِي             | ٣٠١٠  |
| ٢١٣   | البقرة   | ٢     | كَانَ النَّاسُ أُمَّةً          | ٣٠١١  |
| ١٧    | الذاريات | ٥١    | كَانُوا قَلِيلًا                | ٣٠١٢  |
| ٧٩    | المائدة  | ٥     | كَانُوا لَا يَتَنَاهَوْنَ       | ٣٠١٣  |
| ٢٣    | الواقعة  | ٥٦    | كَانَمَتِ اللَّوَالِي           | ٣٠١٤  |
| ٦٨    | هود      | ١١    | كَانَ لَمْ يَتَّقُوا            | ٣٠١٥  |
| ٩٥    | هود      | ١١    | كَانَ لَمْ يَتَّقُوا            | ٣٠١٦  |
| ٣٣    | المرسلات | ٧٧    | كَانَتْ جَمَالَةً صَفْرًا       | ٣٠١٧  |
| ٥٠    | المدثر   | ٧٤    | كَانَهُمْ حَمْرٌ مُسْتَنْفَرَةٌ | ٣٠١٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                       | سل |
|-------|----------|-------|--------------------------------------------|----|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                        |    |
| ١٨    | الصافات  | ٣٧    | فَلْ تَعْمَ                                | ٢٩ |
| ١٠٨   | يوسف     | ١٢    | فَلْ هَذِهِ سَبِيلِي                       | ٢٩ |
| ٦٠    | المائدة  | ٥     | فَلْ هَلْ أَنْبَأَكُمْ                     | ٢٩ |
| ٥٢    | التوبة   | ٩     | فَلْ هَلْ تَرَبِّصُونَ                     | ٢٩ |
| ٣٤    | يونس     | ١٠    | فَلْ هَلْ مِنْ شُرَكَائِكُمْ               | ٢٩ |
| ٣٥    | يونس     | ١٠    | فَلْ هَلْ مِنْ شُرَكَائِكُمْ               | ٢٩ |
| ١٠٣   | الكهف    | ١٨    | فَلْ هَلْ نُنَبِّئُكُمْ                    | ٢٩ |
| ١٥٠   | الأنعام  | ٦     | فَلْ هَلَمْ شُهَدَاءَكُمْ                  | ٢٩ |
| ٢٣    | الملك    | ٦٧    | فَلْ هُوَ الَّذِي أَنْشَأَكُمْ             | ٢٩ |
| ٢٤    | الملك    | ٦٧    | فَلْ هُوَ الَّذِي دَرَأَكُمْ               | ٢٩ |
| ٢٩    | الملك    | ٦٧    | فَلْ هُوَ الرَّحْمَنُ                      | ٢٩ |
| ٦٥    | الأنعام  | ٦     | فَلْ هُوَ الْقَادِرُ                       | ٢٩ |
| ١     | الإخلاص  | ١١٢   | فَلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ                   | ٢٩ |
| ٦٧    | ص        | ٣٨    | فَلْ هُوَ تَبًا عَظِيمٌ                    | ٢٩ |
| ٦٤    | آل عمران | ٣     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٧٧    | المائدة  | ٥     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٦٨    | المائدة  | ٥     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٩٩    | آل عمران | ٣     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٩٨    | آل عمران | ٣     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٥٩    | المائدة  | ٥     | فَلْ يَا أَهْلَ الْكِتَابِ                 | ٢٩ |
| ٦     | الجمعة   | ٦٢    | فَلْ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ هَادُوا        | ٢٩ |
| ١     | الكافرون | ١٠٩   | فَلْ يَا أَيُّهَا الْكَافِرُونَ            | ٢٩ |
| ١٠٤   | يونس     | ١٠    | فَلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ                 | ٢٩ |
| ٤٩    | الحج     | ٢٢    | فَلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ                 | ٢٩ |
| ١٥٨   | الأعراف  | ٧     | فَلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ                 | ٢٩ |
| ١٠٨   | يونس     | ١٠    | فَلْ يَا أَيُّهَا النَّاسُ                 | ٢٩ |
| ١٠    | الزمر    | ٣٩    | فَلْ يَا عِبَادِ الَّذِينَ آمَنُوا         | ٢٩ |
| ٥٣    | الزمر    | ٣٩    | فَلْ يَا عِبَادِيَ الَّذِينَ<br>أَسْرَفُوا | ٢٩ |
| ٣٩    | الزمر    | ٣٩    | فَلْ يَا قَوْمِ اعْمَلُوا                  | ٢٩ |
| ١٣٥   | الأنعام  | ٦     | فَلْ يَا قَوْمِ اعْمَلُوا                  | ٢٩ |
| ١١    | السجدة   | ٣٢    | فَلْ يَتَوَقَّاعُمْ مَلَكُ الْمَوْتِ       | ٢٩ |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية             | عام   |
| ٤٢    | القمر    | ٥٤     | كذبوا بآياتنا     | ٣٠٥٠  |
| ٣٣    | القلم    | ٦٨     | كذلك العذاب       | ٣٠٥١  |
| ٣٠    | الرعد    | ١٣     | كذلك أرسلناك      | ٣٠٥٢  |
| ٣٣    | يونس     | ١٠     | كذلك حقت          | ٣٠٥٣  |
| ٢٠٠   | الشعراء  | ٢٦     | كذلك سلكتناه      | ٣٠٥٤  |
| ٥٢    | الذاريات | ٥١     | كذلك ما أتى       | ٣٠٥٥  |
| ١١٠   | الصفات   | ٣٧     | كذلك نجزي المضنين | ٣٠٥٦  |
| ١٢    | الحجر    | ١٥     | كذلك نسلكه        | ٣٠٥٧  |
| ١٨    | المرسلات | ٧٧     | كذلك نعمل         | ٣٠٥٨  |
| ٩٩    | طه       | ٢٠     | كذلك نقص عليك     | ٣٠٥٩  |
| ٥٩    | الشعراء  | ٢٦     | كذلك وأورثناها    | ٣٠٦٠  |
| ٢٨    | الدخان   | ٤٤     | كذلك وأورثناها    | ٣٠٦١  |
| ٥٤    | الدخان   | ٤٤     | كذلك وزوجناهم     | ٣٠٦٢  |
| ٩١    | الكهف    | ١٨     | كذلك وقد أخطأنا   | ٣٠٦٣  |
| ٦٣    | غافر     | ٤٠     | كذلك يؤفك         | ٣٠٦٤  |
| ٢٤٢   | البقرة   | ٢      | كذلك يبين الله    | ٣٠٦٥  |
| ٥٩    | الروم    | ٣٠     | كذلك يطبع الله    | ٣٠٦٦  |
| ٣     | الشورى   | ٤٢     | كذلك يوحى إليك    | ٣٠٦٧  |
| ١٦    | عبس      | ٨٠     | كرام بررة         | ٣٠٦٨  |
| ١١    | الإفطار  | ٨٢     | كراما كاتيين      | ٣٠٦٩  |
| ٤٦    | الدخان   | ٤٤     | كغلي الحميم       | ٣٠٧٠  |
| ٩٣    | آل عمران | ٣      | كل الطعام         | ٣٠٧١  |
| ٣٨    | الإسراء  | ١٧     | كل ذلك            | ٣٠٧٢  |
| ٢٦    | الرحمن   | ٥٥     | كل من             | ٣٠٧٣  |
| ٣٨    | المدثر   | ٧٤     | كل نفس            | ٣٠٧٤  |
| ٥٧    | العنكبوت | ٢٩     | كل نفس            | ٣٠٧٥  |
| ١٨٥   | آل عمران | ٣      | كل نفس            | ٣٠٧٦  |
| ٣٥    | الأنبياء | ٢١     | كل نفس            | ٣٠٧٧  |
| ٢٦    | القيامة  | ٧٥     | كلأ إذا بلغت      | ٣٠٧٨  |
| ٢١    | الفجر    | ٨٩     | كلأ إذا دكت       | ٣٠٧٩  |
| ٦     | العلق    | ٩٦     | كلأ إن الإنسان    | ٣٠٨٠  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد               | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية              | عام   |
| ٤٦    | النازعات | ٧٩     | كانهم يوم يرونها   | ٣٠١٩  |
| ٥٨    | الرحمن   | ٥٥     | كانهن الياقوت      | ٣٠٢٠  |
| ٤٩    | الصفات   | ٣٧     | كانهن بيض          | ٣٠٢١  |
| ٣     | الصف     | ٦١     | كبر مقنا           | ٣٠٢٢  |
| ٢     | الأعراف  | ٧      | كتاب أنزل إليك     | ٣٠٢٣  |
| ٢٩    | ص        | ٣٨     | كتاب أنزلناه إليك  | ٣٠٢٤  |
| ٣     | فصلت     | ٤١     | كتاب فصلت آياته    | ٣٠٢٥  |
| ٩     | المطففين | ٨٣     | كتاب مرفوم         | ٣٠٢٦  |
| ٢٠    | المطففين | ٨٣     | كتاب مرفوم         | ٣٠٢٧  |
| ٢١    | المجادلة | ٥٨     | كتب الله لأعنين    | ٣٠٢٨  |
| ٢١٦   | البقرة   | ٢      | كتب عليكم القتال   | ٣٠٢٩  |
| ١٨٠   | البقرة   | ٢      | كتب عليكم إذا حضر  | ٣٠٣٠  |
| ٤     | الحج     | ٢٢     | كتب عليه           | ٣٠٣١  |
| ٥٤    | الأنفال  | ٨      | كذاب آل فرعون      | ٣٠٣٢  |
| ١١    | آل عمران | ٣      | كذاب آل فرعون      | ٣٠٣٣  |
| ٥٢    | الأنفال  | ٨      | كذاب آل فرعون      | ٣٠٣٤  |
| ٢٥    | الزمر    | ٣٩     | كذب الذين من قبلهم | ٣٠٣٥  |
| ١٧٦   | الشعراء  | ٢٦     | كذب أصحاب الأيكة   | ٣٠٣٦  |
| ١٤١   | الشعراء  | ٢٦     | كذبت ثمود          | ٣٠٣٧  |
| ٢٣    | القمر    | ٥٤     | كذبت ثمود          | ٣٠٣٨  |
| ١١    | الشمس    | ٩١     | كذبت ثمود          | ٣٠٣٩  |
| ٤     | الحاقة   | ٦٩     | كذبت ثمود          | ٣٠٤٠  |
| ١٢٣   | الشعراء  | ٢٦     | كذبت عاد           | ٣٠٤١  |
| ١٨    | القمر    | ٥٤     | كذبت عاد           | ٣٠٤٢  |
| ٩     | القمر    | ٥٤     | كذبت قبلهم قوم نوح | ٣٠٤٣  |
| ٥     | غافر     | ٤٠     | كذبت قبلهم قوم نوح | ٣٠٤٤  |
| ١٢    | ق        | ٥٠     | كذبت قبلهم قوم نوح | ٣٠٤٥  |
| ١٢    | ص        | ٣٨     | كذبت قبلهم قوم نوح | ٣٠٤٦  |
| ١٦٠   | الشعراء  | ٢٦     | كذبت قوم لوط       | ٣٠٤٧  |
| ٣٣    | القمر    | ٥٤     | كذبت قوم لوط       | ٣٠٤٨  |
| ١٠٥   | الشعراء  | ٢٦     | كذبت قوم نوح       | ٣٠٤٩  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                              | عام   |
| ٤٣    | المرسلات | ٧٧     | كَلُوا وَاشْرَبُوا                 | ٣١١٢  |
| ٤٦    | المرسلات | ٧٧     | كَلُوا وَتَمَتَّعُوا               | ٣١١٣  |
| ٣     | ص        | ٣٨     | كَمْ أَهْلَكْنَا                   | ٣١١٤  |
| ٢٥    | الدخان   | ٤٤     | كَمْ تَرَكُوا                      | ٣١١٥  |
| ٥     | الأنفال  | ٨      | كَمَا أَخْرَجَكَ رَبُّكَ           | ٣١١٦  |
| ١٥١   | البقرة   | ٢      | كَمَا أَرْسَلْنَا                  | ٣١١٧  |
| ٩٠    | الحجر    | ١٥     | كَمَا أَنْزَلْنَا                  | ٣١١٨  |
| ١٥    | الحشر    | ٥٩     | كَمَثَلِ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ | ٣١١٩  |
| ١٦    | الحشر    | ٥٩     | كَمَثَلِ الشَّيْطَانِ              | ٣١٢٠  |
| ١١٠   | آل عمران | ٣      | كُنْتُمْ خَيْرَ أُمَّةٍ            | ٣١٢١  |
| ١     | مريم     | ١٩     | كِهِيْصَ                           | ٣١٢٢  |
| ٣٣    | طه       | ٢٠     | كَيْ سُبِّحَكَ كَثِيرًا            | ٣١٢٣  |
| ٢٨    | البقرة   | ٢      | كَيْفَ تَكْفُرُونَ بِاللَّهِ       | ٣١٢٤  |
| ٨     | التوبة   | ٩      | كَيْفَ وَإِنْ يَظْهَرُوا           | ٣١٢٥  |
| ٧     | التوبة   | ٩      | كَيْفَ يَكُونُ لِلْمُشْرِكِينَ     | ٣١٢٦  |
| ٨٦    | آل عمران | ٣      | كَيْفَ يَهْدِي اللَّهُ قَوْمًا     | ٣١٢٧  |

(٢٣) آيات تبدأ بحرف اللام

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ٢٩    | الحديد   | ٥٧     | لَئِنَّا يَعْلَمُ          | ٣١٢٨  |
| ١٢    | الحشر    | ٥٩     | لَئِن أَخْرَجُوا           | ٣١٢٩  |
| ٢٨    | المائدة  | ٥      | لَئِن بَسَطْتَ             | ٣١٣٠  |
| ٦٠    | الأحزاب  | ٣٣     | لَئِن لَّمْ يَنْتَهِ       | ٣١٣١  |
| ٤٠    | يس       | ٣٦     | لَا الشَّمْسُ              | ٣١٣٢  |
| ٢     | الكافرون | ١٠٩    | لَا أُعْبَدُ               | ٣١٣٣  |
| ١     | البلد    | ٩٠     | لَا أَقْسِمُ               | ٣١٣٤  |
| ١     | القيامة  | ٧٥     | لَا أَقْسِمُ               | ٣١٣٥  |
| ٢٥٦   | البقرة   | ٢      | لَا إِكْرَاهَ فِي الدِّينِ | ٣١٣٦  |
| ٨     | الدخان   | ٤٤     | لَا إِلَهَ إِلَّا هُوَ     | ٣١٣٧  |
| ٤٤    | الواقعة  | ٥٦     | لَا بَارِدَ وَلَا كَرِيمٍ  | ٣١٣٨  |
| ٢٨    | المدثر   | ٧٤     | لَا تَبْقَى وَلَا تَذَرُ   | ٣١٣٩  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ١٨    | المطففين | ٨٣     | كَلَّا إِنَّ كِتَابَ        | ٣٠    |
| ٧     | المطففين | ٨٣     | كَلَّا إِنَّ كِتَابَ        | ٣٠    |
| ٣٩    | المعارج  | ٧٠     | كَلَّا إِنَّا خَلَقْنَاهُمْ | ٣٠    |
| ٥٤    | المدثر   | ٧٤     | كَلَّا إِنَّهُ              | ٣٠    |
| ١٦    | المدثر   | ٧٤     | كَلَّا إِنَّهُ              | ٣٠    |
| ١١    | عبس      | ٨٠     | كَلَّا إِنَّهَا             | ٣٠    |
| ١٥    | المعارج  | ٧٠     | كَلَّا إِنَّهَا             | ٣٠    |
| ١٥    | المطففين | ٨٣     | كَلَّا إِنَّهُمْ            | ٣٠    |
| ٢٠    | القيامة  | ٧٥     | كَلَّا بَلْ                 | ٣٠    |
| ٩     | الإفطار  | ٨٢     | كَلَّا بَلْ                 | ٣٠    |
| ١٤    | المطففين | ٨٣     | كَلَّا بَلْ                 | ٣٠    |
| ١٧    | الفجر    | ٨٩     | كَلَّا بَلْ                 | ٣٠    |
| ٥٣    | المدثر   | ٧٤     | كَلَّا بَلْ                 | ٣٠    |
| ٧٩    | مريم     | ١٩     | كَلَّا سَتَكُنَّ بِ         | ٣٠    |
| ٣     | التكاثر  | ١٠٢    | كَلَّا سَوْفَ               | ٣٠    |
| ٤     | النبا    | ٧٨     | كَلَّا سَيَعْلَمُونَ        | ٣٠    |
| ٨٢    | مريم     | ١٩     | كَلَّا سَيَكْفُرُونَ        | ٣٠    |
| ١٥    | العلق    | ٩٦     | كَلَّا لَئِن لَّمْ          | ٣٠    |
| ١٩    | العلق    | ٩٦     | كَلَّا لَا تُطْعَمُهُ       | ٣٠    |
| ١١    | القيامة  | ٧٥     | كَلَّا لَا وَزَرَ           | ٣١    |
| ٢٣    | عبس      | ٨٠     | كَلَّا لَمَّا يَقْضِ        | ٣١    |
| ٥     | التكاثر  | ١٠٢    | كَلَّا لَوْ تَعْلَمُونَ     | ٣١    |
| ٤     | الهمزة   | ١٠٤    | كَلَّا لَيَنْبِتْنَ         | ٣١    |
| ٢٠    | الإسراء  | ١٧     | كَلَّا لَمِذَّ هَوْلَاءَ    | ٣١    |
| ٣٢    | المدثر   | ٧٤     | كَلَّا وَالْقَمَرِ          | ٣١    |
| ٣٣    | الكهف    | ١٨     | كَلْنَا الْجَنَّتَيْنِ      | ٣١    |
| ٢٢    | الحج     | ٢٢     | كَلَّمَا أَرَادُوا          | ٣١    |
| ٨١    | طه       | ٢٠     | كَلُوا مِنْ طَيِّبَاتِ      | ٣١    |
| ٥٤    | طه       | ٢٠     | كَلُوا وَارْعَوْا           | ٣١    |
| ٢٤    | الحاقة   | ٦٩     | كَلُوا وَاشْرَبُوا          | ٣١١   |
| ١٩    | الطور    | ٥٢     | كَلُوا وَاشْرَبُوا          | ٣١١   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                 | عام   |
| ٣٧    | الحاقة   | ٦٩    | لا يَأْكُلُهُ       | ٣١٧١  |
| ٢٨    | آل عمران | ٣     | لا يَتَّخِذِ        | ٣١٧٢  |
| ١٤٨   | النساء   | ٤     | لا يُحِبُّ اللَّهُ  | ٣١٧٣  |
| ١٠٣   | الأنبياء | ٢١    | لا يَخْرُتُهُمْ     | ٣١٧٤  |
| ٥٢    | الأحزاب  | ٣٣    | لا يَحِلُّ لَكَ     | ٣١٧٥  |
| ٥٦    | الدخان   | ٤٤    | لا يَتُوفُونَ       | ٣١٧٦  |
| ٢٤    | النبأ    | ٧٨    | لا يَتُوفُونَ       | ٣١٧٧  |
| ١٠    | التوبة   | ٩     | لا يَرْقُبُونَ      | ٣١٧٨  |
| ١١٠   | التوبة   | ٩     | لا يَزَالُ          | ٣١٧٩  |
| ٢٣    | الأنبياء | ٢١    | لا يُسْأَلُ         | ٣١٨٠  |
| ٤٩    | فصلت     | ٤١    | لا يَسْأَمُ         | ٣١٨١  |
| ٢٧    | الأنبياء | ٢١    | لا يَسْتَفِيئُونَ   | ٣١٨٢  |
| ٤٤    | التوبة   | ٩     | لا يَسْتَنْبِذُكَ   | ٣١٨٣  |
| ٧٥    | يس       | ٣٦    | لا يَسْتَطِيعُونَ   | ٣١٨٤  |
| ٩٥    | النساء   | ٤     | لا يَسْتَوِي        | ٣١٨٥  |
| ٢٠    | الحشر    | ٥٩    | لا يَسْتَوِي        | ٣١٨٦  |
| ٨     | الصافات  | ٣٧    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٨٧  |
| ١٠٢   | الأنبياء | ٢١    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٨٨  |
| ٦٢    | مريم     | ١٩    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٨٩  |
| ٢٥    | الواقعة  | ٥٦    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٩٠  |
| ٣٥    | النبأ    | ٧٨    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٩١  |
| ٧     | الغاشية  | ٨٨    | لا يَسْمَعُونَ      | ٣١٩٢  |
| ١٩    | الواقعة  | ٥٦    | لا يَصْدَعُونَ      | ٣١٩٣  |
| ١٥    | الليل    | ٩٢    | لا يَصْلَاهَا       | ٣١٩٤  |
| ١٩٦   | آل عمران | ٣     | لا يَطْرُقُكَ       | ٣١٩٥  |
| ٧٥    | الزخرف   | ٤٣    | لا يَفْتَرُ         | ٣١٩٦  |
| ١٤    | الحشر    | ٥٩    | لا يَقَاتِلُونَكُمْ | ٣١٩٧  |
| ٢٨٦   | البقرة   | ٢     | لا يَكْفُلُ اللَّهُ | ٣١٩٨  |
| ٧٩    | الواقعة  | ٥٦    | لا يَمْسُهُ         | ٣١٩٩  |
| ٤٨    | الحجر    | ١٥    | لا يَمْسُهُمْ       | ٣٢٠٠  |
| ٨٧    | مريم     | ١٩    | لا يَمْلِكُونَ      | ٣٢٠١  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                        | عام   |
| ٦٥    | المؤمنون | ٢٣    | لا تَجَارُوا الْيَوْمَ     | ٣١٤٠  |
| ٢٢    | المجادلة | ٥٨    | لا تَجِدُ قَوْمًا          | ٣١٤١  |
| ٢٢    | الإسراء  | ١٧    | لا تَجْعَلْ                | ٣١٤٢  |
| ٦٣    | النور    | ٢٤    | لا تَجْعَلُوا              | ٣١٤٣  |
| ١٦    | القيامة  | ٧٥    | لا تُحْرِكْ                | ٣١٤٤  |
| ٥٧    | النور    | ٢٤    | لا تُحْسِنَنَّ             | ٣١٤٥  |
| ١٨٨   | آل عمران | ٣     | لا تُحْسِنَنَّ             | ٣١٤٦  |
| ١٠٣   | الأنعام  | ٦     | لا تُدْرِكُهُ الْأَبْصَارُ | ٣١٤٧  |
| ١٤    | الفرقان  | ٢٥    | لا تُدْعُوا                | ٣١٤٨  |
| ١٣    | الأنبياء | ٢١    | لا تُرْكُضُوا              | ٣١٤٩  |
| ١٠٧   | طه       | ٢٠    | لا تُرَى                   | ٣١٥٠  |
| ١١    | الغاشية  | ٨٨    | لا تُسْمَعُ                | ٣١٥١  |
| ٦٦    | التوبة   | ٩     | لا تُعْتَذِرُوا            | ٣١٥٢  |
| ١٠٨   | التوبة   | ٩     | لا تُعْمَ                  | ٣١٥٣  |
| ٨٨    | الحجر    | ١٥    | لا تُعْمَدَنَّ عَيْنُكَ    | ٣١٥٤  |
| ٢٣    | النحل    | ١٦    | لا جَرَمَ أَنْ             | ٣١٥٥  |
| ٤٣    | غافر     | ٤٠    | لا جَرَمَ أَلَمًا          | ٣١٥٦  |
| ٢٢    | هود      | ١١    | لا جَرَمَ أَلَهُمْ         | ٣١٥٧  |
| ١٠٩   | النحل    | ١٦    | لا جَرَمَ أَلَهُمْ         | ٣١٥٨  |
| ٢٣٦   | البقرة   | ٢     | لا جُنَاحَ عَلَيْكُمْ      | ٣١٥٩  |
| ٥٥    | الأحزاب  | ٣٣    | لا جُنَاحَ عَلَيْهِنَّ     | ٣١٦٠  |
| ١١٤   | النساء   | ٤     | لا خَيْرَ فِي              | ٣١٦١  |
| ١٦٣   | الأنعام  | ٦     | لا شَرِيكَ لَهُ            | ٣١٦٢  |
| ٣١    | المرسلات | ٧٧    | لا ظَلِيلٍ                 | ٣١٦٣  |
| ٤٧    | الصافات  | ٣٧    | لا فِيهَا حَوْلٌ           | ٣١٦٤  |
| ٣٣    | الواقعة  | ٥٦    | لا مَقْطُوعَةٍ             | ٣١٦٥  |
| ٨٩    | المائدة  | ٥     | لا يُؤَاخِذُكُمْ           | ٣١٦٦  |
| ٢٢٥   | البقرة   | ٢     | لا يُؤَاخِذُكُمْ           | ٣١٦٧  |
| ٢٠١   | الشعراء  | ٢٦    | لا يُؤْمِنُونَ             | ٣١٦٨  |
| ١٣    | الحجر    | ١٥    | لا يُؤْمِنُونَ             | ٣١٦٩  |
| ٤٢    | فصلت     | ٤١    | لا يَأْتِيهِ الْبَاطِلُ    | ٣١٧٠  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                 |       |
| ٩٤    | مريم     | ١٩    | لقد أحصاهم          | ٣٢٣٣  |
| ٧٠    | المائدة  | ٥     | لقد أخذنا           | ٣٢٣٤  |
| ٢٥    | الحديد   | ٥٧    | لقد أرسلنا رسلنا    | ٣٢٣٥  |
| ٥٩    | الأعراف  | ٧     | لقد أرسلنا نوحا     | ٣٢٣٦  |
| ٢٩    | الفرقان  | ٢٥    | لقد أضلني           | ٣٢٣٧  |
| ٤٦    | النور    | ٢٤    | لقد أنزلنا آيات     | ٣٢٣٨  |
| ١٠    | الأنبياء | ٢١    | لقد أنزلنا إليكم    | ٣٢٣٩  |
| ١١٧   | التوبة   | ٩     | لقد تاب الله        | ٣٢٤٠  |
| ٨٩    | مريم     | ١٩    | لقد جنم             | ٣٢٤١  |
| ٧٨    | الزخرف   | ٤٣    | لقد جنناكم بالحق    | ٣٢٤٢  |
| ١٢٨   | التوبة   | ٩     | لقد جاءكم رسول      | ٣٢٤٣  |
| ٧     | يس       | ٣٦    | لقد حق القول        | ٣٢٤٤  |
| ٤     | التين    | ٩٥    | لقد خلقنا الإنسان   | ٣٢٤٥  |
| ٤     | البلد    | ٩٠    | لقد خلقنا الإنسان   | ٣٢٤٦  |
| ١٨    | النجم    | ٥٣    | لقد رأى             | ٣٢٤٧  |
| ١٨    | الفتح    | ٤٨    | لقد رضي الله        | ٣٢٤٨  |
| ١٨١   | آل عمران | ٣     | لقد سمع الله        | ٣٢٤٩  |
| ٢٧    | الفتح    | ٤٨    | لقد صدق الله        | ٣٢٥٠  |
| ١١١   | يوسف     | ١٢    | لقد كان في قصصهم    | ٣٢٥١  |
| ٧     | يوسف     | ١٢    | لقد كان في يوسف     | ٣٢٥٢  |
| ١٥    | سبا      | ٣٤    | لقد كان لسبا        | ٣٢٥٣  |
| ٢١    | الأحزاب  | ٣٣    | لقد كان لكم         | ٣٢٥٤  |
| ٦     | المتحنة  | ٦٠    | لقد كان لكم         | ٣٢٥٥  |
| ٧٣    | المائدة  | ٥     | لقد كفر الذين قالوا | ٣٢٥٦  |
| ١٧    | المائدة  | ٥     | لقد كفر الذين قالوا | ٣٢٥٧  |
| ٧٢    | المائدة  | ٥     | لقد كفر الذين قالوا | ٣٢٥٨  |
| ٢٢    | ق        | ٥٠    | لقد كنت في غفلة     | ٣٢٥٩  |
| ١٦٤   | آل عمران | ٣     | لقد من الله         | ٣٢٦٠  |
| ٢٥    | التوبة   | ٩     | لقد نصركم الله      | ٣٢٦١  |
| ٨٣    | المؤمنون | ٢٣    | لقد وعدنا نحن       | ٣٢٦٢  |
| ٦٨    | النمل    | ٢٧    | لقد وعدنا هذا نحن   | ٣٢٦٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد               | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                |       |
| ٨     | المتحنة  | ٦٠    | لا ينهاكم الله     | ٣٢    |
| ٢٣    | النبا    | ٧٨    | لا يبين فيها       | ٣٢    |
| ٣     | الأنبياء | ٢١    | لا هيبة قلوبهم     | ٣٢    |
| ٥٢    | الواقعة  | ٥٦    | لا يكون من شجر     | ٣٢    |
| ٤٥    | الحاقة   | ٦٩    | لاخذنا منه         | ٣٢    |
| ٣٨    | الواقعة  | ٥٦    | لاصحاب اليمين      | ٣٢    |
| ٢١    | النمل    | ٢٧    | لاعدبته عذابا      | ٣٢    |
| ١٢٤   | الأعراف  | ٧     | لاقطعن ايديكم      | ٣٢    |
| ٨٥    | ص        | ٣٨    | لاملن جهنم         | ٣٢    |
| ١٣    | الحشر    | ٥٩    | لانتم اشد رهبة     | ٣٢    |
| ١٢    | المرسلات | ٧٧    | لاي يوم            | ٣٢    |
| ١     | قريش     | ١٠٦   | لايلاف قريش        | ٣٢    |
| ٩     | الفتح    | ٤٨    | لاؤمنوا بالله      | ٣٢    |
| ١٨٦   | آل عمران | ٣     | لاثبون في اموالكم  | ٣٢    |
| ٨٢    | المائدة  | ٥     | لايجزن اشد الناس   | ٣٢    |
| ١٩    | الانشقاق | ٨٤    | لاتركبن طبقا       | ٣٢    |
| ٦     | التكاثر  | ١٠٢   | لازرون الجحيم      | ٣٢    |
| ١٣    | الزخرف   | ٤٣    | لاستنوا على ظهوره  | ٣٢    |
| ٢٠    | نوح      | ٧١    | لاسلكوا منها       | ٣٢    |
| ٦     | يس       | ٣٦    | لاتنذر قوما        | ٣٢    |
| ٥٧    | غافر     | ٤٠    | لاخلق السموات      | ٣٢    |
| ٢٢    | الغاشية  | ٨٨    | لاست عليهم يمسيطر  | ٣٢    |
| ٩     | الغاشية  | ٨٨    | لاسعيها راضية      | ٣٢    |
| ٣     | الشعراء  | ٢٦    | لاعلك باخع نفسك    | ٣٢    |
| ٤٠    | الشعراء  | ٢٦    | لاعلنا نثبع السخرة | ٣٢    |
| ١٠٠   | المؤمنون | ٢٣    | لاعلي اعمل صالحا   | ٣٢    |
| ٧٢    | الحجر    | ١٥    | لاعمرك انهم        | ٣٢    |
| ٧٨    | المائدة  | ٥     | لاعين الذين كفروا  | ٣٢    |
| ١١٨   | النساء   | ٤     | لاعتة الله         | ٣٢    |
| ١٥    | الحجر    | ١٥    | لاقالوا انما       | ٣٢    |
| ٤٨    | التوبة   | ٩     | لاقد ابتغوا الفتنة | ٣٢    |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                             | عام   |
| ٣     | الإخلاص  | ١١٢   | لَمْ يَلِدْ                     | ٣٢٩٥  |
| ٦١    | الصفات   | ٣٧    | لِيَمِثِلَ هَذَا                | ٣٢٩٦  |
| ٥٠    | الواقعة  | ٥٦    | لَمَجْمُوعُونَ إِلَى            | ٣٢٩٧  |
| ٣٧    | المدثر   | ٧٤٠   | لِمَنْ شَاءَ مِنْكُمْ           | ٣٢٩٨  |
| ٢٨    | التكوير  | ٨١    | لِمَنْ شَاءَ مِنْكُمْ           | ٣٢٩٩  |
| ١٧    | المجادلة | ٥٨    | لَنْ نُفِيَّ عَنْهُمْ           | ٣٣٠٠  |
| ٩٢    | آل عمران | ٣     | لَنْ تَنَالُوا الْبِرَّ         | ٣٣٠١  |
| ٣     | المتحنة  | ٦٠    | لَنْ تَنفَعَكُمْ                | ٣٣٠٢  |
| ١٧٢   | النساء   | ٤     | لَنْ يَسْتَنْفِذَ               | ٣٣٠٣  |
| ١١١   | آل عمران | ٣     | لَنْ يَضُرَّوَكُمْ              | ٣٣٠٤  |
| ٣٧    | الحج     | ٢٢    | لَنْ يَنَالِ اللَّهُ            | ٣٣٠٥  |
| ١٢    | الحاقة   | ٦٩    | لِنَجْعَلَهَا لَكُمْ            | ٣٣٠٦  |
| ٤٩    | الفرقان  | ٢٥    | لِنُخَيِّبَ بِهِ بَلَدَهُ       | ٣٣٠٧  |
| ١٥    | النبا    | ٧٨    | لِنُخْرِجَ بِهِ حَبَابًا        | ٣٣٠٨  |
| ٣٣    | الذاريات | ٥١    | لِنُرْسِلَ عَلَيْهِمْ حِجَابَةً | ٣٣٠٩  |
| ٢٣    | طه       | ٢٠    | لِنُرِيكَ مِنْ آيَاتِنَا        | ٣٣١٠  |
| ١٧    | الجن     | ٧٢    | لِنَقْبَنَّهُمْ فِيهِ           | ٣٣١١  |
| ١٤    | الرعد    | ١٣    | لَهُ دَعْوَةُ الْحَقِّ          | ٣٣١٢  |
| ٦٤    | الحج     | ٢٢    | لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ       | ٣٣١٣  |
| ٦     | طه       | ٢٠    | لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ       | ٣٣١٤  |
| ٤     | الشورى   | ٤٢    | لَهُ مَا فِي السَّمَوَاتِ       | ٣٣١٥  |
| ١١    | الرعد    | ١٣    | لَهُ مَعْقِبَاتٌ                | ٣٣١٦  |
| ٦٣    | الزمر    | ٣٩    | لَهُ مَقَالِيدُ السَّمَوَاتِ    | ٣٣١٧  |
| ١٢    | الشورى   | ٤٢    | لَهُ مَقَالِيدُ السَّمَوَاتِ    | ٣٣١٨  |
| ٥     | الحديد   | ٥٧    | لَهُ مَلَكُ السَّمَوَاتِ        | ٣٣١٩  |
| ٢     | الحديد   | ٥٧    | لَهُ مَلَكُ السَّمَوَاتِ        | ٣٣٢٠  |
| ٤٤    | الحجر    | ١٥    | لَهَا سَبْعَةُ أَبْوَابٍ        | ٣٣٢١  |
| ٦٤    | يونس     | ١٠    | لَهُمُ الْبُشْرَى               | ٣٣٢٢  |
| ١٢٧   | الأنعام  | ٦     | لَهُمْ دَارُ السَّلَامِ         | ٣٣٢٣  |
| ٣٤    | الرعد    | ١٣    | لَهُمْ عَذَابٌ                  | ٣٣٢٤  |
| ١٠٠   | الأنبياء | ٢١    | لَهُمْ فِيهَا زَوْجِيرٌ         | ٣٣٢٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                | عام   |
| ٣٧    | عبس      | ٨٠    | لِكُلِّ أُمَّرٍ مِّنْهُمْ          | ٣٢٦٤  |
| ٦٧    | الحج     | ٢٢    | لِكُلِّ أُمَّةٍ جَعَلْنَا          | ٣٢٦٥  |
| ٦٧    | الأنعام  | ٦     | لِكُلِّ نَبِيٍّ مُّسْتَقَرٌّ       | ٣٢٦٦  |
| ٦     | الكافرون | ١٠٩   | لَكُمْ بَيْنَكُمْ                  | ٣٢٦٧  |
| ٧٣    | الزخرف   | ٤٣    | لَكُمْ فِيهَا فَاكِهَةٌ            | ٣٢٦٨  |
| ٣٣    | الحج     | ٢٢    | لَكُمْ فِيهَا مَنَافِعُ            | ٣٢٦٩  |
| ١٩٨   | آل عمران | ٣     | لَكِنَ الَّذِينَ اتَّقَوْا         | ٣٢٧٠  |
| ٢٠    | الزمر    | ٣٩    | لَكِنَ الَّذِينَ اتَّقَوْا         | ٣٢٧١  |
| ١٦٢   | النساء   | ٤     | لَكِنَ الرَّاسِخُونَ               | ٣٢٧٢  |
| ٨٨    | التوبة   | ٩     | لَكِنَ الرَّسُولُ                  | ٣٢٧٣  |
| ١٦٦   | النساء   | ٤     | لَكِنَ اللَّهُ يَنْهَدُ            | ٣٢٧٤  |
| ١٦٩   | الصفات   | ٣٧    | لَكُنَّا عِبَادَ اللَّهِ           | ٣٢٧٥  |
| ٣٨    | الكهف    | ١٨    | لَكُنَّا هُوَ اللَّهُ              | ٣٢٧٦  |
| ٢٣    | الحديد   | ٥٧    | لَكَيْلًا تَأْسَوْا                | ٣٢٧٧  |
| ١٤٤   | الصفات   | ٣٧    | لَلْبَيْتِ فِي بَطْنِهِ            | ٣٢٧٨  |
| ١٨    | الرعد    | ١٣    | لِلَّذِينَ اسْتَجَابُوا            | ٣٢٧٩  |
| ٢٦    | يونس     | ١٠    | لِلَّذِينَ أَحْسَنُوا              | ٣٢٨٠  |
| ٦٠    | التحل    | ١٦    | لِلَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ         | ٣٢٨١  |
| ٢٢٦   | البقرة   | ٢     | لِلَّذِينَ يُؤَلُّونَ              | ٣٢٨٢  |
| ٧     | النساء   | ٤     | لِلرِّجَالِ نَصِيبٌ                | ٣٢٨٣  |
| ٢٥    | المعارج  | ٧٠    | لِلسَّائِلِ وَالْمَحْرُومِ         | ٣٢٨٤  |
| ٢٢    | النبا    | ٧٨    | لِلطَّاعِينَ مَا بَا               | ٣٢٨٥  |
| ٢٧٣   | البقرة   | ٢     | لِلْفُقَرَاءِ الَّذِينَ أَحْضَرُوا | ٣٢٨٦  |
| ٨     | الحشر    | ٥٩    | لِلْفُقَرَاءِ الْمُهَاجِرِينَ      | ٣٢٨٧  |
| ٢     | المعارج  | ٧٠    | لِلْكَافِرِينَ لَيْسَ لَهُ دَافِعٌ | ٣٢٨٨  |
| ٢٦    | لقمان    | ٣١    | لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ       | ٣٢٨٩  |
| ٢٨٤   | البقرة   | ٢     | لِلَّهِ مَا فِي السَّمَوَاتِ       | ٣٢٩٠  |
| ١٢٠   | المائدة  | ٥     | لِلَّهِ مَلَكُ السَّمَوَاتِ        | ٣٢٩١  |
| ٤٩    | الشورى   | ٤٢    | لِلَّهِ مَلَكُ السَّمَوَاتِ        | ٣٢٩٢  |
| ٧٤    | الرحمن   | ٥٥    | لَمْ يَطْمِئِنُّنَّ                | ٣٢٩٣  |
| ١     | البينة   | ٩٨    | لَمْ يَكُنَ الَّذِينَ كَفَرُوا     | ٣٢٩٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                    |       |
| ٣٨    | النور    | ٢٤    | لِيَجْزِيَهُمُ اللَّهُ                 | ٣٣٥٧  |
| ٥٣    | الحج     | ٢٢    | لِيَجْعَلَ مَا يُلْقِي<br>الشَّيْطَانُ | ٣٣٥٨  |
| ٨     | الأنفال  | ٨     | لِيُحَقِّقَ الْحَقَّ                   | ٣٣٥٩  |
| ٢٥    | النحل    | ١٦    | لِيَحْمِلُوا أَوْزَارَهُمْ             | ٣٣٦٠  |
| ٥     | الفتح    | ٤٨    | لِيُدْخِلَ الْمُؤْمِنِينَ              | ٣٣٦١  |
| ٥٩    | الحج     | ٢٢    | لِيُدْخِلَهُمْ مُدْخَلَ                | ٣٣٦٢  |
| ١٧٧   | البقرة   | ٢     | لَيْسَ الْبِرُّ                        | ٣٣٦٣  |
| ١٢٣   | النساء   | ٤     | لَيْسَ بِأَمَاتِيكُمْ                  | ٣٣٦٤  |
| ٦١    | النور    | ٢٤    | لَيْسَ عَلَى الْأَعْمَى<br>حَرَجٌ      | ٣٣٦٥  |
| ١٧    | الفتح    | ٤٨    | لَيْسَ عَلَى الْأَعْمَى<br>حَرَجٌ      | ٣٣٦٦  |
| ٩٣    | المائدة  | ٥     | لَيْسَ عَلَى الَّذِينَ آمَنُوا         | ٣٣٦٧  |
| ٩١    | التوبة   | ٩     | لَيْسَ عَلَى الضَّعَفَاءِ              | ٣٣٦٨  |
| ٢٧٢   | البقرة   | ٢     | لَيْسَ عَلَيْكَ هُدَاهُمْ              | ٣٣٦٩  |
| ١٩٨   | البقرة   | ٢     | لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ              | ٣٣٧٠  |
| ٢٩    | النور    | ٢٤    | لَيْسَ عَلَيْكُمْ جُنَاحٌ              | ٣٣٧١  |
| ١٢٨   | آل عمران | ٣     | لَيْسَ لَكَ                            | ٣٣٧٢  |
| ٥٨    | النجم    | ٥٣    | لَيْسَ لَهَا                           | ٣٣٧٣  |
| ٦     | الغاشية  | ٨٨    | لَيْسَ لَهُمْ                          | ٣٣٧٤  |
| ٢     | الواقعة  | ٥٦    | لَيْسَ لَوْعَتِهَا كَأَذِيَّةٍ         | ٣٣٧٥  |
| ٨     | الأحزاب  | ٣٣    | لَيْسَالِ الصَّادِقِينَ                | ٣٣٧٦  |
| ١١٣   | آل عمران | ٣     | لَيْسُوا سَوَاءً                       | ٣٣٧٧  |
| ٢٨    | الحج     | ٢٢    | لَيْسَنَهْدُوا مَنَافِعَ               | ٣٣٧٨  |
| ٧٣    | الأحزاب  | ٣٣    | لِيُعَذِّبَ اللَّهُ الْمُنَافِقِينَ    | ٣٣٧٩  |
| ٢٨    | الجن     | ٧٢    | لِيَعْلَمَ أَنْ قَدْ أَبْلَغُوا        | ٣٣٨٠  |
| ٢     | الفتح    | ٤٨    | لِيَغْفِرَ لَكَ اللَّهُ                | ٣٣٨١  |
| ١٢٧   | آل عمران | ٣     | لِيَقْطَعَ طَرَفًا                     | ٣٣٨٢  |
| ٣٥    | الزمر    | ٣٩    | لِيُكَفِّرَ اللَّهُ                    | ٣٣٨٣  |
| ٥٥    | النحل    | ١٦    | لِيُكَفِّرُوا بِمَا آتَيْنَاهُمْ       | ٣٣٨٤  |
| ٣٤    | الروم    | ٣٠    | لِيُكَفِّرُوا بِمَا آتَيْنَاهُمْ       | ٣٣٨٥  |
| ٦٦    | العنكبوت | ٢٩    | لِيُكَفِّرُوا بِمَا آتَيْنَاهُمْ       | ٣٣٨٦  |
| ٣     | القدر    | ٩٧    | لَيْلَةَ الْقَدْرِ خَيْرٌ              | ٣٣٨٧  |

| لسل | شاهد                                 | رقم    | السورة   | رقم |
|-----|--------------------------------------|--------|----------|-----|
| نام | الآية                                | السورة | الآية    |     |
| ٣٣  | لَهُمْ فِيهَا فَاكِهَةٌ              | ٣٦     | يس       | ٥٧  |
| ٣٣  | لَهُمْ فِيهَا مَا يَشَاءُونَ         | ٢٥     | الفرقان  | ١٦  |
| ٣٣  | لَهُمْ مَا يَشَاءُونَ                | ٣٩     | الزمر    | ٣٤  |
| ٣٣  | لَهُمْ مَا يَشَاءُونَ                | ٥٠     | ق        | ٣٥  |
| ٣٣  | لَهُمْ مَنْ جَهَنَّمَ مِهَادًا       | ٧      | الأعراف  | ٤١  |
| ٣٣  | لَهُمْ مَنْ قَوْفِهِمْ ظِلٌّ         | ٣٩     | الزمر    | ١٦  |
| ٣٣  | لَوْ أَرَادَ اللَّهُ                 | ٣٩     | الزمر    | ٤   |
| ٣٣  | لَوْ أَرَدْنَا                       | ٢١     | الأنبياء | ١٧  |
| ٣٣  | لَوْ أَنْ عِنْدَنَا                  | ٣٧     | الصفات   | ١٦٨ |
| ٣٣  | لَوْ أَنْزَلْنَا                     | ٥٩     | الحشر    | ٢١  |
| ٣٣  | لَوْ خَرَجُوا فِئَكُم                | ٩      | التوبة   | ٤٧  |
| ٣٣  | لَوْ كَانَ عَرَضًا                   | ٩      | التوبة   | ٤٢  |
| ٣٣  | لَوْ كَانَ فِيهِمَا آلِهَةٌ          | ٢١     | الأنبياء | ٢٢  |
| ٣٣  | لَوْ كَانَ هُوَآءِ آلِهَةٍ           | ٢١     | الأنبياء | ٩٩  |
| ٣٣  | لَوْ مَا تَأْتِينَا بِالْمَلَائِكَةِ | ١٥     | الحجر    | ٧   |
| ٣٣  | لَوْ نَشَاءُ جَعَلْنَاهُ             | ٥٦     | الواقعة  | ٧٠  |
| ٣٣  | لَوْ نَشَاءُ لَجَعَلْنَاهُ           | ٥٦     | الواقعة  | ٦٥  |
| ٣٣  | لَوْ يَجِدُونَ مَلَجًا               | ٩      | التوبة   | ٥٧  |
| ٣٣  | لَوْ يَعْلَمُ الَّذِينَ كَفَرُوا     | ٢١     | الأنبياء | ٣٩  |
| ٣٣  | لَوْأَحَى لِلْبَشَرِ                 | ٧٤     | المدثر   | ٢٩  |
| ٣٣  | لَوْأَنْ تَدَارَكُهُ                 | ٦٨     | القلم    | ٤٩  |
| ٣٣  | لَوْأَنْ إِذْ سَمِعْتُمُوهُ          | ٢٤     | النور    | ١٢  |
| ٣٣  | لَوْأَنْ جَاءُوا عَلَيْهِ            | ٢٤     | النور    | ١٣  |
| ٣٣  | لَوْأَنْ كِتَابٌ مِّنَ اللَّهِ       | ٨      | الأنفال  | ٦٨  |
| ٣٣  | لَوْأَنْ يَنْهَاهُمْ                 | ٥      | المائدة  | ٦٣  |
| ٣٣  | لِيَأْكُلُوا مِنْ ثَمَرِهِ           | ٣٦     | يس       | ٣٥  |
| ٣٣  | لِيُبَيِّنَ لَهُمْ                   | ١٦     | النحل    | ٣٩  |
| ٣٣  | لِيَجْزِيَ الَّذِينَ آمَنُوا         | ٣٤     | سبا      | ٤   |
| ٣٣  | لِيَجْزِيَ الَّذِينَ آمَنُوا         | ٣٠     | الروم    | ٤٥  |
| ٣٣  | لِيَجْزِيَ اللَّهُ الصَّادِقِينَ     | ٣٣     | الأحزاب  | ٢٤  |
| ٣٣  | لِيَجْزِيَ اللَّهُ كُلَّ نَفْسٍ      | ١٤     | إبراهيم  | ٥١  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-----|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                           | عام   |
| ٤     | الأحزاب  | ٣٣  | مَا جَعَلَ اللَّهُ              | ٣٤١٦  |
| ١٠٣   | المائدة  | ٥   | مَا جَعَلَ اللَّهُ              | ٣٤١٧  |
| ٢٨    | لقمان    | ٣١  | مَا خَلَقَكُمْ                  | ٣٤١٨  |
| ٣     | الأحقاف  | ٤٦  | مَا خَلَقْنَا                   | ٣٤١٩  |
| ٣٩    | الدخان   | ٤٤  | مَا خَلَقْنَاهَا                | ٣٤٢٠  |
| ١٧    | النجم    | ٥٣  | مَا زَاغَ الْبَصَرُ             | ٣٤٢١  |
| ٤٢    | المدثر   | ٧٤  | مَا سَأَلَكُمْ                  | ٣٤٢٢  |
| ٧     | ص        | ٣٨  | مَا سَمِعْنَا                   | ٣٤٢٣  |
| ٢     | النجم    | ٥٣  | مَا ضَلَّ صَاحِبِكُمْ           | ٣٤٢٤  |
| ٩٩    | المائدة  | ٥   | مَا عَلَى الرَّسُولِ            | ٣٤٢٥  |
| ٩٦    | النحل    | ١٦  | مَا عِنْدَكُمْ يَنْقَدُ         | ٣٤٢٦  |
| ٧٤    | الحج     | ٢٢  | مَا فَدَرُوا اللَّهَ            | ٣٤٢٧  |
| ٥     | الحشر    | ٥٩  | مَا قَطَعْتُمْ                  | ٣٤٢٨  |
| ١١٧   | المائدة  | ٥   | مَا قُلْتُ لَهُمْ               | ٣٤٢٩  |
| ١٧٩   | آل عمران | ٣   | مَا كَانَ اللَّهُ لِيَذَرَ      | ٣٤٣٠  |
| ٦٧    | آل عمران | ٣   | مَا كَانَ إِبْرَاهِيمَ          | ٣٤٣١  |
| ٣٨    | الأحزاب  | ٣٣  | مَا كَانَ عَلَى النَّبِيِّ      | ٣٤٣٢  |
| ١٢٠   | التوبة   | ٩   | مَا كَانَ لِأَهْلِ الْمَدِينَةِ | ٣٤٣٣  |
| ٧٩    | آل عمران | ٣   | مَا كَانَ لِيُبَشِّرَ           | ٣٤٣٤  |
| ١٧    | التوبة   | ٩   | مَا كَانَ لِلْمُشْرِكِينَ       | ٣٤٣٥  |
| ١١٣   | التوبة   | ٩   | مَا كَانَ لِلنَّبِيِّ           | ٣٤٣٦  |
| ٣٥    | مريم     | ١٩  | مَا كَانَ لِلَّهِ               | ٣٤٣٧  |
| ٦٧    | الأنفال  | ٨   | مَا كَانَ لِلنَّبِيِّ           | ٣٤٣٨  |
| ٦٩    | ص        | ٣٨  | مَا كَانَ لِي                   | ٣٤٣٩  |
| ٤٠    | الأحزاب  | ٣٣  | مَا كَانَ مُحَمَّدٌ             | ٣٤٤٠  |
| ١١    | النجم    | ٥٣  | مَا كَذَّبَ الْفُؤَادُ          | ٣٤٤١  |
| ١٥٤   | الصفافات | ٣٧  | مَا لَكُمْ كَيْفَ               | ٣٤٤٢  |
| ٣٦    | القلم    | ٦٨  | مَا لَكُمْ كَيْفَ               | ٣٤٤٣  |
| ١٣    | نوح      | ٧١  | مَا لَكُمْ لَا                  | ٣٤٤٤  |
| ٢٥    | الصفافات | ٣٧  | مَا لَكُمْ لَا                  | ٣٤٤٥  |
| ٩٢    | الصفافات | ٣٧  | مَا لَكُمْ لَا                  | ٣٤٤٦  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|-----|------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                        | عام   |
| ٣٧    | الأنفال  | ٨   | لِيَمِيزَ اللَّهُ الْخَبِيثَ | ٣٣٨٨  |
| ٧٠    | يس       | ٣٦  | لِيُنذِرَ مَنْ كَانَ حَيًّا  | ٣٣٨٩  |
| ٧     | الطلاق   | ٦٥  | لِيُنْفِقَ ذُو سَعَةٍ        | ٣٣٩٠  |
| ٣٠    | فاطر     | ٣٥  | لِيُوقِيَهُمْ أَجُورَهُمْ    | ٣٣٩١  |
| ١٣    | المرسلات | ٧٧  | لِيَوْمِ الْقِصَلِ           | ٣٣٩٢  |
| ٥     | المطففين | ٨٣  | لِيَوْمٍ عَظِيمٍ             | ٣٣٩٣  |

(٢٤) آيات تبدأ بحرف الميم

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                     | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------|-------|
| الآية | السورة   | السورة | الآية                    | عام   |
| ٩١    | المؤمنون | ٢٣     | مَا اتَّخَذَ اللَّهُ     | ٣٣٩٤  |
| ٢     | الحاقة   | ٦٩     | مَا الْحَاقَّةُ          | ٣٣٩٥  |
| ٢     | القارعة  | ١٠١    | مَا الْقَارِعَةُ         | ٣٣٩٦  |
| ٧٥    | المائدة  | ٥      | مَا الْمَسِيحُ           | ٣٣٩٧  |
| ٦     | الأنبياء | ٢١     | مَا آمَنَتْ              | ٣٣٩٨  |
| ٥٧    | الذاريات | ٥١     | مَا أَرِيدُ              | ٣٣٩٩  |
| ٥١    | الكهف    | ١٨     | مَا أَشْهَدْتُهُمْ       | ٣٤٠٠  |
| ١١    | التقابن  | ٦٤     | مَا أَصَابَ              | ٣٤٠١  |
| ٢٢    | الحديد   | ٥٧     | مَا أَصَابَ              | ٣٤٠٢  |
| ٧٩    | النساء   | ٤      | مَا أَصَابَكَ            | ٣٤٠٣  |
| ٢     | المسد    | ١١١    | مَا أَعْنَى عَنْهُ       | ٣٤٠٤  |
| ٢٠٧   | الشعراء  | ٢٦     | مَا أَعْنَى عَنْهُمْ     | ٣٤٠٥  |
| ٢٨    | الحاقة   | ٦٩     | مَا أَعْنَى عَنِّي       | ٣٤٠٦  |
| ٧     | الحشر    | ٥٩     | مَا أَفَاءَ اللَّهُ      | ٣٤٠٧  |
| ١٥٤   | الشعراء  | ٢٦     | مَا أَنْتَ إِلَّا بَشَرٌ | ٣٤٠٨  |
| ٢     | القلم    | ٦٨     | مَا أَنْتَ بِنِعْمَةِ    | ٣٤٠٩  |
| ١٦٢   | الصفافات | ٣٧     | مَا أَنْتُمْ عَلَيْهِ    | ٣٤١٠  |
| ٢     | طه       | ٢٠     | مَا أَنْزَلْنَا عَلَيْكَ | ٣٤١١  |
| ٤٢    | الذاريات | ٥١     | مَا تَذَرُ               | ٣٤١٢  |
| ٥     | الحجر    | ١٥     | مَا تَسْنِقُ             | ٣٤١٣  |
| ٤٣    | المؤمنون | ٢٣     | مَا تَسْنِقُ             | ٣٤١٤  |
| ٤٠    | يوسف     | ١٢     | مَا تَعْبُدُونَ          | ٣٤١٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                              | عام   |
| ١٨    | إبراهيم  | ١٤    | مَثَلُ الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٣٤٧٨  |
| ٢٦١   | البقرة   | ٢     | مَثَلُ الَّذِينَ يُنْفِقُونَ     | ٣٤٧٩  |
| ٢٤    | هود      | ١١    | مَثَلُ الْفَرِيقَيْنِ            | ٣٤٨٠  |
| ٣١    | غافر     | ٤٠    | مِثْلُ ذَابِ قَوْمِ نُوحٍ        | ٣٤٨١  |
| ١١٧   | آل عمران | ٣     | مِثْلُ مَا يُنْفِقُونَ           | ٣٤٨٢  |
| ١٧    | البقرة   | ٢     | مِثْلَهُمْ كَمِثْلٍ              | ٣٤٨٣  |
| ٢٩    | الفتح    | ٤٨    | مُحَمَّدٌ رَسُولُ اللَّهِ        | ٣٤٨٤  |
| ٦٤    | الرحمن   | ٥٥    | مُدَاهِمَّتَانِ                  | ٣٤٨٥  |
| ١٤٣   | النساء   | ٤     | مُتَّبِعِينَ                     | ٣٤٨٦  |
| ١٩    | الرحمن   | ٥٥    | مَرَجَ الْبَحْرَيْنِ             | ٣٤٨٧  |
| ١٤    | عبس      | ٨٠    | مَرْفُوعَةٍ مُطَهَّرَةٍ          | ٣٤٨٨  |
| ٦٧    | المؤمنون | ٢٣    | مُسْتَكْبِرِينَ                  | ٣٤٨٩  |
| ٣٤    | الذاريات | ٥١    | مُسَوِّمَةً عِنْدَ رَبِّكَ       | ٣٤٩٠  |
| ٨٣    | هود      | ١١    | مُسَوِّمَةً عِنْدَ رَبِّكَ       | ٣٤٩١  |
| ٢١    | التكوير  | ٨١    | مُطَاعِ ثُمَّ آمِينَ             | ٣٤٩٢  |
| ٦١    | الأحزاب  | ٣٣    | مَلْعُونِينَ أَيْمَانًا نُفِقُوا | ٣٤٩٣  |
| ٢     | الناس    | ١١٤   | مَلِكِ النَّاسِ                  | ٣٤٩٤  |
| ٢٥    | نوح      | ٧١    | مِمَّا خَطَبْتَهُمْ              | ٣٤٩٥  |
| ٦     | الناس    | ١١٤   | مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ       | ٣٤٩٦  |
| ٣٢    | الروم    | ٣٠    | مِنَ الَّذِينَ فَرَقُوا          | ٣٤٩٧  |
| ٤٦    | النساء   | ٤     | مِنَ الَّذِينَ هَادُوا           | ٣٤٩٨  |
| ٣     | المعارج  | ٧٠    | مِنَ اللَّهِ ذِي الْمَعَارِجِ    | ٣٤٩٩  |
| ٢٣    | الأحزاب  | ٣٣    | مِنَ الْمُؤْمِنِينَ رِجَالٌ      | ٣٥٠٠  |
| ١٥    | الإسراء  | ١٧    | مَنْ اهْتَدَى                    | ٣٥٠١  |
| ٣٢    | المائدة  | ٥     | مِنْ أَجْلِ ذَلِكَ               | ٣٥٠٢  |
| ١٠٠   | طه       | ٢٠    | مَنْ أَعْرَضَ عَنْهُ             | ٣٥٠٣  |
| ١٨    | عبس      | ٨٠    | مِنْ أَيِّ شَيْءٍ خَلَقَهُ       | ٣٥٠٤  |
| ٨٤    | القصاص   | ٢٨    | مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ         | ٣٥٠٥  |
| ٨٩    | النمل    | ٢٧    | مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ         | ٣٥٠٦  |
| ١٦٠   | الأنعام  | ٦     | مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ         | ٣٥٠٧  |
| ٣٣    | ق        | ٥٠    | مَنْ خَشِيَ الرَّحْمَنَ          | ٣٥٠٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                             | سل |
|-------|----------|-------|----------------------------------|----|
| الآية | السورة   | الآية | م                                | م  |
| ٨     | الطور    | ٥٢    | مَا لَهُ                         | ٣٤ |
| ٥     | الكهف    | ١٨    | مَا لَهُمْ                       | ٣٤ |
| ٨     | الحجر    | ١٥    | مَا نُنزِّلُ                     | ٣٤ |
| ١٠٦   | البقرة   | ٢     | مَا نُنسخُ                       | ٣٤ |
| ٣     | الضحى    | ٩٣    | مَا وَدَّعَكَ رَبُّكَ            | ٣٤ |
| ٢     | الأنبياء | ٢١    | مَا يَأْتِيهِمْ                  | ٣٤ |
| ٢٩    | ق        | ٥٠    | مَا يَبْدُلُ                     | ٣٤ |
| ٤     | غافر     | ٤٠    | مَا يُجَادِلُ                    | ٣٤ |
| ٢     | فاطر     | ٣٥    | مَا يَفْتَحُ اللَّهُ             | ٣٤ |
| ١٤٧   | النساء   | ٤     | مَا يَقَعُلُ اللَّهُ             | ٣٤ |
| ٤٣    | فصلت     | ٤١    | مَا يَقَالُ لَكَ                 | ٣٤ |
| ١٨    | ق        | ٥٠    | مَا يَلْفِظُ                     | ٣٤ |
| ٤٩    | يس       | ٣٦    | مَا يَنْظُرُونَ                  | ٣٤ |
| ١٠٥   | البقرة   | ٢     | مَا يُوَدُّ                      | ٣٤ |
| ٣     | الكهف    | ١٨    | مَا كَاتِبِينَ فِيهِ أَبَدًا     | ٣٤ |
| ٤     | الفاطحة  | ١     | مَا لِكِ يَوْمِ الدِّينِ         | ٣٤ |
| ٧٠    | يونس     | ١٠    | مَا تَأْتِي فِي الدُّنْيَا       | ٣٤ |
| ١٩٧   | آل عمران | ٣     | مَا تَأْتِي قَلِيلٌ              | ٣٤ |
| ١١٧   | النحل    | ١٦    | مَا تَأْتِي قَلِيلٌ              | ٣٤ |
| ٣٣    | النازعات | ٧٩    | مَا تَأْتِي لَكُمْ               | ٣٤ |
| ٢٢    | عبس      | ٨٠    | مَا تَأْتِي لَكُمْ               | ٣٤ |
| ٧٦    | الرحمن   | ٥٥    | مَا تَكْنِي عَنَّا               | ٣٤ |
| ٢٠    | الطور    | ٥٢    | مَا تَكْنِي عَنَّا               | ٣٤ |
| ٥٤    | الرحمن   | ٥٥    | مَا تَكْنِي عَنَّا               | ٣٤ |
| ١٦    | الواقعة  | ٥٦    | مَا تَكْنِي عَلَيْهَا            | ٣٤ |
| ١٣    | الإنسان  | ٧٦    | مَا تَكْنِي فِيهَا               | ٣٤ |
| ٥١    | ص        | ٣٨    | مَا تَكْنِي فِيهَا               | ٣٤ |
| ٣٥    | الرعد    | ١٣    | مَا تَكْنِي الْجَنَّةَ           | ٣٤ |
| ١٥    | محمد     | ٤٧    | مَا تَكْنِي الْجَنَّةَ           | ٣٤ |
| ٤١    | العنكبوت | ٢٩    | مَا تَكْنِي الَّذِينَ اتَّخَذُوا | ٣٤ |
| ٥     | الجمعة   | ٦٢    | مَا تَكْنِي الَّذِينَ حَمَلُوا   | ٣٤ |

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                              | مسلسل |
|-------|---------|--------|-----------------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                             | عام   |
| ١٨٦   | الأعراف | ٧      | مَنْ يُضَلِّ اللَّهُ              | ٣٥٤٠  |
| ٨٠    | النساء  | ٤      | مَنْ يُطِعِ الرَّسُولَ            | ٣٥٤١  |
| ١٧٨   | الأعراف | ٧      | مَنْ يَهْدِ اللَّهُ               | ٣٥٤٢  |
| ١٢    | القلم   | ٦٨     | مَتَاعٌ لِلْخَيْرِ                | ٣٥٤٣  |
| ٢٥    | ق       | ٥٠     | مَتَاعٌ لِلْخَيْرِ                | ٣٥٤٤  |
| ٥٥    | طه      | ٢٠     | مِنْهَا خَلَقْنَاكُمْ             | ٣٥٤٥  |
| ٣١    | الروم   | ٣٠     | مُتَّبِعِينَ إِلَيْهِ             | ٣٥٤٦  |
| ٨     | القمر   | ٥٤     | مُهْطِعِينَ إِلَى الدَّاعِ        | ٣٥٤٧  |
| ٤٣    | إبراهيم | ١٤     | مُهْطِعِينَ مُقْبِعِي رُءُوسِهِمْ | ٣٥٤٨  |

(٢٥) آيات تبدأ بحرف النون

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|---------|--------|---------------------------------|-------|
|       |         |        |                                 | عام   |
| الآية |         | السورة | الآية                           |       |
| ١     | القلم   | ٦٨     | ن وَالْقَلَمِ                   | ٣٥٤٩  |
| ٦     | الهمزة  | ١٠٤    | نَارَ اللَّهِ الْمُوقَدَةَ      | ٣٥٥٠  |
| ١١    | القارعة | ١٠١    | نَارَ حَامِيَةٍ                 | ٣٥٥١  |
| ١٦    | العلق   | ٩٦     | نَاصِيَةٍ كَاتِبَةٍ             | ٣٥٥٢  |
| ٤٩    | الحجر   | ١٥     | نَبِيٍّ عِيَادِي                | ٣٥٥٣  |
| ٣     | القصص   | ٢٨     | نَنظُرُ عَلَيْكَ                | ٣٥٥٤  |
| ٤٧    | الإسراء | ١٧     | نَحْنُ أَعْلَمُ                 | ٣٥٥٥  |
| ٠٤    | طه      | ٢٠     | نَحْنُ أَعْلَمُ                 | ٣٥٥٦  |
| ٤٥    | ق       | ٥٠     | نَحْنُ أَعْلَمُ                 | ٣٥٥٧  |
| ٣١    | فصلت    | ٤١     | نَحْنُ أَوْلَاؤُكُمْ            | ٣٥٥٨  |
| ١٣    | الواقعة | ٥٦     | نَحْنُ جَعَلْنَاهَا             | ٣٥٥٩  |
| ١٧    | الواقعة | ٥٦     | نَحْنُ خَلَقْنَاكُمْ            | ٣٥٦٠  |
| ٨     | الإنسان | ٧٦     | نَحْنُ خَلَقْنَاكُمْ            | ٣٥٦١  |
| ٠     | الواقعة | ٥٦     | نَحْنُ قَدَرْنَا                | ٣٥٦٢  |
| ٣     | يوسف    | ١٢     | نَحْنُ نَقُصُّ عَلَيْكَ         | ٣٥٦٣  |
| ٣     | الكهف   | ١٨     | نَحْنُ نَقُصُّ عَلَيْكَ         | ٣٥٦٤  |
| ٦     | المدثر  | ٧٤     | نَذِيرًا لِلْبَشَرِ             | ٣٥٦٥  |
| ٦     | المعارج | ٧٠     | نَزَاعَةَ لَشَوَى               | ٣٥٦٦  |
| ٣     | الشعراء | ٢٦     | نَزَلَ بِهِ الرُّوحُ الْأَمِينُ | ٣٥٦٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ٢٣    | الصفافات | ٣٧     | مِنْ دُونِ اللَّهِ          | ٣٥٠٩  |
| ٧٤    | غافر     | ٤٠     | مِنْ دُونِ اللَّهِ          | ٣٥١٠  |
| ٩٣    | الشعراء  | ٢٦     | مِنْ دُونِ اللَّهِ          | ٣٥١١  |
| ٥٥    | هود      | ١١     | مِنْ دُونِهِ                | ٣٥١٢  |
| ٢٤٥   | البقرة   | ٢      | مَنْ ذَا الَّذِي يُفْرِضُ   | ٣٥١٣  |
| ١١    | الحديد   | ٥٧     | مَنْ ذَا الَّذِي يُفْرِضُ   | ٣٥١٤  |
| ٤     | الناس    | ١١٤    | مِنْ شَرِّ الْوَسْوَاسِ     | ٣٥١٥  |
| ٢     | الفرق    | ١١٣    | مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ       | ٣٥١٦  |
| ٤٠    | غافر     | ٤٠     | مَنْ عَمِلَ سَيِّئَةً       | ٣٥١٧  |
| ١٥    | الجاثية  | ٤٥     | مَنْ عَمِلَ صَالِحًا        | ٣٥١٨  |
| ٤٦    | فصلت     | ٤١     | مَنْ عَمِلَ صَالِحًا        | ٣٥١٩  |
| ٩٧    | النحل    | ١٦     | مَنْ عَمِلَ صَالِحًا        | ٣٥٢٠  |
| ٣١    | الدخان   | ٤٤     | مِنْ فِرْعَوْنَ             | ٣٥٢١  |
| ٤     | آل عمران | ٣      | مِنْ قَبْلِ هَذِهِ لِنَّاسٍ | ٣٥٢٢  |
| ٩٨    | البقرة   | ٢      | مَنْ كَانَ عَدُوًّا لِلَّهِ | ٣٥٢٣  |
| ٥     | العنكبوت | ٢٩     | مَنْ كَانَ يَرْجُو          | ٣٥٢٤  |
| ١٥    | هود      | ١١     | مَنْ كَانَ يُرِيدُ          | ٣٥٢٥  |
| ١٨    | الإسراء  | ١٧     | مَنْ كَانَ يُرِيدُ          | ٣٥٢٦  |
| ١٠    | فاطر     | ٣٥     | مَنْ كَانَ يُرِيدُ          | ٣٥٢٧  |
| ١٣٤   | النساء   | ٤      | مَنْ كَانَ يُرِيدُ          | ٣٥٢٨  |
| ٢٠    | الشورى   | ٤٢     | مَنْ كَانَ يُرِيدُ          | ٣٥٢٩  |
| ١٥    | الحج     | ٢٢     | مَنْ كَانَ يَظُنُّ          | ٣٥٣٠  |
| ١٠٦   | النحل    | ١٦     | مَنْ كَفَرَ بِاللَّهِ       | ٣٥٣١  |
| ٤٤    | الروم    | ٣٠     | مَنْ كَفَرَ فَعَلَيْهِ      | ٣٥٣٢  |
| ٤٦    | النجم    | ٥٣     | مِنْ نُطْقَةٍ               | ٣٥٣٣  |
| ١٩    | عيس      | ٨٠     | مِنْ نُطْقَةٍ               | ٣٥٣٤  |
| ١٦    | إبراهيم  | ١٤     | مَنْ وَرَّاهِ جَهَنَّمَ     | ٣٥٣٥  |
| ١٠    | الجاثية  | ٤٥     | مَنْ وَرَّاهِ جَهَنَّمَ     | ٣٥٣٦  |
| ٤٠    | الزمر    | ٣٩     | مَنْ يَأْتِيهِ عَذَابٌ      | ٣٥٣٧  |
| ٨٥    | النساء   | ٤      | مَنْ يَشْفَعُ شَفَاعَةً     | ٣٥٣٨  |
| ١٦    | الأنعام  | ٦      | مَنْ يُصْرَفْ عَنْهُ        | ٣٥٣٩  |

| رقم   | السورة    | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|-----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة    | الآية | عام                        |       |
| ٥٦    | الواقعة   | ٥٦    | هَذَا نُزِّلَهُمْ          | ٣٥٩٦  |
| ١١    | الجاثية   | ٤٥    | هَذَا هُدًى                | ٣٥٩٧  |
| ٥٥    | ص         | ٣٨    | هَذَا وَإِنِّ لِلطَّاعِينَ | ٣٥٩٨  |
| ٢١    | الصفات    | ٣٧    | هَذَا يَوْمَ الْقِصَلِ     | ٣٥٩٩  |
| ٣٨    | المرسلات  | ٧٧    | هَذَا يَوْمَ الْقِصَلِ     | ٣٦٠٠  |
| ٣٥    | المرسلات  | ٧٧    | هَذَا يَوْمَ لَا           | ٣٦٠١  |
| ١٩    | الحج      | ٢٢    | هَذَانِ حَصْنَانِ          | ٣٦٠٢  |
| ١٤    | الطور     | ٥٢    | هَذِهِ النَّارُ            | ٣٦٠٣  |
| ٦٣    | يس        | ٣٦    | هَذِهِ جَهَنَّمُ           | ٣٦٠٤  |
| ٤٣    | الرحمن    | ٥٥    | هَذِهِ جَهَنَّمُ           | ٣٦٠٥  |
| ١٧    | البروج    | ٨٥    | هَلْ أَتَاكَ               | ٣٦٠٦  |
| ١     | الغاشية   | ٨٨    | هَلْ أَتَاكَ               | ٣٦٠٧  |
| ٢٤    | الذاريات  | ٥١    | هَلْ أَتَاكَ               | ٣٦٠٨  |
| ١٥    | النازعات  | ٧٩    | هَلْ أَتَاكَ               | ٣٦٠٩  |
| ١     | الإتسان   | ٧٦    | هَلْ أُنِئى                | ٣٦١٠  |
| ٢٢١   | الشعراء   | ٢٦    | هَلْ أُنَبِّئُكُمْ         | ٣٦١١  |
| ٣٦    | المطففين  | ٨٣    | هَلْ نُؤَبِّ الكَفَّارُ    | ٣٦١٢  |
| ٦٠    | الرحمن    | ٥٥    | هَلْ جَزَاءُ الْإِحْسَانِ  | ٣٦١٣  |
| ٥     | الفجر     | ٨٩    | هَلْ فِي ذَلِكَ قَسَمٌ     | ٣٦١٤  |
| ٦٦    | الزخرف    | ٤٣    | هَلْ يَنْظُرُونَ           | ٣٦١٥  |
| ٣٣    | النحل     | ١٦    | هَلْ يَنْظُرُونَ           | ٣٦١٦  |
| ١٥٨   | الأتعام   | ٦     | هَلْ يَنْظُرُونَ           | ٣٦١٧  |
| ٢١٠   | البقرة    | ٢     | هَلْ يَنْظُرُونَ           | ٣٦١٨  |
| ٥٣    | الأعراف   | ٧     | هَلْ يَنْظُرُونَ           | ٣٦١٩  |
| ٢٩    | الحاقة    | ٦٩    | هَلْكَ عَنِى سُلْطَانِيَه  | ٣٦٢٠  |
| ٢٥    | الفتح     | ٤٨    | هَمْ الَّذِينَ كَفَرُوا    | ٣٦٢١  |
| ٧     | المنافقون | ٦٣    | هَمْ الَّذِينَ يَفُولُونَ  | ٣٦٢٢  |
| ١٦٣   | آل عمران  | ٣     | هَمْ دَرَجَاتٍ             | ٣٦٢٣  |
| ٥٦    | يس        | ٣٦    | هَمْ وَأَزْوَاجُهُمْ       | ٣٦٢٤  |
| ١١    | القلم     | ٦٨    | هَمَّازٌ مَشَاءٍ           | ٣٦٢٥  |
| ١١    | الأحزاب   | ٣٣    | هَذَاكَ الْبَيْتِي         | ٣٦٢٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | سلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           |      |
| ٣     | آل عمران | ٣     | نُزِّلَ عَلَيْكَ الْكِتَابَ   | ٣٥   |
| ٣٢    | فصلت     | ٤١    | نُزِّلًا مِّنْ عَفْوَ رَحِيمٍ | ٣٥   |
| ٢٢٣   | البقرة   | ٢     | نِسَاؤُكُمْ حَرْثٌ لَّكُمْ    | ٣٥   |
| ٥٦    | المؤمنون | ٢٣    | نُسَارِعُ لَهُمْ              | ٣٥   |
| ٣     | المزمل   | ٧٣    | نُصَفَةٌ أَوْ أَنْفُسٌ        | ٣٥   |
| ٣٥    | القمر    | ٥٤    | نِعْمَةٌ مِّنْ عِنْدِنَا      | ٣٥   |
| ٢٤    | لقمان    | ٣١    | نُمَتِّعُهُمْ قَلِيلًا        | ٣٥   |

(٢٦) آيات تبدأ بحرف الهاء

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                      | سلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------|------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                       |      |
| ١٥    | الكهف    | ١٨    | هَؤُلَاءِ قَوْمُنَا       | ٣٥   |
| ١١٩   | آل عمران | ٣     | هَآ أَنْتُمْ أَوْلَاءُ    | ٣٥   |
| ٣٨    | محمد     | ٤٧    | هَآ أَنْتُمْ هَؤُلَاءِ    | ٣٥   |
| ١٠٩   | النساء   | ٤     | هَآ أَنْتُمْ هَؤُلَاءِ    | ٣٥   |
| ٦٦    | آل عمران | ٣     | هَآ أَنْتُمْ هَؤُلَاءِ    | ٣٥   |
| ٣٠    | طه       | ٢٠    | هَارُونَ أَخِي            | ٣٥   |
| ٢     | النمل    | ٢٧    | هَدًى وَيُشْرَى           | ٣٥   |
| ٥٤    | غافر     | ٤٠    | هَدًى وَيُكْرَى           | ٣٥   |
| ٣     | لقمان    | ٣١    | هَدًى وَرَحْمَةً          | ٣٥   |
| ٢٠    | الجاثية  | ٤٥    | هَذَا بَصَائِرُ لِلنَّاسِ | ٣٥   |
| ٥٢    | إبراهيم  | ١٤    | هَذَا بَلَاغٌ لِلنَّاسِ   | ٣٥   |
| ١٣٨   | آل عمران | ٣     | هَذَا بَيَانٌ لِلنَّاسِ   | ٣٥   |
| ١١    | لقمان    | ٣١    | هَذَا خَلْقُ اللَّهِ      | ٣٥   |
| ٤٩    | ص        | ٣٨    | هَذَا نُكْرٌ              | ٣٥   |
| ٣٩    | ص        | ٣٨    | هَذَا عَطَاؤُنَا          | ٣٥   |
| ٥٧    | ص        | ٣٨    | هَذَا قَلِيدٌ وَفَوْهٌ    | ٣٥   |
| ٥٩    | ص        | ٣٨    | هَذَا فَوْجٌ مُّقْتَحِمٌ  | ٣٥   |
| ٢٩    | الجاثية  | ٤٥    | هَذَا كِتَابُنَا          | ٣٥   |
| ٣٢    | ق        | ٥٠    | هَذَا مَا تُوعَدُونَ      | ٣٥   |
| ٥٣    | ص        | ٣٨    | هَذَا مَا تُوعَدُونَ      | ٣٥   |
| ٥٦    | النجم    | ٥٣    | هَذَا نُذِيرٌ             | ٣٥   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                   | مسلسل |
|-------|----------|-----|------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                  | عام   |
| ٢٣    | الحشر    | ٥٩  | هُوَ اللَّهُ الَّذِي   | ٣٦٥٨  |
| ٢٢    | الحشر    | ٥٩  | هُوَ اللَّهُ الَّذِي   | ٣٦٥٩  |
| ٥٦    | يونس     | ١٠  | هُوَ يُحْيِي وَيُمِيتُ | ٣٦٦٠  |
| ٣٦    | المؤمنون | ٢٣  | هِيَ هَاتِ هِيَ هَاتِ  | ٣٦٦١  |

(٢٧) آيات تبدأ بحرف الواو

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | السورة | الآية                           | عام   |
| ٧٧    | القصص    | ٢٨     | وَابْتِغِ فِيمَا آتَاكَ         | ٣٦٦٢  |
| ٦     | النساء   | ٤      | وَابْتَلُوا الْيَتَامَى         | ٣٦٦٣  |
| ٢     | الأحزاب  | ٣٣     | وَاتَّبِعْ مَا يُوحَى           | ٣٦٦٤  |
| ١٠٩   | يونس     | ١٠     | وَاتَّبِعْ مَا يُوحَى           | ٣٦٦٥  |
| ٣٨    | يوسف     | ١٢     | اتَّبَعْتُ مِلَّةَ آبَائِي      | ٣٦٦٦  |
| ٥٥    | الزمر    | ٣٩     | وَاتَّبِعُوا أَحْسَنَ           | ٣٦٦٧  |
| ١٠٢   | البقرة   | ٢      | وَاتَّبِعُوا مَا تَتْلُو        | ٣٦٦٨  |
| ١٤٨   | الأعراف  | ٧      | وَاتَّخَذَ قَوْمُ مُوسَى        | ٣٦٦٩  |
| ٧٤    | يس       | ٣٦     | وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ | ٣٦٧٠  |
| ٨١    | مريم     | ١٩     | وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِ اللَّهِ | ٣٦٧١  |
| ٣     | الفرقان  | ٢٥     | وَاتَّخَذُوا مِنْ دُونِهِ       | ٣٦٧٢  |
| ٢٤    | الدخان   | ٤٤     | وَاتَّخَذُوا الْبَحْرَ          | ٣٦٧٣  |
| ١٣٢   | الشعراء  | ٢٦     | وَاتَّقُوا الَّذِي أَمَّاكُمْ   | ٣٦٧٤  |
| ١٨٤   | الشعراء  | ٢٦     | وَاتَّقُوا الَّذِي خَلَقَكُمْ   | ٣٦٧٥  |
| ٦٩    | الحجر    | ١٥     | وَاتَّقُوا اللَّهَ              | ٣٦٧٦  |
| ١٣١   | آل عمران | ٣      | وَاتَّقُوا النَّارَ             | ٣٦٧٧  |
| ٢٥    | الأنفال  | ٨      | وَاتَّقُوا فِتْنَةً             | ٣٦٧٨  |
| ٢٨١   | البقرة   | ٢      | وَاتَّقُوا يَوْمًا              | ٣٦٧٩  |
| ٤٨    | البقرة   | ٢      | وَاتَّقُوا يَوْمًا              | ٣٦٨٠  |
| ١٢٣   | البقرة   | ٢      | وَاتَّقُوا يَوْمًا              | ٣٦٨١  |
| ٢٧    | المائدة  | ٥      | وَاتَّقُوا عَلَيْهِمْ           | ٣٦٨٢  |
| ١٧٥   | الأعراف  | ٧      | وَاتَّقُوا عَلَيْهِمْ           | ٣٦٨٣  |
| ٦٩    | الشعراء  | ٢٦     | وَاتَّقُوا عَلَيْهِمْ           | ٣٦٨٤  |
| ٧١    | يونس     | ١٠     | وَاتَّقُوا عَلَيْهِمْ           | ٣٦٨٥  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-----|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                          | عام   |
| ٤٤    | الكهف    | ١٨  | هُنَالِكَ الْوَلَايَةُ لِلَّهِ | ٣٦٢٧  |
| ٣٠    | يونس     | ١٠  | هُنَالِكَ تَبْلُو كُلُّ نَفْسٍ | ٣٦٢٨  |
| ٣٨    | آل عمران | ٣   | هُنَالِكَ دَعَا زَكَرِيَّا     | ٣٦٢٩  |
| ٣     | الحديد   | ٥٧  | هُوَ الْأَوَّلُ وَالْآخِرُ     | ٣٦٣٠  |
| ٦٥    | غافر     | ٤٠  | هُوَ الْحَيُّ                  | ٣٦٣١  |
| ٢     | الحشر    | ٥٩  | هُوَ الَّذِي أَخْرَجَ          | ٣٦٣٢  |
| ٢٨    | الفتح    | ٤٨  | هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ          | ٣٦٣٣  |
| ٣٣    | التوبة   | ٩   | هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ          | ٣٦٣٤  |
| ٩     | الصف     | ٦١  | هُوَ الَّذِي أَرْسَلَ          | ٣٦٣٥  |
| ٤     | الفتح    | ٤٨  | هُوَ الَّذِي أَنْزَلَ          | ٣٦٣٦  |
| ٧     | آل عمران | ٣   | هُوَ الَّذِي أَنْزَلَ          | ٣٦٣٧  |
| ١٠    | النحل    | ١٦  | هُوَ الَّذِي أَنْزَلَ          | ٣٦٣٨  |
| ٢     | الجمعة   | ٦٢  | هُوَ الَّذِي بَعَثَ            | ٣٦٣٩  |
| ٥     | يونس     | ١٠  | هُوَ الَّذِي جَعَلَ            | ٣٦٤٠  |
| ١٥    | الملك    | ٦٧  | هُوَ الَّذِي جَعَلَ            | ٣٦٤١  |
| ٦٧    | يونس     | ١٠  | هُوَ الَّذِي جَعَلَ            | ٣٦٤٢  |
| ٣٩    | فاطر     | ٣٥  | هُوَ الَّذِي جَعَلَكُمْ        | ٣٦٤٣  |
| ٤     | الحديد   | ٥٧  | هُوَ الَّذِي خَلَقَ            | ٣٦٤٤  |
| ٢٩    | البقرة   | ٢   | هُوَ الَّذِي خَلَقَ            | ٣٦٤٥  |
| ٢     | التغابن  | ٦٤  | هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ        | ٣٦٤٦  |
| ٦٧    | غافر     | ٤٠  | هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ        | ٣٦٤٧  |
| ٢     | الأنعام  | ٦   | هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ        | ٣٦٤٨  |
| ١٨٩   | الأعراف  | ٧   | هُوَ الَّذِي خَلَقَكُمْ        | ٣٦٤٩  |
| ٦٨    | غافر     | ٤٠  | هُوَ الَّذِي يُحْيِي           | ٣٦٥٠  |
| ١٢    | الرعد    | ١٣  | هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ         | ٣٦٥١  |
| ١٣    | غافر     | ٤٠  | هُوَ الَّذِي يُرِيكُمْ         | ٣٦٥٢  |
| ٢٢    | يونس     | ١٠  | هُوَ الَّذِي يُسَيِّرُكُمْ     | ٣٦٥٣  |
| ٤٣    | الأحزاب  | ٣٣  | هُوَ الَّذِي يُصَلِّي          | ٣٦٥٤  |
| ٦     | آل عمران | ٣   | هُوَ الَّذِي يُصَوِّرُكُمْ     | ٣٦٥٥  |
| ٩     | الحديد   | ٥٧  | هُوَ الَّذِي يُنَزِّلُ         | ٣٦٥٦  |
| ٢٤    | الحشر    | ٥٩  | هُوَ اللَّهُ الْخَالِقُ        | ٣٦٥٧  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                     | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                      | عام   |
| ٤٥    | البقرة   | ٢     | وَاسْتَعِينُوا بِالصَّبْرِ               | ٣٧١٧  |
| ١٠٦   | النساء   | ٤     | وَاسْتَغْفِرِ اللَّهَ                    | ٣٧١٨  |
| ٩٠    | هود      | ١١    | وَاسْتَغْفِرُوا رَبَّكُمْ                | ٣٧١٩  |
| ١٥    | إبراهيم  | ١٤    | وَاسْتَفْتَحُوا وَخَابَ                  | ٣٧٢٠  |
| ٦٤    | الإسراء  | ١٧    | وَاسْتَفْرَزَ مَنْ اسْتَطَاعَتْ          | ٣٧٢١  |
| ٣٩    | القصص    | ٢٨    | وَاسْتَكْبَرَ هُوَ وَجُنُودُهُ           | ٣٧٢٢  |
| ٤١    | ق        | ٥٠    | وَاسْتَمِعْ يَوْمَ يُنَادَى              | ٣٧٢٣  |
| ١٠    | المزمل   | ٧٣    | وَاصْبِرْ عَلَى مَا                      | ٣٧٢٤  |
| ١١٥   | هود      | ١١    | وَاصْبِرْ فَإِنَّ اللَّهَ                | ٣٧٢٥  |
| ٤٨    | الطور    | ٥٢    | وَاصْبِرْ لِحُكْمِ رَبِّكَ               | ٣٧٢٦  |
| ٢٨    | الكهف    | ١٨    | وَاصْبِرْ نَفْسَكَ                       | ٣٧٢٧  |
| ١٢٧   | النحل    | ١٦    | وَاصْبِرْ وَمَا صَبْرُكَ                 | ٣٧٢٨  |
| ٤١    | طه       | ٢٠    | وَاصْطَلَعْتَكَ لِنَفْسِي                | ٣٧٢٩  |
| ٣٧    | هود      | ١١    | وَاصْنَعِ الْفُلْكَ                      | ٣٧٣٠  |
| ٤٥    | الكهف    | ١٨    | وَاضْرِبْ لَهُمْ                         | ٣٧٣١  |
| ١٣    | يس       | ٣٦    | وَاضْرِبْ لَهُمْ                         | ٣٧٣٢  |
| ٣٢    | الكهف    | ١٨    | وَاضْرِبْ لَهُمْ                         | ٣٧٣٣  |
| ٢٢    | طه       | ٢٠    | وَاضْمُمْ يَدَكَ                         | ٣٧٣٤  |
| ٩٩    | الحجر    | ١٥    | وَاعْبُدْ رَبَّكَ                        | ٣٧٣٥  |
| ٣٦    | النساء   | ٤     | وَاعْبُدُوا اللَّهَ                      | ٣٧٣٦  |
| ١٠٣   | آل عمران | ٣     | وَاعْتَصِمُوا بِحَبْلِ اللَّهِ           | ٣٧٣٧  |
| ٧     | الحجرات  | ٤٩    | وَاعْلَمُوا أَنَّ فِيكُمْ                | ٣٧٣٨  |
| ٢٨    | الأنفال  | ٨     | وَاعْلَمُوا أَنَّمَا أُمُوكُمْ           | ٣٧٣٩  |
| ٤١    | الأنفال  | ٨     | وَاعْلَمُوا أَنَّمَا غَنِمْتُمْ          | ٣٧٤٠  |
| ٨٦    | الشعراء  | ٢٦    | وَاعْفِرْ لِأبي                          | ٣٧٤١  |
| ٩٧    | الأنبياء | ٢١    | وَاقْتَرَبِ الْوَعْدُ الْحَقُّ           | ٣٧٤٢  |
| ١٩١   | البقرة   | ٢     | وَاقْتُلُوهُمْ حَيْثُ<br>تَقَعْتُمُوهُمْ | ٣٧٤٣  |
| ١٩    | لقمان    | ٣١    | وَاقْصِدْ فِي مَشْيِكَ                   | ٣٧٤٤  |
| ١٥٦   | الأعراف  | ٧     | وَاقْتَبْنَا لَنَا                       | ٣٧٤٥  |
| ١٧    | الأعلى   | ٨٧    | وَالْآخِرَةُ خَيْرٌ                      | ٣٧٤٦  |
| ٣٠    | النازعات | ٧٩    | وَالْأَرْضُ بَعْدَ ذَلِكَ                | ٣٧٤٧  |

| رقم   | السورة  | رقم   | شاهد                                | مسلسل |
|-------|---------|-------|-------------------------------------|-------|
| الآية | السورة  | الآية | عام                                 | عام   |
| ٢٧    | الكهف   | ١٨    | وَأَنْتَ مَا أَوْحَى إِلَيْكَ       | ٣٦٨٠  |
| ٨٤    | الشعراء | ٢٦    | وَأَجْعَلْ لِي لِسَانَ              | ٣٦٨١  |
| ٢٩    | طه      | ٢٠    | وَأَجْعَلْ لِي وَزِيرًا             | ٣٦٨٢  |
| ٨٥    | الشعراء | ٢٦    | وَأَجْعَلْنِي مِنْ وَرَثَةِ         | ٣٦٨٣  |
| ٢٧    | طه      | ٢٠    | وَأَحْلِلْ عُقْدَةَ                 | ٣٦٩٠  |
| ١٥٥   | الأعراف | ٧     | وَأَخْتَارَ مُوسَى                  | ٣٦٩١  |
| ٥     | الجاثية | ٤٥    | وَأَخْتَلَفَ اللَّيْلُ وَالنَّهَارُ | ٣٦٩٢  |
| ٢١٥   | الشعراء | ٢٦    | وَأَخْفِضْ جَنَاحَكَ                | ٣٦٩٣  |
| ٢٤    | الإسراء | ١٧    | وَأَخْفِضْ لَهُمَا                  | ٣٦٩٤  |
| ٣٠    | الفجر   | ٨٩    | وَأَدْخِلِي جَنَّتِي                | ٣٦٩٥  |
| ٢٥    | الإنسان | ٧٦    | وَأَذْكَرْ اسْمَ رَبِّكَ            | ٣٦٩٦  |
| ٨     | المزمل  | ٧٣    | وَأَذْكَرْ اسْمَ رَبِّكَ            | ٣٦٩٧  |
| ٢١    | الأحقاف | ٤٦    | وَأَذْكَرْ أَخَا عَادٍ              | ٣٦٩٨  |
| ٤٨    | ص       | ٣٨    | وَأَذْكَرْ إِسْمَاعِيلَ             | ٣٦٩٩  |
| ٢٠٥   | الأعراف | ٧     | وَأَذْكَرْ رَبَّكَ                  | ٣٧٠٠  |
| ٤٥    | ص       | ٣٨    | وَأَذْكَرْ عِيَادَنَا               | ٣٧٠١  |
| ٤١    | ص       | ٣٨    | وَأَذْكَرْ عِبْدَنَا                | ٣٧٠٢  |
| ٤١    | مريم    | ١٩    | وَأَذْكَرْ فِي الْكِتَابِ           | ٣٧٠٣  |
| ٥٦    | مريم    | ١٩    | وَأَذْكَرْ فِي الْكِتَابِ           | ٣٧٠٤  |
| ٥٤    | مريم    | ١٩    | وَأَذْكَرْ فِي الْكِتَابِ           | ٣٧٠٥  |
| ١٦    | مريم    | ١٩    | وَأَذْكَرْ فِي الْكِتَابِ           | ٣٧٠٦  |
| ٥١    | مريم    | ١٩    | وَأَذْكَرْ فِي الْكِتَابِ           | ٣٧٠٧  |
| ٣٤    | الأحزاب | ٣٣    | وَأَذْكَرْنَا مَا يُتْلَى           | ٣٧٠٨  |
| ٢٠٣   | البقرة  | ٢     | وَأَذْكَرُوا اللَّهَ                | ٣٧٠٩  |
| ٢٦    | الأنفال | ٨     | وَأَذْكَرُوا إِذْ                   | ٣٧١٠  |
| ٧٤    | الأعراف | ٧     | وَأَذْكَرُوا إِذْ                   | ٣٧١١  |
| ٧     | المائدة | ٥     | وَأَذْكَرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ       | ٣٧١٢  |
| ١٦٣   | الأعراف | ٧     | وَأَسْأَلُهُمْ عَنِ الْقَرْيَةِ     | ٣٧١٣  |
| ٨٢    | يوسف    | ١٢    | وَأَسْأَلُ الْقَرْيَةَ              | ٣٧١٤  |
| ٤٥    | الزخرف  | ٤٣    | وَأَسْأَلُ مَنْ أَرْسَلْنَا         | ٣٧١٥  |
| ٢٥    | يوسف    | ١٢    | وَأَسْتَبِقَا الْبَابَ              | ٣٧١٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           | عام   |
| ٧٩    | الشعراء  | ٢٦    | وَالَّذِي هُوَ                | ٣٧٧٩  |
| ٨١    | الشعراء  | ٢٦    | وَالَّذِي يُبَيِّنُ           | ٣٧٨٠  |
| ١٠٧   | التوبة   | ٩     | وَالَّذِينَ اتَّخَذُوا        | ٣٧٨١  |
| ٦     | الشورى   | ٤٢    | وَالَّذِينَ اتَّخَذُوا        | ٣٧٨٢  |
| ١٧    | الزمر    | ٣٩    | وَالَّذِينَ اجْتَنَبُوا       | ٣٧٨٣  |
| ٣٨    | الشورى   | ٤٢    | وَالَّذِينَ اسْتَجَابُوا      | ٣٧٨٤  |
| ١٧    | محمد     | ٤٧    | وَالَّذِينَ اهْتَدَوْا        | ٣٧٨٥  |
| ٣٦    | الرعد    | ١٣    | وَالَّذِينَ آتَيْنَاهُمُ      | ٣٧٨٦  |
| ١٩    | الحديد   | ٥٧    | وَالَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ | ٣٧٨٧  |
| ١٥٢   | النساء   | ٤     | وَالَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ | ٣٧٨٨  |
| ٧٥    | الأنفال  | ٨     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٨٩  |
| ٢١    | الطور    | ٥٢    | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٠  |
| ٨٢    | البقرة   | ٢     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩١  |
| ٥٧    | النساء   | ٤     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٢  |
| ١٢٢   | النساء   | ٤     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٣  |
| ٤٢    | الأعراف  | ٧     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٤  |
| ٥٨    | العنكبوت | ٢٩    | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٥  |
| ٩     | العنكبوت | ٢٩    | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٦  |
| ٧     | العنكبوت | ٢٩    | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٧  |
| ٢     | محمد     | ٤٧    | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٨  |
| ٧٤    | الأنفال  | ٨     | وَالَّذِينَ آمَنُوا           | ٣٧٩٩  |
| ٣٩    | الشورى   | ٤٢    | وَالَّذِينَ إِذَا             | ٣٨٠٠  |
| ٦٧    | الفرقان  | ٢٥    | وَالَّذِينَ إِذَا             | ٣٨٠١  |
| ٧٣    | الفرقان  | ٢٥    | وَالَّذِينَ إِذَا             | ٣٨٠٢  |
| ١٣٥   | آل عمران | ٣     | وَالَّذِينَ إِذَا             | ٣٨٠٣  |
| ٩     | الحشر    | ٥٩    | وَالَّذِينَ تَبَوَّعُوا       | ٣٨٠٤  |
| ١٩٧   | الأعراف  | ٧     | وَالَّذِينَ تَدْعُونَ         | ٣٨٠٥  |
| ١٠    | الحشر    | ٥٩    | وَالَّذِينَ جَاءُوا           | ٣٨٠٦  |
| ٦٩    | العنكبوت | ٢٩    | وَالَّذِينَ جَاهَدُوا         | ٣٨٠٧  |
| ٥١    | الحج     | ٢٢    | وَالَّذِينَ سَعَوْا           | ٣٨٠٨  |
| ٥     | سبا      | ٣٤    | وَالَّذِينَ سَعَوْا           | ٣٨٠٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            | عام   |
| ١٢    | الطارق   | ٨٦    | وَالْأَرْضُ ذَاتُ الصَّدْعِ    | ٣٧٤٨  |
| ٤٨    | الذاريات | ٥١    | وَالْأَرْضُ فَرَشْتَاهَا       | ٣٧٤٩  |
| ٧     | ق        | ٥٠    | وَالْأَرْضُ مَدَنَاتُهَا       | ٣٧٥٠  |
| ١٩    | الحجر    | ١٥    | وَالْأَرْضُ مَدَنَاتُهَا       | ٣٧٥١  |
| ١٠    | الرحمن   | ٥٥    | وَالْأَرْضُ وَضَعَهَا          | ٣٧٥٢  |
| ٦     | الشمس    | ٩١    | وَالْأَرْضُ وَمَا طَحَاها      | ٣٧٥٣  |
| ٥     | النحل    | ١٦    | وَالْأَنْعَامَ خَلَقَهَا       | ٣٧٥٤  |
| ٦     | الطور    | ٥٢    | وَالْبَحْرَ الْمَسْجُورَ       | ٣٧٥٥  |
| ٣٦    | الحج     | ٢٢    | وَالْبَيْتَ جَعَلْنَاهَا       | ٣٧٥٦  |
| ٥٨    | الأعراف  | ٧     | وَالْبَلَدَ الطَّيِّبَ         | ٣٧٥٧  |
| ٤     | الطور    | ٥٢    | وَالْبَيْتَ الْمَعْمُورَ       | ٣٧٥٨  |
| ٢٩    | القيامة  | ٧٥    | وَالثَّقَاتِ السَّقَاتِ        | ٣٧٥٩  |
| ٩١    | الأنبياء | ٢١    | وَالَّتِي أَحْصَيْتِ           | ٣٧٦٠  |
| ١     | التين    | ٩٥    | وَالَّتَيْنِ وَالزَّيْتُونِ    | ٣٧٦١  |
| ٢٧    | الحجر    | ١٥    | وَالْجَانَّ خَلَقْنَاهُ        | ٣٧٦٢  |
| ٣٢    | النازعات | ٧٩    | وَالْجِبَالَ أَرْسَاهَا        | ٣٧٦٣  |
| ٧     | النبا    | ٧٨    | وَالْجِبَالَ أَوْتَادًا        | ٣٧٦٤  |
| ١٢    | الرحمن   | ٥٥    | وَالْحَبَّ ذُو الْعَصْفِ       | ٣٧٦٥  |
| ١٨٢   | الصفافات | ٣٧    | وَالْحَمْدُ لِلَّهِ            | ٣٧٦٦  |
| ٩     | النور    | ٢٤    | وَالْحَامِيسَةَ أَنْ           | ٣٧٦٧  |
| ٧     | النور    | ٢٤    | وَالْحَامِيسَةَ أَنْ           | ٣٧٦٨  |
| ٨     | النحل    | ١٦    | وَالْحَيْلَ وَالْبِغَالَ       | ٣٧٦٩  |
| ١     | الذاريات | ٥١    | وَالذَّارِيَاتِ تُرْوَا        | ٣٧٧٠  |
| ٤     | الأعلى   | ٨٧    | وَالَّذِي أَخْرَجَ             | ٣٧٧١  |
| ٨٢    | الشعراء  | ٢٦    | وَالَّذِي أَطْمَعُ             | ٣٧٧٢  |
| ٣١    | فاطر     | ٣٥    | وَالَّذِي أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ | ٣٧٧٣  |
| ٣٣    | الزمر    | ٣٩    | وَالَّذِي جَاءَ بِالصَّدَقِ    | ٣٧٧٤  |
| ١٢    | الزخرف   | ٤٣    | وَالَّذِي خَلَقَ الْأَرْوَاحَ  | ٣٧٧٥  |
| ١٧    | الأحقاف  | ٤٦    | وَالَّذِي قَالَ لِيُؤَدِّيهِ   | ٣٧٧٦  |
| ٣     | الأعلى   | ٨٧    | وَالَّذِي قَدَّرَ فَهَدَى      | ٣٧٧٧  |
| ١١    | الزخرف   | ٤٣    | وَالَّذِي نَزَّلَ              | ٣٧٧٨  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ٣٢    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤١  |
| ٥     | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤٢  |
| ٢٩    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤٣  |
| ٤     | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤٤  |
| ٢٧    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤٥  |
| ٦٠    | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ يُؤْتُونَ         | ٣٨٤٦  |
| ٥٨    | الأحزاب  | ٣٣     | وَالَّذِينَ يُؤْتُونَ         | ٣٨٤٧  |
| ٤     | البقرة   | ٢      | وَالَّذِينَ يُؤْمِنُونَ       | ٣٨٤٨  |
| ٦٤    | الفرقان  | ٢٥     | وَالَّذِينَ يَبِيئُونَ        | ٣٨٤٩  |
| ٢٤٠   | البقرة   | ٢      | وَالَّذِينَ يُتَوَفَّوْنَ     | ٣٨٥٠  |
| ٢٣٤   | البقرة   | ٢      | وَالَّذِينَ يُتَوَفَّوْنَ     | ٣٨٥١  |
| ٣٧    | الشورى   | ٤٢     | وَالَّذِينَ يَجْتَنِبُونَ     | ٣٨٥٢  |
| ١٦    | الشورى   | ٤٢     | وَالَّذِينَ يَحُاجُّونَ       | ٣٨٥٣  |
| ٢٠    | النحل    | ١٦     | وَالَّذِينَ يَذْعُونَ         | ٣٨٥٤  |
| ٤     | النور    | ٢٤     | وَالَّذِينَ يَرْمُونَ         | ٣٨٥٥  |
| ٦     | النور    | ٢٤     | وَالَّذِينَ يَرْمُونَ         | ٣٨٥٦  |
| ٣٨    | سبا      | ٣٤     | وَالَّذِينَ يَسْعَوْنَ        | ٣٨٥٧  |
| ٢٦    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ يُصَدِّقُونَ      | ٣٨٥٨  |
| ٢١    | الرعد    | ١٣     | وَالَّذِينَ يَصِلُونَ         | ٣٨٥٩  |
| ٣     | المجادلة | ٥٨     | وَالَّذِينَ يَظَاهَرُونَ      | ٣٨٦٠  |
| ٦٥    | الفرقان  | ٢٥     | وَالَّذِينَ يَقُولُونَ        | ٣٨٦١  |
| ٧٤    | الفرقان  | ٢٥     | وَالَّذِينَ يَقُولُونَ        | ٣٨٦٢  |
| ١٧٠   | الأعراف  | ٧      | وَالَّذِينَ يَمْسُكُونَ       | ٣٨٦٣  |
| ٣٨    | النساء   | ٤      | وَالَّذِينَ يَنْفِقُونَ       | ٣٨٦٤  |
| ٢٥    | الرعد    | ١٣     | وَالَّذِينَ يَنْفُضُونَ       | ٣٨٦٥  |
| ٥     | المدثر   | ٧٤     | وَالرَّجْزَ فَاهْجُرْ         | ٣٨٦٦  |
| ٣     | النازعات | ٧٩     | وَالسَّابِحَاتِ سَبْحًا       | ٣٨٦٧  |
| ١٠٠   | التوبة   | ٩      | وَالسَّابِقُونَ الْأُولُونَ   | ٣٨٦٨  |
| ١٠    | الواقعة  | ٥٦     | وَالسَّابِقُونَ السَّابِقُونَ | ٣٨٦٩  |
| ٣٨    | المائدة  | ٥      | وَالسَّارِقُ وَالسَّارِقَةُ   | ٣٨٧٠  |
| ٥     | الطور    | ٥٢     | وَالسَّقْفِ الْمَرْفُوعِ      | ٣٨٧١  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ٢٢    | الرعد    | ١٣     | وَالَّذِينَ صَبَرُوا          | ٣٨١   |
| ١٥٣   | الأعراف  | ٧      | وَالَّذِينَ عَمِلُوا          | ٣٨١   |
| ٢٤    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ فِي أَمْوَالِهِمْ | ٣٨١   |
| ١٨٢   | الأعراف  | ٧      | وَالَّذِينَ كَذَّبُوا         | ٣٨١   |
| ٣٩    | الأنعام  | ٦      | وَالَّذِينَ كَذَّبُوا         | ٣٨١   |
| ٣٦    | الأعراف  | ٧      | وَالَّذِينَ كَذَّبُوا         | ٣٨١   |
| ١٤٧   | الأعراف  | ٧      | وَالَّذِينَ كَذَّبُوا         | ٣٨١   |
| ٤٩    | الأنعام  | ٦      | وَالَّذِينَ كَذَّبُوا         | ٣٨١   |
| ٢٧    | يونس     | ١٠     | وَالَّذِينَ كَسَبُوا          | ٣٨١   |
| ٣٩    | النور    | ٢٤     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨١   |
| ٢٣    | العنكبوت | ٢٩     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ١٩    | البلد    | ٩٠     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٧٣    | الأنفال  | ٨      | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٨     | محمد     | ٤٧     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٣٦    | فاطر     | ٣٥     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ١٠    | المائدة  | ٥      | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٨٦    | المائدة  | ٥      | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ١٠    | التغابن  | ٦٤     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٣٩    | البقرة   | ٢      | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٥٧    | الحج     | ٢٢     | وَالَّذِينَ كَفَرُوا          | ٣٨٢   |
| ٦٨    | الفرقان  | ٢٥     | وَالَّذِينَ لَا يَذْعُونَ     | ٣٨٣   |
| ٧٢    | الفرقان  | ٢٥     | وَالَّذِينَ لَا يَشْهَدُونَ   | ٣٨٣   |
| ٤١    | النحل    | ١٦     | وَالَّذِينَ هَاجَرُوا         | ٣٨٣   |
| ٥٨    | الحج     | ٢٢     | وَالَّذِينَ هَاجَرُوا         | ٣٨٣   |
| ٥٨    | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٥٩    | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٣٣    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٣٤    | المعارج  | ٧٠     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٩     | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٣     | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٣   |
| ٨     | المؤمنون | ٢٣     | وَالَّذِينَ هُمْ              | ٣٨٤   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                        |       |
| ١٦    | النساء   | ٤     | وَالَّذَانِ يَأْتِيَاهَا   | ٣٩٠٣  |
| ٩     | فاطر     | ٣٥    | وَاللَّهُ الَّذِي أَرْسَلَ | ٣٩٠٤  |
| ٧٨    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ أَخْرَجَكُمْ     | ٣٩٠٥  |
| ٤٥    | النساء   | ٤     | وَاللَّهُ أَعْلَمُ         | ٣٩٠٦  |
| ٢٣    | الإنتشاق | ٨٤    | وَاللَّهُ أَعْلَمُ         | ٣٩٠٧  |
| ١٧    | نوح      | ٧١    | وَاللَّهُ أَنْبَتَكُمْ     | ٣٩٠٨  |
| ٦٥    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ أَنْزَلَ         | ٣٩٠٩  |
| ١٩    | نوح      | ٧١    | وَاللَّهُ جَعَلَ لَكُمْ    | ٣٩١٠  |
| ٨١    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ جَعَلَ لَكُمْ    | ٣٩١١  |
| ٧٢    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ جَعَلَ لَكُمْ    | ٣٩١٢  |
| ٨٠    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ جَعَلَ لَكُمْ    | ٣٩١٣  |
| ٤٥    | النور    | ٢٤    | وَاللَّهُ خَلَقَ           | ٣٩١٤  |
| ٧٠    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ خَلَقَكُمْ       | ٣٩١٥  |
| ١١    | فاطر     | ٣٥    | وَاللَّهُ خَلَقَكُمْ       | ٣٩١٦  |
| ٩٦    | الصفافات | ٣٧    | وَاللَّهُ خَلَقَكُمْ       | ٣٩١٧  |
| ٧١    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ فَضَّلَ          | ٣٩١٨  |
| ٢٠    | البروج   | ٨٥    | وَاللَّهُ مِنْ وَرَائِهِم  | ٣٩١٩  |
| ٢٥    | يونس     | ١٠    | وَاللَّهُ يَدْعُو          | ٣٩٢٠  |
| ٢٧    | النساء   | ٤     | وَاللَّهُ يُرِيدُ          | ٣٩٢١  |
| ١٩    | النحل    | ١٦    | وَاللَّهُ يَعْلَمُ         | ٣٩٢٢  |
| ٢٠    | غافر     | ٤٠    | وَاللَّهُ يَقْضِي          | ٣٩٢٣  |
| ٣٣    | المدنر   | ٧٤    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٤  |
| ٢     | الضحى    | ٩٣    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٥  |
| ١٧    | التكوير  | ٨١    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٦  |
| ٤     | الفجر    | ٨٩    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٧  |
| ٤     | الشمس    | ٩١    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٨  |
| ١     | الليل    | ٩٢    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٢٩  |
| ١٧    | الإنتشاق | ٨٤    | وَاللَّيْلِ                | ٣٩٣٠  |
| ٥٣    | النجم    | ٥٣    | وَالْمُؤْتَفِكَةَ          | ٣٩٣١  |
| ٧١    | النوبة   | ٩     | وَالْمُؤْمِنُونَ           | ٣٩٣٢  |
| ٢٤    | النساء   | ٤     | وَالْمُخْصَّصَاتُ          | ٣٩٣٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                  | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                   |       |
| ٣٣    | مريم     | ١٩    | وَالسَّلَامُ عَلَيَّ  | ٣٨٧٢  |
| ٤٧    | الذاريات | ٥١    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٣  |
| ١     | البروج   | ٨٥    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٤  |
| ٧     | الذاريات | ٥١    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٥  |
| ١١    | الطارق   | ٨٦    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٦  |
| ٧     | الرحمن   | ٥٥    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٧  |
| ١     | الطارق   | ٨٦    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٨  |
| ٥     | الشمس    | ٩١    | وَالسَّمَاءَ          | ٣٨٧٩  |
| ٢٢٤   | الشعراء  | ٢٦    | وَالشُّعْرَاءُ        | ٣٨٨٠  |
| ٣     | الفجر    | ٨٩    | وَالشُّعُوعُ          | ٣٨٨١  |
| ٣٨    | يس       | ٣٦    | وَالشَّمْسُ           | ٣٨٨٢  |
| ١     | الشمس    | ٩١    | وَالشَّمْسُ           | ٣٨٨٣  |
| ٣٧    | ص        | ٣٨    | وَالشَّيَاطِينِ       | ٣٨٨٤  |
| ١     | الصفافات | ٣٧    | وَالصَّافَاتِ         | ٣٨٨٥  |
| ٣٤    | المدنر   | ٧٤    | وَالصَّبْحِ           | ٣٨٨٦  |
| ١٨    | التكوير  | ٨١    | وَالصَّبْحِ           | ٣٨٨٧  |
| ١     | الضحى    | ٩٣    | وَالضُّحَى            | ٣٨٨٨  |
| ١     | الطور    | ٥٢    | وَالطُّورِ            | ٣٨٨٩  |
| ١٩    | ص        | ٣٨    | وَالطَّيْرِ           | ٣٨٩٠  |
| ١     | العاديات | ١٠٠   | وَالْعَادِيَاتِ       | ٣٨٩١  |
| ١     | العصر    | ١٠٣   | وَالْعَصْرِ           | ٣٨٩٢  |
| ١     | الفجر    | ٨٩    | وَالْفَجْرِ           | ٣٨٩٣  |
| ٢     | يس       | ٣٦    | وَالْقُرْآنِ          | ٣٨٩٤  |
| ١٨    | الإنتشاق | ٨٤    | وَالْقَمَرِ           | ٣٨٩٥  |
| ٢     | الشمس    | ٩١    | وَالْقَمَرِ           | ٣٨٩٦  |
| ٣٩    | يس       | ٣٦    | وَالْقَمَرِ           | ٣٨٩٧  |
| ٦٠    | النور    | ٢٤    | وَالْقَوَاعِدُ        | ٣٨٩٨  |
| ٢     | الزخرف   | ٤٣    | وَالكِتَابِ           | ٣٨٩٩  |
| ٢     | الدخان   | ٤٤    | وَالكِتَابِ           | ٣٩٠٠  |
| ٤     | الطلاق   | ٦٥    | وَاللَّائِي يَئِسْنَ  | ٣٩٠١  |
| ١٥    | النساء   | ٤     | وَاللَّائِي يَأْتِينَ | ٣٩٠٢  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                  |       |
| ٥٨    | ص        | ٣٨    | وَأَخْرُ                             | ٣٩٦٥  |
| ١٠٢   | التوبة   | ٩     | وَأَخْرُونَ اعْتَرَفُوا              | ٣٩٦٦  |
| ١٠٦   | التوبة   | ٩     | وَأَخْرُونَ مُرْجُونَ                | ٣٩٦٧  |
| ٣٨    | ص        | ٣٨    | وَأَخْرِينَ مُقَرَّبِينَ             | ٣٩٦٨  |
| ٣     | الجمعة   | ٦٢    | وَأَخْرِينَ مِنْهُمْ                 | ٣٩٦٩  |
| ٤١    | البقرة   | ٢     | وَأَمِنُوا بِمَا                     | ٣٩٧٠  |
| ٣٣    | يس       | ٣٦    | وَأَيَّةَ لَهُمْ                     | ٣٩٧١  |
| ٣٧    | يس       | ٣٦    | وَأَيَّةَ لَهُمْ                     | ٣٩٧٢  |
| ٤١    | يس       | ٣٦    | وَأَيَّةَ لَهُمْ                     | ٣٩٧٣  |
| ١٧٩   | الصفاء   | ٣٧    | وَأَبْصِرْ فَسَوْفَ                  | ٣٩٧٤  |
| ١٧٥   | الصفاء   | ٣٧    | وَأَبْصِرْهُمْ فَسَوْفَ              | ٣٩٧٥  |
| ٤٢    | القصاص   | ٢٨    | وَأَتَّبِعْتَهُمْ فِي هَذِهِ         | ٣٩٧٦  |
| ٦٠    | هود      | ١١    | وَأَتَّبِعُوا فِي هَذِهِ             | ٣٩٧٧  |
| ٩٩    | هود      | ١١    | وَأَتَّبِعُوا فِي هَذِهِ             | ٣٩٧٨  |
| ١٩٦   | البقرة   | ٢     | وَأَتَّبِعُوا الْحَجَّ وَالْعُمْرَةَ | ٣٩٧٩  |
| ٦٤    | الحجر    | ١٥    | وَأَتَّبِعْتَهُ بِالْحَقِّ           | ٣٩٨٠  |
| ٤٢    | الكهف    | ١٨    | وَأَحِيطَ بِبَيْتِهِ                 | ٣٩٨١  |
| ٦٧    | هود      | ١١    | وَأَخَذَ الَّذِينَ ظَلَمُوا          | ٣٩٨٢  |
| ١٦١   | النساء   | ٤     | وَأَخْرَجَهُمُ الرِّبَا              | ٣٩٨٣  |
| ٢     | الزلزلة  | ٩٩    | وَأَخْرَجَتِ الْأَرْضُ               | ٣٩٨٤  |
| ١٣    | الصف     | ٦١    | وَأَخْرَى تُحْيِيوْنَهَا             | ٣٩٨٥  |
| ٢١    | الفتح    | ٤٨    | وَأَخْرَى لَمْ تَقْدِرُوا            | ٣٩٨٦  |
| ٣٤    | القصاص   | ٢٨    | وَأَخِي هَارُونَ                     | ٣٩٨٧  |
| ٢٣    | إبراهيم  | ١٤    | وَأَدْخَلَ الَّذِينَ آمَنُوا         | ٣٩٨٨  |
| ١٢    | النمل    | ٢٧    | وَأَدْخَلَ يَدَكَ                    | ٣٩٨٩  |
| ٧٥    | الأنبياء | ٢١    | وَأَدْخَلْنَاهُ فِي رَحْمَتِنَا      | ٣٩٩٠  |
| ٨٦    | الأنبياء | ٢١    | وَأَدْخَلْنَاهُمْ فِي رَحْمَتِنَا    | ٣٩٩١  |
| ٣     | التوبة   | ٩     | وَأَذَانَ مِّنَ اللَّهِ              | ٣٩٩٢  |
| ٢٧    | الحج     | ٢٢    | وَأَذَّنَ فِي النَّاسِ               | ٣٩٩٣  |
| ٢     | الإشفاق  | ٨٤    | وَأَذْنَتْ لِرَبِّهَا                | ٣٩٩٤  |
| ٥     | الإشفاق  | ٨٤    | وَأَذْنَتْ لِرَبِّهَا                | ٣٩٩٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                           |       |
| ١     | المرسلات | ٧٧    | وَالْمُرْسَلَاتِ              | ٣٩٩٢  |
| ٢٢٨   | البقرة   | ٢     | وَالْمُطَفَّاتِ               | ٣٩٩٣  |
| ١٧    | الحاقة   | ٦٩    | وَالْمَلَكِ                   | ٣٩٩٣  |
| ١     | النازعات | ٧٩    | وَالنَّازِعَاتِ               | ٣٩٩٣  |
| ٣     | المرسلات | ٧٧    | وَالنَّشِيرَاتِ               | ٣٩٩٣  |
| ٢     | النازعات | ٧٩    | وَالنَّشِيطَاتِ               | ٣٩٩٣  |
| ١     | النجم    | ٥٣    | وَالنَّجْمِ                   | ٣٩٩٤  |
| ٦     | الرحمن   | ٥٥    | وَالنَّجْمِ                   | ٣٩٩٤  |
| ١٠    | ق        | ٥٠    | وَالنَّخْلِ                   | ٣٩٩٤  |
| ٢     | الليل    | ٩٢    | وَالنَّهَارِ                  | ٣٩٩٤  |
| ٣     | الشمس    | ٩١    | وَالنَّهَارِ                  | ٣٩٩٤  |
| ٢٣٣   | البقرة   | ٢     | وَالْوَالِدَاتِ يُرْضِعْنَ    | ٣٩٩٤  |
| ٨     | الأعراف  | ٧     | وَالْوَزْنَ يَوْمَئِذٍ        | ٣٩٩٤  |
| ٢     | البروج   | ٨٥    | وَالْيَوْمِ الْمَوْعُودِ      | ٣٩٩٤  |
| ٥٩    | يس       | ٣٦    | وَأَمَّا زُوايَ الْيَوْمِ     | ٣٩٩٤  |
| ٤     | المسد    | ١١١   | وَأَمْرَانَهُ حَمَّالَةَ      | ٣٩٩٤  |
| ٧١    | هود      | ١١    | وَأَمْرَانَهُ قَائِمَةَ       | ٣٩٩٥  |
| ١٢٢   | هود      | ١١    | وَأَنْتَظِرُوا إِنَّا         | ٣٩٩٥  |
| ١٦    | الحاقة   | ٦٩    | وَأَنْشَقَّتِ السَّمَاءُ      | ٣٩٩٥  |
| ٦     | ص        | ٣٨    | وَأَنْطَلَقَ الْمَلَأُ        | ٣٩٩٥  |
| ٢٦    | الإسراء  | ١٧    | وَأَتَّذَا الْفَرَبِيِّ       | ٣٩٩٥  |
| ٣٤    | إبراهيم  | ١٤    | وَأَتَّكَمُ                   | ٣٩٩٥  |
| ٤     | النساء   | ٤     | وَأَتَّو النَّسَاءُ           | ٣٩٩٥  |
| ٢     | النساء   | ٤     | وَأَتَّو الْبَيْتَامَى        | ٣٩٩٥  |
| ٢     | الإسراء  | ١٧    | وَأَتَّو الْبَيْتَامَى        | ٣٩٩٥  |
| ١٢٢   | النحل    | ١٦    | وَأَتَّيَّأَهُ فِي الدُّنْيَا | ٣٩٩٥  |
| ٨١    | الحجر    | ١٥    | وَأَتَّيَّأَهُمْ آيَاتِنَا    | ٣٩٩٦  |
| ١٧    | الجاثية  | ٤٥    | وَأَتَّيَّأَهُمْ بَيِّنَاتٍ   | ٣٩٩٦  |
| ٣٣    | الدخان   | ٤٤    | وَأَتَّيَّأَهُمْ              | ٣٩٩٦  |
| ١١٧   | الصفاء   | ٣٧    | وَأَتَّيَّأَهُمَا             | ٣٩٩٦  |
| ٣٨    | النازعات | ٧٩    | وَأَتَّزُّ                    | ٣٩٩٦  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                              | عام   |
| ٤٢    | فاطر     | ٣٥     | وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ             | ٤٠٢٧  |
| ٣٨    | النحل    | ١٦     | وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ             | ٤٠٢٨  |
| ١١٤   | هود      | ١١     | وَأَقِمِ الصَّلَاةَ                | ٤٠٢٩  |
| ٤٣    | البقرة   | ٢      | وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ             | ٤٠٣٠  |
| ٥٦    | النور    | ٢٤     | وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ             | ٤٠٣١  |
| ١١٠   | البقرة   | ٢      | وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ             | ٤٠٣٢  |
| ٩     | الرحمن   | ٥٥     | وَأَقِيمُوا الْوِزْنَ              | ٤٠٣٣  |
| ١٤    | الغاشية  | ٨٨     | وَأَكْوَابَ مَوْضُوعَةً            | ٤٠٣٤  |
| ١٦    | الطارق   | ٨٦     | وَأَكِيدُ كَيْدًا                  | ٤٠٣٥  |
| ٦٣    | الأنفال  | ٨      | وَأَلَّفَ بَيْنَ قُلُوبِهِمْ       | ٤٠٣٦  |
| ١٠    | النمل    | ٢٧     | وَأَلَّفَ بَيْنَ قُلُوبِهِمْ       | ٤٠٣٧  |
| ٦٩    | طه       | ٢٠     | وَأَلْقَى مَا فِي يَمِينِكَ        | ٤٠٣٨  |
| ٤     | الإشراق  | ٨٤     | وَأَلْقَتْ مَا فِيهَا              | ٤٠٣٩  |
| ٨٧    | النحل    | ١٦     | وَأَلْفَوْا إِلَى اللَّهِ          | ٤٠٤٠  |
| ١٥    | النحل    | ١٦     | وَأَلْفَى فِي الْأَرْضِ            | ٤٠٤١  |
| ١٢٠   | الأعراف  | ٧      | وَأَلْفَى السَّحْرَةَ              | ٤٠٤٢  |
| ٨٢    | الكهف    | ١٨     | وَأَمَّا الْجِدَارُ                | ٤٠٤٣  |
| ١٠٧   | آل عمران | ٣      | وَأَمَّا الَّذِينَ ابْيَضَّتْ      | ٤٠٤٤  |
| ٥٧    | آل عمران | ٣      | وَأَمَّا الَّذِينَ آمَنُوا         | ٤٠٤٥  |
| ١٠٨   | هود      | ١١     | وَأَمَّا الَّذِينَ سَعَدُوا        | ٤٠٤٦  |
| ٢٠    | السجدة   | ٣٢     | وَأَمَّا الَّذِينَ فَسَقُوا        | ٤٠٤٧  |
| ١٢٥   | التوبة   | ٩      | وَأَمَّا الَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ | ٤٠٤٨  |
| ٣١    | الجاثية  | ٤٥     | وَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٤٠٤٩  |
| ١٦    | الروم    | ٣٠     | وَأَمَّا الَّذِينَ كَفَرُوا        | ٤٠٥٠  |
| ١٠    | الضحى    | ٩٣     | وَأَمَّا السَّائِلِ                | ٤٠٥١  |
| ٨٠    | الكهف    | ١٨     | وَأَمَّا الْغُلَامُ                | ٤٠٥٢  |
| ١٥    | الجن     | ٧٢     | وَأَمَّا الْقَاسِطُونَ             | ٤٠٥٣  |
| ١٦    | الفجر    | ٨٩     | وَأَمَّا إِذَا مَا                 | ٤٠٥٤  |
| ٩٢    | الواقعة  | ٥٦     | وَأَمَّا إِنْ كَانَ                | ٤٠٥٥  |
| ٩٠    | الواقعة  | ٥٦     | وَأَمَّا إِنْ كَانَ                | ٤٠٥٦  |
| ١١    | الضحى    | ٩٣     | وَأَمَّا بِنِعْمَةِ رَبِّكَ        | ٤٠٥٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ٧٠    | الأنبياء | ٢١     | وَأَرَادُوا بِهِ          | ٣٩٩٦  |
| ٣     | الفيل    | ١٠٥    | وَأَرْسَلْ عَلَيْهِمْ     | ٣٩٩٧  |
| ٢٢    | الحجر    | ١٥     | وَأَرْسَلْنَا الرِّيحَ    | ٣٩٩٨  |
| ١٤٧   | الصفافات | ٣٧     | وَأَرْسَلْنَاهُ إِلَى     | ٣٩٩٩  |
| ٩٠    | الشعراء  | ٢٦     | وَأَزَلَّكَتِ الْجِنَّةَ  | ٤٠٠٠  |
| ٣١    | ق        | ٥٠     | وَأَزَلَّكَتِ الْجِنَّةَ  | ٤٠٠١  |
| ٦٤    | الشعراء  | ٢٦     | وَأَزَلَّكَتْنَا ثُمَّ    | ٤٠٠٢  |
| ١٣    | الملك    | ٦٧     | وَأَسْرَوْا قَوْلَكُمْ    | ٤٠٠٣  |
| ٦٩    | الزمر    | ٣٩     | وَأَشْرَقَتْ الْأَرْضُ    | ٤٠٠٤  |
| ٣٢    | طه       | ٢٠     | وَأَشْرَكَهُ فِي أَمْرِي  | ٤٠٠٥  |
| ٨٢    | القصص    | ٢٨     | وَأَصْبَحَ الَّذِينَ      | ٤٠٠٦  |
| ١٠    | القصص    | ٢٨     | وَأَصْبَحَ فُؤَادُ        | ٤٠٠٧  |
| ١٤    | ق        | ٥٠     | وَأَصْحَابِ الْأَيْكَةِ   | ٤٠٠٨  |
| ٤١    | الواقعة  | ٥٦     | وَأَصْحَابِ الشَّمَالِ    | ٤٠٠٩  |
| ٩     | الواقعة  | ٥٦     | وَأَصْحَابِ الْمَشْأَمَةِ | ٤٠١٠  |
| ٢٧    | الواقعة  | ٥٦     | وَأَصْحَابِ اليمِينِ      | ٤٠١١  |
| ٤٤    | الحج     | ٢٢     | وَأَصْحَابِ مَدِينٍ       | ٤٠١٢  |
| ٧٩    | طه       | ٢٠     | وَأَضَلَّ فِرْعَوْنُ      | ٤٠١٣  |
| ١٣٢   | آل عمران | ٣      | وَأَطِيعُوا اللَّهَ       | ٤٠١٤  |
| ١٢    | التغابن  | ٦٤     | وَأَطِيعُوا اللَّهَ       | ٤٠١٥  |
| ٩٢    | المائدة  | ٥      | وَأَطِيعُوا اللَّهَ       | ٤٠١٦  |
| ٤٦    | الأنفال  | ٨      | وَأَطِيعُوا اللَّهَ       | ٤٠١٧  |
| ٤٨    | مريم     | ١٩     | وَأَعْتَرَلَكُمْ          | ٤٠١٨  |
| ٦٠    | الأنفال  | ٨      | وَأَعِدُّوا لَهُمْ        | ٤٠١٩  |
| ٣٤    | النجم    | ٥٣     | وَأَعْطَى قَلِيلًا        | ٤٠٢٠  |
| ٩٨    | المؤمنون | ٢٣     | وَأَعُوذُ بِكَ رَبِّ      | ٤٠٢١  |
| ٢٩    | النازعات | ٧٩     | وَأَغْطِشْ لِيْهَا        | ٤٠٢٢  |
| ٢٧    | الصفافات | ٣٧     | وَأَقْبَلْ بَعْضَهُمْ     | ٤٠٢٣  |
| ٢٥    | الطور    | ٥٢     | وَأَقْبَلْ بَعْضَهُمْ     | ٤٠٢٤  |
| ٥٣    | النور    | ٢٤     | وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ    | ٤٠٢٥  |
| ١٠٩   | الأنعام  | ٦      | وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ    | ٤٠٢٦  |

| رقم   | السورة    | رقم    | شاهد                               | مسلسل |
|-------|-----------|--------|------------------------------------|-------|
| الآية |           | السورة | الآية                              | عام   |
| ٤٧    | النجم     | ٥٣     | وَأَنْ عَلَيْهِ الثَّنَاءُ         | ٤٠٨٩  |
| ١٩    | الدخان    | ٤٤     | وَأَنْ لَا تَعْلُوا                | ٤٠٩٠  |
| ١٦    | الجن      | ٧٢     | وَأَنْ لَوْ اسْتَقَامُوا           | ٤٠٩١  |
| ٣٩    | النجم     | ٥٣     | وَأَنْ لَيْسَ لِلْإِنْسَانِ        | ٤٠٩٢  |
| ١٥٣   | الأنعام   | ٦      | وَأَنْ هَذَا صِرَاطِي              | ٤٠٩٣  |
| ١٣    | طه        | ٢٠     | وَأَنَا اخْتَرْتُكَ                | ٤٠٩٤  |
| ٥     | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا ظَنَنْتَا                  | ٤٠٩٥  |
| ١٢    | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا ظَنَنْتَا                  | ٤٠٩٦  |
| ٩     | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا كُنَّا نَقْعُدُ            | ٤٠٩٧  |
| ١٠    | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا لَا نَذْرِي                | ٤٠٩٨  |
| ١٣    | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا لَمَّا سَمِعْنَا           | ٤٠٩٩  |
| ٨     | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا لَمَسْنَا السَّمَاءَ       | ٤١٠٠  |
| ١١    | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا مِنَّا الصَّالِحُونَ       | ٤١٠١  |
| ١٤    | الجن      | ٧٢     | وَأَنَا مِنَّا الْمُسْلِمُونَ      | ٤١٠٢  |
| ١٤٦   | الصفات    | ٣٧     | وَأَنْبِئْنَا عَلَيْهِ             | ٤١٠٣  |
| ٢     | البلد     | ٩٠     | وَأَنْتَ حِلٌّ                     | ٤١٠٤  |
| ٨٤    | الواقعة   | ٥٦     | وَأَنْتُمْ حِينِيذٍ                | ٤١٠٥  |
| ٦١    | النجم     | ٥٣     | وَأَنْتُمْ سَامِعُونَ              | ٤١٠٦  |
| ٥٣    | النمل     | ٢٧     | وَأَنْجَيْنَا الَّذِينَ آمَنُوا    | ٤١٠٧  |
| ٦٥    | الشعراء   | ٢٦     | وَأَنْجَيْنَا مُوسَى               | ٤١٠٨  |
| ٤٤    | إبراهيم   | ١٤     | وَأَنْذِرِ النَّاسَ                | ٤١٠٩  |
| ٥١    | الأنعام   | ٦      | وَأَنْذِرْ بِهِ                    | ٤١١٠  |
| ٢١٤   | الشعراء   | ٢٦     | وَأَنْذِرْ عَشِيرَتَكَ             | ٤١١١  |
| ١٨    | غافر      | ٤٠     | وَأَنْذِرْهُمْ يَوْمَ الْأَرْفَةِ  | ٤١١٢  |
| ٣٩    | مريم      | ١٩     | وَأَنْذِرْهُمْ يَوْمَ الْحَسْرَةِ  | ٤١١٣  |
| ٢٦    | الأحزاب   | ٣٣     | وَأَنْزَلِ الَّذِينَ ظَاهَرُواهُمْ | ٤١١٤  |
| ٤٨    | المائدة   | ٥      | وَأَنْزَلْنَا إِلَيْكَ الْكِتَابَ  | ٤١١٥  |
| ١٨    | المؤمنون  | ٢٣     | وَأَنْزَلْنَا مِنَ السَّمَاءِ      | ٤١١٦  |
| ١٤    | النبأ     | ٧٨     | وَأَنْزَلْنَا مِنَ الْمُعْصِرَاتِ  | ٤١١٧  |
| ١٩٥   | البقرة    | ٢      | وَأَنْفِقُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ   | ٤١١٨  |
| ١٠    | المنافقون | ٦٣     | وَأَنْفِقُوا مِنْ مَا              | ٤١١٩  |
|       |           |        | رَزَقْنَاكُمْ                      |       |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                            | عام   |
| ١٧    | فصلت     | ٤١     | وَأَمَّا ثَمُودُ                 | ٤٠٠   |
| ٦     | الحاقة   | ٦٩     | وَأَمَّا عَادٌ                   | ٤٠٠   |
| ٨٨    | الكهف    | ١٨     | وَأَمَّا مَنْ آمَنَ              | ٤٠٠   |
| ٢٥    | الحاقة   | ٦٩     | وَأَمَّا مَنْ أَوْتِي            | ٤٠٠   |
| ١٠    | الإنشقاق | ٨٤     | وَأَمَّا مَنْ أَوْتِي            | ٤٠٠   |
| ٨     | الليل    | ٩٢     | وَأَمَّا مَنْ بَخِلَ             | ٤٠٠   |
| ٨     | عبس      | ٨٠     | وَأَمَّا مَنْ جَاعَكَ            | ٤٠٠   |
| ٤٠    | النازعات | ٧٩     | وَأَمَّا مَنْ خَافَ              | ٤٠٠   |
| ٨     | القارعة  | ١٠١    | وَأَمَّا مَنْ حَقَّتْ            | ٤٠٠   |
| ٢٢    | الطور    | ٥٢     | وَأَمَدَّنْتَاهُمْ بِقَاكِهِةِ   | ٤٠٠   |
| ١٣٢   | طه       | ٢٠     | وَأَمْرٌ أَهْلَكَ بِالصَّلَاةِ   | ٤٠٠   |
| ١٢    | الزمر    | ٣٩     | وَأَمْرٌ أَنْ أَكُونَ            | ٤٠٠   |
| ٨٤    | الأعراف  | ٧      | وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ         | ٤٠٧   |
| ١٧٣   | الشعراء  | ٢٦     | وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ         | ٤٠٧   |
| ٥٨    | النمل    | ٢٧     | وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ         | ٤٠٧   |
| ١٨٣   | الأعراف  | ٧      | وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ         | ٤٠٧   |
| ٤٥    | القلم    | ٦٨     | وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهِمْ         | ٤٠٧   |
| ٣٥    | عبس      | ٨٠     | وَأَمَّهُ وَأَبِيهِ              | ٤٠٧   |
| ٤٩    | المائدة  | ٥      | وَأَنْ أَحْكَمْ بَيْنَهُمْ       | ٤٠٧   |
| ٣     | هود      | ١١     | وَأَنْ اسْتَغْفِرُوا رَبَّكُمْ   | ٤٠٧   |
| ٦١    | يس       | ٣٦     | وَأَنْ اعْبُدُونِي               | ٤٠٧   |
| ١٠    | الإسراء  | ١٧     | وَأَنْ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ | ٤٠٧   |
| ٧     | الحج     | ٢٢     | وَأَنْ السَّاعَةَ آتِيَةٌ        | ٤٠٨   |
| ١٨    | الجن     | ٧٢     | وَأَنْ الْمَسَاجِدَ لِلَّهِ      | ٤٠٨   |
| ٩٢    | النمل    | ٢٧     | وَأَنْ أَتْلُو الْقُرْآنَ        | ٤٠٨   |
| ١٠٥   | يونس     | ١٠     | وَأَنْ لِقَمٍ وَجْهَكَ           | ٤٠٨   |
| ٧٢    | الأنعام  | ٦      | وَأَنْ أَقِيمُوا الصَّلَاةَ      | ٤٠٨   |
| ٣١    | القصص    | ٢٨     | وَأَنْ أَلْقِ عَصَاكَ            | ٤٠٨   |
| ٤٢    | النجم    | ٥٣     | وَأَنْ إِلَى رَبِّكَ             | ٤٠٨   |
| ٤٠    | النجم    | ٥٣     | وَأَنْ سَعِيَةٌ                  | ٤٠٨   |
| ٥٠    | الحجر    | ١٥     | وَأَنْ عَذَابِي                  | ٤٠٨   |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                                    | مسلسل |
|-------|----------|-----|-----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                                   | عام   |
| ٦٠    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ اسْتَسْقَى مُوسَى                | ٤١٥١  |
| ١٦    | الكهف    | ١٨  | وَإِذْ اعْتَزَلْتُمُوهُمْ               | ٤١٥٢  |
| ٥٣    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ أَنْتَبْنَا مُوسَى<br>الْكِتَابِ | ٤١٥٣  |
| ١٨٧   | آل عمران | ٣   | وَإِذْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ          | ٤١٥٤  |
| ٨١    | آل عمران | ٣   | وَإِذْ أَخَذَ اللَّهُ مِيثَاقَ          | ٤١٥٥  |
| ١٧٢   | الأعراف  | ٧   | وَإِذْ أَخَذَ رَبُّكَ                   | ٤١٥٦  |
| ٧     | الأحزاب  | ٣٣  | وَإِذْ أَخَذْنَا مِنَ النَّبِيِّينَ     | ٤١٥٧  |
| ٨٣    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَ               | ٤١٥٨  |
| ٨٤    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ           | ٤١٥٩  |
| ٦٣    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ           | ٤١٦٠  |
| ٩٣    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ أَخَذْنَا مِيثَاقَكُمْ           | ٤١٦١  |
| ٣     | التحریم  | ٦٦  | وَإِذْ أَسْرَأَ النَّبِيُّ              | ٤١٦٢  |
| ١٤١   | الأعراف  | ٧   | وَإِذْ أَنْجَيْنَاكُمْ                  | ٤١٦٣  |
| ١١١   | المائدة  | ٥   | وَإِذْ أَوْحَيْنَا                      | ٤١٦٤  |
| ٢٦    | الحج     | ٢٢  | وَإِذْ بَوَّأْنَا لِإِبْرَاهِيمَ        | ٤١٦٥  |
| ١٦٧   | الأعراف  | ٧   | وَإِذْ تَأَذَّنَ رَبُّكَ                | ٤١٦٦  |
| ٧     | إبراهيم  | ١٤  | وَإِذْ تَأَذَّنَ رَبُّكُمْ              | ٤١٦٧  |
| ٣٧    | الأحزاب  | ٣٣  | وَإِذْ تَقُولُ                          | ٤١٦٨  |
| ١٢٥   | البقرة   | ٢   | وَإِذْ جَعَلْنَا الْبَيْتَ              | ٤١٦٩  |
| ٤٨    | الأنفال  | ٨   | وَإِذْ زَيَّنَّا لَهُمُ الشَّيْطَانَ    | ٤١٧٠  |
| ٢٩    | الأحقاف  | ٤٦  | وَإِذْ صَرَقْنَا إِلَيْكَ               | ٤١٧١  |
| ١٢١   | آل عمران | ٣   | وَإِذْ غَدَوْتَ مِنْ أَهْلِكَ           | ٤١٧٢  |
| ٥٠    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ فَرَقْنَا بِكُمْ الْبَحْرَ       | ٤١٧٣  |
| ١١٦   | المائدة  | ٥   | وَإِذْ قَالَ اللَّهُ                    | ٤١٧٤  |
| ٣٥    | إبراهيم  | ١٤  | وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ               | ٤١٧٥  |
| ١٢٦   | البقرة   | ٢   | وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ               | ٤١٧٦  |
| ١٦٠   | البقرة   | ٢   | وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ               | ٤١٧٧  |
| ٧٤    | الأنعام  | ٦   | وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ               | ٤١٧٨  |
| ٢٦    | الزخرف   | ٤٣  | وَإِذْ قَالَ إِبْرَاهِيمُ               | ٤١٧٩  |
| ٣٠    | البقرة   | ٢   | وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلَائِكَةِ    | ٤١٨٠  |
| ٢٨    | الحجر    | ١٥  | وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلَائِكَةِ    | ٤١٨١  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                                  | مسلسل |
|-------|----------|-----|---------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                                 | عام   |
| ١١٩   | طه       | ٢٠  | وَأَنَّكَ لَا تَظُنُّا                | ٤١٢٠  |
| ٣٢    | النور    | ٢٤  | وَأَنْكَحُوا الْأَيَامَى              | ٤١٢١  |
| ٥٠    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ أَهْلَكَ عَادًا             | ٤١٢٢  |
| ٣     | الجن     | ٧٢  | وَأَنَّهُ تَعَالَى جَدُّ رَبِّنَا     | ٤١٢٣  |
| ٤٥    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ خَلَقَ الزَّوْجِينَ         | ٤١٢٤  |
| ٦     | الجن     | ٧٢  | وَأَنَّهُ كَانَ رِجَالٌ               | ٤١٢٥  |
| ٤     | الجن     | ٧٢  | وَأَنَّهُ كَانَ يَفُولُ               | ٤١٢٦  |
| ١٩    | الجن     | ٧٢  | وَأَنَّهُ لَمَّا قَامَ عَبْدُ اللَّهِ | ٤١٢٧  |
| ٤٣    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ هُوَ أَضْحَكَ               | ٤١٢٨  |
| ٤٨    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ هُوَ أَعْنَى                | ٤١٢٩  |
| ٤٤    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ هُوَ أَمَاتَ                | ٤١٣٠  |
| ٤٩    | النجم    | ٥٣  | وَأَنَّهُ هُوَ رَبُّ الشَّعْرَى       | ٤١٣١  |
| ٧     | الجن     | ٧٢  | وَأَنَّهُمْ ظَنُّوا                   | ٤١٣٢  |
| ٢٢٦   | الشعراء  | ٢٦  | وَأَنَّهُمْ يَقُولُونَ                | ٤١٣٣  |
| ٥٤    | الزمر    | ٣٩  | وَأَنبِئُوا إِلَى رَبِّكُمْ           | ٤١٣٤  |
| ١٩    | النارعات | ٧٩  | وَأَهْدِيكَ إِلَى رَبِّكَ             | ٤١٣٥  |
| ٦٨    | النحل    | ١٦  | وَأَوْحَى رَبُّكَ                     | ٤١٣٦  |
| ٣٦    | هود      | ١١  | وَأَوْحَى إِلَى نُوحٍ                 | ٤١٣٧  |
| ٧     | القصص    | ٢٨  | وَأَوْحَيْنَا إِلَى أُمِّ مُوسَى      | ٤١٣٨  |
| ٥٢    | الشعراء  | ٢٦  | وَأَوْحَيْنَا إِلَى مُوسَى            | ٤١٣٩  |
| ١١٧   | الأعراف  | ٧   | وَأَوْحَيْنَا إِلَى مُوسَى            | ٤١٤٠  |
| ٨٧    | يونس     | ١٠  | وَأَوْحَيْنَا إِلَى مُوسَى            | ٤١٤١  |
| ٢٧    | الأحزاب  | ٣٣  | وَأَوْرَثَكُمْ أَرْضَهُمْ             | ٤١٤٢  |
| ١٣٧   | الأعراف  | ٧   | وَأَوْرَثْنَا الْقَوْمَ               | ٤١٤٣  |
| ٣٥    | الإسراء  | ١٧  | وَأَوْفُوا الْكَيْلَ                  | ٤١٤٤  |
| ٩١    | النحل    | ١٦  | وَأَوْفُوا بَعْدَ اللَّهِ             | ٤١٤٥  |
| ٨٣    | الأنبياء | ٢١  | وَأُتُوبُ إِذْ نَادَى                 | ٤١٤٦  |
| ٣٧    | النجم    | ٥٣  | وَأِبْرَاهِيمَ الَّذِي وَفَى          | ٤١٤٧  |
| ١٦    | العنكبوت | ٢٩  | وَأِبْرَاهِيمَ إِذْ قَالَ             | ٤١٤٨  |
| ٢٠٢   | الأعراف  | ٧   | وَأَخْوَانَهُمْ يَمْدُونَهُمْ         | ٤١٤٩  |
| ١٢٤   | البقرة   | ٢   | وَإِذْ ابْتَلَى إِبْرَاهِيمَ          | ٤١٥٠  |

الفهرس الهجائى لشواهد آيات القرآن الكرىد

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ٣٠    | الأنفال  | ٨      | وَإِذْ يَمْكُرُ بِكَ            | ٤٢١٣  |
| ٣     | الإيشقاق | ٨٤     | وَإِذَا الْأَرْضُ مُدَّتْ       | ٤٢١٤  |
| ٦     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْبِحَارُ سَجَرَتْ     | ٤٢١٥  |
| ٣     | الإيفطار | ٨٢     | وَإِذَا الْبِحَارُ فُجِّرَتْ    | ٤٢١٦  |
| ٣     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْجِبَالُ سُيِّرَتْ    | ٤٢١٧  |
| ١٠    | المرسلات | ٧٧     | وَإِذَا الْجِبَالُ نُسِفَتْ     | ٤٢١٨  |
| ١٢    | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْجَبِيمُ سُعِرَتْ     | ٤٢١٩  |
| ١٣    | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْجَنَّةُ أُنزِلَتْ    | ٤٢٢٠  |
| ١١    | المرسلات | ٧٧     | وَإِذَا الرُّسُلُ أُنقِذَتْ     | ٤٢٢١  |
| ٩     | المرسلات | ٧٧     | وَإِذَا السَّمَاءُ فُرِجَتْ     | ٤٢٢٢  |
| ١١    | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا السَّمَاءُ كُشِطَتْ     | ٤٢٢٣  |
| ١٠    | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الصُّحُفُ نُشِرَتْ      | ٤٢٢٤  |
| ٤     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْعِشَارُ عُطِّلَتْ    | ٤٢٢٥  |
| ٤     | الإيفطار | ٨٢     | وَإِذَا الْغُبُورُ بُعِثِرَتْ   | ٤٢٢٦  |
| ٢     | الإيفطار | ٨٢     | وَإِذَا الْكُوكَبُ انْتَثَرَتْ  | ٤٢٢٧  |
| ٨     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْمَوْءُودَةُ سُئِلَتْ | ٤٢٢٨  |
| ٢     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا النُّجُومُ انكَدَرَتْ   | ٤٢٢٩  |
| ٧     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا النُّفُوسُ زُوِّجَتْ    | ٤٢٣٠  |
| ٥     | التكوير  | ٨١     | وَإِذَا الْوُحُوشُ حُشِرَتْ     | ٤٢٣١  |
| ٣١    | المطففين | ٨٣     | وَإِذَا انْقَلَبُوا             | ٤٢٣٢  |
| ٣٦    | الروم    | ٣٠     | وَإِذَا أَنْقَا النَّاسُ        | ٤٢٣٣  |
| ٢١    | يونس     | ١٠     | وَإِذَا أَنْقَا النَّاسُ        | ٤٢٣٤  |
| ١٦    | الإسراء  | ١٧     | وَإِذَا أَرَدْنَا               | ٤٢٣٥  |
| ١٣    | الفرقان  | ٢٥     | وَإِذَا أَلْفُوا                | ٤٢٣٦  |
| ٨٦    | التوبة   | ٩      | وَإِذَا أَنْزَلْتُ سُورَةَ      | ٤٢٣٧  |
| ٥١    | فصلت     | ٤١     | وَإِذَا أَنْعَمْنَا             | ٤٢٣٨  |
| ٨٣    | الإسراء  | ١٧     | وَإِذَا أَنْعَمْنَا             | ٤٢٣٩  |
| ١٠١   | النحل    | ١٦     | وَإِذَا بَدَّلْنَا آيَةَ        | ٤٢٤٠  |
| ٥٨    | النحل    | ١٦     | وَإِذَا بَشَّرْنَا أَحَدَهُمْ   | ٤٢٤١  |
| ١٧    | الزخرف   | ٤٣     | وَإِذَا بَشَّرْنَا أَحَدَهُمْ   | ٤٢٤٢  |
| ١٣٠   | الشعراء  | ٢٦     | وَإِذَا بَطَشْتُمْ              | ٤٢٤٣  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                           | لسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------|-----|
| الآية |          | السورة | الآية                          | عام |
| ٦     | الصف     | ٦١     | وَإِذْ قَالَ عِيسَى            | ٤١٧ |
| ١٣    | لقمان    | ٣١     | وَإِذْ قَالَ لُقْمَانُ         | ٤١٧ |
| ٦٠    | الكهف    | ١٨     | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٦     | إبراهيم  | ١٤     | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٦٧    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٢٠    | المائدة  | ٥      | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٥٤    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٥     | الصف     | ٦١     | وَإِذْ قَالَ مُوسَى            | ٤١٧ |
| ٤٢    | آل عمران | ٣      | وَإِذْ قَالَتِ الْمَلَائِكَةُ  | ٤١٩ |
| ١٦٤   | الأعراف  | ٧      | وَإِذْ قَالَتِ أُمَّةٌ         | ٤١٩ |
| ١٣    | الأحزاب  | ٣٣     | وَإِذْ قَالَتِ طَائِفَةٌ       | ٤١٩ |
| ٣٢    | الأنفال  | ٨      | وَإِذْ قَالُوا اللَّهُمَّ      | ٤١٩ |
| ٧٢    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قَتَلْتُمْ نَفْسًا      | ٤١٩ |
| ٥٥    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قُلْتُمْ يَا مُوسَى     | ٤١٩ |
| ٦١    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قُلْتُمْ يَا مُوسَى     | ٤١٩ |
| ٥٨    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قُلْنَا انْخَلُوا       | ٤١٩ |
| ٦٠    | الإسراء  | ١٧     | وَإِذْ قُلْنَا لَكَ            | ٤١٩ |
| ١١٦   | طه       | ٢٠     | وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ | ٤١٩ |
| ٣٤    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ | ٤٢٠ |
| ٦١    | الإسراء  | ١٧     | وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ | ٤٢٠ |
| ٥٠    | الكهف    | ١٨     | وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ | ٤٢٠ |
| ١٦١   | الأعراف  | ٧      | وَإِذْ قِيلَ لَهُمْ            | ٤٢٠ |
| ١٠    | الشعراء  | ٢٦     | وَإِذْ نَادَى رَبُّكَ          | ٤٢٠ |
| ١٧١   | الأعراف  | ٧      | وَإِذْ نَفَقْنَا الْجَبَلَ     | ٤٢٠ |
| ٤٩    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ نَجَّيْنَاكُمْ          | ٤٢٠ |
| ٥١    | البقرة   | ٢      | وَإِذْ وَاعَدْنَا              | ٤٢٠ |
| ٤٧    | غافر     | ٤٠     | وَإِذْ يَتَحَاوُونَ            | ٤٢٠ |
| ١٢٧   | البقرة   | ٢      | وَإِذْ يَرْفَعُ إِبْرَاهِيمُ   | ٤٢٠ |
| ٤٤    | الأنفال  | ٨      | وَإِذْ يُرِيكُمُوهُمْ          | ٤٢١ |
| ٧     | الأنفال  | ٨      | وَإِذْ يَعِدُكُمُ اللَّهُ      | ٤٢١ |
| ١٢    | الأحزاب  | ٣٣     | وَإِذْ يَقُولُ الْمُنَافِقُونَ | ٤٢١ |

| رقم   | السورة    | رقم   | شاهد                                   | مسلسل |
|-------|-----------|-------|----------------------------------------|-------|
| الآية | السورة    | الآية | عام                                    |       |
| ٥     | القصص     | ٢٨    | وَإِذَا سَمِعُوا اللَّعْنَ             | ٤٢٧٥  |
| ٣     | المائدة   | ٥     | وَإِذَا سَمِعُوا مَا أَنْزَلَ          | ٤٢٧٦  |
| ٧     | الأعراف   | ٧     | وَإِذَا صُرِفَتْ أَبْصَارُهُمْ         | ٤٢٧٧  |
| ٠١    | النساء    | ٤     | وَإِذَا ضَرَبْتُمْ فِي<br>الْأَرْضِ    | ٤٢٧٨  |
| ٣١    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا طَلَقْتُمْ النِّسَاءَ          | ٤٢٧٩  |
| ٣٢    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا طَلَقْتُمْ النِّسَاءَ          | ٤٢٨٠  |
| ٩     | الجاثية   | ٤٥    | وَإِذَا عَلِمَ مِنْ آيَاتِنَا          | ٤٢٨١  |
| ٣٢    | لقمان     | ٣١    | وَإِذَا غَشِيَهُمْ مَوْجٌ              | ٤٢٨٢  |
| ٢٨    | الأعراف   | ٧     | وَإِذَا قَعَلُوا فَاحِشَةً             | ٤٢٨٣  |
| ٠٤    | الأعراف   | ٧     | وَإِذَا فُرئِ الْقُرْآنُ               | ٤٢٨٤  |
| ٢١    | الإشفاق   | ٨٤    | وَإِذَا فُرئِ عَلَيْهِمُ<br>الْقُرْآنُ | ٤٢٨٥  |
| ٤٥    | الإسراء   | ١٧    | وَإِذَا قُرَأَتِ الْقُرْآنُ            | ٤٢٨٦  |
| ٣٢    | الجاثية   | ٤٥    | وَإِذَا قِيلَ إِنَّ                    | ٤٢٨٧  |
| ٢٠٦   | البقرة    | ٢     | وَإِذَا قِيلَ لَهُ                     | ٤٢٨٨  |
| ١٧٠   | البقرة    | ٢     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٨٩  |
| ٢١    | لقمان     | ٣١    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٠  |
| ٤٥    | يس        | ٣٦    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩١  |
| ٤٨    | المرسلات  | ٧٧    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٢  |
| ٦٠    | الفرقان   | ٢٥    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٣  |
| ٩١    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٤  |
| ١٣    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٥  |
| ٤٧    | يس        | ٣٦    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٦  |
| ٦١    | النساء    | ٤     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٧  |
| ١٠٤   | المائدة   | ٥     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٨  |
| ٥     | المنافقون | ٦٣    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٢٩٩  |
| ١١    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٣٠٠  |
| ٢٤    | النحل     | ١٦    | وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ                   | ٤٣٠١  |
| ٣     | المطففين  | ٨٣    | وَإِذَا كَالُواهُمْ                    | ٤٣٠٢  |
| ١٠٢   | النساء    | ٤     | وَإِذَا كُنْتُمْ فِيهِمْ               | ٤٣٠٣  |
| ٦٧    | النساء    | ٤     | وَإِذَا لَاتَيْتَانَهُمْ               | ٤٣٠٤  |
| ٧٦    | البقرة    | ٢     | وَإِذَا لَفَؤُا الَّذِينَ آمَنُوا      | ٤٣٠٥  |

| رقم   | السورة    | رقم   | شاهد                          | مسلسل |
|-------|-----------|-------|-------------------------------|-------|
| الآية | السورة    | الآية | عام                           |       |
| ٥٩    | النور     | ٢٤    | وَإِذَا بَلَغَ الْأَطْفَالُ   | ٤٢٤٤  |
| ٧     | لقمان     | ٣١    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِ     | ٤٢٤٥  |
| ٧٢    | الحج      | ٢٢    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٤٦  |
| ٧     | الأحقاف   | ٤٦    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٤٧  |
| ٧٣    | مريم      | ١٩    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٤٨  |
| ١٥    | يونس      | ١٠    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٤٩  |
| ٤٣    | سبا       | ٣٤    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٥٠  |
| ٢٥    | الجاثية   | ٤٥    | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٥١  |
| ٣١    | الأنفال   | ٨     | وَإِذَا تَنَلَّى عَلَيْهِمْ   | ٤٢٥٢  |
| ٢٠٥   | البقرة    | ٢     | وَإِذَا تَوَلَّى سَعَى        | ٤٢٥٣  |
| ١٢٤   | الأنعام   | ٦     | وَإِذَا جَاءَتْهُمْ آيَةٌ     | ٤٢٥٤  |
| ٥٤    | الأنعام   | ٦     | وَإِذَا جَاءَكَ               | ٤٢٥٥  |
| ٨٣    | النساء    | ٤     | وَإِذَا جَاءَهُمْ             | ٤٢٥٦  |
| ٦١    | المائدة   | ٥     | وَإِذَا جَاءَوْكُمْ           | ٤٢٥٧  |
| ٦     | الأحقاف   | ٤٦    | وَإِذَا خُضِرَ النَّاسُ       | ٤٢٥٨  |
| ٨     | النساء    | ٤     | وَإِذَا خَضَرَ الْقِسْمَةَ    | ٤٢٥٩  |
| ٨٦    | النساء    | ٤     | وَإِذَا حَبِثْتُمْ بِحَبِثَةٍ | ٤٢٦٠  |
| ٤٨    | النور     | ٢٤    | وَإِذَا دُعُوا إِلَى اللَّهِ  | ٤٢٦١  |
| ٤٥    | الزمر     | ٣٩    | وَإِذَا ذُكِرَ اللَّهُ        | ٤٢٦٢  |
| ١٣    | الصفات    | ٣٧    | وَإِذَا ذُكِرُوا              | ٤٢٦٣  |
| ٣٦    | الأنبياء  | ٢١    | وَإِذَا رَأَى                 | ٤٢٦٤  |
| ١٤    | الصفات    | ٣٧    | وَإِذَا رَأُوا آيَةً          | ٤٢٦٥  |
| ١١    | الجمعة    | ٦٢    | وَإِذَا رَأُوا تِجَارَةً      | ٤٢٦٦  |
| ٤١    | الفرقان   | ٢٥    | وَإِذَا رَأَوْكَ              | ٤٢٦٧  |
| ٣٢    | المطففين  | ٨٣    | وَإِذَا رَأَوْهُمْ            | ٤٢٦٨  |
| ٨٦    | النحل     | ١٦    | وَإِذَا رَأَى                 | ٤٢٦٩  |
| ٨٥    | النحل     | ١٦    | وَإِذَا رَأَى                 | ٤٢٧٠  |
| ٦٨    | الأنعام   | ٦     | وَإِذَا رَأَيْتَ              | ٤٢٧١  |
| ٢٠    | الإنسان   | ٧٦    | وَإِذَا رَأَيْتَ              | ٤٢٧٢  |
| ٤     | المنافقون | ٦٣    | وَإِذَا رَأَيْتَهُمْ          | ٤٢٧٣  |
| ١٨٦   | البقرة    | ٢     | وَإِذَا سَأَلَكَ عِبَادِي     | ٤٢٧٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                              |       |
| ٢٠٠   | الأعراف  | ٧     | وَأَمَّا يَنْزِعُكَ              | ٤٣٣٧  |
| ٣٦    | فصلت     | ٤١    | وَأَمَّا يَنْزِعُكَ              | ٤٣٣٨  |
| ٦     | الذاريات | ٥١    | وَأَنَّ الدِّينَ لَوَاقِعٌ       | ٤٣٣٩  |
| ٧٤    | المؤمنون | ٢٣    | وَأَنَّ الدِّينَ لَا يُؤْمِنُونَ | ٤٣٤٠  |
| ١٤    | الإفطار  | ٨٢    | وَأَنَّ الفَجَّارَ               | ٤٣٤١  |
| ٣٦    | مريم     | ١٩    | وَأَنَّ اللّٰهَ رَبِّى           | ٤٣٤٢  |
| ١٢٨   | النساء   | ٤     | وَأَنَّ امْرَأَةً خَافَتْ        | ٤٣٤٣  |
| ٦     | التوبة   | ٩     | وَأَنَّ أَحَدًا مَّنْ            | ٤٣٤٤  |
| ١١١   | الأنبياء | ٢١    | وَأَنَّ ادْرِي لَعَلَّهُ         | ٤٣٤٥  |
| ٢٠    | النساء   | ٤     | وَأَنَّ أَرَدْتُمْ اسْتِيذَالَ   | ٤٣٤٦  |
| ١٢٣   | الصفات   | ٣٧    | وَأَنَّ الْبَاسَ                 | ٤٣٤٧  |
| ٧     | طه       | ٢٠    | وَأَنَّ تَجْهَرُ بِالْقَوْلِ     | ٤٣٤٨  |
| ١٩٣   | الأعراف  | ٧     | وَأَنَّ تَدْعُوهُمْ              | ٤٣٤٩  |
| ١٩٨   | الأعراف  | ٧     | وَأَنَّ تَدْعُوهُمْ              | ٤٣٥٠  |
| ١١٦   | الأنعام  | ٦     | وَأَنَّ تُطِغَ                   | ٤٣٥١  |
| ٥     | الرعد    | ١٣    | وَأَنَّ تُعْجَبَ                 | ٤٣٥٢  |
| ١٨    | النحل    | ١٦    | وَأَنَّ تُعْذُوا                 | ٤٣٥٣  |
| ١٨    | العنكبوت | ٢٩    | وَأَنَّ تُكْذِبُوا               | ٤٣٥٤  |
| ٤٠    | الأنفال  | ٨     | وَأَنَّ تَوَلَّوْا               | ٤٣٥٥  |
| ٦٨    | الحج     | ٢٢    | وَأَنَّ جَانُلُوكَ               | ٤٣٥٦  |
| ١٥    | لقمان    | ٣١    | وَأَنَّ جَاهِدَاكَ               | ٤٣٥٧  |
| ٦١    | الأنفال  | ٨     | وَأَنَّ جَنَحُوا لِلْسَّلْمِ     | ٤٣٥٨  |
| ١٧٣   | الصفات   | ٣٧    | وَأَنَّ جُنَدَنَا                | ٤٣٥٩  |
| ٤٣    | الحجر    | ١٥    | وَأَنَّ جَهَنَّمَ                | ٤٣٦٠  |
| ٣     | النساء   | ٤     | وَأَنَّ خِفْتُمْ                 | ٤٣٦١  |
| ٣٥    | النساء   | ٤     | وَأَنَّ خِفْتُمْ                 | ٤٣٦٢  |
| ٧٣    | النمل    | ٢٧    | وَأَنَّ رَبِّكَ                  | ٤٣٦٣  |
| ٩     | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنَّ رَبِّكَ                  | ٤٣٦٤  |
| ٦٨    | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنَّ رَبِّكَ                  | ٤٣٦٥  |
| ١٠٤   | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنَّ رَبِّكَ                  | ٤٣٦٦  |
| ١٢٢   | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنَّ رَبِّكَ                  | ٤٣٦٧  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                               | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                |       |
| ١٤    | البقرة   | ٢     | وَإِذَا لَعُفُوا الَّذِينَ آمَنُوا | ٤٣٠   |
| ٢٠٣   | الأعراف  | ٧     | وَإِذَا لَمْ تَأْتِهِمْ بَيِّنَةٌ  | ٤٣٠   |
| ١٢٤   | التوبة   | ٩     | وَإِذَا مَا أَنْزَلْنَا سُورَةَ    | ٤٣٠   |
| ١٢٧   | التوبة   | ٩     | وَإِذَا مَا أَنْزَلْنَا سُورَةَ    | ٤٣٠   |
| ٨٠    | الشعراء  | ٢٦    | وَإِذَا مَرَضْتُمْ                 | ٤٣١   |
| ٣٠    | المطففين | ٨٣    | وَإِذَا مَرُّوا                    | ٤٣١   |
| ١٢    | يونس     | ١٠    | وَإِذَا مَسَّ الْإِنْسَانَ         | ٤٣١   |
| ٨     | الزمر    | ٣٩    | وَإِذَا مَسَّ الْإِنْسَانَ         | ٤٣١   |
| ٣٣    | الروم    | ٣٠    | وَإِذَا مَسَّ النَّاسَ             | ٤٣١   |
| ٦٧    | الإسراء  | ١٧    | وَإِذَا مَسَّكُمْ الضَّرُّ         | ٤٣١   |
| ٢١    | المعارج  | ٧٠    | وَإِذَا مَسَّ الْخَيْرَ            | ٤٣١   |
| ٥٨    | المائدة  | ٥     | وَإِذَا تَأَذَّبْتُمْ              | ٤٣١   |
| ٨٢    | النمل    | ٢٧    | وَإِذَا وَقَعَ الْقَوْلُ           | ٤٣١   |
| ٥٣    | القصص    | ٢٨    | وَإِذَا يَنْطَلِقُ عَلَيْهِمْ      | ٤٣١   |
| ٨٦    | الأنعام  | ٦     | وَإِسْمَاعِيلَ وَالْيَسَعَ         | ٤٣٢   |
| ٨٥    | الأنبياء | ٢١    | وَإِسْمَاعِيلَ وَإِدْرِيسَ         | ٤٣٢   |
| ١٦٣   | البقرة   | ٢     | وَإِلَهُكُمْ إِلَهٌ وَاحِدٌ        | ٤٣٢   |
| ٢٠    | الغاشية  | ٨٨    | وَإِلَى الْأَرْضِ كَيْفَ           | ٤٣٢   |
| ١٩    | الغاشية  | ٨٨    | وَإِلَى الْجِبَالِ كَيْفَ          | ٤٣٢   |
| ١٨    | الغاشية  | ٨٨    | وَإِلَى السَّمَاءِ كَيْفَ          | ٤٣٢   |
| ٧٣    | الأعراف  | ٧     | وَإِلَى ثَمُودَ أَخَاهُمْ          | ٤٣٢   |
| ٦١    | هود      | ١١    | وَإِلَى ثَمُودَ أَخَاهُمْ          | ٤٣٢   |
| ٨     | الشرح    | ٩٤    | وَإِلَى رَبِّكَ فَارْغَبْ          | ٤٣٢   |
| ٦٥    | الأعراف  | ٧     | وَإِلَى عَادٍ أَخَاهُمْ            | ٤٣٢   |
| ٥٠    | هود      | ١١    | وَإِلَى عَادٍ أَخَاهُمْ            | ٤٣٣   |
| ٣٦    | العنكبوت | ٢٩    | وَإِلَى مَدْيَنَ أَخَاهُمْ         | ٤٣٣   |
| ٨٥    | الأعراف  | ٧     | وَإِلَى مَدْيَنَ أَخَاهُمْ         | ٤٣٣   |
| ٨٤    | هود      | ١١    | وَإِلَى مَدْيَنَ أَخَاهُمْ         | ٤٣٣   |
| ٥٨    | الأنفال  | ٨     | وَإِمَّا تَخَافَنَّ                | ٤٣٣   |
| ٢٨    | الإسراء  | ١٧    | وَإِمَّا تُغْرِضَنَّ               | ٤٣٣   |
| ٤٦    | يونس     | ١٠    | وَإِمَّا تُرِيكَنَّ                | ٤٣٣   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                          | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                         | عام   |
| ٢١    | المؤمنون | ٢٣     | وَإِنَّ لَكُمْ                | ٤٣٩٩  |
| ٤٧    | الطور    | ٥٢     | وَإِنَّ لِلَّذِينَ ظَلَمُوا   | ٤٤٠٠  |
| ٢١    | الدخان   | ٤٤     | وَإِن لَّمْ تَؤْمِنُوا        | ٤٤٠١  |
| ١٣    | الليل    | ٩٢     | وَإِنَّا لَنَّا               | ٤٤٠٢  |
| ٤٠    | ص        | ٣٨     | وَإِنَّ لَهُ                  | ٤٤٠٣  |
| ١٣٣   | الصفات   | ٣٧     | وَإِنَّ لَوْطًا               | ٤٤٠٤  |
| ٤٠    | الرعد    | ١٣     | وَإِن مَّا نُرِيَنَّكَ        | ٤٤٠٥  |
| ١٥٩   | النساء   | ٤      | وَإِن مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ | ٤٤٠٦  |
| ١٩٩   | آل عمران | ٣      | وَإِن مِّنْ أَهْلِ الْكِتَابِ | ٤٤٠٧  |
| ٢١    | الحجر    | ١٥     | وَإِن مِّنْ شَيْءٍ            | ٤٤٠٨  |
| ٨٣    | الصفات   | ٣٧     | وَإِن مِّنْ شَيْعَةٍ          | ٤٤٠٩  |
| ٥٨    | الإسراء  | ١٧     | وَإِن مِّنْ قَرْيَةٍ          | ٤٤١٠  |
| ٧١    | مريم     | ١٩     | وَإِن مِّنْكُمْ               | ٤٤١١  |
| ٧٢    | النساء   | ٤      | وَإِن مِّنْكُمْ               | ٤٤١٢  |
| ٧٨    | آل عمران | ٣      | وَإِن مِّنْهُمْ               | ٤٤١٣  |
| ٤٣    | يس       | ٣٦     | وَإِن تُشَا تُعْرِقْهُمْ      | ٤٤١٤  |
| ١٢    | التوبة   | ٩      | وَإِن تُكْتُوا أَيْمَانَهُمْ  | ٤٤١٥  |
| ٥٢    | المؤمنون | ٢٣     | وَإِنَّ هَذِهِ أُمَّتُكُمْ    | ٤٤١٦  |
| ١٣٠   | النساء   | ٤      | وَإِن يَنْقُرُوا              | ٤٤١٧  |
| ٢     | القمر    | ٥٤     | إِن يَرَوْا آيَةً             | ٤٤١٨  |
| ٤٤    | الطور    | ٥٢     | وَإِن يَرَوْا كِسْفًا         | ٤٤١٩  |
| ٦٢    | الأنفال  | ٨      | وَإِن يُرِيدُوا               | ٤٤٢٠  |
| ٧١    | الأنفال  | ٨      | وَإِن يُرِيدُوا               | ٤٤٢١  |
| ٥١    | القلم    | ٦٨     | وَإِن يَكَاذُ                 | ٤٤٢٢  |
| ٢٥    | فاطر     | ٣٥     | وَإِن يُكَذِّبُوكَ            | ٤٤٢٣  |
| ٤     | فاطر     | ٣٥     | وَإِن يُكَذِّبُوكَ            | ٤٤٢٤  |
| ٤٢    | الحج     | ٢٢     | وَإِن يُكَذِّبُوكَ            | ٤٤٢٥  |
| ٤٩    | النور    | ٢٤     | وَإِن يَكُنْ                  | ٤٤٢٦  |
| ١٠٧   | يونس     | ١٠     | وَإِن يَمْسَسْكَ اللَّهُ      | ٤٤٢٧  |
| ١٧    | الأنعام  | ٦      | وَإِن يَمْسَسْكَ اللَّهُ      | ٤٤٢٨  |
| ١٣٩   | الصفات   | ٣٧     | وَإِن يُوَسِّسْ               | ٤٤٢٩  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                          | عام   |
| ١٤٠   | الشعراء  | ٢٦     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٦٨  |
| ١٥٩   | الشعراء  | ٢٦     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٦٩  |
| ١٧٥   | الشعراء  | ٢٦     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٧٠  |
| ١٩١   | الشعراء  | ٢٦     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٧١  |
| ٧٤    | النمل    | ٢٧     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٧٢  |
| ٢٥    | الحجر    | ١٥     | وَإِنَّ رَبَّكَ                | ٤٣٧٣  |
| ٩     | الحجرات  | ٤٩     | وَإِن طَائِفَتَانِ             | ٤٣٧٤  |
| ٢٣٧   | البقرة   | ٢      | وَإِن طَلَّفْتُمُوهُنَّ        | ٤٣٧٥  |
| ١٢٦   | النحل    | ١٦     | وَإِن عَاقِبْتُمْ              | ٤٣٧٦  |
| ٢٢٧   | البقرة   | ٢      | وَإِن عَزَمُوا                 | ٤٣٧٧  |
| ٣٥    | الحجر    | ١٥     | وَإِنَّ عَلَيْكَ اللَّعْنَةَ   | ٤٣٧٨  |
| ٧٨    | ص        | ٢٨     | وَإِنَّ عَلَيْكَ لَعْنَتِي     | ٤٣٧٩  |
| ١٠    | الإنتظار | ٨٢     | وَإِنَّ عَلَيْكُمْ             | ٤٣٨٠  |
| ١١    | المتحنة  | ٦٠     | وَإِن فَاتَكُمْ شَيْءٌ         | ٤٣٨١  |
| ٧٦    | الإسراء  | ١٧     | وَإِن كَادُوا لَيَسْتَفِزُّوكَ | ٤٣٨٢  |
| ٧٣    | الإسراء  | ١٧     | وَإِن كَادُوا لَيَقْتُلُونَكَ  | ٤٣٨٣  |
| ٧٨    | الحجر    | ١٥     | وَإِن كَانَ                    | ٤٣٨٤  |
| ٢٨٠   | البقرة   | ٢      | وَإِن كَانَ                    | ٤٣٨٥  |
| ٨٧    | الأعراف  | ٧      | وَإِن كَانَ                    | ٤٣٨٦  |
| ٢٧    | يوسف     | ١٢     | وَإِن كَانَ                    | ٤٣٨٧  |
| ٣٥    | الأنعام  | ٦      | وَإِن كَانَ                    | ٤٣٨٨  |
| ١٦٧   | الصفات   | ٣٧     | وَإِن كَانُوا                  | ٤٣٨٩  |
| ٤٩    | الروم    | ٣٠     | وَإِن كَانُوا                  | ٤٣٩٠  |
| ٤١    | يونس     | ١٠     | وَإِن كَذَّبُوكَ               | ٤٣٩١  |
| ٣٢    | يس       | ٣٦     | وَإِن كُلُّ لَمَّا             | ٤٣٩٢  |
| ١١١   | هود      | ١١     | وَإِن كُلُّ لَمَّا             | ٤٣٩٣  |
| ٢٨٣   | البقرة   | ٢      | وَإِن كُنْتُمْ                 | ٤٣٩٤  |
| ٢٣    | البقرة   | ٢      | وَإِن كُنْتُمْ                 | ٤٣٩٥  |
| ٢٩    | الأحزاب  | ٣٣     | وَإِن كُنْتُنَّ                | ٤٣٩٦  |
| ٣     | القلم    | ٦٨     | وَإِنَّ لَكَ                   | ٤٣٩٧  |
| ٦٦    | النحل    | ١٦     | وَإِنَّ لَكُمْ                 | ٤٣٩٨  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         |       |
| ٨٢    | طه       | ٢٠    | وَأَنبِئْ لِقَارًا          | ٤٤٦١  |
| ٣٥    | النمل    | ٢٧    | وَأَنبِئْ مُرْسِلَةً        | ٤٤٦٢  |
| ١١٣   | الصفوات  | ٣٧    | وَبَارِكْنَا عَلَيْهِ       | ٤٤٦٣  |
| ١٨    | الذاريات | ٥١    | وَبِالْأَسْحَارِ هُمْ       | ٤٤٦٤  |
| ١٠٥   | الإسراء  | ١٧    | وَبِالْحَقِّ أَنْزَلْنَاهُ  | ٤٤٦٥  |
| ١٣٨   | الصفوات  | ٣٧    | وَبِاللَّيْلِ أَقْلًا       | ٤٤٦٦  |
| ٣٣    | الجاثية  | ٤٥    | وَبَدَا لَهُمْ سَيِّئَاتُ   | ٤٤٦٧  |
| ٤٨    | الزمر    | ٣٩    | وَبَدَا لَهُمْ سَيِّئَاتُ   | ٤٤٦٨  |
| ٣٢    | مريم     | ١٩    | وَبَرَأَ بِوَالِدَتِي       | ٤٤٦٩  |
| ١٤    | مريم     | ١٩    | وَبَرَأَ بِوَالِدَتِهِ      | ٤٤٧٠  |
| ٩١    | الشعراء  | ٢٦    | وَبُرِّزَتِ الْجَحِيمُ      | ٤٤٧١  |
| ٣٦    | النازعات | ٧٩    | وَبُرِّزَتِ الْجَحِيمُ      | ٤٤٧٢  |
| ٢١    | إبراهيم  | ١٤    | وَبَرِّزُوا لِلَّهِ         | ٤٤٧٣  |
| ٥     | الواقعة  | ٥٦    | وَبَسَّتِ الْجِبَالُ        | ٤٤٧٤  |
| ٢٥    | البقرة   | ٢     | وَبَشِّرِ الَّذِينَ آمَنُوا | ٤٤٧٥  |
| ٤٧    | الأحزاب  | ٣٣    | وَبَشِّرِ الْمُؤْمِنِينَ    | ٤٤٧٦  |
| ١١٢   | الصفوات  | ٣٧    | وَبَشِّرْنَاهُ بِاسْنِاقٍ   | ٤٤٧٧  |
| ١٥٦   | النساء   | ٤     | وَبِكْفَرِهِمْ وَقَوْلِهِمْ | ٤٤٧٨  |
| ١٣    | المدثر   | ٧٤    | وَبَيْنَ شُهُودًا           | ٤٤٧٩  |
| ١٢    | النبا    | ٧٨    | وَبَيْنَنَا وَفَوْقَكُمْ    | ٤٤٨٠  |
| ٤٦    | الأعراف  | ٧     | وَبَيْنَهُمَا حِجَابٌ       | ٤٤٨١  |
| ٥٧    | الأنبياء | ٢١    | وَتَاللَّهِ لَأَكِيدَنَّ    | ٤٤٨٢  |
| ١٩    | الفجر    | ٨٩    | وَتَأْكُلُونَ الثَّرَاثَ    | ٤٤٨٣  |
| ٨٥    | الزخرف   | ٤٣    | وَتَبَارَكَ الَّذِي لَهُ    | ٤٤٨٤  |
| ١٢٩   | الشعراء  | ٢٦    | وَتَتَّخِذُونَ مَصَانِعَ    | ٤٤٨٥  |
| ٨٢    | الواقعة  | ٥٦    | وَتَجْعَلُونَ رِزْقَكُمْ    | ٤٤٨٦  |
| ٢٠    | الفجر    | ٨٩    | وَتُحِبُّونَ الْمَالَ       | ٤٤٨٧  |
| ١٨    | الكهف    | ١٨    | وَتَحْسِبُهُمْ بَأَقِظًا    | ٤٤٨٨  |
| ٧     | النحل    | ١٦    | وَتَحْمِلُ أَثْقَالَكُمْ    | ٤٤٨٩  |
| ٢١    | القيامة  | ٧٥    | وَتَدْرُونَ الْآخِرَةَ      | ٤٤٩٠  |
| ١٦٦   | الشعراء  | ٢٦    | وَتَدْرُونَ مَا خَلَقَ      | ٤٤٩١  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            |       |
| ١٤    | الزخرف   | ٤٣    | وَأَنبِئْ إِلَى رَبِّنَا       | ٤٤٤٢  |
| ٩٥    | المؤمنون | ٢٣    | وَأَنبِئْ عَلَى أَنْ           | ٤٤٤٢  |
| ٨     | الكهف    | ١٨    | وَأَنبِئْ لَجَاعِلُونَ         | ٤٤٤٢  |
| ٥٦    | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنبِئْ لَجَمِيعَ            | ٤٤٤٢  |
| ١٦٥   | الصفوات  | ٣٧    | وَأَنبِئْ لَنَحْنُ             | ٤٤٤٢  |
| ١٦٦   | الصفوات  | ٣٧    | وَأَنبِئْ لَنَحْنُ             | ٤٤٤٢  |
| ٢٣    | الحجر    | ١٥    | وَأَنبِئْ لَنَحْنُ             | ٤٤٤٢  |
| ٤٩    | الحاقة   | ٦٩    | وَأَنبِئْ لَتَعْلَمَ           | ٤٤٤٢  |
| ٧٣    | المؤمنون | ٢٣    | وَأَنبِئْ لَتَدْعُوهُمْ        | ٤٤٤٢  |
| ٦     | النمل    | ٢٧    | وَأَنبِئْ لَتُنْفَى            | ٤٤٤٢  |
| ٤     | القلم    | ٦٨    | وَأَنبِئْ لَعَلَى              | ٤٤٤٤  |
| ١٣٧   | الصفوات  | ٣٧    | وَأَنبِئْ لَتَمُرُونَ          | ٤٤٤٤  |
| ٧     | العاديات | ١٠٠   | وَأَنبِئْ عَلَى ذَلِكَ         | ٤٤٤٤  |
| ٤     | الزخرف   | ٤٣    | وَأَنبِئْ فِي أُمِّ الْكِتَابِ | ٤٤٤٤  |
| ٤٨    | الحاقة   | ٦٩    | وَأَنبِئْ لَتَذْكُرَةَ         | ٤٤٤٤  |
| ١٩٢   | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنبِئْ لَتَنْزِيلُ          | ٤٤٤٤  |
| ٨     | العاديات | ١٠٠   | وَأَنبِئْ لِحُبِّ الْخَيْرِ    | ٤٤٤٤  |
| ٥٠    | الحاقة   | ٦٩    | وَأَنبِئْ لِحَصْرَةَ           | ٤٤٤٤  |
| ٥١    | الحاقة   | ٦٩    | وَأَنبِئْ لِحَقِّ              | ٤٤٤٤  |
| ٤٤    | الزخرف   | ٤٣    | وَأَنبِئْ لَذِكْرَ لَكَ        | ٤٤٤٤  |
| ٦١    | الزخرف   | ٤٣    | وَأَنبِئْ لِعِلْمِ لَلسَّاعَةِ | ٤٤٤٤  |
| ١٩٦   | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنبِئْ لِقِي رَبِّرٍ        | ٤٤٤٤  |
| ٧٦    | الواقعة  | ٥٦    | وَأَنبِئْ لِقَسَمٍ             | ٤٤٤٤  |
| ٧٧    | النمل    | ٢٧    | وَأَنبِئْ لِهَدَى              | ٤٤٤٤  |
| ٧٦    | الحجر    | ١٥    | وَأَنبِئْ لِيَسْبِيلِ          | ٤٤٤٤  |
| ٤٧    | ص        | ٣٨    | وَأَنبِئْ لِعِنْدَنَا          | ٤٤٤٤  |
| ٥٥    | الشعراء  | ٢٦    | وَأَنبِئْ لَنَا لِعَائِطُونَ   | ٤٤٤٤  |
| ٣٧    | الزخرف   | ٤٣    | وَأَنبِئْ لِيَصُدُّوهُمْ       | ٤٤٤٤  |
| ٥     | مريم     | ١٩    | وَأَنبِئْ لِحِفْتِ الْمَوَالِي | ٤٤٤٤  |
| ٢٠    | الدخان   | ٤٤    | وَأَنبِئْ عَدَّتْ بَرَبِّي     | ٤٤٤٤  |
| ٧     | نوح      | ٧١    | وَأَنبِئْ كَلَّمَا دَعَوْهُمْ  | ٤٤٤٤  |

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|---------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                                | عام   |
| ٣     | الأحزاب | ٣٣     | وَتَوَكَّلْ عَلَى اللَّهِ            | ٤٥٢٣  |
| ١٧٨   | الصفات  | ٣٧     | وَتَوَلَّ عَنْهُمْ                   | ٤٥٢٤  |
| ٨٤    | يوسف    | ١٢     | وَتَوَلَّى عَنْهُمْ                  | ٤٥٢٥  |
| ٤٠    | الواقعة | ٥٦     | وَتِلْكَ مِنَ الْآخِرِينَ            | ٤٥٢٦  |
| ٩     | الفجر   | ٨٩     | وَتَمُودَ الَّذِينَ جَابُوا          | ٤٥٢٧  |
| ٥١    | النجم   | ٥٣     | وَتَمُودَ فَمَا                      | ٤٥٢٨  |
| ١٣    | ص       | ٣٨     | وَتَمُودَ وَقَوْمَ لوطِ              | ٤٥٢٩  |
| ٤     | المدثر  | ٧٤     | وَيَبَابِكِ فَطَهَّرَ                | ٤٥٣٠  |
| ١١٣   | الأعراف | ٧      | وَجَاءَ السَّحْرَةُ                  | ٤٥٣١  |
| ٩٠    | التوبة  | ٩      | وَجَاءَ الْمُعَذِّرُونَ              | ٤٥٣٢  |
| ٦٧    | الحجر   | ١٥     | وَجَاءَ أَهْلَ الْمَدِينَةِ          | ٤٥٣٣  |
| ٥٨    | يوسف    | ١٢     | وَجَاءَ إِخْوَهُ يُوسُفَ             | ٤٥٣٤  |
| ٢٢    | الفجر   | ٨٩     | وَجَاءَ رَبُّكَ                      | ٤٥٣٥  |
| ٢٠    | القصص   | ٢٨     | وَجَاءَ رَجُلٌ                       | ٤٥٣٦  |
| ٩     | الحاقة  | ٦٩     | وَجَاءَ فِرْعَوْنُ                   | ٤٥٣٧  |
| ٢٠    | يس      | ٣٦     | وَجَاءَ مِنْ أَقْصَا<br>الْمَدِينَةِ | ٤٥٣٨  |
| ١٩    | ق       | ٥٠     | وَجَاءَتْ سَكْرَةُ الْمَوْتِ         | ٤٥٣٩  |
| ١٩    | يوسف    | ١٢     | وَجَاءَتْ سَيَّارَةٌ                 | ٤٥٤٠  |
| ٢١    | ق       | ٥٠     | وَجَاءَتْ كُلُّ نَفْسٍ               | ٤٥٤١  |
| ٧٨    | هود     | ١١     | وَجَاءَهُ قَوْمُهُ                   | ٤٥٤٢  |
| ١٦    | يوسف    | ١٢     | وَجَاءُوا آبَاءَهُمْ                 | ٤٥٤٣  |
| ١٨    | يوسف    | ١٢     | وَجَاءُوا عَلَى قَمِيصِهِ            | ٤٥٤٤  |
| ٧٨    | الحج    | ٢٢     | وَجَاهِدُوا فِي اللَّهِ              | ٤٥٤٥  |
| ٩٠    | يونس    | ١٠     | وَجَاوَزْنَا بِبَنِي إِسْرَائِيلَ    | ٤٥٤٦  |
| ١٣٨   | الأعراف | ٧      | وَجَاوَزْنَا بِبَنِي إِسْرَائِيلَ    | ٤٥٤٧  |
| ١٤    | النمل   | ٢٧     | وَجَحَدُوا بِهَا                     | ٤٥٤٨  |
| ٢٤    | النمل   | ٢٧     | وَجَدَلْنَا وَقَوْمَهَا              | ٤٥٤٩  |
| ٤٠    | الشورى  | ٤٢     | وَجَزَاءُ سَيِّئَةٍ                  | ٤٥٥٠  |
| ١٢    | الإنسان | ٧٦     | وَجَزَاهُمْ بِمَا صَبَرُوا           | ٤٥٥١  |
| ١٦    | نوح     | ٧١     | وَجَعَلَ الْقَمَرَ                   | ٤٥٥٢  |
| ١٠    | فصلت    | ٤١     | وَجَعَلَ فِيهَا رُؤسِيَ              | ٤٥٥٣  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                        | عام   |
| ٤٥    | الشورى   | ٤٢     | وَتَرَاهُمْ يُعْرَضُونَ      | ٤٤٩٢  |
| ٩٩    | الكهف    | ١٨     | وَتَرَكْنَا بَعْضَهُمْ       | ٤٤٩٣  |
| ٧٨    | الصفات   | ٣٧     | وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ         | ٤٤٩٤  |
| ١٠٨   | الصفات   | ٣٧     | وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ         | ٤٤٩٥  |
| ١٢٩   | الصفات   | ٣٧     | وَتَرَكْنَا عَلَيْهِ         | ٤٤٩٦  |
| ١١٩   | الصفات   | ٣٧     | وَتَرَكْنَا عَلَيْهِمَا      | ٤٤٩٧  |
| ٣٧    | الذاريات | ٥١     | وَتَرَكْنَا فِيهَا           | ٤٤٩٨  |
| ٨٨    | النمل    | ٢٧     | وَتَرَى الْجِبَالَ           | ٤٤٩٩  |
| ١٧    | الكهف    | ١٨     | وَتَرَى الشَّمْسُ            | ٤٥٠٠  |
| ٤٩    | إبراهيم  | ١٤     | وَتَرَى الْمُجْرِمِينَ       | ٤٥٠١  |
| ٧٥    | الزمر    | ٣٩     | وَتَرَى الْمَلَائِكَةَ       | ٤٥٠٢  |
| ٦٢    | المائدة  | ٥      | وَتَرَى كَثِيرًا             | ٤٥٠٣  |
| ٢٨    | الجاثية  | ٤٥     | وَتَرَى كُلَّ أُمَّةٍ        | ٤٥٠٤  |
| ١٠    | الطور    | ٥٢     | وَتَسِيرُ الْجِبَالُ         | ٤٥٠٥  |
| ٩٤    | الواقعة  | ٥٦     | وَتَصَلِّيَةٌ جَحِيمٍ        | ٤٥٠٦  |
| ٦٠    | النجم    | ٥٣     | وَتَضْحَكُونَ وَلَا          | ٤٥٠٧  |
| ٢٠    | النمل    | ٢٧     | وَتَقْفُدُ الطَّيْرَ         | ٤٥٠٨  |
| ٩٣    | الأنبياء | ٢١     | وَتَقَطُّعُوا أَمْرَهُمْ     | ٤٥٠٩  |
| ٢١٩   | الشعراء  | ٢٦     | وَتَقَلَّبَكَ فِي            | ٤٥١٠  |
| ٩     | المعارج  | ٧٠     | وَتَكُونُ الْجِبَالُ         | ٤٥١١  |
| ٥     | القارعة  | ١٠١    | وَتَكُونُ الْجِبَالُ         | ٤٥١٢  |
| ٤٣    | العنكبوت | ٢٩     | وَتِلْكَ الْأَمْثَالُ        | ٤٥١٣  |
| ٧٢    | الزخرف   | ٤٣     | وَتِلْكَ الْجِنَّةُ          | ٤٥١٤  |
| ٥٩    | الكهف    | ١٨     | وَتِلْكَ الْقُرَى            | ٤٥١٥  |
| ٨٣    | الأنعام  | ٦      | وَتِلْكَ حُجَّتُنَا          | ٤٥١٦  |
| ٥٩    | هود      | ١١     | وَتِلْكَ عَادٌ               | ٤٥١٧  |
| ٢٢    | الشعراء  | ٢٦     | وَتِلْكَ نِعْمَةٌ            | ٤٥١٨  |
| ١١٥   | الأنعام  | ٦      | وَتَمَّتْ كَلِمَتُ رَبِّكَ   | ٤٥١٩  |
| ١٤٩   | الشعراء  | ٢٦     | وَتَنْجُوْنَ مِنَ الْجِبَالِ | ٤٥٢٠  |
| ٥٨    | الفرقان  | ٢٥     | وَتَوَكَّلْ عَلَى الْحَيِّ   | ٤٥٢١  |
| ٢١٧   | الشعراء  | ٢٦     | وَتَوَكَّلْ عَلَى الْعَزِيزِ | ٤٥٢٢  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                  |       |
| ٩٥    | الشعراء  | ٢٦    | وَجُنُودُ إِبْلِيسَ أَجْمَعُونَ      | ٤٥٨٥  |
| ٢     | الغاشية  | ٨٨    | وَجُودٌ يَوْمَئِذٍ خَاشِعَةٌ         | ٤٥٨٦  |
| ٣٨    | عبس      | ٨٠    | وَجُودٌ يَوْمَئِذٍ مُسْفِرَةٌ        | ٤٥٨٧  |
| ٢٢    | القيامة  | ٧٥    | وَجُودٌ يَوْمَئِذٍ نَاضِرَةٌ         | ٤٥٨٨  |
| ٨     | الغاشية  | ٨٨    | وَجُودٌ يَوْمَئِذٍ نَاعِمَةٌ         | ٤٥٨٩  |
| ٢٣    | الفجر    | ٨٩    | وَجِيءَ يَوْمَئِذٍ                   | ٤٥٩٠  |
| ٨٠    | الأنعام  | ٦     | وَحَاجَةٌ قَوْمُهُ                   | ٤٥٩١  |
| ٣٠    | عبس      | ٨٠    | وَحَدَائِقُ غُلْبًا                  | ٤٥٩٢  |
| ٩٥    | الأنبياء | ٢١    | وَحَرَامٌ عَلَى قَرِينَةٍ            | ٤٥٩٣  |
| ١٢    | القصص    | ٢٨    | وَحَرَمْنَا عَلَيْهِ<br>الْمَرَاضِعَ | ٤٥٩٤  |
| ٧١    | المائدة  | ٥     | وَحَسِبُوا أَلَّا تَكُونَ            | ٤٥٩٥  |
| ١٧    | النمل    | ٢٧    | وَحُسَيْرٍ لِسُلَيْمَانَ             | ٤٥٩٦  |
| ١٠    | العاديات | ١٠٠   | وَحُصِّلَ مَا فِي                    | ٤٥٩٧  |
| ٧     | الصفات   | ٣٧    | وَحِفْظًا مِّنْ كُلِّ                | ٤٥٩٨  |
| ١٧    | الحجر    | ١٥    | وَحَفِظْنَاهَا مِنْ كُلِّ            | ٤٥٩٩  |
| ١٤    | الحاقة   | ٦٩    | وَحَمَلَتْ الْأَرْضُ                 | ٤٦٠٠  |
| ١٣    | القمر    | ٥٤    | وَحَمَلْنَاهُ عَلَى                  | ٤٦٠١  |
| ١٣    | مريم     | ١٩    | وَحَنَانًا مِّنْ لَّدُنَّا           | ٤٦٠٢  |
| ٢٢    | الواقعة  | ٥٦    | وَحُورٌ عِينٌ                        | ٤٦٠٣  |
| ٥٤    | سبا      | ٣٤    | وَحِيلَ بَيْنَهُمْ                   | ٤٦٠٤  |
| ٤٤    | ص        | ٣٨    | وَحَدَّ بَيْنِكَ ضِعْفَانًا          | ٤٦٠٥  |
| ٨     | القيامة  | ٧٥    | وَحَسَفَ الْقَمَرُ                   | ٤٦٠٦  |
| ١٥    | الرحمن   | ٥٥    | وَخَلَقَ الْجَانَّ                   | ٤٦٠٧  |
| ٢٢    | الجاتية  | ٤٥    | وَخَلَقَ اللَّهُ                     | ٤٦٠٨  |
| ٤٢    | يس       | ٣٦    | وَخَلَقْنَا لَهُمْ                   | ٤٦٠٩  |
| ٨     | النبا    | ٧٨    | وَخَلَقْنَاكُمْ أَزْوَاجًا           | ٤٦١٠  |
| ١٠٩   | البقرة   | ٢     | وَدَّ كَثِيرٌ                        | ٤٦١١  |
| ٤٦    | الأحزاب  | ٣٣    | وَدَّاعِيًا إِلَى اللَّهِ            | ٤٦١٢  |
| ١٤    | الإنسان  | ٧٦    | وَدَّانِيَةً عَلَيْهِمْ              | ٤٦١٣  |
| ٧٨    | الأنبياء | ٢١    | وَدَاوُدَ وَسُلَيْمَانَ              | ٤٦١٤  |
| ٦٩    | آل عمران | ٣     | وَدَّتْ طَائِفَةٌ                    | ٤٦١٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                 |       |
| ١٢    | المدثر   | ٧٤    | وَجَعَلْتَهُ                        | ٤٥٠   |
| ٥٠    | المؤمنون | ٢٣    | وَجَعَلْنَا ابْنَ مَرْيَمَ          | ٤٥١   |
| ٣٢    | الأنبياء | ٢١    | وَجَعَلْنَا السَّمَاءَ              | ٤٥٢   |
| ١٠    | النبا    | ٧٨    | وَجَعَلْنَا اللَّيْلَ لَيْسًا       | ٤٥٣   |
| ١٢    | الإسراء  | ١٧    | وَجَعَلْنَا اللَّيْلَ وَالنَّهَارَ  | ٤٥٤   |
| ١١    | النبا    | ٧٨    | وَجَعَلْنَا النَّهَارَ مَعَاشًا     | ٤٥٥   |
| ١٨    | سبا      | ٣٤    | وَجَعَلْنَا بَيْنَهُمْ              | ٤٥٦   |
| ٧٧    | الصفات   | ٣٧    | وَجَعَلْنَا ذُرِّيَّتَهُ            | ٤٥٧   |
| ١٣    | النبا    | ٧٨    | وَجَعَلْنَا سِرَاجًا                | ٤٥٨   |
| ٤٦    | الإسراء  | ١٧    | وَجَعَلْنَا عَلَى قُلُوبِهِمْ       | ٤٥٩   |
| ٣١    | الأنبياء | ٢١    | وَجَعَلْنَا فِي الْأَرْضِ           | ٤٦٠   |
| ٣٤    | يس       | ٣٦    | وَجَعَلْنَا فِيهَا جَنَّاتٍ         | ٤٦١   |
| ٢٧    | المرسلات | ٧٧    | وَجَعَلْنَا فِيهَا رُؤُوسِي         | ٤٦٢   |
| ٢٠    | الحجر    | ١٥    | وَجَعَلْنَا لَكُمْ فِيهَا           | ٤٦٣   |
| ٩     | يس       | ٣٦    | وَجَعَلْنَا مِنْ بَيْنَ أَيْدِيهِمْ | ٤٦٤   |
| ٢٤    | السجدة   | ٣٢    | وَجَعَلْنَا مِنْهُمْ أُمَّةً        | ٤٦٥   |
| ٩     | النبا    | ٧٨    | وَجَعَلْنَا نُومَكُمْ سَبَاتًا      | ٤٦٦   |
| ٤١    | القصص    | ٢٨    | وَجَعَلْنَا هُمْ أُمَّةً            | ٤٦٧   |
| ٧٣    | الأنبياء | ٢١    | وَجَعَلْنَا هُمْ أُمَّةً            | ٤٦٨   |
| ٣١    | مريم     | ١٩    | وَجَعَلْتَنِي مُبَارَكًا            | ٤٦٩   |
| ٢٨    | الزخرف   | ٤٣    | وَجَعَلَهَا كَلِمَةً                | ٤٧٠   |
| ١٩    | الزخرف   | ٤٣    | وَجَعَلُوا الْمَلَائِكَةَ           | ٤٧١   |
| ١٥٨   | الصفات   | ٣٧    | وَجَعَلُوا بَيْتَهُ                 | ٤٧٢   |
| ٣٠    | إبراهيم  | ١٤    | وَجَعَلُوا لِلَّهِ أَنْدَادًا       | ٤٧٣   |
| ١٠٠   | الأنعام  | ٦     | وَجَعَلُوا لِلَّهِ شُرَكَاءَ        | ٤٧٤   |
| ١٣٦   | الأنعام  | ٦     | وَجَعَلُوا لِلَّهِ مِمَّا ذَرَأَ    | ٤٧٥   |
| ١٥    | الزخرف   | ٤٣    | وَجَعَلُوا لَهُ                     | ٤٧٦   |
| ٩     | القيامة  | ٧٥    | وَجَمَعَ الشَّمْسُ وَالْقَمَرُ      | ٤٧٧   |
| ١٨    | المعارج  | ٧٠    | وَجَمَعَ قَاوُصِي -                 | ٤٧٨   |
| ١٦    | النبا    | ٧٨    | وَجَنَّاتٍ أَلْفَافًا               | ٤٧٩   |
| ١٣٤   | الشعراء  | ٢٦    | وَجَنَّاتٍ وَعُيُونٍ                | ٤٨٠   |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                        | عام   |
| ١٦    | الغاشية  | ٨٨     | وَزَرَّابِي مَبْنُوتَةٌ      | ٤٦٤٧  |
| ٢٦    | الدخان   | ٤٤     | وَزُرُوع                     | ٤٦٤٨  |
| ١٤٨   | الشعراء  | ٢٦     | وَزُرُوع                     | ٤٦٤٩  |
| ٨٩    | الأنبياء | ٢١     | وَزَكَرِيَّا                 | ٤٦٥٠  |
| ٨٥    | الأنعام  | ٦      | وَزَكَرِيَّا                 | ٤٦٥١  |
| ١٨٢   | الشعراء  | ٢٦     | وَزَنُوا بِالْفِسْطَاسِ      | ٤٦٥٢  |
| ٢٩    | عبس      | ٨٠     | وَزَيْتُونَا وَتَخْلَا       | ٤٦٥٣  |
| ١٣٣   | آل عمران | ٣      | وَسَارِعُوا إِلَى مَغْفِرَةٍ | ٤٦٥٤  |
| ٤٢    | الأحزاب  | ٣٣     | وَسَبِّحُوهُ بُكْرَةً        | ٤٦٥٥  |
| ٣٣    | إبراهيم  | ١٤     | وَسَخَّرَ لَكُمُ الشَّمْسَ   | ٤٦٥٦  |
| ١٢    | النحل    | ١٦     | وَسَخَّرَ لَكُمُ اللَّيْلَ   | ٤٦٥٧  |
| ١٣    | الجنات   | ٤٥     | وَسَخَّرَ لَكُم مَّا فِي     | ٤٦٥٨  |
| ٤٥    | إبراهيم  | ١٤     | وَسَكَنْتُمْ فِي مَسَاكِنَ   | ٤٦٥٩  |
| ١٨١   | الصفات   | ٣٧     | وَسَلَامٌ عَلَى              | ٤٦٦٠  |
| ١٥    | مريم     | ١٩     | وَسَلَامٌ عَلَيْهِ           | ٤٦٦١  |
| ١٠    | يس       | ٣٦     | وَسَوَاءٌ عَلَيْهِمْ         | ٤٦٦٢  |
| ١٧    | الليل    | ٩٢     | وَسَيَجْنِبُهَا الْأَنْفَى   | ٤٦٦٣  |
| ٢٠    | النبا    | ٧٨     | وَسَيُرَتِّبَ الْجِبَالُ     | ٤٦٦٤  |
| ٧٣    | الزمر    | ٣٩     | وَسِيَقُ الَّذِينَ اتَّقَوْا | ٤٦٦٥  |
| ٧١    | الزمر    | ٣٩     | وَسِيَقُ الَّذِينَ كَفَرُوا  | ٤٦٦٦  |
| ٣     | البروج   | ٨٥     | وَشَاهِدٍ وَمَشْهُودٍ        | ٤٦٦٧  |
| ٢٠    | المؤمنون | ٢٣     | وَشَجَرَةٍ تَخْرُجُ          | ٤٦٦٨  |
| ٢٠    | ص        | ٣٨     | وَشَدَدْنَا مُلْكَهُ         | ٤٦٦٩  |
| ٢٠    | يوسف     | ١٢     | وَشَرَوْهُ بِثَمَنٍ          | ٤٦٧٠  |
| ١٢    | المعارج  | ٧٠     | وَصَاحِبِيهِ وَأَخِيهِ       | ٤٦٧١  |
| ٣٦    | عبس      | ٨٠     | وَصَاحِبِيهِ وَبَنِيهِ       | ٤٦٧٢  |
| ٦     | الليل    | ٩٢     | وَصَدَّقَ بِالْحُسْنَى       | ٤٦٧٣  |
| ٤٣    | النمل    | ٢٧     | وَصَدَّهَا مَا كَانَتِ       | ٤٦٧٤  |
| ٧٦    | النحل    | ١٦     | وَضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا     | ٤٦٧٥  |
| ١١٢   | النحل    | ١٦     | وَضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا     | ٤٦٧٦  |
| ١١    | التحریم  | ٦٦     | وَضَرَبَ اللَّهُ مَثَلًا     | ٤٦٧٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                           | عام   |
| ١٥    | القصص    | ٢٨     | وَدَخَلَ الْمَدِينَةَ           | ٤٦١٦  |
| ٣٥    | الكهف    | ١٨     | وَدَخَلَ جَنَّتَهُ              | ٤٦١٧  |
| ٣٦    | يوسف     | ١٢     | وَدَخَلَ مَعَهُ السِّجْنَ       | ٤٦١٨  |
| ٩     | القلم    | ٦٨     | وَدُّوا لَوْ تُدْهِنُ           | ٤٦١٩  |
| ٨٩    | النساء   | ٤      | وَدُّوا لَوْ تُكْفِرُونَ        | ٤٦٢٠  |
| ٨٧    | الأنبياء | ٢١     | وَدَا النُّونَ                  | ٤٦٢١  |
| ٧٠    | الأنعام  | ٦      | وَدَّرَ الَّذِينَ اتَّخَذُوا    | ٤٦٢٢  |
| ١١    | المزمل   | ٧٣     | وَدَّرَنِي وَالْمُكَدِّبِينَ    | ٤٦٢٣  |
| ١٢٠   | الأنعام  | ٦      | وَدَّرُوا ظَاهِرَ الْإِثْمِ     | ٤٦٢٤  |
| ١٥    | الأعلى   | ٨٧     | وَذَكَرَ اسْمَ رَبِّهِ          | ٤٦٢٥  |
| ٥٥    | الذاريات | ٥١     | وَذَكَرَ فَإِنِ الذُّكْرَى      | ٤٦٢٦  |
| ٢٣    | فصلت     | ٤١     | وَذَلِكُمْ ظَنُّكُمُ            | ٤٦٢٧  |
| ٧٢    | يس       | ٣٦     | وَذَلَّلْنَاهَا لَهُمْ          | ٤٦٢٨  |
| ٢٣    | يوسف     | ١٢     | وَرَأَوْتَهُ الَّتِي            | ٤٦٢٩  |
| ٥٣    | الكهف    | ١٨     | وَرَأَى الْمُجْرِمُونَ النَّارَ | ٤٦٣٠  |
| ٢     | النصر    | ١١٠    | وَرَأَيْتَ النَّاسَ             | ٤٦٣١  |
| ١٤    | الكهف    | ١٨     | وَرَبَطْنَا عَلَى قُلُوبِهِمْ   | ٤٦٣٢  |
| ٥٨    | الكهف    | ١٨     | وَرَبِّكَ الْغَفُورُ            | ٤٦٣٣  |
| ١٣٣   | الأنعام  | ٦      | وَرَبِّكَ الْغَنِيُّ            | ٤٦٣٤  |
| ٥٥    | الإسراء  | ١٧٠    | وَرَبِّكَ أَعْلَمُ              | ٤٦٣٥  |
| ٣     | المدثر   | ٧٤     | وَرَبِّكَ فَكْبِيرٌ             | ٤٦٣٦  |
| ٦٨    | القصص    | ٢٨     | وَرَبِّكَ يَخْلُقُ              | ٤٦٣٧  |
| ٦٩    | القصص    | ٢٨     | وَرَبِّكَ يَعْلَمُ              | ٤٦٣٨  |
| ٢٥    | الأحزاب  | ٣٣     | وَرَدَّ اللَّهُ                 | ٤٦٣٩  |
| ١٦٤   | النساء   | ٤      | وَرَسُولًا قَدْ قُضِيَ لَهُمْ   | ٤٦٤٠  |
| ٤٩    | آل عمران | ٣      | وَرَسُولًا قَدْ قُضِيَ لَهُمْ   | ٤٦٤١  |
| ١٠٠   | يوسف     | ١٢     | وَرَفَعَ أَبَوَيْهِ             | ٤٦٤٢  |
| ١٥٤   | النساء   | ٤      | وَرَفَعْنَا فَوْقَهُمُ الطُّورَ | ٤٦٤٣  |
| ٤     | الشرح    | ٩٤     | وَرَفَعْنَا لَكَ ذِكْرَكَ       | ٤٦٤٤  |
| ٥٧    | مريم     | ١٩     | وَرَفَعْنَاهُ مَكَانًا عَلِيًّا | ٤٦٤٥  |
| ٣٥    | الزخرف   | ٤٣     | وَزُخْرَفًا                     | ٤٦٤٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            |       |
| ١١١   | طه       | ٢٠    | وَعَنَتِ الْجُودُ لِخَيِّ      | ٤٧٠٩  |
| ٥٩    | الأنعام  | ٦     | وَعِنْدَهُ مَقَاتِحُ الْغَيْبِ | ٤٧١٠  |
| ٥٢    | ص        | ٣٨    | وَعِنْدَهُمْ قَاصِرَاتُ        | ٤٧١١  |
| ٤٨    | الصفات   | ٣٧    | وَعِنْدَهُمْ قَاصِرَاتُ        | ٤٧١٢  |
| ٢٥    | القلم    | ٦٨    | وَعَدُوا عَلَى حَرْبٍ          | ٤٧١٣  |
| ٣٢    | الواقعة  | ٥٦    | وَفَاجِهَةٌ كَثِيرَةٌ          | ٤٧١٤  |
| ٢٠    | الواقعة  | ٥٦    | وَفَاجِهَةٌ مَمَّا             | ٤٧١٥  |
| ٣١    | عبس      | ٨٠    | وَفَاجِهَةٌ وَأَبَا            | ٤٧١٦  |
| ١٩    | النبا    | ٧٨    | وَفُتِحَتِ السَّمَاءُ          | ٤٧١٧  |
| ١٢    | القمر    | ٥٤    | وَفَجَّرْنَا الْأَرْضَ         | ٤٧١٨  |
| ١٠٧   | الصفات   | ٣٧    | وَفَقْدَيْنَاهُ                | ٤٧١٩  |
| ٣٤    | الواقعة  | ٥٦    | وَفَرُّشٍ                      | ٤٧٢٠  |
| ١٠    | الفجر    | ٨٩    | وَفَرَعُونَ                    | ٤٧٢١  |
| ١٣    | المعارج  | ٧٠    | وَفَصِيلَتِهِ                  | ٤٧٢٢  |
| ١٩    | الشعراء  | ٢٦    | وَقَعَلَتْ فَعَلَتَكَ          | ٤٧٢٣  |
| ٤٢    | المرسلات | ٧٧    | وَقَوَاكِبَ                    | ٤٧٢٤  |
| ٢٠    | الذاريات | ٥١    | وَفِي الْأَرْضِ                | ٤٧٢٥  |
| ٤     | الرعد    | ١٣    | وَفِي الْأَرْضِ                | ٤٧٢٦  |
| ٢٢    | الذاريات | ٥١    | وَفِي السَّمَاءِ               | ٤٧٢٧  |
| ١٩    | الذاريات | ٥١    | وَفِي أَمْوَالِهِمْ            | ٤٧٢٨  |
| ٢١    | الذاريات | ٥١    | وَفِي أَنْفُسِكُمْ             | ٤٧٢٩  |
| ٤٣    | الذاريات | ٥١    | وَفِي ثَمُودَ                  | ٤٧٣٠  |
| ٤     | الجاثية  | ٤٥    | وَفِي خَلْقِكُمْ               | ٤٧٣١  |
| ٤١    | الذاريات | ٥١    | وَفِي عَادٍ                    | ٤٧٣٢  |
| ٣٨    | الذاريات | ٥١    | وَفِي مُوسَى                   | ٤٧٣٣  |
| ١٩٠   | البقرة   | ٢     | وَقَاتِلُوهُمْ                 | ٤٧٣٤  |
| ٢٤٤   | البقرة   | ٢     | وَقَاتِلُوهُمْ                 | ٤٧٣٥  |
| ٣٩    | الأنفال  | ٨     | وَقَاتِلُوهُمْ                 | ٤٧٣٦  |
| ١٩٣   | البقرة   | ٢     | وَقَاتِلُوهُمْ                 | ٤٧٣٧  |
| ٣٩    | العنكبوت | ٢٩    | وَقَارُونَ                     | ٤٧٣٨  |
| ٢١    | الأعراف  | ٧     | وَقَاسَمَهُمَا                 | ٤٧٣٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                  | لسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------------|-----|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                   |     |
| ٧٨    | يس       | ٣٦    | وَضَرْبٌ لَنَا مِثْلًا                | ٤٦١ |
| ٤٨    | فصلت     | ٤١    | وَضَلَّ عَنْهُمْ                      | ٤٦٢ |
| ١٣    | المزمل   | ٧٣    | وَوَطْعَامًا ذَا غُصَّةٍ              | ٤٦٣ |
| ٢٩    | الواقعة  | ٥٦    | وَوَطَّحَ مَنْضُودٍ                   | ٤٦٤ |
| ٢     | التين    | ٩٥    | وَوَطَّرَ سَيْنِينَ                   | ٤٦٥ |
| ٣٠    | الواقعة  | ٥٦    | وَوَطَّيَّرَ مَنْضُودٍ                | ٤٦٦ |
| ٤٣    | الواقعة  | ٥٦    | وَوَطَّيَّرَ مَنْ يَحْمُومٍ           | ٤٦٧ |
| ٥٧    | البقرة   | ٢     | وَوَطَّيَّرْنَا عَلَيْكُمْ الْغَمَامَ | ٤٦٨ |
| ٢٨    | القيامة  | ٧٥    | وَوَطَّنَ أَثْمُهُ                    | ٤٦٩ |
| ١٣    | ق        | ٥٠    | وَوَعَادٌ وَفِرْعَوْنُ                | ٤٧٠ |
| ٣٨    | الفرقان  | ٢٥    | وَوَعَادًا وَثَمُودَ                  | ٤٧١ |
| ٣٨    | العنكبوت | ٢٩    | وَوَعَادًا وَثَمُودَ                  | ٤٧٢ |
| ٦٣    | الفرقان  | ٢٥    | وَوَعِيدًا الرَّحْمَنِ                | ٤٧٣ |
| ٤     | ص        | ٣٨    | وَوَعِيبُوا أَنْ                      | ٤٧٤ |
| ٥٥    | النور    | ٢٤    | وَوَعَدَ اللَّهُ                      | ٤٧٥ |
| ٩     | المائدة  | ٥     | وَوَعَدَ اللَّهُ                      | ٤٧٦ |
| ٧٢    | التوبة   | ٩     | وَوَعَدَ اللَّهُ                      | ٤٧٧ |
| ٦٨    | التوبة   | ٩     | وَوَعَدَ اللَّهُ                      | ٤٧٨ |
| ٦     | الروم    | ٣٠    | وَوَعَدَ اللَّهُ                      | ٤٧٩ |
| ٢٠    | الفتح    | ٤٨    | وَوَعَدَكُمْ اللَّهُ                  | ٤٨٠ |
| ١٠٠   | الكهف    | ١٨    | وَوَعَرَضْنَا جَهَنَّمَ               | ٤٨١ |
| ٤٨    | الكهف    | ١٨    | وَوَعَرَضُوا عَلَى رَبِّكَ            | ٤٨٢ |
| ١٦    | النحل    | ١٦    | وَوَعَلَامَاتٍ                        | ٤٨٣ |
| ٣١    | البقرة   | ٢     | وَوَعَلَّمَ آدَمَ الْأَسْمَاءَ        | ٤٨٤ |
| ٨٠    | الأنبياء | ٢١    | وَوَعَلَّمْنَاهُ صَنْعَةَ لَبُوسٍ     | ٤٨٥ |
| ١١٨   | التوبة   | ٩     | وَوَعَلَى الثَّلَاثَةِ                | ٤٨٦ |
| ١٤٦   | الأنعام  | ٦     | وَوَعَلَى الَّذِينَ هَادُوا           | ٤٨٧ |
| ١١٨   | النحل    | ١٦    | وَوَعَلَى الَّذِينَ هَادُوا           | ٤٨٨ |
| ٩     | النحل    | ١٦    | وَوَعَلَى اللَّهِ قَصْدُ              | ٤٨٩ |
| ٢٢    | المؤمنون | ٢٣    | وَوَعَلَيْهَا وَعَلَى الْفَلَكِ       | ٤٩٠ |
| ٢٨    | عبس      | ٨٠    | وَوَعْيًا وَقَضْبًا                   | ٤٩١ |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                          | عام   |
| ٥٤    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ الْمَلِكُ              | ٤٧٧١  |
| ٥٠    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ الْمَلِكُ              | ٤٧٧٢  |
| ٤٣    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ الْمَلِكُ              | ٤٧٧٣  |
| ٢٥    | العنكبوت | ٢٩     | وَقَالَ إِنَّمَا               | ٤٧٧٤  |
| ٩٩    | الصافات  | ٣٧     | وَقَالَ إِنِّي                 | ٤٧٧٥  |
| ٦٠    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ رَبُّكُمْ              | ٤٧٧٦  |
| ٢٨    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ رَجُلٌ مُؤْمِنٌ        | ٤٧٧٧  |
| ٧٩    | يونس     | ١٠     | وَقَالَ فِرْعَوْنُ             | ٤٧٧٨  |
| ٢٦    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ فِرْعَوْنُ             | ٤٧٧٩  |
| ٣٨    | القصص    | ٢٨     | وَقَالَ فِرْعَوْنُ             | ٤٧٨٠  |
| ٣٦    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ فِرْعَوْنُ             | ٤٧٨١  |
| ٢٣    | ق        | ٥٠     | وَقَالَ قَرِينُهُ              | ٤٧٨٢  |
| ٦٢    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ لِفَتَاتِهِ            | ٤٧٨٣  |
| ٤٢    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ لِلَّذِي ظَنَّ         | ٤٧٨٤  |
| ٢٤٧   | البقرة   | ٢      | وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ     | ٤٧٨٥  |
| ٢٤٨   | البقرة   | ٢      | وَقَالَ لَهُمْ نَبِيُّهُمْ     | ٤٧٨٦  |
| ٨     | إبراهيم  | ١٤     | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٨٧  |
| ٢٧    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٨٨  |
| ٨٨    | يونس     | ١٠     | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٨٩  |
| ٣٧    | القصص    | ٢٨     | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٩٠  |
| ١٠٤   | الأعراف  | ٧      | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٩١  |
| ٨٤    | يونس     | ١٠     | وَقَالَ مُوسَى                 | ٤٧٩٢  |
| ٣٠    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ نِسْوَةٌ               | ٤٧٩٣  |
| ٢٦    | نوح      | ٧١     | وَقَالَ نُوحٌ                  | ٤٧٩٤  |
| ١٧    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ يَا بَنِيَّ            | ٤٧٩٥  |
| ١٠    | التوبة   | ٩      | وَقَالَتِ الْيَهُودُ           | ٤٧٩٦  |
| ١٣    | البقرة   | ٢      | وَقَالَتِ الْيَهُودُ           | ٤٧٩٧  |
| ٨     | المائدة  | ٥      | وَقَالَتِ الْيَهُودُ           | ٤٧٩٨  |
| ٤     | المائدة  | ٥      | وَقَالَتِ الْيَهُودُ           | ٤٧٩٩  |
| ١     | القصص    | ٢٨     | وَقَالَتِ امْرَأَةُ فِرْعَوْنَ | ٤٨٠٠  |
| ٩     | الأعراف  | ٧      | وَقَالَتِ أُولَاهُمْ           | ٤٨٠١  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                               | عام   |
| ٤١    | هود      | ١١     | وَقَالَ ارْكَبُوا                   | ٤٧٤٠  |
| ٣     | الزلزلة  | ٩٩     | وَقَالَ الْإِنْسَانُ                | ٤٧٤١  |
| ٢١    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ الَّذِي اشْتَرَاهُ          | ٤٧٤٢  |
| ٣٨    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ الَّذِي آمَنَ               | ٤٧٤٣  |
| ٣٠    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ الَّذِي آمَنَ               | ٤٧٤٤  |
| ٤٥    | يوسف     | ١٢     | وَقَالَ الَّذِي نَجَا               | ٤٧٤٥  |
| ١٦٧   | البقرة   | ٢      | وَقَالَ الَّذِينَ اتَّبَعُوا        | ٤٧٤٦  |
| ٣٣    | سبا      | ٣٤     | وَقَالَ الَّذِينَ اسْتَضَعُّوا      | ٤٧٤٧  |
| ٣٥    | التحل    | ١٦     | وَقَالَ الَّذِينَ اشْرَكُوا         | ٤٧٤٨  |
| ٥٦    | الروم    | ٣٠     | وَقَالَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ | ٤٧٤٩  |
| ٨٠    | القصص    | ٢٨     | وَقَالَ الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ | ٤٧٥٠  |
| ٤٩    | غافر     | ٤٠     | وَقَالَ الَّذِينَ فِي النَّارِ      | ٤٧٥١  |
| ٦٧    | النمل    | ٢٧     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٢  |
| ٤     | الفرقان  | ٢٥     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٣  |
| ٢٩    | فصلت     | ٤١     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٤  |
| ٣     | سبا      | ٣٤     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٥  |
| ٢٦    | فصلت     | ٤١     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٦  |
| ١٣    | إبراهيم  | ١٤     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٧  |
| ١٢    | العنكبوت | ٢٩     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٨  |
| ١١    | الأحقاف  | ٤٦     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٥٩  |
| ٣١    | سبا      | ٣٤     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٦٠  |
| ٣٢    | الفرقان  | ٢٥     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٦١  |
| ٧     | سبا      | ٣٤     | وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا          | ٤٧٦٢  |
| ٢١    | الفرقان  | ٢٥     | وَقَالَ الَّذِينَ لَا يَرْجُونَ     | ٤٧٦٣  |
| ١١٨   | البقرة   | ٢      | وَقَالَ الَّذِينَ لَا يَعْلَمُونَ   | ٤٧٦٤  |
| ٣٠    | الفرقان  | ٢٥     | وَقَالَ الرَّسُولُ                  | ٤٧٦٥  |
| ٢٢    | إبراهيم  | ١٤     | وَقَالَ الشَّيْطَانُ                | ٤٧٦٦  |
| ٥١    | التحل    | ١٦     | وَقَالَ اللَّهُ                     | ٤٧٦٧  |
| ٩٠    | الأعراف  | ٧      | وَقَالَ الْمَلَأُ                   | ٤٧٦٨  |
| ١٢٧   | الأعراف  | ٧      | وَقَالَ الْمَلَأُ                   | ٤٧٦٩  |
| ٣٣    | المؤمنون | ٢٣     | وَقَالَ الْمَلَأُ                   | ٤٧٧٠  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                             | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                              |       |
| ١٣٣   | طه       | ٢٠    | وَقَالُوا لَوْلَا يَأْتِينَا     | ٤٨٣٣  |
| ١٣٩   | الأنعام  | ٦     | وَقَالُوا مَا فِي بُطُونِ        | ٤٨٣٤  |
| ٦٢    | ص        | ٣٨    | وَقَالُوا مَا لَنَا              | ٤٨٣٥  |
| ٧     | الفرقان  | ٢٥    | وَقَالُوا مَا لِهَذَا الرَّسُولِ | ٤٨٣٦  |
| ٢٤    | الجاثية  | ٤٥    | وَقَالُوا مَا هِيَ إِلَّا        | ٤٨٣٧  |
| ١٣٢   | الأعراف  | ٧     | وَقَالُوا مَهْمَا تَأْتِنَا      | ٤٨٣٨  |
| ٣٥    | سبا      | ٣٤    | وَقَالُوا نَحْنُ                 | ٤٨٣٩  |
| ١٣٨   | الأنعام  | ٦     | وَقَالُوا هَذِهِ أَنْعَامٌ       | ٤٨٤٠  |
| ٦     | الحجر    | ١٥    | وَقَالُوا يَا أَيُّهَا           | ٤٨٤١  |
| ٤٩    | الزخرف   | ٤٣    | وَقَالُوا يَا أَيُّهَا           | ٤٨٤٢  |
| ٢٠    | الصفافات | ٣٧    | وَقَالُوا يَا وَيْلَنَا          | ٤٨٤٣  |
| ٢٤    | نوح      | ٧١    | وَقَدْ اضْلَوْا                  | ٤٨٤٤  |
| ١٠    | الشمس    | ٩١    | وَقَدْ خَابَ                     | ٤٨٤٥  |
| ١٤    | نوح      | ٧١    | وَقَدْ خَلَقَكُمْ                | ٤٨٤٦  |
| ٥٣    | سبا      | ٣٤    | وَقَدْ كَفَرُوا                  | ٤٨٤٧  |
| ٤٢    | الرعد    | ١٣    | وَقَدْ مَكَرَ                    | ٤٨٤٨  |
| ٤٦    | إبراهيم  | ١٤    | وَقَدْ مَكَرُوا                  | ٤٨٤٩  |
| ١٤٠   | النساء   | ٤     | وَقَدْ نَزَلَ                    | ٤٨٥٠  |
| ٢٣    | الفرقان  | ٢٥    | وَقَدِمْنَا إِلَى مَا            | ٤٨٥١  |
| ١٠٦   | الإسراء  | ١٧    | وَقَرَأْنَا فَرَقْنَاهُ          | ٤٨٥٢  |
| ٣٣    | الأحزاب  | ٣٣    | وَقَرْنٌ فِي بَيُوتِكُنَّ        | ٤٨٥٣  |
| ٢٣    | الإسراء  | ١٧    | وَقَضَىٰ رَبِّيكَ                | ٤٨٥٤  |
| ٤     | الإسراء  | ١٧    | وَقَضَيْنَا إِلَىٰ               | ٤٨٥٥  |
| ٦٦    | الحجر    | ١٥    | وَقَضَيْنَا إِلَيْهِ             | ٤٨٥٦  |
| ١٦٠   | الأعراف  | ٧     | وَقَطَعْنَاَهُمْ                 | ٤٨٥٧  |
| ١٦٨   | الأعراف  | ٧     | وَقَطَعْنَاَهُمْ                 | ٤٨٥٨  |
| ٢٤    | الصفافات | ٣٧    | وَقَفَّوَهُمْ                    | ٤٨٥٩  |
| ٤٦    | المائدة  | ٥     | وَقَفَّيْنَا                     | ٤٨٦٠  |
| ١٠٥   | التوبة   | ٩     | وَقُلْ اصْمَلُوا                 | ٤٨٦١  |
| ٢٩    | الكهف    | ١٨    | وَقُلْ الْحَقُّ                  | ٤٨٦٢  |
| ١١١   | الإسراء  | ١٧    | وَقُلْ الْحَمْدُ لِلَّهِ         | ٤٨٦٣  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | سلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            |      |
| ٧٢    | آل عمران | ٣     | وَقَالَتْ طَائِفَةٌ            | ٤٨   |
| ١١    | القصص    | ٢٨    | وَقَالَتْ لِأُخْتِهِ فُصِّحْ   | ٤٨   |
| ٨٨    | مريم     | ١٩    | وَقَالُوا اتَّخَذَ الرَّحْمَنُ | ٤٨   |
| ٢٦    | الأنبياء | ٢١    | وَقَالُوا اتَّخَذَ الرَّحْمَنُ | ٤٨   |
| ١١٦   | البقرة   | ٢     | وَقَالُوا اتَّخَذَ اللَّهُ     | ٤٨   |
| ٣٤    | فاطر     | ٣٥    | وَقَالُوا الْحَمْدُ لِلَّهِ    | ٤٨   |
| ٧٤    | الزمر    | ٣٩    | وَقَالُوا الْحَمْدُ لِلَّهِ    | ٤٨   |
| ٥٢    | سبا      | ٣٤    | وَقَالُوا آمَنَّا              | ٤٨   |
| ١٠    | السجدة   | ٣٢    | وَقَالُوا أَيُّهَا             | ٤٨   |
| ٤٩    | الإسراء  | ١٧    | وَقَالُوا أَيُّهَا             | ٤٨   |
| ٥٨    | الزخرف   | ٤٣    | وَقَالُوا أَلَيْسَ خَيْرَ      | ٤٨   |
| ٥     | الفرقان  | ٢٥    | وَقَالُوا أَسَاطِيرُ           | ٤٨   |
| ٥٧    | القصص    | ٢٨    | وَقَالُوا إِنْ نَتَّبِعِ       | ٤٨   |
| ١٥    | الصفافات | ٣٧    | وَقَالُوا إِنْ هَذَا           | ٤٨   |
| ٢٩    | الأنعام  | ٦     | وَقَالُوا إِنْ هِيَ            | ٤٨   |
| ٦٧    | الأحزاب  | ٣٣    | وَقَالُوا رَبَّنَا             | ٤٨   |
| ١٦    | ص        | ٣٨    | وَقَالُوا رَبَّنَا             | ٤٨   |
| ٨٨    | البقرة   | ٢     | وَقَالُوا قُلُوبِنَا           | ٤٨   |
| ٥     | فصلت     | ٤١    | وَقَالُوا قُلُوبِنَا           | ٤٨   |
| ١٣٥   | البقرة   | ٢     | وَقَالُوا كُونُوا هُودًا       | ٤٨   |
| ٢٣    | نوح      | ٧١    | وَقَالُوا لَا تَدْرُنَّ        | ٤٨   |
| ٢١    | فصلت     | ٤١    | وَقَالُوا لِيَجْلُدِهِمُ       | ٤٨   |
| ٨٠    | البقرة   | ٢     | وَقَالُوا لَنْ نَمْسَنَّا      | ٤٨   |
| ٩٠    | الإسراء  | ١٧    | وَقَالُوا لَنْ نُؤْمِنَ        | ٤٨   |
| ١١١   | البقرة   | ٢     | وَقَالُوا لَنْ يَدْخُلَ        | ٤٨   |
| ٢٠    | الزخرف   | ٤٣    | وَقَالُوا لَنْ يَدْخُلَ        | ٤٨   |
| ١٠    | الملك    | ٦٧    | وَقَالُوا لَوْ شَاءَ           | ٤٨   |
| ٥٠    | العنكبوت | ٢٩    | وَقَالُوا لَوْلَا أَنْزَلَ     | ٤٨   |
| ٨     | الأنعام  | ٦     | وَقَالُوا لَوْلَا أَنْزَلَ     | ٤٨   |
| ٣٧    | الأنعام  | ٦     | وَقَالُوا لَوْلَا نَزَّلَ      | ٤٨   |
| ٣١    | الزخرف   | ٤٣    | وَقَالُوا لَوْلَا نَزَّلَ      | ٤٨   |

الفهرس الهجائى لشواهد آيات القرآن

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ٤٦    | الواقعة  | ٥٦     | وَكَاثُوا يُصِرُونَ        | ٤٨٩٥  |
| ٤٧    | الواقعة  | ٥٦     | وَكَاثُوا يُفُولُونَ       | ٤٨٩٦  |
| ٨٢    | الحجر    | ١٥     | وَكَاثُوا يَنْجُثُونَ      | ٤٨٩٧  |
| ٣٤    | النبا    | ٧٨     | وَكَلَسًا وَهَاقًا         | ٤٨٩٨  |
| ١٠٥   | يوسف     | ١٢     | وَكَايِنٌ مِّنْ آيَةٍ      | ٤٨٩٩  |
| ٦٠    | العنكبوت | ٢٩     | وَكَايِنٌ مِّنْ دَابَّةٍ   | ٤٩٠٠  |
| ٤٨    | الحج     | ٢٢     | وَكَايِنٌ مِّنْ قَرِيْبَةٍ | ٤٩٠١  |
| ٨     | الطلاق   | ٦٥     | وَكَايِنٌ مِّنْ قَرِيْبَةٍ | ٤٩٠٢  |
| ١٣    | محمد     | ٤٧     | وَكَايِنٌ مِّنْ قَرِيْبَةٍ | ٤٩٠٣  |
| ١٤٦   | آل عمران | ٣      | وَكَايِنٌ مِّنْ نَّبِيٍّ   | ٤٩٠٤  |
| ٢     | الطور    | ٥٢     | وَكِتَابٍ مَّسْطُورٍ       | ٤٩٠٥  |
| ٤٥    | المائدة  | ٥      | وَكِتَابَنَا عَلَيْهِمْ    | ٤٩٠٦  |
| ١٤٥   | الأعراف  | ٧      | وَكِتَابًا لَهُ            | ٤٩٠٧  |
| ٤٥    | سبا      | ٣٤     | وَكُذِّبَ الَّذِينَ        | ٤٩٠٨  |
| ٩     | الليل    | ٩٢     | وَكُذِّبَ بِالْحُسْنَى     | ٤٩٠٩  |
| ٦٦    | الأنعام  | ٦      | وَكُذِّبَ بِهِ قَوْمُكَ    | ٤٩١٠  |
| ٢٨    | النبا    | ٧٨     | وَكُذِّبُوا بِآيَاتِنَا    | ٤٩١١  |
| ٣     | القمر    | ٥٤     | وَكُذِّبُوا وَاتَّبَعُوا   | ٤٩١٢  |
| ١٠٢   | هود      | ١١     | وَكُذِّبَ أَخَذَ رَبُّكَ   | ٤٩١٣  |
| ٢١    | الكهف    | ١٨     | وَكُذِّبَ اعْتَرَفْنَا     | ٤٩١٤  |
| ٤٧    | العنكبوت | ٢٩     | وَكُذِّبَ أَنْزَلْنَا      | ٤٩١٥  |
| ١٦    | الحج     | ٢٢     | وَكُذِّبَ أَنْزَلْنَاهُ    | ٤٩١٦  |
| ٣٧    | الرعد    | ١٣     | وَكُذِّبَ أَنْزَلْنَاهُ    | ٤٩١٧  |
| ١١٣   | طه       | ٢٠     | وَكُذِّبَ أَنْزَلْنَاهُ    | ٤٩١٨  |
| ٥٢    | الشورى   | ٤٢     | وَكُذِّبَ أَوْحَيْنَا      | ٤٩١٩  |
| ٧     | الشورى   | ٤٢     | وَكُذِّبَ أَوْحَيْنَا      | ٤٩٢٠  |
| ١٩    | الكهف    | ١٨     | وَكُذِّبَ بَعَثْنَاهُمْ    | ٤٩٢١  |
| ١٢٣   | الأنعام  | ٦      | وَكُذِّبَ جَعَلْنَا        | ٤٩٢٢  |
| ١١٢   | الأنعام  | ٦      | وَكُذِّبَ جَعَلْنَا        | ٤٩٢٣  |
| ٣١    | الفرقان  | ٢٥     | وَكُذِّبَ جَعَلْنَا        | ٤٩٢٤  |
| ١٤٣   | البقرة   | ٢      | وَكُذِّبَ جَعَلْنَاكُمْ    | ٤٩٢٥  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ٩٣    | النمل    | ٢٧     | وَقُلِ الْحَمْدُ لِلَّهِ   | ٤٨٦٤  |
| ٨٩    | الحجر    | ١٥     | وَقُلِ إِنِّي              | ٤٨٦٥  |
| ٨١    | الإسراء  | ١٧     | وَقُلِ جَاءَ الْحَقُّ      | ٤٨٦٦  |
| ١١٨   | المؤمنون | ٢٣     | وَقُلِ رَبِّ               | ٤٨٦٧  |
| ٨٠    | الإسراء  | ١٧     | وَقُلِ رَبِّ               | ٤٨٦٨  |
| ٩٧    | المؤمنون | ٢٣     | وَقُلِ رَبِّ               | ٤٨٦٩  |
| ٢٩    | المؤمنون | ٢٣     | وَقُلِ رَبِّ               | ٤٨٧٠  |
| ٥٣    | الإسراء  | ١٧     | وَقُلِ لِعِبَادِي          | ٤٨٧١  |
| ١٢١   | هود      | ١١     | وَقُلِ لِلَّذِينَ          | ٤٨٧٢  |
| ٣١    | النور    | ٢٤     | وَقُلِ لِلْمُؤْمِنَاتِ     | ٤٨٧٣  |
| ١٠٤   | الإسراء  | ١٧     | وَقُلْنَا مِنْ بَعْدِهِ    | ٤٨٧٤  |
| ٣٥    | البقرة   | ٢      | وَقُلْنَا يَا آدَمُ        | ٤٨٧٥  |
| ١٤    | الواقعة  | ٥٦     | وَقُلْنَا مَنْ الْآخِرِينَ | ٤٨٧٦  |
| ٩     | غافر     | ٤٠     | وَقِهِمُ السَّيِّئَاتِ     | ٤٨٧٧  |
| ١٥٧   | النساء   | ٤      | وَقَوْلِهِمْ               | ٤٨٧٨  |
| ٤٣    | الحج     | ٢٢     | وَقَوْمِ إِبْرَاهِيمَ      | ٤٨٧٩  |
| ٣٧    | الفرقان  | ٢٥     | وَقَوْمِ نُوحٍ             | ٤٨٨٠  |
| ٤٦    | الذاريات | ٥١     | وَقَوْمِ نُوحٍ             | ٤٨٨١  |
| ٥٢    | النجم    | ٥٣     | وَقَوْمِ نُوحٍ             | ٤٨٨٢  |
| ٢٥    | فصلت     | ٤١     | وَقِيضْنَا لَهُمْ          | ٤٨٨٣  |
| ٦٤    | القصص    | ٢٨     | وَقِيلِ ادْعُوا            | ٤٨٨٤  |
| ٣٤    | الجاثية  | ٤٥     | وَقِيلِ الْيَوْمِ          | ٤٨٨٥  |
| ٣٠    | النحل    | ١٦     | وَقِيلِ لِلَّذِينَ         | ٤٨٨٦  |
| ٣٩    | الشعراء  | ٢٦     | وَقِيلِ لِلنَّاسِ          | ٤٨٨٧  |
| ٩٢    | الشعراء  | ٢٦     | وَقِيلِ لَهُمْ             | ٤٨٨٨  |
| ٢٧    | القيامة  | ٧٥     | وَقِيلِ مَنْ               | ٤٨٨٩  |
| ٤٤    | هود      | ١١     | وَقِيلِ يَا أَرْضُ         | ٤٨٩٠  |
| ٨٨    | الزخرف   | ٤٣     | وَقِيلِ يَا رَبِّ          | ٤٨٩١  |
| ٤٨    | النمل    | ٢٧     | وَكَانَ فِي الْمَدِينَةِ   | ٤٨٩٢  |
| ٣٤    | الكهف    | ١٨     | وَكَانَ لَهُ ثَمَرٌ        | ٤٨٩٣  |
| ٥٥    | مريم     | ١٩     | وَكَانَ يَأْمُرُ           | ٤٨٩٤  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام            |       |
| ٧     | الواقعة  | ٥٦    | وكننم أزواجا   | ٤٩٥٧  |
| ٥٨    | الشعراء  | ٢٦    | وكنوز ومقام    | ٤٩٥٨  |
| ٣٣    | النبا    | ٧٨    | وكنواعب أثرايا | ٤٩٥٩  |
| ٨١    | الأنعام  | ٦     | وكيف أخاف      | ٤٩٦٠  |
| ٢١    | النساء   | ٤     | وكيف تأخذونه   | ٤٩٦١  |
| ٦٨    | الكهف    | ١٨    | وكيف تصير      | ٤٩٦٢  |
| ١٠١   | آل عمران | ٣     | وكيف تكفرون    | ٤٩٦٣  |
| ٤٣    | المائدة  | ٥     | وكيف يحكمونك   | ٤٩٦٤  |
| ١٤٥   | البقرة   | ٢     | ولكن أثبت      | ٤٩٦٥  |
| ٨     | هود      | ١١    | ولكن أحرنا     | ٤٩٦٦  |
| ٩     | هود      | ١١    | ولكن أذنا      | ٤٩٦٧  |
| ٥٠    | فصلت     | ٤١    | ولكن أذناه     | ٤٩٦٨  |
| ١٠    | هود      | ١١    | ولكن أذناه     | ٤٩٦٩  |
| ٥١    | الروم    | ٣٠    | ولكن أرسلنا    | ٤٩٧٠  |
| ٧٣    | النساء   | ٤     | ولكن أصابكم    | ٤٩٧١  |
| ٣٤    | المؤمنون | ٢٣    | ولكن اطعمم     | ٤٩٧٢  |
| ٦٥    | التوبة   | ٩     | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٣  |
| ٢٥    | لقمان    | ٣١    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٤  |
| ٣٨    | الزمر    | ٣٩    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٥  |
| ٩     | الزخرف   | ٤٣    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٦  |
| ٦١    | العنكبوت | ٢٩    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٧  |
| ٨٧    | الزخرف   | ٤٣    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٨  |
| ٦٣    | العنكبوت | ٢٩    | ولكن سألنهم    | ٤٩٧٩  |
| ٨٦    | الإسراء  | ١٧    | ولكن شئنا      | ٤٩٨٠  |
| ١٥٧   | آل عمران | ٣     | ولكن فئلكم     | ٤٩٨١  |
| ١٥٨   | آل عمران | ٣     | ولكن ممن       | ٤٩٨٢  |
| ٤٦    | الأنبياء | ٢١    | ولكن مسنهم     | ٤٩٨٣  |
| ٢١    | فاطر     | ٣٥    | ولا الظل       | ٤٩٨٤  |
| ٢٠    | فاطر     | ٣٥    | ولا الظلمات    | ٤٩٨٥  |
| ٢     | القيامة  | ٧٥    | ولا أقسم       | ٤٩٨٦  |
| ٣١    | هود      | ١١    | ولا أقول لكم   | ٤٩٨٧  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد             | مسلسل |
|-------|----------|-------|------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام              |       |
| ٦     | غافر     | ٤٠    | وكذلك حفن        | ٤٩١   |
| ١٣٧   | الأنعام  | ٦     | وكذلك زين        | ٤٩١   |
| ٥٣    | الأنعام  | ٦     | وكذلك فتننا      | ٤٩١   |
| ٢٣    | الزخرف   | ٤٣    | وكذلك ما أرسلنا  | ٤٩١   |
| ٥٦    | يوسف     | ١٢    | وكذلك مكنا ليوسف | ٤٩١   |
| ١٢٧   | طه       | ٢٠    | وكذلك نجزي       | ٤٩١   |
| ٧٥    | الأنعام  | ٦     | وكذلك نري        | ٤٩١   |
| ١٠٥   | الأنعام  | ٦     | وكذلك نصرف       | ٤٩١   |
| ٥٥    | الأنعام  | ٦     | وكذلك نقصل       | ٤٩١   |
| ١٧٤   | الأعراف  | ٧     | وكذلك نقصل       | ٤٩١   |
| ١٢٩   | الأنعام  | ٦     | وكذلك نولي       | ٤٩١   |
| ٦     | يوسف     | ١٢    | وكذلك يجنبيك     | ٤٩١   |
| ١٣    | الإسراء  | ١٧    | وكل إنسان        | ٤٩١   |
| ٢٩    | النبا    | ٧٨    | وكل شيء          | ٤٩١   |
| ٥٢    | القمر    | ٥٤    | وكل شيء          | ٤٩١   |
| ٥٣    | القمر    | ٥٤    | وكل صغير         | ٤٩١   |
| ٣٩    | الفرقان  | ٢٥    | وكلنا ضربنا      | ٤٩١   |
| ١٢٠   | هود      | ١١    | وكلنا نقص        | ٤٩١   |
| ٩٥    | مريم     | ١٩    | وكلهم آتية       | ٤٩١   |
| ٨٨    | المائدة  | ٥     | وكلوا مما        | ٤٩١   |
| ٦     | الزخرف   | ٤٣    | وكم أرسلنا       | ٤٩١   |
| ٩٨    | مريم     | ١٩    | وكم أهلكنا       | ٤٩١   |
| ٧٤    | مريم     | ١٩    | وكم أهلكنا       | ٤٩١   |
| ٣٦    | ق        | ٥٠    | وكم أهلكنا       | ٤٩١   |
| ١٧    | الإسراء  | ١٧    | وكم أهلكنا       | ٤٩١   |
| ٥٨    | القصص    | ٢٨    | وكم أهلكنا       | ٤٩١   |
| ١١    | الأنبياء | ٢١    | وكم قصمنا        | ٤٩١   |
| ٤     | الأعراف  | ٧     | وكم من قرية      | ٤٩١   |
| ٢٦    | النجم    | ٥٣    | وكم من ملك       | ٤٩١   |
| ٤٥    | المدثر   | ٧٤    | وكلنا نخوض       | ٤٩١   |
| ٤٦    | المدثر   | ٧٤    | وكلنا نكدب       | ٤٩١   |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد         | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام          | عام   |
| ٤٨    | الأحزاب  | ٣٣    | لا تُطع      | ٥٠١٩  |
| ١٠    | القلم    | ٦٨    | ولا تُطع     | ٥٠٢٠  |
| ١٥١   | الشعراء  | ٢٦    | ولا تُطيعوا  | ٥٠٢١  |
| ٨٥    | التوبة   | ٩     | ولا تُعجيبك  | ٥٠٢٢  |
| ٥٦    | الأعراف  | ٧     | ولا تُفسدوا  | ٥٠٢٣  |
| ٣٣    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُقتلوا  | ٥٠٢٤  |
| ٣١    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُقتلوا  | ٥٠٢٥  |
| ٣٢    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُقربوا  | ٥٠٢٦  |
| ١٥٢   | الأنعام  | ٦     | ولا تُقربوا  | ٥٠٢٧  |
| ٣٤    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُقربوا  | ٥٠٢٨  |
| ٨٦    | الأعراف  | ٧     | ولا تُفعلوا  | ٥٠٢٩  |
| ٣٦    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُفقف    | ٥٠٣٠  |
| ٢٣    | الكهف    | ١٨    | ولا تُقولن   | ٥٠٣١  |
| ١١٦   | النحل    | ١٦    | ولا تُقولوا  | ٥٠٣٢  |
| ١٥٤   | البقرة   | ٢     | ولا تُقولوا  | ٥٠٣٣  |
| ٩٥    | يونس     | ١٠    | ولا تُكُونن  | ٥٠٣٤  |
| ٩٢    | النحل    | ١٦    | ولا تُكُونوا | ٥٠٣٥  |
| ١٠٥   | آل عمران | ٣     | ولا تُكُونوا | ٥٠٣٦  |
| ٤٧    | الأنفال  | ٨     | ولا تُكُونوا | ٥٠٣٧  |
| ٢١    | الأنفال  | ٨     | ولا تُكُونوا | ٥٠٣٨  |
| ١٩    | الحشر    | ٥٩    | ولا تُكُونوا | ٥٠٣٩  |
| ٤٢    | البقرة   | ٢     | ولا تُليسوا  | ٥٠٤٠  |
| ١٣١   | طه       | ٢٠    | ولا تُمدنن   | ٥٠٤١  |
| ١٥٦   | الشعراء  | ٢٦    | ولا تُمسوها  | ٥٠٤٢  |
| ٣٧    | الإسراء  | ١٧    | ولا تُمشن    | ٥٠٤٣  |
| ٦     | المدثر   | ٧٤    | ولا تُمنن    | ٥٠٤٤  |
| ٢٣    | سبا      | ٣٤    | ولا تُنقع    | ٥٠٤٥  |
| ٢٢١   | البقرة   | ٢     | ولا تُنكحوا  | ٥٠٤٦  |
| ٢٢    | النساء   | ٤     | ولا تُنكحوا  | ٥٠٤٧  |
| ١٠٤   | النساء   | ٤     | ولا تُهثوا   | ٥٠٤٨  |
| ١٣٩   | آل عمران | ٣     | ولا تُهثوا   | ٥٠٤٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد        | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام         | عام   |
| ٤     | الكافرون | ١٠٩   | ولا أنا     | ٤٩٨٨  |
| ٣     | الكافرون | ١٠٩   | ولا انتم    | ٤٩٨٩  |
| ٥     | الكافرون | ١٠٩   | ولا انتم    | ٤٩٩٠  |
| ٤٢    | الحاقة   | ٦٩    | ولا يقول    | ٤٩٩١  |
| ٥     | النساء   | ٤     | ولا تؤثوا   | ٤٩٩٢  |
| ٧٣    | آل عمران | ٣     | ولا تؤمنوا  | ٤٩٩٣  |
| ١٨٨   | البقرة   | ٢     | ولا تأكلوا  | ٤٩٩٤  |
| ١٢١   | الأنعام  | ٦     | ولا تأكلوا  | ٤٩٩٥  |
| ١٨٣   | الشعراء  | ٢٦    | ولا تبصوا   | ٤٩٩٦  |
| ٩٤    | النحل    | ١٦    | ولا تتخذوا  | ٤٩٩٧  |
| ٣٢    | النساء   | ٤     | ولا تتمنوا  | ٤٩٩٨  |
| ١٠٧   | النساء   | ٤     | ولا تجادلن  | ٤٩٩٩  |
| ٤٦    | العنكبوت | ٢٩    | ولا تجادلوا | ٥٠٠٠  |
| ٢٩    | الإسراء  | ١٧    | ولا تجعلن   | ٥٠٠١  |
| ٢٢٤   | البقرة   | ٢     | ولا تجعلوا  | ٥٠٠٢  |
| ٥١    | الذاريات | ٥١    | ولا تجعلوا  | ٥٠٠٣  |
| ١٨    | الفجر    | ٨٩    | ولا تحاضون  | ٥٠٠٤  |
| ٧٠    | النمل    | ٢٧    | ولا تحزنن   | ٥٠٠٥  |
| ١٦٩   | آل عمران | ٣     | ولا تحسبنن  | ٥٠٠٦  |
| ٤٢    | إبراهيم  | ١٤    | ولا تحسبنن  | ٥٠٠٧  |
| ٨٧    | الشعراء  | ٢٦    | ولا تحزني   | ٥٠٠٨  |
| ٨٨    | القصص    | ٢٨    | ولا تدع     | ٥٠٠٩  |
| ١٠٦   | يونس     | ١٠    | ولا تدع     | ٥٠١٠  |
| ١١٣   | هود      | ١١    | ولا تركنوا  | ٥٠١١  |
| ١٨    | فاطر     | ٣٥    | ولا تزر     | ٥٠١٢  |
| ١٠٨   | الأنعام  | ٦     | ولا تسبوا   | ٥٠١٣  |
| ٣٤    | فصلت     | ٤١    | ولا تستوي   | ٥٠١٤  |
| ٩٥    | النحل    | ١٦    | ولا تستروا  | ٥٠١٥  |
| ١٨    | لقمان    | ٣١    | ولا تُصغرن  | ٥٠١٦  |
| ٨٤    | التوبة   | ٩     | ولا تُصلن   | ٥٠١٧  |
| ٥٢    | الأنعام  | ٦     | ولا تطردن   | ٥٠١٨  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                     | مسلسل |
|-------|----------|-----|--------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                    | عام   |
| ٣٤    | الزخرف   | ٤٣  | وَلْيُبَيِّنْهُمْ        | ٥٠٨١  |
| ٩٦    | البقرة   | ٢   | وَلْتَجِدْنَهُمْ         | ٥٠٨٢  |
| ١١٣   | الأنعام  | ٦   | وَلْيَتَصَفَى            | ٥٠٨٣  |
| ٨٨    | ص        | ٣٨  | وَلْتَعْلَمُنَّ          | ٥٠٨٤  |
| ١٠٤   | آل عمران | ٣   | وَلْتَكُنْ مَكْنَمُ      | ٥٠٨٥  |
| ٢١    | الواقعة  | ٥٦  | وَلَحْمِ طَيْرٍ          | ٥٠٨٦  |
| ١٥٢   | الصافات  | ٣٧  | وَلَدَ اللّٰهُ           | ٥٠٨٧  |
| ٧     | المدثر   | ٧٤  | وَلِرَبِّكَ فَاصْبِرْ    | ٥٠٨٨  |
| ٩     | البلد    | ٩٠  | وَلِسَانَ وَشَقِيقَيْنِ  | ٥٠٨٩  |
| ٨١    | الأنبياء | ٢١  | وَلِسُلَيْمَانَ الرِّيحِ | ٥٠٩٠  |
| ١٢    | سبا      | ٣٤  | وَلِسُلَيْمَانَ الرِّيحِ | ٥٠٩١  |
| ٢١    | الليل    | ٩٢  | وَلَسَوْفَ يَرْضَى       | ٥٠٩٢  |
| ٥     | الضحى    | ٩٣  | وَلَسَوْفَ يُعْطِيكَ     | ٥٠٩٣  |
| ٣٢    | الدخان   | ٤٤  | وَلَقَدْ اخْتَرْنَاَهُمْ | ٥٠٩٤  |
| ٣٢    | الرعد    | ١٣  | وَلَقَدْ اسْتَهْزَأُ     | ٥٠٩٥  |
| ١٠    | الأنعام  | ٦   | وَلَقَدْ اسْتَهْزَأُ     | ٥٠٩٦  |
| ٤١    | الأنبياء | ٢١  | وَلَقَدْ اسْتَهْزَأُ     | ٥٠٩٧  |
| ٥١    | الأنبياء | ٢١  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥٠٩٨  |
| ١٦    | الجاثية  | ٤٥  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥٠٩٩  |
| ١٥    | النمل    | ٢٧  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٠  |
| ١٠    | سبا      | ٣٤  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠١  |
| ١٢    | لقمان    | ٣١  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٢  |
| ١١٠   | هود      | ١١  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٣  |
| ٤٥    | فصلت     | ٤١  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٤  |
| ٢٣    | السجدة   | ٣٢  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٥  |
| ٤٩    | المؤمنون | ٢٣  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٦  |
| ٤٣    | القصص    | ٢٨  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٧  |
| ٣٥    | الفرقان  | ٢٥  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٨  |
| ٨٧    | البقرة   | ٢   | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١٠٩  |
| ٥٣    | غافر     | ٤٠  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١١٠  |
| ١٠١   | الإسراء  | ١٧  | وَلَقَدْ آتَيْنَا        | ٥١١١  |

| رقم   | السورة   | رقم | شاهد                   | مسلسل |
|-------|----------|-----|------------------------|-------|
| الآية | السورة   |     | الآية                  | عام   |
| ٢٣٥   | البقرة   | ٢   | وَلَا جُنَاحَ          | ٥٠٥   |
| ١٠١   | الشعراء  | ٢٦  | وَلَا صَدِيقٍ          | ٥٠٥   |
| ٣٦    | الحاقة   | ٦٩  | وَلَا طَعَامٍ          | ٥٠٥   |
| ٩٢    | التوبة   | ٩   | وَلَا عَلَى            | ٥٠٥   |
| ٦٢    | المؤمنون | ٢٣  | وَلَا تُكَلَّفُ        | ٥٠٥   |
| ٣٦    | المرسلات | ٧٧  | وَلَا يُؤَذِّنُ        | ٥٠٥   |
| ٢٢    | النور    | ٢٤  | وَلَا يَأْتِلُ         | ٥٠٥   |
| ٣٣    | الفرقان  | ٢٥  | وَلَا يَأْتُونَكَ      | ٥٠٥   |
| ٨٠    | آل عمران | ٣   | لَا يَأْمُرُكُمْ       | ٥٠٥   |
| ٧     | الجمعة   | ٦٢  | وَلَا يَمَمُّونَهُ     | ٥٠٥   |
| ١٧٦   | آل عمران | ٣   | وَلَا يَحْزَنُكَ       | ٥٠٦   |
| ٦٥    | يونس     | ١٠  | وَلَا يَحْزَنُكَ       | ٥٠٦   |
| ١٧٨   | آل عمران | ٣   | وَلَا يَحْضَبُونَ      | ٥٠٦   |
| ٥٩    | الأنفال  | ٨   | وَلَا يَحْضَبُونَ      | ٥٠٦   |
| ١٨٠   | آل عمران | ٣   | وَلَا يَحْضَبُونَ      | ٥٠٦   |
| ٣٤    | الحاقة   | ٦٩  | وَلَا يَحْضُ           | ٥٠٦   |
| ٣     | الماعون  | ١٠٧ | وَلَا يَحْضُ           | ٥٠٦   |
| ١٥    | الشمس    | ٩١  | وَلَا يَخَافُ          | ٥٠٦   |
| ٥٥    | الحج     | ٢٢  | وَلَا يَزَالُ          | ٥٠٦   |
| ١٠    | المعارج  | ٧٠  | وَلَا يَسْأَلُ         | ٥٠٦   |
| ١٨    | القلم    | ٦٨  | وَلَا يَسْتَنْبِئُونَ  | ٥٠٧   |
| ١٩٢   | الأعراف  | ٧   | وَلَا يَسْتَطِيعُونَ   | ٥٠٧   |
| ٨٧    | القصص    | ٢٨  | وَلَا يَصُدُّكَ        | ٥٠٧   |
| ٦٢    | الزخرف   | ٤٣  | وَلَا يَصُدُّكُمْ      | ٥٠٧   |
| ٨٦    | الزخرف   | ٤٣  | وَلَا يَمْلِكُ         | ٥٠٧   |
| ٣٤    | هود      | ١١  | وَلَا يَنْفَعُكُمْ     | ٥٠٧   |
| ١٢١   | التوبة   | ٩   | وَلَا يَنْفَعُونَ      | ٥٠٧   |
| ٢٦    | الفجر    | ٨٩  | وَلَا يُؤْتِقُ         | ٥٠٧   |
| ٥٧    | يوسف     | ١٢  | وَلَا جَزَأُ الأَخرَةَ | ٥٠٧   |
| ١١٩   | النساء   | ٤   | وَلَا ضَلِيلُهُمْ      | ٥٠٧   |
| ٢٥    | الكهف    | ١٨  | وَلِكَيْلُوا           | ٥٠٨   |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الك

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد         | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية        | عام   |
| ٣٦    | النحل    | ١٦     | ولقد بعثنا   | ٥١٤٣  |
| ٩٣    | يونس     | ١٠     | ولقد بؤنا    | ٥١٤٤  |
| ٣٥    | العنكبوت | ٢٩     | ولقد تركنا   | ٥١٤٥  |
| ١٥    | القمر    | ٥٤     | ولقد تركناها | ٥١٤٦  |
| ٩٤    | الأنعام  | ٦      | ولقد جئتمونا | ٥١٤٧  |
| ٥٢    | الأعراف  | ٧      | ولقد جئناهم  | ٥١٤٨  |
| ٤١    | القمر    | ٥٤     | ولقد جاء     | ٥١٤٩  |
| ٦٩    | هود      | ١١     | ولقد جاءت    | ٥١٥٠  |
| ٩٢    | البقرة   | ٢      | ولقد جاءكم   | ٥١٥١  |
| ٣٤    | غافر     | ٤٠     | ولقد جاءكم   | ٥١٥٢  |
| ١١٣   | النحل    | ١٦     | ولقد جاءهم   | ٥١٥٣  |
| ٤     | القمر    | ٥٤     | ولقد جاءهم   | ٥١٥٤  |
| ١٦    | الحجر    | ١٥     | ولقد جعلنا   | ٥١٥٥  |
| ١٢    | المؤمنون | ٢٣     | ولقد خلقنا   | ٥١٥٦  |
| ٢٦    | الحجر    | ١٥     | ولقد خلقنا   | ٥١٥٧  |
| ١٦    | ق        | ٥٠     | ولقد خلقنا   | ٥١٥٨  |
| ٣٨    | ق        | ٥٠     | ولقد خلقنا   | ٥١٥٩  |
| ١٧    | المؤمنون | ٢٣     | ولقد خلقنا   | ٥١٦٠  |
| ١١    | الأعراف  | ٧      | ولقد خلقناكم | ٥١٦١  |
| ١٧٩   | الأعراف  | ٧      | ولقد نزلنا   | ٥١٦٢  |
| ٣٧    | القمر    | ٥٤     | ولقد راودوه  | ٥١٦٣  |
| ٢٣    | التكوير  | ٨١     | ولقد رآه     | ٥١٦٤  |
| ١٣    | النجم    | ٥٣     | ولقد رآه     | ٥١٦٥  |
| ٥     | الملك    | ٦٧     | ولقد زينا    | ٥١٦٦  |
| ١٧١   | الصافات  | ٣٧     | ولقد سبقنا   | ٥١٦٧  |
| ٣٨    | القمر    | ٥٤     | ولقد صبغهم   | ٥١٦٨  |
| ٢٠    | سبا      | ٣٤     | ولقد صدق     | ٥١٦٩  |
| ١٥٢   | آل عمران | ٣      | ولقد صدقكم   | ٥١٧٠  |
| ٥٤    | الكهف    | ١٨     | ولقد صرفنا   | ٥١٧١  |
| ٤١    | الإسراء  | ١٧     | ولقد صرفنا   | ٥١٧٢  |
| ٨٩    | الإسراء  | ١٧     | ولقد صرفنا   | ٥١٧٣  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد           | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية          | عام   |
| ٤٨    | الأنبياء | ٢١     | ولقد آتينا     | ٥١١٢  |
| ٨٧    | الحجر    | ١٥     | ولقد آتيناك    | ٥١١٣  |
| ٤٠    | الفرقان  | ٢٥     | ولقد أتوا      | ٥١١٤  |
| ١٢    | المائدة  | ٥      | ولقد أخذ الله  | ٥١١٥  |
| ١٣٠   | الأعراف  | ٧      | ولقد أخذنا     | ٥١١٦  |
| ٧٦    | المؤمنون | ٢٣     | ولقد أخذناهم   | ٥١١٧  |
| ٤٢    | الأنعام  | ٦      | ولقد أرسلنا    | ٥١١٨  |
| ٤٥    | النمل    | ٢٧     | ولقد أرسلنا    | ٥١١٩  |
| ٧٨    | غافر     | ٤٠     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٠  |
| ٣٨    | الرعد    | ١٣     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢١  |
| ٧٢    | الصافات  | ٣٧     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٢  |
| ٤٧    | الروم    | ٣٠     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٣  |
| ١٠    | الحجر    | ١٥     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٤  |
| ٥     | إبراهيم  | ١٤     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٥  |
| ٤٦    | الزخرف   | ٤٣     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٦  |
| ٩٦    | هود      | ١١     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٧  |
| ٢٣    | غافر     | ٤٠     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٨  |
| ٢٥    | هود      | ١١     | ولقد أرسلنا    | ٥١٢٩  |
| ٢٣    | المؤمنون | ٢٣     | ولقد أرسلنا    | ٥١٣٠  |
| ١٤    | العنكبوت | ٢٩     | ولقد أرسلنا    | ٥١٣١  |
| ٢٦    | الحديد   | ٥٧     | ولقد أرسلنا    | ٥١٣٢  |
| ٥٦    | طه       | ٢٠     | ولقد أرسلناه   | ٥١٣٣  |
| ٦٢    | يس       | ٣٦     | ولقد أضل       | ٥١٣٤  |
| ٣٦    | القمر    | ٥٤     | ولقد أنذرهم    | ٥١٣٥  |
| ٩٩    | البقرة   | ٢      | ولقد أنزلنا    | ٥١٣٦  |
| ٣٤    | النور    | ٢٤     | ولقد أنزلنا    | ٥١٣٧  |
| ١٣    | يونس     | ١٠     | ولقد أهلكتنا   | ٥١٣٨  |
| ٥١    | القمر    | ٥٤     | ولقد أهلكتنا   | ٥١٣٩  |
| ٢٧    | الأحقاف  | ٤٦     | ولقد أهلكتنا   | ٥١٤٠  |
| ٦٥    | الزمر    | ٣٩     | ولقد أوحى إليك | ٥١٤١  |
| ٧٧    | طه       | ٢٠     | ولقد أوحينا    | ٥١٤٢  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية             | عام   |
| ٢٢    | القمر    | ٥٤     | ولقد يسرنا القرآن | ٥٢٠٥  |
| ٣٢    | القمر    | ٥٤     | ولقد يسرنا القرآن | ٥٢٠٦  |
| ٤٠    | القمر    | ٥٤     | ولقد يسرنا القرآن | ٥٢٠٧  |
| ٣٤    | الأعراف  | ٧      | ولكل أمة          | ٥٢٠٨  |
| ٣٤    | الحج     | ٢٢     | ولكل أمة          | ٥٢٠٩  |
| ٤٧    | يونس     | ١٠     | ولكل أمة          | ٥٢١٠  |
| ٣٣    | النساء   | ٤      | ولكل جعلنا        | ٥٢١١  |
| ١٩    | الأحقاف  | ٤٦     | ولكل درجات        | ٥٢١٢  |
| ١٣٢   | الأنعام  | ٦      | ولكل درجات        | ٥٢١٣  |
| ١٤٨   | البقرة   | ٢      | ولكل وجهة         | ٥٢١٤  |
| ١٧٩   | البقرة   | ٢      | ولكم في القصاص    | ٥٢١٥  |
| ٦     | النحل    | ١٦     | ولكم فيها جمال    | ٥٢١٦  |
| ٨٠    | غافر     | ٤٠     | ولكم فيها منافع   | ٥٢١٧  |
| ١٢    | النساء   | ٤      | ولكم نصف          | ٥٢١٨  |
| ٣٢    | القيامة  | ٧٥     | ولكن كذب          | ٥٢١٩  |
| ٤٥    | القصاص   | ٢٨     | ولكننا أنشأنا     | ٥٢٢٠  |
| ٤     | الضحى    | ٩٣     | وللاخرة خير       | ٥٢٢١  |
| ٦     | الملك    | ٦٧     | وللذين كفروا      | ٥٢٢٢  |
| ٢٤١   | البقرة   | ٢      | وللمطقات متاع     | ٥٢٢٣  |
| ١٨٠   | الأعراف  | ٧      | ولله الأسماء      | ٥٢٢٤  |
| ١١٥   | البقرة   | ٢      | ولله المشرق       | ٥٢٢٥  |
| ٧     | الفتح    | ٤٨     | ولله جنود         | ٥٢٢٦  |
| ١٢٣   | هود      | ١١     | ولله غيب          | ٥٢٢٧  |
| ٧٧    | النحل    | ١٦     | ولله غيب          | ٥٢٢٨  |
| ٣١    | النجم    | ٥٣     | ولله ما في        | ٥٢٢٩  |
| ١٠٩   | آل عمران | ٣      | ولله ما في        | ٥٢٣٠  |
| ١٢٦   | النساء   | ٤      | ولله ما في        | ٥٢٣١  |
| ١٣٢   | النساء   | ٤      | ولله ما في        | ٥٢٣٢  |
| ١٣١   | النساء   | ٤      | ولله ما في        | ٥٢٣٣  |
| ١٢٩   | آل عمران | ٣      | ولله ما في        | ٥٢٣٤  |
| ١٨٩   | آل عمران | ٣      | ولله ملك          | ٥٢٣٥  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد              | مسلسل |
|-------|----------|--------|-------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية             | عام   |
| ٥٠    | الفرقان  | ٢٥     | ولقد صرنا         | ٥١٧   |
| ٢٧    | الزمر    | ٣٩     | ولقد ضربنا        | ٥١٧   |
| ٥٨    | الروم    | ٣٠     | ولقد ضربنا        | ٥١٧   |
| ٧١    | الصفات   | ٣٧     | ولقد ضل           | ٥١٧   |
| ٦٥    | البقرة   | ٢      | ولقد علمتم        | ٥١٧   |
| ٦٢    | الواقعة  | ٥٦     | ولقد علمتم        | ٥١٧   |
| ٢٤    | الحجر    | ١٥     | ولقد علمنا        | ٥١٨   |
| ١١٥   | طه       | ٢٠     | ولقد عهدنا        | ٥١٨   |
| ٣     | العنكبوت | ٢٩     | ولقد فتنا         | ٥١٨   |
| ٣٤    | ص        | ٣٨     | ولقد فتنا         | ٥١٨   |
| ١٧    | الدخان   | ٤٤     | ولقد فتنا         | ٥١٨   |
| ٩٠    | طه       | ٢٠     | ولقد قال          | ٥١٨   |
| ١٥    | الأحزاب  | ٣٣     | ولقد كانوا        | ٥١٨   |
| ١٠٥   | الأنبياء | ٢١     | ولقد كتبنا        | ٥١٨   |
| ١٨    | الملك    | ٦٧     | ولقد كذب          | ٥١٨   |
| ٨٠    | الحجر    | ١٥     | ولقد كذب          | ٥١٨   |
| ٣٤    | الأنعام  | ٦      | ولقد كذبت         | ٥١٩   |
| ٧٠    | الإسراء  | ١٧     | ولقد كرمنا        | ٥١٩   |
| ١٤٣   | آل عمران | ٣      | ولقد كنتم         | ٥١٩   |
| ١٠    | الأعراف  | ٧      | ولقد مكناكم       | ٥١٩   |
| ٢٦    | الأحقاف  | ٤٦     | ولقد مكناهم       | ٥١٩   |
| ١١٤   | الصفات   | ٣٧     | ولقد مننا         | ٥١٩   |
| ٣٧    | طه       | ٢٠     | ولقد مننا         | ٥١٩   |
| ٧٥    | الصفات   | ٣٧     | ولقد نادانا       | ٥١٩   |
| ٣٠    | الدخان   | ٤٤     | ولقد نجينا        | ٥١٩   |
| ١٢٣   | آل عمران | ٣      | ولقد نصركم        | ٥١٩   |
| ٩٧    | الحجر    | ١٥     | ولقد نعلم أنك     | ٥٢٠   |
| ١٠٣   | النحل    | ١٦     | ولقد نعلم أنهم    | ٥٢٠   |
| ٢٤    | يوسف     | ١٢     | ولقد هممت         | ٥٢٠   |
| ٥١    | القصاص   | ٢٨     | ولقد وصلنا        | ٥٢٠   |
| ١٧    | القمر    | ٥٤     | ولقد يسرنا القرآن | ٥٢٠   |



| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|--------|---------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                     | عام   |
| ٩٩    | يونس     | ١٠     | وَلَوْ شَاءَ رَبُّكَ      | ٥٣٢٩  |
| ١١٨   | هود      | ١١     | وَلَوْ شَاءَ رَبُّكَ      | ٥٣٣٠  |
| ٢٣    | الأطفال  | ٨      | وَلَوْ عَلِمَ اللَّهُ     | ٥٣٣١  |
| ١٤    | الحجر    | ١٥     | وَلَوْ فَتَحْنَا          | ٥٣٣٢  |
| ٢٢    | الفتح    | ٤٨     | وَلَوْ قَاتَلَكُمُ        | ٥٣٣٣  |
| ٨١    | المائدة  | ٥      | وَلَوْ كُنَّا             | ٥٣٣٤  |
| ٧     | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ نَزَّلْنَا         | ٥٣٣٥  |
| ١٩٨   | الشعراء  | ٢٦     | وَلَوْ نَزَّلْنَا         | ٥٣٣٦  |
| ٣٠    | محمد     | ٤٧     | وَلَوْ نَشَاءُ            | ٥٣٣٧  |
| ٦٠    | الزخرف   | ٤٣     | وَلَوْ نَشَاءُ            | ٥٣٣٨  |
| ٦٦    | يس       | ٣٦     | وَلَوْ نَشَاءُ            | ٥٣٣٩  |
| ٦٧    | يس       | ٣٦     | وَلَوْ نَشَاءُ            | ٥٣٤٠  |
| ٦١    | النحل    | ١٦     | وَلَوْ يُؤَاخِذُ اللَّهُ  | ٥٣٤١  |
| ٤٥    | فاطر     | ٣٥     | وَلَوْ يُؤَاخِذُ اللَّهُ  | ٥٣٤٢  |
| ١١    | يونس     | ١٠     | وَلَوْ يَعْلَمُ اللَّهُ   | ٥٣٤٣  |
| ٧٤    | الأنبياء | ٢١     | وَلَوْطَا آتَيْنَاهُ      | ٥٣٤٤  |
| ٨٠    | الأعراف  | ٧      | وَلَوْطَا إِذْ قَالَ      | ٥٣٤٥  |
| ٥٤    | النمل    | ٢٧     | وَلَوْطَا إِذْ قَالَ      | ٥٣٤٦  |
| ٢٨    | العنكبوت | ٢٩     | وَلَوْطَا إِذْ قَالَ      | ٥٣٤٧  |
| ٤٧    | القصص    | ٢٨     | وَلَوْلَا أَنْ            | ٥٣٤٨  |
| ٧٤    | الإسراء  | ١٧     | وَلَوْلَا أَنْ            | ٥٣٤٩  |
| ٣     | الحشر    | ٥٩     | وَلَوْلَا أَنْ            | ٥٣٥٠  |
| ٣٣    | الزخرف   | ٤٣     | وَلَوْلَا أَنْ            | ٥٣٥١  |
| ٣٩    | الكهف    | ١٨     | وَلَوْلَا إِذْ            | ٥٣٥٢  |
| ١٦    | النور    | ٢٤     | وَلَوْلَا إِذْ            | ٥٣٥٣  |
| ١١٣   | النساء   | ٤      | وَلَوْلَا فَضَّلَ اللَّهُ | ٥٣٥٤  |
| ١٤    | النور    | ٢٤     | وَلَوْلَا فَضَّلَ اللَّهُ | ٥٣٥٥  |
| ١٠    | النور    | ٢٤     | وَلَوْلَا فَضَّلَ اللَّهُ | ٥٣٥٦  |
| ٢٠    | النور    | ٢٤     | وَلَوْلَا فَضَّلَ اللَّهُ | ٥٣٥٧  |
| ١٢٩   | طه       | ٢٠     | وَلَوْلَا كَلِمَةً        | ٥٣٥٨  |
| ٥٧    | الصفات   | ٣٧     | وَلَوْلَا نِعْمَةً        | ٥٣٥٩  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                 | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                | عام   |
| ٩٦    | الأعراف  | ٧      | وَلَوْ أَنْ          | ٥٣٢٩  |
| ٦٥    | المائدة  | ٥      | وَلَوْ أَنْ          | ٥٣٣٠  |
| ٣١    | الرعد    | ١٣     | وَلَوْ أَنْ          | ٥٣٣١  |
| ٥٤    | يونس     | ١٠     | وَلَوْ أَنْ          | ٥٣٣٢  |
| ٤٧    | الزمر    | ٣٩     | وَلَوْ أَنْ          | ٥٣٣٣  |
| ١٣٤   | طه       | ٢٠     | وَلَوْ أَنَا         | ٥٣٣٤  |
| ٦٦    | النساء   | ٤      | وَلَوْ أَنَا         | ٥٣٣٥  |
| ٢٧    | لقمان    | ٣١     | وَلَوْ أَنَّمَا      | ٥٣٣٦  |
| ١١١   | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ أَنَّمَا      | ٥٣٣٧  |
| ١٠٣   | البقرة   | ٢      | وَلَوْ أَنَّهُمْ     | ٥٣٣٨  |
| ٦٦    | المائدة  | ٥      | وَلَوْ أَنَّهُمْ     | ٥٣٣٩  |
| ٥٩    | التوبة   | ٩      | وَلَوْ أَنَّهُمْ     | ٥٣٤٠  |
| ٥     | الحجرات  | ٤٩     | وَلَوْ أَنَّهُمْ     | ٥٣٤١  |
| ٢٧    | الشورى   | ٤٢     | وَلَوْ بَسَطَ        | ٥٣٤٢  |
| ١٢    | السجدة   | ٣٢     | وَلَوْ تَرَى         | ٥٣٤٣  |
| ٥١    | سبا      | ٣٤     | وَلَوْ تَرَى         | ٥٣٤٤  |
| ٢٧    | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ تَرَى         | ٥٣٤٥  |
| ٣٠    | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ تَرَى         | ٥٣٤٦  |
| ٥٠    | الأطفال  | ٨      | وَلَوْ تَرَى         | ٥٣٤٧  |
| ٤٤    | الحاقة   | ٦٩     | وَلَوْ تَقَوَّلَ     | ٥٣٤٨  |
| ٩٧    | يونس     | ١٠     | وَلَوْ جَاءَتْهُمْ   | ٥٣٤٩  |
| ٤٤    | فصلت     | ٤١     | وَلَوْ جَعَلْنَاهُ   | ٥٣٥٠  |
| ٩     | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ جَعَلْنَاهُ   | ٥٣٥١  |
| ١٤    | الأحزاب  | ٣٣     | وَلَوْ دَخَلْتَ      | ٥٣٥٢  |
| ٧٥    | المؤمنون | ٢٣     | وَلَوْ رَحِمْنَاهُمْ | ٥٣٥٣  |
| ١٣    | السجدة   | ٣٢     | وَلَوْ شِئْنَا       | ٥٣٥٤  |
| ٥١    | الفرقان  | ٢٥     | وَلَوْ شِئْنَا       | ٥٣٥٥  |
| ١٧٦   | الأعراف  | ٧      | وَلَوْ شِئْنَا       | ٥٣٥٦  |
| ٩٣    | النحل    | ١٦     | وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ | ٥٣٥٧  |
| ٨     | الشورى   | ٤٢     | وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ | ٥٣٥٨  |
| ١٠٧   | الأنعام  | ٦      | وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ | ٥٣٥٩  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                 | عام   |
| ٤     | إبراهيم  | ١٤    | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩١  |
| ٦٤    | النساء   | ٤     | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩٢  |
| ٤٣    | النحل    | ١٦    | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩٣  |
| ١٠٩   | يوسف     | ١٢    | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩٤  |
| ٢٥    | الأنبياء | ٢١    | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩٥  |
| ٥٢    | الحج     | ٢٢    | وَمَا أَرْسَلْنَا   | ٥٣٩٦  |
| ١٠٧   | الأنبياء | ٢١    | وَمَا أَرْسَلْنَاكَ | ٥٣٩٧  |
| ٢٨    | سبا      | ٣٤    | وَمَا أَرْسَلْنَاكَ | ٥٣٩٨  |
| ٥٦    | الفرقان  | ٢٥    | وَمَا أَرْسَلْنَاكَ | ٥٣٩٩  |
| ٢٣    | المطففين | ٨٣    | وَمَا أَرْسَلُوا    | ٥٤٠٠  |
| ١٠٩   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَسْأَلُكُمْ  | ٥٤٠١  |
| ١٢٧   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَسْأَلُكُمْ  | ٥٤٠٢  |
| ١٤٥   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَسْأَلُكُمْ  | ٥٤٠٣  |
| ١٦٤   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَسْأَلُكُمْ  | ٥٤٠٤  |
| ١٨٠   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَسْأَلُكُمْ  | ٥٤٠٥  |
| ٣٠    | الشورى   | ٤٢    | وَمَا أَصَابَكُمْ   | ٥٤٠٦  |
| ١٦٦   | آل عمران | ٣     | وَمَا أَصَابَكُمْ   | ٥٤٠٧  |
| ٩٩    | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَضَلْنَا     | ٥٤٠٨  |
| ٣٦    | الكهف    | ١٨    | وَمَا أَظُنُّ       | ٥٤٠٩  |
| ٨٣    | طه       | ٢٠    | وَمَا أَعْجَلَكْ    | ٥٤١٠  |
| ٦     | الحشر    | ٥٩    | وَمَا أَفَاءَ       | ٥٤١١  |
| ١٠٣   | يوسف     | ١٢    | وَمَا أَكْثُرُ      | ٥٤١٢  |
| ٥٠    | القمر    | ٥٤    | وَمَا أَمْرُنَا     | ٥٤١٣  |
| ٥     | البيينة  | ٩٨    | وَمَا أَمْرُوا      | ٥٤١٤  |
| ٣٧    | سبا      | ٣٤    | وَمَا أَمْوَالُكُمْ | ٥٤١٥  |
| ١١٤   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَنَا         | ٥٤١٦  |
| ١٨٦   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا أَنْتَ        | ٥٤١٧  |
| ٥٣    | الروم    | ٣٠    | وَمَا أَنْتَ        | ٥٤١٨  |
| ٨١    | النمل    | ٢٧    | وَمَا أَنْتَ        | ٥٤١٩  |
| ٢٢    | العنكبوت | ٢٩    | وَمَا أَنْتُمْ      | ٥٤٢٠  |
| ٣١    | الشورى   | ٤٢    | وَمَا أَنْتُمْ      | ٥٤٢١  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                      | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                       | عام   |
| ٢     | الفجر    | ٨٩    | وَكَيْلًا عَشْرًا         | ٥٣٦٠  |
| ٤٧    | المائدة  | ٥     | وَلِيُحْكَمْ أَهْلًا      | ٥٣٦١  |
| ١٣    | العنكبوت | ٢٩    | وَلِيُخْلِلْنَ            | ٥٣٦٢  |
| ٩     | النساء   | ٤     | وَلِيُخْشَنَ              | ٥٣٦٣  |
| ١٨    | النساء   | ٤     | وَلَيْسَتْ التَّوْبَةُ    | ٥٣٦٤  |
| ٣٣    | التور    | ٢٤    | وَلَيْسَتْ عَقِيبَ        | ٥٣٦٥  |
| ٥٤    | الحج     | ٢٢    | وَلِيَعْلَمَ الَّذِينَ    | ٥٣٦٦  |
| ١٦٧   | آل عمران | ٣     | وَلِيَعْلَمَ الَّذِينَ    | ٥٣٦٧  |
| ١١    | العنكبوت | ٢٩    | وَلِيَعْلَمَنَّ اللَّهُ   | ٥٣٦٨  |
| ١٤١   | آل عمران | ٣     | وَلِيُحْصِيَ اللَّهُ      | ٥٣٦٩  |
| ١٠    | الشورى   | ٤٢    | وَمَا اخْتَلَفْتُمْ فِيهِ | ٥٣٧٠  |
| ٣٢    | الأنعام  | ٦     | وَمَا الْحَيَاةُ          | ٥٣٧١  |
| ٣٩    | الروم    | ٣٠    | وَمَا آتَيْتُمْ           | ٥٣٧٢  |
| ٤٤    | سبا      | ٣٤    | وَمَا آتَيْنَاهُمْ        | ٥٣٧٣  |
| ٥٣    | يوسف     | ١٢    | وَمَا أَبْرَأُ            | ٥٣٧٤  |
| ٣     | الحاقة   | ٦٩    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٧٥  |
| ٥     | الهمزة   | ١٠٤   | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٧٦  |
| ٢     | الطارق   | ٨٦    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٧٧  |
| ١٢    | البلد    | ٩٠    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٧٨  |
| ٣     | القارعة  | ١٠١   | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٧٩  |
| ٨     | المطففين | ٨٣    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٠  |
| ٢٧    | المدثر   | ٧٤    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨١  |
| ١٩    | المطففين | ٨٣    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٢  |
| ٢     | القدر    | ٩٧    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٣  |
| ١٧    | الإتفطار | ٨٢    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٤  |
| ١٤    | المرسلات | ٧٧    | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٥  |
| ١٠    | القارعة  | ١٠١   | وَمَا أَدْرَاكَ           | ٥٣٨٦  |
| ٩٤    | الأعراف  | ٧     | وَمَا أَرْسَلْنَا         | ٥٣٨٧  |
| ٣٤    | سبا      | ٣٤    | وَمَا أَرْسَلْنَا         | ٥٣٨٨  |
| ٧     | الأنبياء | ٢١    | وَمَا أَرْسَلْنَا         | ٥٣٨٩  |
| ٢٠    | الفرقان  | ٢٥    | وَمَا أَرْسَلْنَا         | ٥٣٩٠  |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ٢٠    | إبراهيم  | ١٤     | وَمَا تَذِكْ               | ٥٤٥٣  |
| ١٧    | فاطر     | ٣٥     | وَمَا تَذِكْ               | ٥٤٥٤  |
| ٢٢    | التكوير  | ٨١     | وَمَا صَاحِبِكُمْ          | ٥٤٥٥  |
| ١٠١   | هود      | ١١     | وَمَا ظَلَمْتَاهُمْ        | ٥٤٥٦  |
| ٧٦    | الزخرف   | ٤٣     | وَمَا ظَلَمْتَاهُمْ        | ٥٤٥٧  |
| ٦٠    | يونس     | ١٠     | وَمَا ظَنُّ                | ٥٤٥٨  |
| ٦٩    | يس       | ٣٦     | وَمَا عَلَّمْتَاهُ         | ٥٤٥٩  |
| ٦٩    | الأنعام  | ٦      | وَمَا عَلَى                | ٥٤٦٠  |
| ٧     | عبس      | ٨٠     | وَمَا عَلَيْكَ             | ٥٤٦١  |
| ١٧    | يس       | ٣٦     | وَمَا عَلَيْنَا            | ٥٤٦٢  |
| ٩١    | الأنعام  | ٦      | وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ     | ٥٤٦٣  |
| ٦٧    | الزمر    | ٣٩     | وَمَا قَدَرُوا اللَّهَ     | ٥٤٦٤  |
| ١١٤   | التوبة   | ٩      | وَمَا كَانَ اسْتِغْفَارُ   | ٥٤٦٥  |
| ١١٥   | التوبة   | ٩      | وَمَا كَانَ اللَّهُ        | ٥٤٦٦  |
| ٣٣    | الأنفال  | ٨      | وَمَا كَانَ اللَّهُ        | ٥٤٦٧  |
| ١٢٢   | التوبة   | ٩      | وَمَا كَانَ الْمُؤْمِنُونَ | ٥٤٦٨  |
| ١٩    | يونس     | ١٠     | وَمَا كَانَ النَّاسُ       | ٥٤٦٩  |
| ٨٢    | الأعراف  | ٧      | وَمَا كَانَ جَوَابَ        | ٥٤٧٠  |
| ١١٧   | هود      | ١١     | وَمَا كَانَ رَبُّكَ        | ٥٤٧١  |
| ٥٩    | القصص    | ٢٨     | وَمَا كَانَ رَبُّكَ        | ٥٤٧٢  |
| ٣٥    | الأنفال  | ٨      | وَمَا كَانَ صَلَاتُهُمْ    | ٥٤٧٣  |
| ١٤٧   | آل عمران | ٣      | وَمَا كَانَ قَوْلُهُمْ     | ٥٤٧٤  |
| ٥١    | الشورى   | ٤٢     | وَمَا كَانَ لِيُشْرَ       | ٥٤٧٥  |
| ٩٢    | النساء   | ٤      | وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنٍ     | ٥٤٧٦  |
| ٣٦    | الأحزاب  | ٣٣     | وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنٍ     | ٥٤٧٧  |
| ٣٠    | الصفافات | ٣٧     | وَمَا كَانَ لَنَا          | ٥٤٧٨  |
| ١٦١   | آل عمران | ٣      | وَمَا كَانَ لِنَبِيِّ      | ٥٤٧٩  |
| ١٠٠   | يونس     | ١٠     | وَمَا كَانَ لِنَفْسٍ       | ٥٤٨٠  |
| ١٤٥   | آل عمران | ٣      | وَمَا كَانَ لِنَفْسٍ       | ٥٤٨١  |
| ٢١    | سبا      | ٣٤     | وَمَا كَانَ لَهُ           | ٥٤٨٢  |
| ٤٦    | الشورى   | ٤٢     | وَمَا كَانَ لَهُمْ         | ٥٤٨٣  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                   | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                  | عام   |
| ٢٨    | يس       | ٣٦     | وَمَا أَنْزَلْنَا      | ٥٤١   |
| ٦٤    | النحل    | ١٦     | وَمَا أَنْزَلْنَا      | ٥٤١   |
| ٢٧٠   | البقرة   | ٢      | وَمَا أَنْفَقْتُمْ     | ٥٤١   |
| ٢٠٨   | الشعراء  | ٢٦     | وَمَا أَهْلَكْنَا      | ٥٤١   |
| ٤     | الحجر    | ١٥     | وَمَا أَهْلَكْنَا      | ٥٤١   |
| ٦٠    | القصص    | ٢٨     | وَمَا أَوْثِقْتُمْ     | ٥٤١   |
| ٥٣    | النحل    | ١٦     | وَمَا بِكُمْ           | ٥٤١   |
| ٤     | الأنعام  | ٦      | وَمَا تَأْتِيهِمْ      | ٥٤١   |
| ٤٦    | يس       | ٣٦     | وَمَا تَأْتِيهِمْ      | ٥٤٢   |
| ٣٩    | الصفافات | ٣٧     | وَمَا تُجَزَوْنَ       | ٥٤٢   |
| ١٠٤   | يوسف     | ١٢     | وَمَا تَسْأَلُهُمْ     | ٥٤٢   |
| ٣٠    | الإنسان  | ٧٦     | وَمَا تَشَاعُونَ       | ٥٤٢   |
| ٢٩    | التكوير  | ٨١     | وَمَا تَشَاعُونَ       | ٥٤٢   |
| ٤     | البينة   | ٩٨     | وَمَا تَفْرُقُ         | ٥٤٢   |
| ١٤    | الشورى   | ٤٢     | وَمَا تَفْرُقُوا       | ٥٤٢   |
| ٦١    | يونس     | ١٠     | وَمَا تَكُونُ          | ٥٤٢   |
| ١٧    | طه       | ٢٠     | وَمَا تَلِكْ           | ٥٤٣   |
| ٢١٠   | الشعراء  | ٢٦     | وَمَا تَنْزَلْتَ       | ٥٤٣   |
| ١٢٦   | الأعراف  | ٧      | وَمَا تَنْقِمُ         | ٥٤٤   |
| ٣١    | المدثر   | ٧٤     | وَمَا جَعَلْنَا        | ٥٤٤   |
| ٣٤    | الأنبياء | ٢١     | وَمَا جَعَلْنَا        | ٥٤٤   |
| ٨     | الأنبياء | ٢١     | وَمَا جَعَلْنَاهُمْ    | ٥٤٤   |
| ١٢٦   | آل عمران | ٣      | وَمَا جَعَلَهُ اللَّهُ | ٥٤٤   |
| ١٠    | الأنفال  | ٨      | وَمَا جَعَلَهُ اللَّهُ | ٥٤٤   |
| ٣     | الليل    | ٩٢     | وَمَا خَلَقَ           | ٥٤٤   |
| ٥٦    | الذاريات | ٥١     | وَمَا خَلَقْتُ         | ٥٤٤   |
| ٢٧    | ص        | ٣٨     | وَمَا خَلَقْنَا        | ٥٤٤   |
| ١٦    | الأنبياء | ٢١     | وَمَا خَلَقْنَا        | ٥٤٤   |
| ٨٥    | الحجر    | ١٥     | وَمَا خَلَقْنَا        | ٥٤٥   |
| ٣٨    | الدخان   | ٤٤     | وَمَا خَلَقْنَا        | ٥٤٥   |
| ١٣    | النحل    | ١٦     | وَمَا تَرَا لَكُمْ     | ٥٤٥   |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الذ

| رقم   | السورة        | رقم   | شاهد                    | مسلسل |
|-------|---------------|-------|-------------------------|-------|
| الآية | السورة        | الآية | عام                     | عام   |
| ٤٨    | الزخرف        | ٤٣    | وَمَا تُرِيهِمْ         | ٥٥١٥  |
| ٨     | البروج        | ٨٥    | وَمَا نَقْمُوا          | ٥٥١٦  |
| ٦٤    | العنكبوت      | ٢٩    | وَمَا هَذِهِ الْحَيَاةُ | ٥٥١٧  |
| ١٦    | الإِنْفِطَارِ | ٨٢    | وَمَا هُمْ              | ٥٥١٨  |
| ٥٢    | القلم         | ٦٨    | وَمَا هُوَ              | ٥٥١٩  |
| ١٤    | الطارق        | ٨٦    | وَمَا هُوَ              | ٥٥٢٠  |
| ٤١    | الحاقة        | ٦٩    | وَمَا هُوَ              | ٥٥٢١  |
| ٢٥    | التكوير       | ٨١    | وَمَا هُوَ              | ٥٥٢٢  |
| ٢٤    | التكوير       | ٨١    | وَمَا هُوَ              | ٥٥٢٣  |
| ١٠٢   | الأعراف       | ٧     | وَمَا وَجَدْنَا         | ٥٥٢٤  |
| ١٠٦   | يوسف          | ١٢    | وَمَا يُؤْمِنُ          | ٥٥٢٥  |
| ٥     | الشعراء       | ٢٦    | وَمَا يَأْتِيهِمْ       | ٥٥٢٦  |
| ١١    | الحجر         | ١٥    | وَمَا يَأْتِيهِمْ       | ٥٥٢٧  |
| ٧     | الزخرف        | ٤٣    | وَمَا يَأْتِيهِمْ       | ٥٥٢٨  |
| ٣٦    | يونس          | ١٠    | وَمَا يَبْلُغُ          | ٥٥٢٩  |
| ٣     | عبس           | ٨٠    | وَمَا يَذْرِيكَ         | ٥٥٣٠  |
| ٥٦    | المدثر        | ٧٤    | وَمَا يَذْكُرُونَ       | ٥٥٣١  |
| ٢٢    | فاطر          | ٣٥    | وَمَا يَسْتَوِي         | ٥٥٣٢  |
| ١٩    | فاطر          | ٣٥    | وَمَا يَسْتَوِي         | ٥٥٣٣  |
| ٥٨    | غافر          | ٤٠    | وَمَا يَسْتَوِي         | ٥٥٣٤  |
| ١٢    | فاطر          | ٣٥    | وَمَا يَسْتَوِي         | ٥٥٣٥  |
| ١١    | الليل         | ٩٢    | وَمَا يَغْنِي           | ٥٥٣٦  |
| ١١٥   | آل عمران      | ٣     | وَمَا يَقُولُوا         | ٥٥٣٧  |
| ١٢    | المطففين      | ٨٣    | وَمَا يَكْذِبُ          | ٥٥٣٨  |
| ٣٥    | فصلت          | ٤١    | وَمَا يُلْقَاهَا        | ٥٥٣٩  |
| ٩٢    | مريم          | ١٩    | وَمَا يَتَّبِعِي        | ٥٥٤٠  |
| ٢١١   | الشعراء       | ٢٦    | وَمَا يَتَّبِعِي        | ٥٥٤١  |
| ٣     | النجم         | ٥٣    | وَمَا يَنْطِقُ          | ٥٥٤٢  |
| ١٥    | ص             | ٣٨    | وَمَا يَنْظُرُ          | ٥٥٤٣  |
| ٣١    | الواقعة       | ٥٦    | وَمَا مَسْكُوبٍ         | ٥٥٤٤  |
| ٣٩    | النساء        | ٤     | وَمَاذَا عَلَيْهِمْ     | ٥٥٤٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                  | مسلسل |
|-------|----------|-------|-----------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                   | عام   |
| ٣٧    | يونس     | ١٠    | وَمَا كَانَ هَذَا     | ٥٤٨٤  |
| ٤٦    | القصص    | ٢٨    | وَمَا كُنْتَ          | ٥٤٨٥  |
| ٤٤    | القصص    | ٢٨    | وَمَا كُنْتَ          | ٥٤٨٦  |
| ٤٨    | العنكبوت | ٢٩    | وَمَا كُنْتَ          | ٥٤٨٧  |
| ٨٦    | القصص    | ٢٨    | وَمَا كُنْتَ          | ٥٤٨٨  |
| ٢٢    | فصلت     | ٤١    | وَمَا كُنْتُمْ        | ٥٤٨٩  |
| ٣٩    | الحاقة   | ٦٩    | وَمَا لَا             | ٥٤٩٠  |
| ١٩    | الليل    | ٩٢    | وَمَا لِأَحَدٍ        | ٥٤٩١  |
| ١١٩   | الأنعام  | ٦     | وَمَا لَكُمْ          | ٥٤٩٢  |
| ١٠    | الحديد   | ٥٧    | وَمَا لَكُمْ          | ٥٤٩٣  |
| ٨     | الحديد   | ٥٧    | وَمَا لَكُمْ          | ٥٤٩٤  |
| ٧٥    | النساء   | ٤     | وَمَا لَكُمْ          | ٥٤٩٥  |
| ١٢    | إبراهيم  | ١٤    | وَمَا لَنَا           | ٥٤٩٦  |
| ٨٤    | المائدة  | ٥     | وَمَا لَنَا           | ٥٤٩٧  |
| ٣٤    | الأنفال  | ٨     | وَمَا لَهُمْ          | ٥٤٩٨  |
| ٢٨    | النجم    | ٥٣    | وَمَا لَهُمْ          | ٥٤٩٩  |
| ٢٢    | يس       | ٣٦    | وَمَا لِي             | ٥٥٠٠  |
| ١٤٤   | آل عمران | ٣     | وَمَا مُحَمَّدٌ       | ٥٥٠١  |
| ٦     | هود      | ١١    | وَمَا مِنْ ذَابَّةٍ   | ٥٥٠٢  |
| ٣٨    | الأنعام  | ٦     | وَمَا مِنْ ذَابَّةٍ   | ٥٥٠٣  |
| ٧٥    | النمل    | ٢٧    | وَمَا مِنْ غَائِبَةٍ  | ٥٥٠٤  |
| ١٦٤   | الصفات   | ٣٧    | وَمَا مِثًا           | ٥٥٠٥  |
| ٩٤    | الإسراء  | ١٧    | وَمَا مَتَعَ النَّاسَ | ٥٥٠٦  |
| ٥٥    | الكهف    | ١٨    | وَمَا مَتَعَ النَّاسَ | ٥٥٠٧  |
| ٥٩    | الإسراء  | ١٧    | وَمَا مَتَعْنَا       | ٥٥٠٨  |
| ٥٤    | التوبة   | ٩     | وَمَا مَتَعَهُمْ      | ٥٥٠٩  |
| ١٠٤   | هود      | ١١    | وَمَا نُؤَخِّرُهُ     | ٥٥١٠  |
| ٦٤    | مريم     | ١٩    | وَمَا نُنزِّلُ        | ٥٥١١  |
| ١٣٨   | الشعراء  | ٢٦    | وَمَا نَحْنُ          | ٥٥١٢  |
| ٤٨    | الأنعام  | ٦     | وَمَا تُرْسِلُ        | ٥٥١٣  |
| ٥٦    | الكهف    | ١٨    | وَمَا تُرْسِلُ        | ٥٥١٤  |

الفهرس الهجائى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ٢٨    | فاطر     | ٣٥     | وَمِنَ النَّاسِ             | ٥٥٧٧  |
| ٨٧    | الأنعام  | ٦      | وَمِنَ آيَاتِهِمْ           | ٥٥٧٨  |
| ٣٢    | الشورى   | ٤٢     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٧٩  |
| ٣٧    | فصلت     | ٤١     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٠  |
| ٢٥    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨١  |
| ٢١    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٢  |
| ٢٠    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٣  |
| ٤٦    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٤  |
| ٣٩    | فصلت     | ٤١     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٥  |
| ٢٢    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٦  |
| ٢٩    | الشورى   | ٤٢     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٧  |
| ٢٣    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٨  |
| ٢٤    | الروم    | ٣٠     | وَمِنَ آيَاتِهِ             | ٥٥٨٩  |
| ١٢٥   | النساء   | ٤      | وَمَنْ أَحْسَنُ             | ٥٥٩٠  |
| ٣٣    | فصلت     | ٤١     | وَمَنْ أَحْسَنُ             | ٥٥٩١  |
| ١٩    | الإسراء  | ١٧     | وَمَنْ أَرَادَ              | ٥٥٩٢  |
| ٥     | الأحقاف  | ٤٦     | وَمَنْ أَضَلُّ              | ٥٥٩٣  |
| ٧     | الصف     | ٦١     | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٤  |
| ٩٣    | الأنعام  | ٦      | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٥  |
| ٦٨    | العنكبوت | ٢٩     | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٦  |
| ٢١    | الأنعام  | ٦      | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٧  |
| ١٨    | هود      | ١١     | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٨  |
| ٢٢    | السجدة   | ٣٢     | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٥٩٩  |
| ٥٧    | الكهف    | ١٨     | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٦٠٠  |
| ١١٤   | البقرة   | ٢      | وَمَنْ أَظْلَمُ             | ٥٦٠١  |
| ١٢٤   | طه       | ٢٠     | وَمَنْ أَعْرَضَ             | ٥٦٠٢  |
| ٧٥    | آل عمران | ٣      | وَمَنْ أَهْلَ الْكِتَابِ    | ٥٦٠٣  |
| ٧١    | الفرقان  | ٢٥     | وَمَنْ تَابَ                | ٥٦٠٤  |
| ٦٧    | النحل    | ١٦     | وَمِنْ ثَمَرَاتِ النَّخِيلِ | ٥٦٠٥  |
| ٩٠    | النمل    | ٢٧     | وَمِنْ جَاءَ                | ٥٦٠٦  |
| ٦     | العنكبوت | ٢٩     | وَمَنْ جَاهَدَ              | ٥٦٠٧  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                        | عام   |
| ١٧١   | البقرة   | ٢      | وَمَثَلُ الَّذِينَ           | ٥٥    |
| ٢٦٥   | البقرة   | ٢      | وَمَثَلُ الَّذِينَ           | ٥٥    |
| ٢٦    | إبراهيم  | ١٤     | وَمَثَلُ كَلِمَةٍ            | ٥٥    |
| ١٢    | التحریم  | ٦٦     | وَمَرْيَمَ ابْنَةَ عِمْرَانَ | ٥٥    |
| ٢٧    | المطففين | ٨٣     | وَمِزَاجُهُ                  | ٥٥    |
| ٥٠    | آل عمران | ٣      | وَمُصَدِّقًا لِمَا           | ٥٥    |
| ١٩    | الفتح    | ٤٨     | وَمَغَاتِمَ كَثِيرَةً        | ٥٥    |
| ٢٢    | نوح      | ٧١     | وَمَكْرُوا مَكْرًا           | ٥٥    |
| ٥٠    | النمل    | ٢٧     | وَمَكْرُوا مَكْرًا           | ٥٥    |
| ٥٤    | آل عمران | ٣      | وَمَكْرُوا وَمَكَرَ اللَّهُ  | ٥٥    |
| ١٠١   | التوبة   | ٩      | وَمِمَّنْ حَوْلَكُم          | ٥٥    |
| ١٨١   | الأعراف  | ٧      | وَمِمَّنْ خَلَقْنَا          | ٥٥    |
| ٩٩    | التوبة   | ٩      | وَمِنَ الْأَعْرَابِ          | ٥٥    |
| ٩٨    | التوبة   | ٩      | وَمِنَ الْأَعْرَابِ          | ٥٥    |
| ١٤٢   | الأنعام  | ٦      | وَمِنَ الْأَنْعَامِ          | ٥٥    |
| ١٤٤   | الأنعام  | ٦      | وَمِنَ الْإِبِلِ             | ٥٥    |
| ١٤    | المائدة  | ٥      | وَمِنَ الَّذِينَ قَالُوا     | ٥٥    |
| ٨٢    | الأنبياء | ٢١     | وَمِنَ الشَّيَاطِينِ         | ٥٥    |
| ٢٦    | الإنسان  | ٧٦     | وَمِنَ اللَّيْلِ             | ٥٥    |
| ٧٩    | الإسراء  | ١٧     | وَمِنَ اللَّيْلِ             | ٥٥    |
| ٤٠    | ق        | ٥٠     | وَمِنَ اللَّيْلِ             | ٥٥    |
| ٤٩    | الطور    | ٥٢     | وَمِنَ اللَّيْلِ             | ٥٥    |
| ١٦٥   | البقرة   | ٢      | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٨     | الحج     | ٢٢     | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٣     | الحج     | ٢٢     | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٦     | لقمان    | ٣١     | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٢٠٧   | البقرة   | ٢      | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ١١    | الحج     | ٢٢     | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٢٠٤   | البقرة   | ٢      | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ١٠    | العنكبوت | ٢٩     | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |
| ٨     | البقرة   | ٢      | وَمِنَ النَّاسِ              | ٥٥    |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                          | عام   |
| ١١٠   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَعْمَلْ                | ٥٦٣٩  |
| ٨     | الزلزلة  | ٩٩     | وَمَنْ يَعْمَلْ                | ٥٦٤٠  |
| ١٢٤   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَعْمَلْ                | ٥٦٤١  |
| ١١٢   | طه       | ٢٠     | وَمَنْ يَعْمَلْ                | ٥٦٤٢  |
| ٣٠    | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَقَعْلْ                | ٥٦٤٣  |
| ٩٣    | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَقْتُلْ                | ٥٦٤٤  |
| ٢٩    | الأنبياء | ٢١     | وَمَنْ يَقُلْ                  | ٥٦٤٥  |
| ٣١    | الأحزاب  | ٣٣     | وَمَنْ يَقْتَتْ                | ٥٦٤٦  |
| ١١١   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَكْسِبْ                | ٥٦٤٧  |
| ١١٢   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَكْسِبْ                | ٥٦٤٨  |
| ١٠٠   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَهَاجِرْ               | ٥٦٤٩  |
| ٣٧    | الزمر    | ٣٩     | وَمَنْ يَهْدِ اللَّهُ          | ٥٦٥٠  |
| ٩٧    | الإسراء  | ١٧     | وَمَنْ يَهْدِ اللَّهُ          | ٥٦٥١  |
| ١٦    | الأنفال  | ٨      | وَمَنْ يُؤْهِمْ                | ٥٦٥٢  |
| ٢٠    | النجم    | ٥٣     | وَمَنَّا التَّالِثَةَ          | ٥٦٥٣  |
| ٦١    | التوبة   | ٩      | وَمِنْهُمْ الَّذِينَ           | ٥٦٥٤  |
| ٧٨    | البقرة   | ٢      | وَمِنْهُمْ آمِنُونَ            | ٥٦٥٥  |
| ٧٥    | التوبة   | ٩      | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٥٦  |
| ٤٠    | يونس     | ١٠     | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٥٧  |
| ١٦    | محمد     | ٤٧     | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٥٨  |
| ٢٥    | الأنعام  | ٦      | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٥٩  |
| ٤٢    | يونس     | ١٠     | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٦٠  |
| ٤٩    | التوبة   | ٩      | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٦١  |
| ٢٠١   | البقرة   | ٢      | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٦٢  |
| ٥٨    | التوبة   | ٩      | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٦٣  |
| ٤٣    | يونس     | ١٠     | وَمِنْهُمْ مَنْ                | ٥٦٦٤  |
| ١٤    | المدثر   | ٧٤     | وَمَهَّدَتْ لَهُ               | ٥٦٦٥  |
| ٧٧    | الزخرف   | ٤٣     | وَتَادُوا يَا مَالِكُ          | ٥٦٦٦  |
| ٤٨    | الأعراف  | ٧      | وَتَادَى أَصْحَابُ<br>الأعرافِ | ٥٦٦٧  |
| ٤٤    | الأعراف  | ٧      | وَتَادَى أَصْحَابُ الْجَنَّةِ  | ٥٦٦٨  |
| ٥٠    | الأعراف  | ٧      | وَتَادَى أَصْحَابُ النَّارِ    | ٥٦٦٩  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                   | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                  | عام   |
| ١٤٩   | البقرة   | ٢      | وَمِنْ حَيْثُ          | ٥٦٠٨  |
| ١٥٠   | البقرة   | ٢      | وَمِنْ حَيْثُ          | ٥٦٠٩  |
| ٩     | الأعراف  | ٧      | وَمَنْ حَقَّتْ         | ٥٦١٠  |
| ١٠٣   | المؤمنون | ٢٣     | وَمَنْ حَقَّتْ         | ٥٦١١  |
| ٦٢    | الرحمن   | ٥٥     | وَمِنْ ذُنُوبِهِمَا    | ٥٦١٢  |
| ٧٣    | القصص    | ٢٨     | وَمِنْ رُحْمَتِهِ      | ٥٦١٣  |
| ٤     | الفلق    | ١١٣    | وَمِنْ شَرِّ           | ٥٦١٤  |
| ٥     | الفلق    | ١١٣    | وَمِنْ شَرِّ           | ٥٦١٥  |
| ٣     | الفلق    | ١١٣    | وَمِنْ شَرِّ           | ٥٦١٦  |
| ١٤    | المعارج  | ٧٠     | وَمَنْ فِي الْأَرْضِ   | ٥٦١٧  |
| ١٢    | الأحقاف  | ٤٦     | وَمَنْ قَبِيلِهِ       | ٥٦١٨  |
| ١٥٩   | الأعراف  | ٧      | وَمِنْ قَوْمِ          | ٥٦١٩  |
| ٧٢    | الإسراء  | ١٧     | وَمَنْ كَانَ           | ٥٦٢٠  |
| ٢٣    | لقمان    | ٣١     | وَمَنْ كَفَرَ          | ٥٦٢١  |
| ٤٩    | الذاريات | ٥١     | وَمِنْ كُلِّ شَيْءٍ    | ٥٦٢٢  |
| ٣٢    | الأحقاف  | ٤٦     | وَمَنْ لَا يُجِبْ      | ٥٦٢٣  |
| ١٣    | الفتح    | ٤٨     | وَمَنْ لَمْ يُؤْمِنْ   | ٥٦٢٤  |
| ٢٥    | النساء   | ٤      | وَمَنْ لَمْ يَسْتَطِعْ | ٥٦٢٥  |
| ٦٨    | يس       | ٣٦     | وَمَنْ تُعْمَرُهُ      | ٥٦٢٦  |
| ٧٥    | طه       | ٢٠     | وَمَنْ يَأْتِيهِ       | ٥٦٢٧  |
| ٨٥    | آل عمران | ٣      | وَمَنْ يَبْتَغِ        | ٥٦٢٨  |
| ٥٦    | المائدة  | ٥      | وَمَنْ يَقُولُ اللَّهُ | ٥٦٢٩  |
| ١١٧   | المؤمنون | ٢٣     | وَمَنْ يَدْعُ          | ٥٦٣٠  |
| ١٣٠   | البقرة   | ٢      | وَمَنْ يَرْحَبُ        | ٥٦٣١  |
| ٢٢    | لقمان    | ٣١     | وَمَنْ يُسَلِّمُ       | ٥٦٣٢  |
| ١١٥   | النساء   | ٤      | وَمَنْ يُشَاقِقِ       | ٥٦٣٣  |
| ٤٤    | الشورى   | ٤٢     | وَمَنْ يُضِلُّ         | ٥٦٣٤  |
| ٦٩    | النساء   | ٤      | وَمَنْ يُطِعِ اللَّهَ  | ٥٦٣٥  |
| ٥٢    | النور    | ٢٤     | وَمَنْ يُطِعِ اللَّهَ  | ٥٦٣٦  |
| ٣٦    | الزخرف   | ٤٣     | وَمَنْ يَعْتَسِ        | ٥٦٣٧  |
| ١٤    | النساء   | ٤      | وَمَنْ يَعْصِ اللَّهَ  | ٥٦٣٨  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|--------|----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                      | عام   |
| ١١٠   | الأنعام  | ٦      | وَتَقَلَّبُ أَفْئِدَتَهُمْ | ٥٧٠١  |
| ١٥    | الغاشية  | ٨٨     | وَتَمَارِقُ مَصْفُوفَةٌ    | ٥٧٠٢  |
| ٦     | القصص    | ٢٨     | وَتُمْكِّنْ لَهُمْ         | ٥٧٠٣  |
| ٨٢    | الإسراء  | ١٧     | وَتَنْزِلُ مِنَ الْقُرْآنِ | ٥٧٠٤  |
| ٧٦    | الأنبياء | ٢١     | وَتُوحَا إِذْ نَادَى       | ٥٧٠٥  |
| ٨     | الأعلى   | ٨٧     | وَتَيْسَّرُكَ لِلْيُسْرَى  | ٥٧٠٦  |
| ٢٤    | الحج     | ٢٢     | وَهُدُوا إِلَى الطَّيِّبِ  | ٥٧٠٧  |
| ١٠    | البلد    | ٩٠     | وَهَدَيْنَاهُ الْجُدَيْنِ  | ٥٧٠٨  |
| ١١٨   | الصفات   | ٣٧     | وَهَدَيْنَاهُمَا           | ٥٧٠٩  |
| ٣     | التين    | ٩٥     | وَهَذَا الْبَلَدِ          | ٥٧١٠  |
| ٥٠    | الأنبياء | ٢١     | وَهَذَا ذِكْرٌ             | ٥٧١١  |
| ١٢٦   | الأنعام  | ٦      | وَهَذَا صِرَاطٌ            | ٥٧١٢  |
| ١٥٥   | الأنعام  | ٦      | وَهَذَا كِتَابٌ            | ٥٧١٣  |
| ٩٢    | الأنعام  | ٦      | وَهَذَا كِتَابٌ            | ٥٧١٤  |
| ٢٥    | مريم     | ١٩     | وَهَزَى إِلَيْكَ           | ٥٧١٥  |
| ٩     | طه       | ٢٠     | وَهَلْ أُنَاكَ             | ٥٧١٦  |
| ٢١    | ص        | ٣٨     | وَهَلْ أُنَاكَ             | ٥٧١٧  |
| ٧     | البروج   | ٨٥     | وَهُمْ عَلَى               | ٥٧١٨  |
| ٣٧    | فاطر     | ٣٥     | وَهُمْ يَصْطَرِخُونَ       | ٥٧١٩  |
| ٢٦    | الأنعام  | ٦      | وَهُمْ يَتَهَوَّنُونَ      | ٥٧٢٠  |
| ٦٦    | الحج     | ٢٢     | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢١  |
| ٤٨    | الفرقان  | ٢٥     | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٢  |
| ٩٩    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٣  |
| ١٤١   | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٤  |
| ٧٨    | المؤمنون | ٢٣     | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٥  |
| ٩٨    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٦  |
| ٦٢    | الفرقان  | ٢٥     | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٧  |
| ٤٧    | الفرقان  | ٢٥     | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٨  |
| ٩٧    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٢٩  |
| ١٦٥   | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٣٠  |
| ٧٣    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي             | ٥٧٣١  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                     | سل  |
|-------|----------|--------|--------------------------|-----|
| الآية |          | السورة | الآية                    | ام  |
| ٥١    | الزخرف   | ٤٣     | وَتَادَى فِرْعَوْنُ      | ٥٦  |
| ٤٥    | هود      | ١١     | وَتَادَى نُوحٌ           | ٥٦  |
| ١٠٤   | الصفات   | ٣٧     | وَتَادَيْنَاهُ           | ٥٦  |
| ٥٢    | مريم     | ١٩     | وَتَادَيْنَاهُ           | ٥٦  |
| ٢٨    | القمر    | ٥٤     | وَتَبَّهَهُمْ            | ٥٦  |
| ٥١    | الحجر    | ١٥     | وَتَبَّهَهُمْ            | ٥٦  |
| ٨٦    | يونس     | ١٠     | وَتَجَنَّا               | ٥٦  |
| ١٨    | فصلت     | ٤١     | وَتَجَنَّبَا             | ٥٦  |
| ٧٦    | الصفات   | ٣٧     | وَتَجَنَّبَاهُ           | ٥٦  |
| ٧١    | الأنبياء | ٢١     | وَتَجَنَّبَاهُ           | ٥٦  |
| ١١٥   | الصفات   | ٣٧     | وَتَجَنَّبَاهُمَا        | ٥٦  |
| ٨٥    | الواقعة  | ٥٦     | وَتَحْنُ أَقْرَبُ        | ٥٦  |
| ٣٤    | طه       | ٢٠     | وَتَذَكَّرَكَ كَثِيرًا   | ٥٦  |
| ٧     | المعارج  | ٧٠     | وَتَرَاهُ قَرِيبًا       | ٥٦  |
| ٨٠    | مريم     | ١٩     | وَتَرْتُهُ مَا يَقُولُ   | ٥٦  |
| ٥     | القصص    | ٢٨     | وَتُرِيدُ أَنْ تَمُنَّ   | ٥٦  |
| ١٠٨   | الأعراف  | ٧      | وَتُرْعَ يَدُهُ          | ٥٦  |
| ٣٣    | الشعراء  | ٢٦     | وَتُرْعَ يَدُهُ          | ٥٦  |
| ٤٧    | الحجر    | ١٥     | وَتُرْعَانَا             | ٥٦  |
| ٤٣    | الأعراف  | ٧      | وَتُرْعَانَا             | ٥٦  |
| ٧٥    | القصص    | ٢٨     | وَتُرْعَانَا             | ٥٦  |
| ٩     | ق        | ٥٠     | وَتُرَلَّلْنَا           | ٥٦  |
| ٨٦    | مريم     | ١٩     | وَتَسْوَقُ               | ٥٦  |
| ٧٧    | الأنبياء | ٢١     | وَتَصْرَتَاهُ            | ٥٦  |
| ١١٦   | الصفات   | ٣٧     | وَتَصْرَتَاهُمْ          | ٥٦  |
| ٤٧    | الأنبياء | ٢١     | وَتَضَعُ                 | ٥٦  |
| ٢٧    | الدخان   | ٤٤     | وَتَعْمَةٌ               | ٥٦  |
| ٢٠    | ق        | ٥٠     | وَتَفْخُ فِي الصُّورِ    | ٥٦  |
| ٥١    | يس       | ٣٦     | وَتَفْخُ فِي الصُّورِ    | ٥٦  |
| ٦٨    | الزمر    | ٣٩     | وَتَفْخُ فِي الصُّورِ    | ٥٦  |
| ٧     | الشمس    | ٩١     | وَتَفْسُ وَمَا سَوَّاهَا | ٥٧٠ |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ١٥    | الأحقاف  | ٤٦     | وَوَصَّيْنَا الْإِنْسَانَ   | ٥٧٦٣  |
| ٨     | العنكبوت | ٢٩     | وَوَصَّيْنَا الْإِنْسَانَ   | ٥٧٦٤  |
| ١٤    | لقمان    | ٣١     | وَوَصَّيْنَا الْإِنْسَانَ   | ٥٧٦٥  |
| ٤٩    | الكهف    | ١٨     | وَوَضِعَ الْكِتَابَ         | ٥٧٦٦  |
| ٢     | الشرح    | ٩٤     | وَوَضَعْنَا عَنكَ           | ٥٧٦٧  |
| ٧٠    | الزمر    | ٣٩     | وَوَفَّيْتْ كُلَّ نَفْسٍ    | ٥٧٦٨  |
| ٨٥    | النمل    | ٢٧     | وَوَقَعَ الْقَوْلُ          | ٥٧٦٩  |
| ٣٠    | ص        | ٣٨     | وَوَهَبْنَا لِذَاوُودَ      | ٥٧٧٠  |
| ٤٣    | ص        | ٣٨     | وَوَهَبْنَا لَهُ            | ٥٧٧١  |
| ٨٤    | الأنعام  | ٦      | وَوَهَبْنَا لَهُ            | ٥٧٧٢  |
| ٧٢    | الأنبياء | ٢١     | وَوَهَبْنَا لَهُ            | ٥٧٧٣  |
| ٢٧    | العنكبوت | ٢٩     | وَوَهَبْنَا لَهُ            | ٥٧٧٤  |
| ٥٣    | مريم     | ١٩     | وَوَهَبْنَا لَهُ            | ٥٧٧٥  |
| ٥٠    | مريم     | ١٩     | وَوَهَبْنَا لَهُمْ          | ٥٧٧٦  |
| ١٩    | الأعراف  | ٧      | وَيَا آدَمَ                 | ٥٧٧٧  |
| ٥٢    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٧٨  |
| ٩٣    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٧٩  |
| ٨٥    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٠  |
| ٣٢    | غافر     | ٤٠     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨١  |
| ٢٩    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٢  |
| ٨٩    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٣  |
| ٤١    | غافر     | ٤٠     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٤  |
| ٣٠    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٥  |
| ٦٤    | هود      | ١١     | وَيَا قَوْمِ                | ٥٧٨٦  |
| ٢٧    | الرحمن   | ٥٥     | وَيَبْقَى وَجْهٌ            | ٥٧٨٧  |
| ١٨    | النور    | ٢٤     | وَيُبَيِّنُ اللَّهُ         | ٥٧٨٨  |
| ١١    | الأعلى   | ٨٧     | وَيَتَجَنَّبُهَا الْأَشْقَى | ٥٧٨٩  |
| ٥٧    | النحل    | ١٦     | وَيَجْعَلُونَ لِلَّهِ       | ٥٧٩٠  |
| ٦٢    | النحل    | ١٦     | وَيَجْعَلُونَ لِلَّهِ       | ٥٧٩١  |
| ٥٦    | النحل    | ١٦     | وَيَجْعَلُونَ لِمَا         | ٥٧٩٢  |
| ٨٢    | يونس     | ١٠     | وَيُحِقُّ اللَّهُ           | ٥٧٩٣  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                   | مسلسل |
|-------|----------|--------|------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                  | عام   |
| ٧     | هود      | ١١     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٢  |
| ٣٣    | الأنبياء | ٢١     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٣  |
| ٥٤    | الفرقان  | ٢٥     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٤  |
| ٧٩    | المؤمنون | ٢٣     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٥  |
| ١٤    | النحل    | ١٦     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٦  |
| ٨٤    | الزخرف   | ٤٣     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٧  |
| ٢٤    | الفتح    | ٤٨     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٨  |
| ٣     | الرعد    | ١٣     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٣٩  |
| ٥٣    | الفرقان  | ٢٥     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٠  |
| ٢٧    | الروم    | ٣٠     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤١  |
| ٦٠    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٢  |
| ٨٠    | المؤمنون | ٢٣     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٣  |
| ٥٧    | الأعراف  | ٧      | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٤  |
| ٢٥    | الشورى   | ٤٢     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٥  |
| ٢٨    | الشورى   | ٤٢     | وَهُوَ الَّذِي         | ٥٧٤٦  |
| ١٤    | البروج   | ٨٥     | وَهُوَ الْغَفُورُ      | ٥٧٤٧  |
| ١٨    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الْقَاهِرُ      | ٥٧٤٨  |
| ٦١    | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ الْقَاهِرُ      | ٥٧٤٩  |
| ٣     | الأنعام  | ٦      | وَهُوَ اللَّهُ         | ٥٧٥٠  |
| ٧٠    | القصاص   | ٢٨     | وَهُوَ اللَّهُ         | ٥٧٥١  |
| ٧     | النجم    | ٥٣     | وَهُوَ بِالْأَفْقِ     | ٥٧٥٢  |
| ٩     | عبس      | ٨٠     | وَهُوَ يَخْشَى         | ٥٧٥٣  |
| ٤٢    | هود      | ١١     | وَهُوَ تَجْرِي         | ٥٧٥٤  |
| ١٤٢   | الأعراف  | ٧      | وَوَاعَدْنَا مُوسَى    | ٥٧٥٥  |
| ٣     | البلد    | ٩٠     | وَوَالِدٍ وَمَا وَلَدٌ | ٥٧٥٦  |
| ٧     | الضحى    | ٩٣     | وَوَجَدَكَ             | ٥٧٥٧  |
| ٨     | الضحى    | ٩٣     | وَوَجَدَكَ             | ٥٧٥٨  |
| ٢٤    | القيامة  | ٧٥     | وَوَجُوهٌ يَوْمَئِذٍ   | ٥٧٥٩  |
| ٤٠    | عبس      | ٨٠     | وَوَجُوهٌ يَوْمَئِذٍ   | ٥٧٦٠  |
| ١٦    | النمل    | ٢٧     | وَوَرِثَ سُلَيْمَانُ   | ٥٧٦١  |
| ١٣٢   | البقرة   | ٢      | وَوَصَّى بِهَا         | ٥٧٦٢  |

الفهرس الهجاني لشواهد آيات القرآن الكريم

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                                | مسلسل |
|-------|----------|-------|-------------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                                 |       |
| ٧٣    | النحل    | ١٦    | وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ     | ٥٨٢٥  |
| ٥٥    | الفرقان  | ٢٥    | وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ     | ٥٨٢٦  |
| ٧١    | الحج     | ٢٢    | وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ     | ٥٨٢٧  |
| ٦     | الفتح    | ٤٨    | وَيَعْتَبِ الْمُتَّقِينَ            | ٥٨٢٨  |
| ٣٥    | الشورى   | ٤٢    | وَيَعْلَمُ الَّذِينَ                | ٥٨٢٩  |
| ٤٨    | آل عمران | ٣     | وَيَعْلَمُ الْكِتَابَ               | ٥٨٣٠  |
| ٦٦    | مريم     | ١٩    | وَيَقُولُ الْإِنْسَانُ              | ٥٨٣١  |
| ٥٣    | المائدة  | ٥     | وَيَقُولُ الَّذِينَ                 | ٥٨٣٢  |
| ٢٠    | محمد     | ٤٧    | وَيَقُولُ الَّذِينَ                 | ٥٨٣٣  |
| ٤٣    | الرعد    | ١٣    | وَيَقُولُ الَّذِينَ                 | ٥٨٣٤  |
| ٧     | الرعد    | ١٣    | وَيَقُولُ الَّذِينَ                 | ٥٨٣٥  |
| ٢٧    | الرعد    | ١٣    | وَيَقُولُ الَّذِينَ                 | ٥٨٣٦  |
| ٤٧    | التور    | ٢٤    | وَيَقُولُونَ آمَنَّا                | ٥٨٣٧  |
| ٣٦    | الصفات   | ٣٧    | وَيَقُولُونَ آئِنَّا                | ٥٨٣٨  |
| ١٠٨   | الإسراء  | ١٧    | وَيَقُولُونَ سُبْحَانَ رَبِّنَا     | ٥٨٣٩  |
| ٨١    | النساء   | ٤     | وَيَقُولُونَ طَاعَةَ                | ٥٨٤٠  |
| ٢٠    | يونس     | ١٠    | وَيَقُولُونَ لَوْلَا أُنزِلَ        | ٥٨٤١  |
| ٢٨    | السجدة   | ٣٢    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٢  |
| ٤٨    | يونس     | ١٠    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٣  |
| ٣٨    | الأنبياء | ٢١    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٤  |
| ٧١    | النمل    | ٢٧    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٥  |
| ٢٩    | سبا      | ٣٤    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٦  |
| ٤٨    | يس       | ٣٦    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٧  |
| ٢٥    | الملك    | ٦٧    | وَيَقُولُونَ مَتَى                  | ٥٨٤٨  |
| ٤٦    | آل عمران | ٣     | وَيَكَلِّمُ النَّاسَ                | ٥٨٤٩  |
| ٧     | الجاثية  | ٤٥    | وَيَلْ لَكُلِّ أَفَّاكٍ             | ٥٨٥٠  |
| ١     | الهمزة   | ١٠٤   | وَيَلْ لَكُلِّ هَمَزَةٍ             | ٥٨٥١  |
| ١٣    | المطففين | ٨٣    | وَيَلْ لِّلْمُطَفِّفِينَ            | ٥٨٥٢  |
| ١٥    | المرسلات | ٧٧    | وَيَلْ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٣  |
| ١٩    | المرسلات | ٧٧    | وَيَلْ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٤  |
| ٢٤    | المرسلات | ٧٧    | وَيَلْ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٥  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                            | مسلسل |
|-------|----------|-------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                             |       |
| ٥٦    | التوبة   | ٩     | وَيَحْلِفُونَ بِاللَّهِ         | ٥٧    |
| ١٠٩   | الإسراء  | ١٧    | وَيَخْرُونَ لِلذَّقَانِ         | ٥٧    |
| ٦     | محمد     | ٤٧    | وَيَذْخُلُهُمُ الْجَنَّةَ       | ٥٧    |
| ٨     | النور    | ٢٤    | وَيَذْرَأُ عَلَيْهَا الْعَذَابَ | ٥٧    |
| ١١    | الإسراء  | ١٧    | وَيَذْعُ الْإِنْسَانُ           | ٥٧    |
| ١٥    | التوبة   | ٩     | وَيَذْهَبُ عِظٌ قُلُوبِهِمْ     | ٥٧    |
| ٣     | الطلاق   | ٦٥    | وَيَرْزُقُهُ مِن حَيْثُ         | ٥٨    |
| ٦     | سبا      | ٣٤    | وَيَرَى الَّذِينَ               | ٥٨    |
| ٨١    | غافر     | ٤٠    | وَيُرِيكُمْ آيَاتِهِ            | ٥٨    |
| ٧٦    | مريم     | ١٩    | وَيَزِيدُ اللَّهُ               | ٥٨    |
| ١٠٥   | طه       | ٢٠    | وَيَسْأَلُونَكَ                 | ٥٨    |
| ٨٥    | الإسراء  | ١٧    | وَيَسْأَلُونَكَ                 | ٥٨    |
| ٢٢٢   | البقرة   | ٢     | وَيَسْأَلُونَكَ                 | ٥٨    |
| ٨٣    | الكهف    | ١٨    | وَيَسْأَلُونَكَ                 | ٥٨    |
| ١٣    | الرعد    | ١٣    | وَيُسَبِّحُ الرَّعْدُ           | ٥٨    |
| ٢٦    | الشورى   | ٤٢    | وَيَسْتَجِيبُ الَّذِينَ         | ٥٨    |
| ٦     | الرعد    | ١٣    | وَيَسْتَعِجِلُونَكَ             | ٥٨    |
| ٤٧    | الحج     | ٢٢    | وَيَسْتَعِجِلُونَكَ             | ٥٨    |
| ٥٣    | العنكبوت | ٢٩    | وَيَسْتَعِجِلُونَكَ             | ٥٨    |
| ١٢٧   | النساء   | ٤     | وَيَسْتَفْتُونَكَ               | ٥٨    |
| ٥٣    | يونس     | ١٠    | وَيَسْتَسْتَبِئُونَكَ           | ٥٨    |
| ٢٦    | طه       | ٢٠    | وَيَسِّرْ لِي أَمْرِي           | ٥٨    |
| ١٧    | الإنسان  | ٧٦    | وَيُسْقُونَ فِيهَا              | ٥٨    |
| ١٢    | الإتشاق  | ٨٤    | وَيُصَلَّى سَعِيرًا             | ٥٨    |
| ٣٨    | هود      | ١١    | وَيَصْنَعُ الْفُلْكَ            | ٥٨    |
| ١٣    | الشعراء  | ٢٦    | وَيَضِيقُ صَدْرِي               | ٥٨    |
| ١٥    | الإنسان  | ٧٦    | وَيُطَافُ عَلَيْهِمْ            | ٥٨    |
| ٨     | الإنسان  | ٧٦    | وَيُطْعَمُونَ الطَّعَامَ        | ٥٨    |
| ٢٤    | الطور    | ٥٢    | وَيُطَوَّفُ عَلَيْهِمْ          | ٥٨    |
| ١٩    | الإنسان  | ٧٦    | وَيُطَوَّفُ عَلَيْهِمْ          | ٥٨    |
| ١٨    | يونس     | ١٠    | وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ اللَّهِ | ٥٨    |

| رقم   | السورة  | رقم    | شاهد                  | مسلسل |
|-------|---------|--------|-----------------------|-------|
| الآية |         | السورة | الآية                 | عام   |
| ٣٤    | الأحقاف | ٤٦     | وَيَوْمَ يُعْرَضُ     | ٥٨٨٧  |
| ٢٧    | الفرقان | ٢٥     | وَيَوْمَ يَعْصُ       | ٥٨٨٨  |
| ٥٢    | الكهف   | ١٨     | وَيَوْمَ يَقُولُ      | ٥٨٨٩  |
| ٦٢    | القصص   | ٢٨     | وَيَوْمَ يَنَادِيهِمْ | ٥٨٩٠  |
| ٧٤    | القصص   | ٢٨     | وَيَوْمَ يَنَادِيهِمْ | ٥٨٩١  |
| ٦٥    | القصص   | ٢٨     | وَيَوْمَ يَنَادِيهِمْ | ٥٨٩٢  |
| ٨٧    | النمل   | ٢٧     | وَيَوْمَ يَنْفَخُ     | ٥٨٩٣  |

(٢٨) آيات تبدأ بحرف الياء

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                          | عام   |
| ٢٦٩   | البقرة   | ٢      | يُؤْتِي الْحِكْمَةَ            | ٥٨٩٤  |
| ٩     | الذاريات | ٥١     | يُوقَكُ عَنْهُ                 | ٥٨٩٥  |
| ١١٤   | آل عمران | ٣      | يُؤْمِنُونَ بِاللَّهِ          | ٥٨٩٦  |
| ٤٥    | مريم     | ١٩     | يَا أَيَّتُ                    | ٥٨٩٧  |
| ٤٣    | مريم     | ١٩     | يَا أَيَّتُ                    | ٥٨٩٨  |
| ٤٤    | مريم     | ١٩     | يَا أَيَّتُ                    | ٥٨٩٩  |
| ٢٨    | مريم     | ١٩     | يَا أُخْتِ هَارُونَ            | ٥٩٠٠  |
| ١٩    | المائدة  | ٥      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠١  |
| ١٥    | المائدة  | ٥      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠٢  |
| ١٧١   | النساء   | ٤      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠٣  |
| ٦٥    | آل عمران | ٣      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠٤  |
| ٧٠    | آل عمران | ٣      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠٥  |
| ٧١    | آل عمران | ٣      | يَا أَهْلَ الْكِتَابِ          | ٥٩٠٦  |
| ٢٧    | الفجر    | ٨٩     | يَا أَيُّهَا النَّفْسُ         | ٥٩٠٧  |
| ٦     | الإشفاق  | ٨٤     | يَا أَيُّهَا الْإِنْسَانُ      | ٥٩٠٨  |
| ٦     | الإفطار  | ٨٢     | يَا أَيُّهَا الْإِنْسَانُ      | ٥٩٠٩  |
| ١٠٢   | آل عمران | ٣      | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩١٠  |
| ٣٥    | المائدة  | ٥      | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩١١  |
| ٢٨    | الحديد   | ٥٧     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩١٢  |
| ٢٧٨   | البقرة   | ٢      | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩١٣  |
| ٧٠    | الأحزاب  | ٣٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩١٤  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                | عام   |
| ٢٨    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٦  |
| ٣٤    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٧  |
| ٣٧    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٨  |
| ٤٠    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٥٩  |
| ٤٥    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٦٠  |
| ٤٧    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٦١  |
| ٤٩    | المرسلات | ٧٧     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٦٢  |
| ١٠    | المطففين | ٨٣     | وَيَلَّ يَوْمَئِذٍ لِّلْمُكَذِّبِينَ | ٥٨٦٣  |
| ١٢    | نوح      | ٧١     | وَيَمْدِدْكُمْ بِأَمْوَالٍ           | ٥٨٦٤  |
| ٧     | الماعون  | ١٠٧    | وَيَمْنَعُونَ الْمَاعُونَ            | ٥٨٦٥  |
| ٦١    | الزمر    | ٣٩     | وَيُنَجِّي اللَّهُ                   | ٥٨٦٦  |
| ٤     | الكهف    | ١٨     | وَيُنذِرَ الَّذِينَ                  | ٥٨٦٧  |
| ٣     | الفتح    | ٤٨     | وَيَنْصُرَكَ اللَّهُ                 | ٥٨٦٨  |
| ٩     | الإشفاق  | ٨٤     | وَيَنْقَلِبُ إِلَىٰ أَهْلِهِ         | ٥٨٦٩  |
| ٦٠    | الزمر    | ٣٩     | وَيَوْمَ الْقِيَامَةِ                | ٥٨٧٠  |
| ٢٥    | الفرقان  | ٢٥     | وَيَوْمَ تَشْقُقُ                    | ٥٨٧١  |
| ١٢    | الروم    | ٣٠     | وَيَوْمَ تَقُومُ                     | ٥٨٧٢  |
| ٥٥    | الروم    | ٣٠     | وَيَوْمَ تَقُومُ                     | ٥٨٧٣  |
| ١٤    | الروم    | ٣٠     | وَيَوْمَ تَقُومُ                     | ٥٨٧٤  |
| ٨٩    | النحل    | ١٦     | وَيَوْمَ نَبْعَثُ                    | ٥٨٧٥  |
| ٨٤    | النحل    | ١٦     | وَيَوْمَ نَبْعَثُ                    | ٥٨٧٦  |
| ٨٣    | النمل    | ٢٧     | وَيَوْمَ نَحْضُرُ                    | ٥٨٧٧  |
| ٢٢    | الأنعام  | ٦      | وَيَوْمَ نَحْضُرُهُمْ                | ٥٨٧٨  |
| ٢٨    | يونس     | ١٠     | وَيَوْمَ نَحْضُرُهُمْ                | ٥٨٧٩  |
| ٤٧    | الكهف    | ١٨     | وَيَوْمَ نَسِيرُ                     | ٥٨٨٠  |
| ١٩    | فصلت     | ٤١     | وَيَوْمَ يُحْضَرُ                    | ٥٨٨١  |
| ٤٠    | سبا      | ٣٤     | وَيَوْمَ يُحْضَرُهُمْ                | ٥٨٨٢  |
| ١٢٨   | الأنعام  | ٦      | وَيَوْمَ يُحْضَرُهُمْ                | ٥٨٨٣  |
| ٤٥    | يونس     | ١٠     | وَيَوْمَ يُحْضَرُهُمْ                | ٥٨٨٤  |
| ١٧    | الفرقان  | ٢٥     | وَيَوْمَ يُحْضَرُهُمْ                | ٥٨٨٥  |
| ٢٠    | الأحقاف  | ٤٦     | وَيَوْمَ يُعْرَضُ                    | ٥٨٨٦  |

الفهرس الهجانى لشواهد آيات القرآن الكرى

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            |       |
| ١٠٠   | آل عمران | ٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٤٦  |
| ٧     | محمد     | ٤٧    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٤٧  |
| ٦     | الحجرات  | ٤٩    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٤٨  |
| ٣٤    | التوبة   | ٩     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٤٩  |
| ١٤    | التغابن  | ٦٤    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٠  |
| ٩٠    | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥١  |
| ٢٨    | التوبة   | ٩     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٢  |
| ٨     | التحرير  | ٦٦    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٣  |
| ٧١    | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٤  |
| ١٠٦   | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٥  |
| ١٠٥   | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٦  |
| ١٢٣   | التوبة   | ٩     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٧  |
| ٦     | التحرير  | ٦٦    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٨  |
| ١٨٣   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٥٩  |
| ١٧٨   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٠  |
| ١٧٢   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦١  |
| ١٤    | الصف     | ٦١    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٢  |
| ١٣٥   | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٣  |
| ٨     | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٤  |
| ١٣٠   | آل عمران | ٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٥  |
| ٢٩    | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٦  |
| ٢٦٤   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٧  |
| ٢١    | النور    | ٢٤    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٨  |
| ٥٧    | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٦٩  |
| ١٤٤   | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٠  |
| ٥١    | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧١  |
| ٢٣    | التوبة   | ٩     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٢  |
| ١١٨   | آل عمران | ٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٣  |
| ١     | الممتحنة | ٦٠    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٤  |
| ١٣    | الممتحنة | ٦٠    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٥  |
| ٨٧    | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩٧٦  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                           | مسلسل |
|-------|----------|-------|--------------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                            |       |
| ١١٩   | التوبة   | ٩     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٨    | الحشر    | ٥٩    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٢    | الحجرات  | ٤٩    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٠٨   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٤١    | الأحزاب  | ٣٣    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٩     | الأحزاب  | ٣٣    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١١    | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٧٧    | الحج     | ٢٢    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٤    | الأطفال  | ٨     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٥٣   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٠٠   | آل عمران | ٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٣٦   | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٥٩    | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٣٣    | محمد     | ٤٧    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٠    | الأطفال  | ٨     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٥٤   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٦٧   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١     | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٨٢   | البقرة   | ٢     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٩     | المجادلة | ٥٨    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٠    | الممتحنة | ٦٠    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٩٤    | النساء   | ٤     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٦     | المائدة  | ٥     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١١    | المجادلة | ٥٨    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٥    | الأطفال  | ٨     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٤٥    | الأطفال  | ٨     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٢    | المجادلة | ٥٨    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٤٩    | الأحزاب  | ٣٣    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٩     | الجمعة   | ٦٢    | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ٢٩    | الأطفال  | ٨     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |
| ١٤٩   | آل عمران | ٣     | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا | ٥٩    |

الفهرس الهجاني لشواهد آيات القرآن الكر

| مستسل | شاهد                       | رقم    | السورة  | رقم |
|-------|----------------------------|--------|---------|-----|
| عام   | الآية                      | السورة | الآية   | رقم |
| ٦٠٠٨  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٣٥     | فاطر    | ٣   |
| ٦٠٠٩  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٢      | البقرة  | ٢١  |
| ٦٠١٠  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٣٥     | فاطر    | ١٥  |
| ٦٠١١  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٢٢     | الحج    | ٥   |
| ٦٠١٢  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٣٥     | فاطر    | ٥   |
| ٦٠١٣  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٤٩     | الحجرات | ١٣  |
| ٦٠١٤  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٢٢     | الحج    | ٧٣  |
| ٦٠١٥  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ١٠     | يونس    | ٥٧  |
| ٦٠١٦  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٤      | النساء  | ١٧٠ |
| ٦٠١٧  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٤      | النساء  | ١٧٤ |
| ٦٠١٨  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ      | ٢      | البقرة  | ١٦٨ |
| ٦٠١٩  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٣٣     | الأحزاب | ١   |
| ٦٠٢٠  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٦٠     | المتحنة | ١٢  |
| ٦٠٢١  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٦٥     | الطلاق  | ١   |
| ٦٠٢٢  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٣٣     | الأحزاب | ٥٠  |
| ٦٠٢٣  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٣٣     | الأحزاب | ٤٥  |
| ٦٠٢٤  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٩      | التوبة  | ٧٣  |
| ٦٠٢٥  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٦٦     | التحريم | ٩   |
| ٦٠٢٦  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٨      | الأنفال | ٦٥  |
| ٦٠٢٧  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٨      | الأنفال | ٦٤  |
| ٦٠٢٨  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٣٣     | الأحزاب | ٢٨  |
| ٦٠٢٩  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٣٣     | الأحزاب | ٥٩  |
| ٦٠٣٠  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٨      | الأنفال | ٧٠  |
| ٦٠٣١  | يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ    | ٦٦     | التحريم | ١   |
| ٦٠٣٢  | يَا إِبْرَاهِيمُ           | ١١     | هود     | ٧٦  |
| ٦٠٣٣  | يَا بَنِي إِدْهَبُوا       | ١٢     | يوسف    | ٨٧  |
| ٦٠٣٤  | يَا بَنِي آدَمَ            | ٧      | الأعراف | ٣٥  |
| ٦٠٣٥  | يَا بَنِي آدَمَ            | ٧      | الأعراف | ٣١  |
| ٦٠٣٦  | يَا بَنِي آدَمَ            | ٧      | الأعراف | ٢٦  |
| ٦٠٣٧  | يَا بَنِي آدَمَ            | ٧      | الأعراف | ٢٧  |
| ٦٠٣٨  | يَا بَنِي آدَمَ الصَّلَاةَ | ٣١     | لقمان   | ١٧  |

| مستسل | شاهد                                         | رقم    | السورة    | رقم |
|-------|----------------------------------------------|--------|-----------|-----|
| عام   | الآية                                        | السورة | الآية     | رقم |
| ٥٩٧٧  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٥      | المائدة   | ٢   |
| ٥٩٧٨  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٨      | الأنفال   | ٢٧  |
| ٥٩٧٩  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٣٣     | الأحزاب   | ٥٣  |
| ٥٩٨٠  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٢٤     | النور     | ٢٧  |
| ٥٩٨١  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٤٩     | الحجرات   | ٢   |
| ٥٩٨٢  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٥      | المائدة   | ١٠١ |
| ٥٩٨٣  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٥      | المائدة   | ٩٥  |
| ٥٩٨٤  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٤٩     | الحجرات   | ١   |
| ٥٩٨٥  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٤      | النساء    | ٤٣  |
| ٥٩٨٦  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٢      | البقرة    | ١٠٤ |
| ٥٩٨٧  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٣٣     | الأحزاب   | ٦٩  |
| ٥٩٨٨  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٣      | آل عمران  | ١٥٦ |
| ٥٩٨٩  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٦٣     | المنافقون | ٩   |
| ٥٩٩٠  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٤      | النساء    | ١٩  |
| ٥٩٩١  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٤٩     | الحجرات   | ١١  |
| ٥٩٩٢  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٦١     | الصف      | ٢   |
| ٥٩٩٣  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٥      | المائدة   | ٩٤  |
| ٥٩٩٤  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٢٤     | النور     | ٥٨  |
| ٥٩٩٥  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٩      | التوبة    | ٣٨  |
| ٥٩٩٦  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٥      | المائدة   | ٥٤  |
| ٥٩٩٧  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا               | ٦١     | الصف      | ١٠  |
| ٥٩٩٨  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا<br>الْكِتَابِ | ٤      | النساء    | ٤٧  |
| ٥٩٩٩  | يَا أَيُّهَا الَّذِينَ كَفَرُوا              | ٦٦     | التحريم   | ٧   |
| ٦٠٠٠  | يَا أَيُّهَا الرُّسُلُ                       | ٢٣     | المؤمنون  | ٥١  |
| ٦٠٠١  | يَا أَيُّهَا الرُّسُولُ                      | ٥      | المائدة   | ٦٧  |
| ٦٠٠٢  | يَا أَيُّهَا الرُّسُولُ                      | ٥      | المائدة   | ٤١  |
| ٦٠٠٣  | يَا أَيُّهَا الْمُدْتِرُّ                    | ٧٤     | المدثر    | ١   |
| ٦٠٠٤  | يَا أَيُّهَا الْمُزَّمِّلُ                   | ٧٣     | المزمل    | ١   |
| ٦٠٠٥  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ                        | ٤      | النساء    | ١   |
| ٦٠٠٦  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ                        | ٢٢     | الحج      | ١   |
| ٦٠٠٧  | يَا أَيُّهَا النَّاسُ                        | ٣١     | لقمان     | ٣٣  |

الفهرس الهجائي لشواهد آيات القرآن الكريم

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                        | مستسل |
|-------|----------|-------|-----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                         |       |
| ١٠٣   | طه       | ٢٠    | يَخَافُونَ رَبَّهُمْ        | ٦٠٧٠  |
| ٢٣    | الطور    | ٥٢    | يَتَنَزَّعُونَ فِيهَا       | ٦٠٧١  |
| ٥٩    | النحل    | ١٦    | يَتَوَارَى مِنَ الْقَوْمِ   | ٦٠٧٢  |
| ١٥    | البلد    | ٩٠    | يَتِيمًا ذَا مَقْرَبَةٍ     | ٦٠٧٣  |
| ٢٧    | إبراهيم  | ١٤    | يُثَبِّتُ اللَّهُ           | ٦٠٧٤  |
| ٦     | الأنفال  | ٨     | يُجَادِلُونَكَ فِي الْحَقِّ | ٦٠٧٥  |
| ٦٤    | التوبة   | ٩     | يَحْتَرِ الْمُنَافِقُونَ    | ٦٠٧٦  |
| ٣     | الهمزة   | ١٠٤   | يَحْسِبُ أَنَّ مَالَهُ      | ٦٠٧٧  |
| ٢٠    | الأحزاب  | ٣٣    | يَحْسِبُونَ الْأَحْزَابَ    | ٦٠٧٨  |
| ٦٢    | التوبة   | ٩     | يَحْلِفُونَ بِاللَّهِ       | ٦٠٧٩  |
| ٧٤    | التوبة   | ٩     | يَحْلِفُونَ بِاللَّهِ       | ٦٠٨٠  |
| ٩٦    | التوبة   | ٩     | يَحْلِفُونَ لَكُمْ          | ٦٠٨١  |
| ٩     | البقرة   | ٢     | يُخَادِعُونَ اللَّهَ        | ٦٠٨٢  |
| ٥٠    | النحل    | ١٦    | يَخَافُونَ رَبَّهُمْ        | ٦٠٨٣  |
| ٧٤    | آل عمران | ٣     | يَخْتَصُّ بِرَحْمَتِهِ      | ٦٠٨٤  |
| ١٩    | الروم    | ٣٠    | يُخْرِجُ الْحَيَّ           | ٦٠٨٥  |
| ٧     | الطارق   | ٨٦    | يُخْرِجُ مِنْ بَيْنِ        | ٦٠٨٦  |
| ٢٢    | الرحمن   | ٥٥    | يُخْرِجُ مِنْهُمَا          | ٦٠٨٧  |
| ٥     | السجدة   | ٣٢    | يُدَبِّرُ الْأَمْرَ         | ٦٠٨٨  |
| ٣١    | الإنسان  | ٧٦    | يُدْخِلُ مَنْ يَشَاءُ       | ٦٠٨٩  |
| ١٣    | الحج     | ٢٢    | يَدْعُو لَمَنْ ضَرُّهُ      | ٦٠٩٠  |
| ١٢    | الحج     | ٢٢    | يَدْعُو مِنْ دُونِ اللَّهِ  | ٦٠٩١  |
| ٥٥    | الدخان   | ٤٤    | يَدْعُونَ فِيهَا            | ٦٠٩٢  |
| ٦     | مريم     | ١٩    | يَرْثِي وَيَرِثُ            | ٦٠٩٣  |
| ١١    | نوح      | ٧١    | يُرْسِلُ السَّمَاءَ         | ٦٠٩٤  |
| ٣٥    | الرحمن   | ٥٥    | يُرْسِلُ عَلَيْكُمْ         | ٦٠٩٥  |
| ٢٨    | النساء   | ٤     | يُرِيدُ اللَّهُ             | ٦٠٩٦  |
| ٢٦    | النساء   | ٤     | يُرِيدُ اللَّهُ             | ٦٠٩٧  |
| ٣٥    | الشعراء  | ٢٦    | يُرِيدُ أَنْ يُخْرِجَكُمْ   | ٦٠٩٨  |
| ١١٠   | الأعراف  | ٧     | يُرِيدُ أَنْ يُخْرِجَكُمْ   | ٦٠٩٩  |
| ٣٧    | المائدة  | ٥     | يُرِيدُونَ أَنْ يُخْرِجُوا  | ٦١٠٠  |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                    | سل |
|-------|----------|-------|-------------------------|----|
| الآية | السورة   | الآية | م                       |    |
| ٤٧    | البقرة   | ٢     | يَا بَنِي إِسْرَائِيلَ  | ٦٠ |
| ١٢٢   | البقرة   | ٢     | يَا بَنِي إِسْرَائِيلَ  | ٦٠ |
| ٤٠    | البقرة   | ٢     | يَا بَنِي إِسْرَائِيلَ  | ٦٠ |
| ٨٠    | طه       | ٢٠    | يَا بَنِي إِسْرَائِيلَ  | ٦٠ |
| ١٦    | لقمان    | ٣١    | يَا بَنِي إِثْنَاهَا    | ٦٠ |
| ٣٠    | يس       | ٣٦    | يَا حَسْرَةَ            | ٦٠ |
| ٢٦    | ص        | ٣٨    | يَا دَاوُودَ            | ٦٠ |
| ٧     | مريم     | ١٩    | يَا زَكَرِيَّا          | ٦٠ |
| ٣٩    | يوسف     | ١٢    | يَا صَاحِبِي السِّجْنِ  | ٦٠ |
| ٤١    | يوسف     | ١٢    | يَا صَاحِبِي السِّجْنِ  | ٦٠ |
| ٦٨    | الزخرف   | ٤٣    | يَا عِبَادَ             | ٦٠ |
| ٥٦    | العنكبوت | ٢٩    | يَا عِبَادِي            | ٦٠ |
| ٢١    | المائدة  | ٥     | يَا قَوْمَ              | ٦٠ |
| ٣٩    | غافر     | ٤٠    | يَا قَوْمَ              | ٦٠ |
| ٥١    | هود      | ١١    | يَا قَوْمَ              | ٦٠ |
| ٢٩    | غافر     | ٤٠    | يَا قَوْمَ              | ٦٠ |
| ٣١    | الأحقاف  | ٤٦    | يَا قَوْمَنَا           | ٦٠ |
| ٢٧    | الحاقة   | ٦٩    | يَا لَيْتَهَا           | ٦٠ |
| ٤٣    | آل عمران | ٣     | يَا مَرْيَمُ            | ٦٠ |
| ١٣٠   | الأنعام  | ٦     | يَا مَعْشَرَ            | ٦٠ |
| ٣٣    | الرحمن   | ٥٥    | يَا مَعْشَرَ            | ٦٠ |
| ٩     | النمل    | ٢٧    | يَا مُوسَى              | ٦٠ |
| ٣٢    | الأحزاب  | ٣٣    | يَا نِسَاءَ النَّبِيِّ  | ٦٠ |
| ٣٠    | الأحزاب  | ٣٣    | يَا نِسَاءَ النَّبِيِّ  | ٦٠ |
| ٢٨    | الفرقان  | ٢٥    | يَا وَيْلَتَى           | ٦٠ |
| ١٢    | مريم     | ١٩    | يَا يَحْيَى             | ٦٠ |
| ١١٢   | الأعراف  | ٧     | يَأْتُوكَ بِكُلِّ       | ٦٠ |
| ٣٧    | الشعراء  | ٢٦    | يَأْتُوكَ بِكُلِّ       | ٦٠ |
| ٢١    | التوبة   | ٩     | يُبَشِّرُهُمْ رَبُّهُمْ | ٦٠ |
| ١١    | المعارج  | ٧٠    | يُبْصِرُونَهُمْ         | ٦٠ |
| ١٧    | إبراهيم  | ١٤    | يَتَجَرَّعُهُ           | ٦٠ |

| رقم   | السورة   | رقم   | شاهد                       | مسلسل |
|-------|----------|-------|----------------------------|-------|
| الآية | السورة   | الآية | عام                        | عام   |
| ٣٢    | التوبة   | ٩     | يُرِيدُونَ أَنْ يُطْفِقُوا | ٦١٠١  |
| ٨     | الصف     | ٦١    | يُرِيدُونَ لِيُطْفِقُوا    | ٦١٠٢  |
| ١     | يس       | ٣٦    | يس                         | ٦١٠٣  |
| ١٥٣   | النساء   | ٤     | يَسْأَلُكَ                 | ٦١٠٤  |
| ٦     | القيامة  | ٧٥    | يَسْأَلُ                   | ٦١٠٥  |
| ٦٣    | الأحزاب  | ٣٣    | يَسْأَلُكَ                 | ٦١٠٦  |
| ٢٩    | الرحمن   | ٥٥    | يَسْأَلُهُ                 | ٦١٠٧  |
| ١٢    | الذاريات | ٥١    | يَسْأَلُونَ                | ٦١٠٨  |
| ١     | الأنفال  | ٨     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١٠٩  |
| ١٨٩   | البقرة   | ٢     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٠  |
| ٢١٩   | البقرة   | ٢     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١١  |
| ٤٢    | النازعات | ٧٩    | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٢  |
| ١٨٧   | الأعراف  | ٧     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٣  |
| ٢١٧   | البقرة   | ٢     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٤  |
| ٤     | المائدة  | ٥     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٥  |
| ٢١٥   | البقرة   | ٢     | يَسْأَلُونَكَ              | ٦١١٦  |
| ١     | الجمعة   | ٦٢    | يُسَبِّحُ لِلَّهِ          | ٦١١٧  |
| ١     | التغابن  | ٦٤    | يُسَبِّحُ لِلَّهِ          | ٦١١٨  |
| ٢٠    | الأنبياء | ٢١    | يُسَبِّحُونَ لِلَّذِينَ    | ٦١١٩  |
| ١٧١   | آل عمران | ٣     | يُسْتَشِيرُونَ بِنِعْمَةٍ  | ٦١٢٠  |
| ١٠٨   | النساء   | ٤     | يُسْتَشِيرُونَ بِنِعْمَةٍ  | ٦١٢١  |
| ١٨    | الشورى   | ٤٢    | يُسْتَعِجِلُ بِهَا         | ٦١٢٢  |
| ٥٤    | العنكبوت | ٢٩    | يُسْتَعِجِلُونَكَ          | ٦١٢٣  |
| ١٧٦   | النساء   | ٤     | يُسْتَفْتُونَكَ            | ٦١٢٤  |
| ٢٥    | المطففين | ٨٣    | يُسْتَفْتُونَ              | ٦١٢٥  |
| ٨     | الجاثية  | ٤٥    | يَسْمَعُ آيَاتِ اللَّهِ    | ٦١٢٦  |
| ٢١    | المطففين | ٨٣    | يَشْهَدُهُ الْمُقَرَّبُونَ | ٦١٢٧  |
| ٧١    | الأحزاب  | ٣٣    | يُصَلِّحْ لَكُمْ           | ٦١٢٨  |
| ١٥    | الإنفطار | ٨٢    | يُصَلِّتُونَهَا            | ٦١٢٩  |
| ٢٠    | الحج     | ٢٢    | يُضَاهِرُ بِهِ             | ٦١٣٠  |
| ٦٩    | الفرقان  | ٢٥    | يُضَاعَفْ لَهُ             | ٦١٣١  |

| رقم   | السورة    | رقم   | شاهد                            | مسلسل |
|-------|-----------|-------|---------------------------------|-------|
| الآية | السورة    | الآية | عام                             | عام   |
| ٧١    | الزخرف    | ٤٣    | يُطَافُ عَلَيْهِمْ              | ٦١٣٢  |
| ٤٥    | الصفات    | ٣٧    | يُطَافُ عَلَيْهِمْ              | ٦١٣٣  |
| ١٧    | الواقعة   | ٥٦    | يُطَوَّفُ عَلَيْهِمْ            | ٦١٣٤  |
| ٤٤    | الرحمن    | ٥٥    | يُطَوِّفُونَ بِبَيْتِهَا        | ٦١٣٥  |
| ٩٤    | التوبة    | ٩     | يَعْتَذِرُونَ إِلَيْكُمْ        | ٦١٣٦  |
| ١٢٠   | النساء    | ٤     | يَعِدُّهُمْ وَيَمْنَعُهُمْ      | ٦١٣٧  |
| ٢١    | العنكبوت  | ٢٩    | يُعَذِّبُ مَنْ يَشَاءُ          | ٦١٣٨  |
| ٤١    | الرحمن    | ٥٥    | يُعْرِفُ الْمُجْرِمُونَ         | ٦١٣٩  |
| ٨٣    | النحل     | ١٦    | يَعْرِفُونَ نِعْمَتَ اللَّهِ    | ٦١٤٠  |
| ١٧    | النور     | ٢٤    | يَعْظُمُ اللَّهُ                | ٦١٤١  |
| ١٩    | غافر      | ٤٠    | يَعْلَمُ خَائِنَةَ الْأَعْيُنِ  | ٦١٤٢  |
| ٧٦    | الحج      | ٢٢    | يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ | ٦١٤٣  |
| ١١٠   | طه        | ٢٠    | يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ | ٦١٤٤  |
| ٢٨    | الأنبياء  | ٢١    | يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ | ٦١٤٥  |
| ٤     | التغابن   | ٦٤    | يَعْلَمُ مَا فِي                | ٦١٤٦  |
| ٢     | سبا       | ٣٤    | يَعْلَمُ مَا يَلْبِغُ           | ٦١٤٧  |
| ٧     | الروم     | ٣٠    | يَعْلَمُونَ ظَاهِرًا            | ٦١٤٨  |
| ١٢    | الإنفطار  | ٨٢    | يَعْلَمُونَ مَا تَفْعَلُونَ     | ٦١٤٩  |
| ١٣    | سبا       | ٣٤    | يَعْلَمُونَ لَهُ                | ٦١٥٠  |
| ١١    | الدخان    | ٤٤    | يَغْشَى النَّاسَ                | ٦١٥١  |
| ١٢    | الصف      | ٦١    | يَغْفِرْ لَكُمْ                 | ٦١٥٢  |
| ٤     | نوح       | ٧١    | يَغْفِرْ لَكُمْ                 | ٦١٥٣  |
| ٢٨    | طه        | ٢٠    | يَقْفَهُوا قَوْلِي              | ٦١٥٤  |
| ٩٨    | هود       | ١١    | يَقْدُمُ قَوْمَهُ               | ٦١٥٥  |
| ٤٤    | النور     | ٢٤    | يَقْلَبُ اللَّهُ                | ٦١٥٦  |
| ١٠    | القيامة   | ٧٥    | يَقُولُ الْإِنْسَانُ            | ٦١٥٧  |
| ٥٢    | الصفات    | ٣٧    | يَقُولُ أَنْتَكَ                | ٦١٥٨  |
| ٦     | البلد     | ٩٠    | يَقُولُ أَهْلَكْتُ              | ٦١٥٩  |
| ٢٤    | الفجر     | ٨٩    | يَقُولُ يَا لَيْتَنِي           | ٦١٦٠  |
| ١٠    | النازعات  | ٧٩    | يَقُولُونَ إِنَّا               | ٦١٦١  |
| ٨     | المنافقون | ٦٣    | يَقُولُونَ لَنْ                 | ٦١٦٢  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                        | مسلسل |
|-------|----------|--------|-----------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                       | عام   |
| ٩     | الطور    | ٥٢     | يَوْمَ تَمُورُ              | ٦١٩٤  |
| ٣٣    | غافر     | ٤٠     | يَوْمَ تُؤَلَوْنَ           | ٦١٩٥  |
| ١٩    | الإفطار  | ٨٢     | يَوْمَ لَا تَمْلِكُ         | ٦١٩٦  |
| ٤٦    | الطور    | ٥٢     | يَوْمَ لَا يُغْنِي          | ٦١٩٧  |
| ٤١    | الدخان   | ٤٤     | يَوْمَ لَا يُغْنِي          | ٦١٩٨  |
| ٥٢    | غافر     | ٤٠     | يَوْمَ لَا يَنْفَعُ         | ٦١٩٩  |
| ٨٨    | الشعراء  | ٢٦     | يَوْمَ لَا يَنْفَعُ         | ٦٢٠٠  |
| ١٦    | الدخان   | ٤٤     | يَوْمَ تَنْبُشُنَ           | ٦٢٠١  |
| ٨٥    | مريم     | ١٩     | يَوْمَ نَحْضُرُ             | ٦٢٠٢  |
| ٧١    | الإسراء  | ١٧     | يَوْمَ نَدْعُو              | ٦٢٠٣  |
| ١٠٤   | الأنبياء | ٢١     | يَوْمَ نَطْوِي              | ٦٢٠٤  |
| ٣٠    | ق        | ٥٠     | يَوْمَ نَقُولُ              | ٦٢٠٥  |
| ١٦    | غافر     | ٤٠     | يَوْمَ هُمْ                 | ٦٢٠٦  |
| ١٣    | الذاريات | ٥١     | يَوْمَ هُمْ                 | ٦٢٠٧  |
| ١٠٥   | هود      | ١١     | يَوْمَ يَأْتِ               | ٦٢٠٨  |
| ١٨    | المجادلة | ٥٨     | يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ | ٦٢٠٩  |
| ٦     | المجادلة | ٥٨     | يَوْمَ يَبْعَثُهُمُ اللَّهُ | ٦٢١٠  |
| ٣٥    | النارعات | ٧٩     | يَوْمَ يَتَذَكَّرُ          | ٦٢١١  |
| ١٠٩   | المائدة  | ٥      | يَوْمَ يَجْمَعُ اللَّهُ     | ٦٢١٢  |
| ٩     | التغابن  | ٦٤     | يَوْمَ يَجْمَعُكُمْ         | ٦٢١٣  |
| ٣٥    | التوبة   | ٩      | يَوْمَ يَحْمَى              | ٦٢١٤  |
| ٤٣    | المعارج  | ٧٠     | يَوْمَ يَخْرُجُونَ          | ٦٢١٥  |
| ٥٢    | الإسراء  | ١٧     | يَوْمَ يَدْعُوكُمْ          | ٦٢١٦  |
| ١٣    | الطور    | ٥٢     | يَوْمَ يَدْعُونَ            | ٦٢١٧  |
| ٢٢    | الفرقان  | ٢٥     | يَوْمَ يَرَوْنَ             | ٦٢١٨  |
| ٤٨    | القمر    | ٥٤     | يَوْمَ يُسْحَبُونَ          | ٦٢١٩  |
| ٤٢    | ق        | ٥٠     | يَوْمَ يَسْمَعُونَ          | ٦٢٢٠  |
| ٥٥    | العنكبوت | ٢٩     | يَوْمَ يَفْضَاهُمْ          | ٦٢٢١  |
| ٣٤    | عبس      | ٨٠     | يَوْمَ يَفِرُّ              | ٦٢٢٢  |
| ١٣    | الحديد   | ٥٧     | يَوْمَ يَقُولُ              | ٦٢٢٣  |
| ٣٨    | النبأ    | ٧٨     | يَوْمَ يَقُومُ الرُّوحُ     | ٦٢٢٤  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                         | لسل |
|-------|----------|--------|------------------------------|-----|
| الآية |          | السورة | الآية                        | نام |
| ٢٠    | البقرة   | ٢      | يَكَادُ البَرْقُ             | ٦١  |
| ٥٣    | الدخان   | ٤٤     | يَلْبَسُونَ مِن سُدُسٍ       | ٦١  |
| ٢٢٣   | الشعراء  | ٢٦     | يَلْقَوْنَ السَّمْعَ         | ٦١  |
| ٢٧٦   | البقرة   | ٢      | يَمْحَقُ اللَّهُ الرِّبَا    | ٦١  |
| ٣٩    | الرعد    | ١٣     | يَمْحُو اللَّهُ              | ٦١  |
| ١٧    | الحجرات  | ٤٩     | يَمْشُونَ عَلَيْكَ           | ٦١  |
| ١٤    | الحديد   | ٥٧     | يَمْدُونَهُمْ                | ٦١  |
| ١٣    | القيامة  | ٧٥     | يَنْبَأُ الْإِنْسَانَ        | ٦١  |
| ١١    | النحل    | ١٦     | يَنْبِئُ لَكُمْ              | ٦١  |
| ٢     | النحل    | ١٦     | يُنزِّلُ الْمَلَائِكَةَ      | ٦١  |
| ٢     | الجن     | ٧٢     | يَهْدِي إِلَى الرُّشْدِ      | ٦١  |
| ١٦    | المائدة  | ٥      | يَهْدِي بِهِ اللَّهُ         | ٦١  |
| ٢٩    | يوسف     | ١٢     | يُوسُفُ أَعْرَضَ             | ٦١  |
| ٤٦    | يوسف     | ١٢     | يُوسُفُ أَيُّهَا الصِّدِّيقُ | ٦١  |
| ١١    | النساء   | ٤      | يُوصِيكُمُ اللَّهُ           | ٦١  |
| ٧     | الإنسان  | ٧٦     | يُوفُونَ بِالنَّذْرِ         | ٦١  |
| ١٣    | فاطر     | ٣٥     | يُوجِبُ اللَّيْلَ            | ٦١  |
| ٦     | الحديد   | ٥٧     | يُوجِبُ اللَّيْلَ            | ٦١  |
| ١١١   | النحل    | ١٦     | يَوْمَ تَأْتِي               | ٦١  |
| ٤٨    | إبراهيم  | ١٤     | يَوْمَ تُبَدَّلُ             | ٦١  |
| ٩     | الطارق   | ٨٦     | يَوْمَ تُبْلَى               | ٦١  |
| ١٠٦   | آل عمران | ٣      | يَوْمَ تَبْيَضُّ             | ٦١  |
| ٣٠    | آل عمران | ٣      | يَوْمَ تُجَدِّ               | ٦١  |
| ١٤    | المزمل   | ٧٣     | يَوْمَ تُرْجَفُ              | ٦١  |
| ٦     | النارعات | ٧٩     | يَوْمَ تُرْجَفُ              | ٦١  |
| ٢     | الحج     | ٢٢     | يَوْمَ تُرْوَتُهَا           | ٦١  |
| ١٢    | الحديد   | ٥٧     | يَوْمَ تُرَى                 | ٦١  |
| ٤٤    | ق        | ٥٠     | يَوْمَ تَشْفَقُ              | ٦١  |
| ٢٤    | النور    | ٢٤     | يَوْمَ                       | ٦١  |
| ٦٦    | الأحزاب  | ٣٣     | يَوْمَ تُقَلَّبُ             | ٦١  |
| ٨     | المعارج  | ٧٠     | يَوْمَ تُكُونُ               | ٦١  |

| رقم   | السورة   | رقم    | شاهد                                 | مسلسل |
|-------|----------|--------|--------------------------------------|-------|
| الآية |          | السورة | الآية                                | عام   |
| ٦     | المطففين | ٨٣     | يَوْمَ يَقُومُ النَّاسُ              | ٦٢٢٥  |
| ٤٢    | القلم    | ٦٨     | يَوْمَ يُكْتَفَى                     | ٦٢٢٦  |
| ٤     | القارعة  | ١٠١    | يَوْمَ يَكُونُ النَّاسُ              | ٦٢٢٧  |
| ١٨    | النبا    | ٧٨     | يَوْمَ يُنْفَخُ                      | ٦٢٢٨  |
| ١٠٢   | طه       | ٢٠     | يَوْمَ يُنْفَخُ                      | ٦٢٢٩  |
| ٤     | الزلزلة  | ٩٩     | يَوْمَئِذٍ تُحَدِّثُ                 | ٦٢٣٠  |
| ١٨    | الحاقة   | ٦٩     | يَوْمَئِذٍ تُعْرَضُونَ               | ٦٢٣١  |
| ١٠٩   | طه       | ٢٠     | يَوْمَئِذٍ لَا تَنْفَعُ الشَّفَاعَةُ | ٦٢٣٢  |
| ١٠٨   | طه       | ٢٠     | يَوْمَئِذٍ يَتَّبِعُونَ الدَّاعِيَ   | ٦٢٣٣  |
| ٦     | الزلزلة  | ٩٩     | يَوْمَئِذٍ يَصْدُرُ النَّاسُ         | ٦٢٣٤  |
| ٤٢    | النساء   | ٤      | يَوْمَئِذٍ يَوَدُّ                   | ٦٢٣٥  |
| ٢٥    | النور    | ٢٤     | يَوْمَئِذٍ يُوقِفُهُمُ اللَّهُ       | ٦٢٣٦  |



| محتويات الفهرس الهجائى    |           |    |
|---------------------------|-----------|----|
| لشواهد آيات القرآن الكريم |           |    |
| صفحة                      | الحرف     | م  |
| ٥٢٧                       | أ         | ١  |
| ٥٤٦                       | ب         | ٢  |
| ٥٤٧                       | ت         | ٣  |
| ٥٤٩                       | ث         | ٤  |
| ٥٥٠                       | ج         | ٥  |
| ٥٥١                       | ح         | ٦  |
| ٥٥١                       | خ         | ٧  |
| ٥٥٢                       | د         | ٨  |
| ٥٥٢                       | ذ         | ٩  |
| ٥٥٣                       | ر         | ١٠ |
| ٥٥٤                       | ز         | ١١ |
| ٥٥٥                       | س         | ١٢ |
| ٥٥٥                       | ش         | ١٣ |
| ٥٥٥                       | ص         | ١٤ |
| ٥٥٥                       | ض         | ١٥ |
| ٥٥٥                       | ط         | ١٦ |
| ٥٥٥                       | ظ         | ١٧ |
| ٥٥٥                       | ع         | ١٨ |
| ٥٥٦                       | غ         | ١٩ |
| ٥٥٦                       | ف         | ٢٠ |
| ٥٦٨                       | ق         | ٢١ |
| ٥٧٦                       | ك         | ٢٢ |
| ٥٧٨                       | ل         | ٢٣ |
| ٥٨٣                       | م         | ٢٤ |
| ٥٨٥                       | ن         | ٢٥ |
| ٥٨٦                       | هـ        | ٢٦ |
| ٥٨٧                       | و         | ٢٧ |
| ٦٢٣                       | ى         | ٢٨ |
| ٦٣٠                       | المحتويات |    |

